



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 89]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 10, 2017/चैत्र 20, 1939

No. 89]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 10, 2017/CHAITRA 20, 1939

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी और संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 2017

अंतिम जांच परिणाम

**विषय :** चीन जन. गण., जापान, कोरिया गणराज्य, रूस, ब्राजील और इंडोनेशिया से अलॉय या गैर-अलॉय स्टील के हॉट रोलड फ्लैट उत्पादों के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जाँच

**फा. सं. 14/09/2016-डीजीएडी.**—वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतद्पश्चात एडी नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए यतः मै. एस्सार स्टील लिमिटेड, मै. स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड और मै. जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड (जिन्हें आगे 'आवेदक' या 'घरेलू उद्योग' कहा गया है) ने अधिनियम और नियमावली के अनुसार चीन जन. गण., जापान, कोरिया गणराज्य, रूस, ब्राजील और इंडोनेशिया (जिन्हें आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित अलॉय या गैर-अलॉय स्टील के हॉट रोलड फ्लैट उत्पादों के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जाँच की शुरुआत करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष संयुक्त रूप से एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

- प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 11 अप्रैल, 2016 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसमें पाटनरोधी नियमावली के उप नियम 5 के अनुसार संबद्ध वस्तुओं के आयात, मूल रूप से होने वाले अथवा संबद्ध देशों से नियमावली के नियम 6(1)

के अनुसरण में निर्यात की गई वस्तुओं के संबंध में पाटनरोधी संबद्ध जाँच की शुरुआत की गई ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिये पर्याप्त होगी।

3. प्राधिकारी ने दिनांक 01.08.2016 की अधिसूचना सं. 14/09/2016-डीजीएडी द्वारा वर्तमान जांच में अनंतिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की गई। वित्त मंत्रालय ने प्राधिकारी की सिफारिशों को स्वीकार करते हुए सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 44/2016-सीमा शुल्क (एडीडी) दिनांक 08.08.2016 द्वारा अनंतिम पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित करने हेतु एक सीमाशुल्क अधिसूचना जारी की। प्राधिकारी ने दिनांक 10 अगस्त, 2016 को शुद्धि पत्र जारी किया। तदनुसार वित्त मंत्रालय ने दिनांक 07.09.2016 को पूर्वोक्त सीमा शुल्क अधिसूचना में शुद्धि पत्र जारी किया। एडी नियमावली के नियम 13 के द्वितीय प्रावधान के संबंध में, संबद्ध देशों से अधिकांश निर्यातकों के अनुरोध पर, प्राधिकारी ने केन्द्र सरकार से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क को 2 माह अधिक बढ़ाने की सिफारिश की। वित्त मंत्रालय ने प्राधिकार द्वारा प्रस्तावित विस्तार को स्वीकार कर लिया और दिनांक 07.02.2017 के सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 05/2017 – सीमा शुल्क(एडीडी) द्वारा अनंतिम पाटनरोधी शुल्क में दो माह का विस्तार किया।

#### क. प्रक्रिया

4. नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- क. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के उपनियम 5(5) के अनुसार जांच की कार्यवाही की शुरुआत करने से पहले आवेदन पत्र की प्राप्ति के संबंध में भारत में स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित किया।
- ख. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों से दूतावासों, आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराये गये पत्रों अनुसार संबद्ध देशों से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और संबद्ध वस्तु के आयातकों/प्रयोक्ताओं/एसोसिएशनों को जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की एक प्रति भेजी और पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (2) के अनुसार उनसे जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में उनके विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।
- ग. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुरूप आवेदन के अगोपनीय अंश की एक-एक प्रति भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, संबद्ध देशों से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों को भेजी थी। आवेदन की एक प्रति अनुरोध करने पर अन्य हितबद्ध पक्षों को भी भेजी गई थी।
- घ. भारत स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों से उनके देशों के उत्पादकों/निर्यातकों को विहित समय-सीमा के भीतर उनके उत्तर प्रस्तुत करने की सलाह देने का भी अनुरोध किया गया था।
- ङ. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी ने संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों से संगत सूचना मंगाने के लिए उन्हें निर्यातक प्रश्नावलियां भेजीं:

#### चीन जन. गण.

1. रिझाउ
2. बेताइ आयरन एंड स्टील
3. बाओतोउ आयरन एंड स्टील ग्रुप
4. जिआंसु शांगांग ग्रुप कंपनी लिमिटेड
5. तोंघाउ आयरन स्टील ग्रुप कार्पोरेशन
6. आंगेंग स्टील कंपनी
7. नांजिंग आयरन एंड स्टील
8. तांगशांग आयरन एंड स्टील
9. वुहान आयरन एंड स्टील

10. तियानजिन आयरन एंड स्टील ग्रुप कं. लि.

जापान

1. निप्पोन सुमितोमो
2. कोबे
3. जेएफई स्टील कार्पोरेशन

कोरिया गणराज्य

1. पोस्को
2. हुंडे स्टील कं. लि.
3. डांगकुक स्टील मिल कं. लि.

रूस

1. सेवेरस्टाल
2. एवराज

ब्राजील

1. आर्सेलर मित्तल

जॉच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में संबद्ध देशों से निम्नलिखित निर्यातकों/व्यापारियों ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है:

**I. कोरिया :**

1. हुंडे स्टील कं. (उत्पादक)
2. सेमवू कं. लि. (उत्पादक)
3. हुंडे कार्पोरेशन (व्यापारी)
4. पी एंड ए कार्पोरेशन (व्यापारी)
5. मेन स्टील कं. लि. (व्यापारी)
6. ईआईएन कार्पोरेशन (व्यापारी)
7. जीएस ग्लोबल कार्पोरेशन (व्यापारी)
8. पोस्को एशिया कं. लि. (व्यापारी)
9. पोस्को, कोरिया (उत्पादक)
10. देवू इंटरनेशनल (14 मार्च, 2016 से नाम बदलकर पोस्को देवू कार्पोरेशन हो गया) (व्यापारी)
11. पास्को प्रोसेसिंग एंड सर्विसेज कं. लि. (व्यापारी)
12. सैमसंग सीएंडटी कार्पोरेशन (व्यापारी)

**II. जापान**

13. हानवा कं. लि. (व्यापारी)
14. मित्सुई एंड कं. लि. (व्यापारी)

15. मारुबेनी इटोचू स्टील इंक (व्यापारी)
16. जेएफई स्टील कार्पोरेशन (उत्पादक)
17. जेएफई शोजी ट्रेड कार्पोरेशन (व्यापारी)
18. होंडा ट्रेडिंग कार्पोरेशन (व्यापारी)
19. ओह्शी इंडस्ट्रीज लि.(व्यापारी)
20. निप्पोन स्टील एंड सुमिनकिन बुसान कार्पोरेशन (व्यापारी)
21. शिन्शो कार्पोरेशन (व्यापारी)
22. निशिन स्टील कं. लि. (उत्पादक)
23. सुमितोमो कार्पोरेशन (व्यापारी)
24. निप्पोन स्टील एंड सुमितोमो मेटल कार्पोरेशन (उत्पादक)
25. कनेमत्सु कार्पोरेशन लि. (व्यापारी)
26. टोयोटा शुशो कार्पोरेशन (व्यापारी)
27. मेटल वन कार्पोरेशन (व्यापारी)
28. उत्तम गल्वा इंटरनेशनल एफजेडई (व्यापारी)
29. उत्तम गल्वा इंटरनेशनल पीटीई लि.(व्यापारी)
30. निसान ट्रेडिंग कं. लि. (व्यापारी)
31. क्यूशो कं लि,जापान

### III. चीन जन. गण.

32. झांगजिआगेंग हांगचेंग स्टील प्लेट कं. लि. (उत्पादक)
33. झांगजिआगेंग जीटीए प्लेट कं. लि. (उत्पादक)
34. शानडेंग इंटरनेशनल (सिंगापुर) पीटीई लि. (व्यापारी)
35. जिंशा इंटरनेशनल पीटीई लि. (व्यापारी)
36. झांगजिआगेंग शेंजिंग हेवी प्लेट कं. लि. (उत्पादक)
37. जियांसु शागांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. (व्यापारी)
38. नानजिंग आयरन एंड स्टील कं. लि. (उत्पादक)
39. नानजिंग आयरन एंड स्टील ग्रुप इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. (व्यापारी)
40. सिंगपुर जिनतेंग इंटरनेशनल पीटीई लि. (व्यापारी)
41. अनगांग ग्रुप हांगकांग कं. लि. (व्यापारी)
42. अनगांग स्टील कं. लि. (उत्पादक)
43. वुयांग न्यू हैवी एंड वाइड स्टील प्लेट कं. लि. (उत्पादक)
44. वुयांग आयरन एंड स्टील कं. लि. (उत्पादक)

45. हेबेइ आयरन एंड स्टील (सिंगापुर) पीईटी. लि. (व्यापारी)
46. हेबेइ आयरन एंड स्टील (हांग कांग) इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. (व्यापारी)
47. साल्जगिटर मानेसमान इंटरनेशनल जीएमबीएच (व्यापारी)
48. निंगबो सिमेई इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (व्यापारी)
49. लु किन (हांगकांग) कं. लि. (व्यापारी)
50. बरविल रिसोर्सिस लिमिटेड (व्यापारी)
51. फ्यूचर मैटेरियल इंडस्ट्री (हांगकांग) कं. लि. (व्यापारी)
52. स्टीलको पैसिफिक ट्रेडिंग लिमिटेड (व्यापारी)

#### IV. इंडोनेशिया

53. पीटी क्रकटाउ पोस्को, इंडोनेशिया

छ चीन जन. गण. से किसी उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जॉच में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का खंडन करते हुए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) का दावा नहीं किया है।

ज पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं:

1. अल्स्टोम इंडिया लि.
2. आर्सेलर नील टेलर्ड ब्लैंक प्रा.लि.
3. भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि.
4. भिलाई इंजीनियरिंग कार्पोरेशन लि.
5. सी. आर. आई. पम्प्स प्रा. लि.
6. कैटरपिलर इंडिया प्रा. लि.
7. डेनिस प्लास्ट लि.
8. डेस्मी इक्विपमेंट्स प्रा. लि.
9. एक्सकोर्ट्स लि.
10. एक्सेडी इंडिया लिमिटेड
11. फाइन फोर्ज लिमिटेड
12. फ्लेक्ट (इंडिया) लि.
13. जेमेसा विंड टर्बाइन्स पी. लि.
14. गणपति एंटरप्राइजेज
15. हिंदुस्तान शिपयार्ड लि.
16. हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कं. लि.
17. आइडल एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड
18. आईएफबी आटोमोटिव प्रा. लि.

19. जेबीएम इंडस्ट्रीज लि.
20. जेसीबी इंडिया लि.
21. कलिंग फिक्सर लि.
22. कल्पतरू पावर ट्रांसमिशन लि.
23. लारसेन एंड दुब्रो लिमिटेड
24. लायड्स स्टील इंडस्ट्रीज लि.
25. मारुति सुजुकी इंडिया लि.
26. पोस्को इलेक्ट्रिकल स्टील इंडिया प्रा.लि.
27. रवि स्टील कं.
28. सुपीरियर स्टील इंडस्ट्रीज
29. ट्रांटर इंडिया प्रा.लि.
30. टीआरएफ लि.

झ संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने प्रश्नावली के उत्तर के प्रपत्र में उत्तर दिया है या जाँच की शुरुआत के संबंध में टिप्पणियां प्रस्तुत की हैं:

1. हुंडे स्टील इंडिया लि.
2. आटोमोटिव स्टील पाइप इंडिया प्रा. लि.
3. हाइली इलेक्ट्रिकल अपलाइंसेज इंडिया प्रा. लि.
4. फेरम एक्स्ट्रीम इंजीनियरिंग प्रा. लि.
5. राजस्थान प्राइम स्टील प्रोसेसिंग सेंटर प्रा. लि.
6. टीटी स्टील सर्विस इंडिया प्रा. लि.
7. हुंडे मोटर्स इंडिया लि.
8. प्यूंग हवा इंडिया प्रा. लि.
9. मोबिस इंडिया लि.
10. पीएचए इंडिया (पी) लि.
11. हवासिन आटोमोटिव इंडिया प्रा. लि.
12. टीआई मेटल फोर्मिंग
13. वाईएसआई आटोमोटिव प्रा. लि.
14. संगवू हाइटेक इंडिया लिमिटेड
15. संगवू स्टांपिंग प्रा. लि.
16. माइयूंग शिन इंडिया आटोमोटिव प्रा. लि.
17. क्वांग जिन इंडिया आटोसिस्टम प्रा. लि.

18. निप्पोन स्टील एंड सुमिनकिन पाइप इंडिया प्रा. लि.
19. टेगा इंडस्ट्रीज लि.
20. पोस्को महाराष्ट्र
21. टोयोटा किलोस्कर मोटर प्रा. लि.
22. वेलस्पन कोर्प लि.
23. मारुति सुजुकी इंडिया लि.
24. थासेनकृप इलेक्ट्रिकल स्टील इंडिया प्रा. लि.

त्र. प्रस्तुत निर्यातकों/आयातकों, घरेलू उद्योग और अन्य घरेलू उत्पादकों के अलावा इस जांच कि अवधि के दौरान निम्नलिखित पक्षों की ओर से अनुरोध प्राप्त हुये हैं:

1. मुद्रा फाइन ब्लैंक
2. फेडरेशन आफ इंडस्ट्रीज आफ इंडिया
3. रूसी परिसंघ आर्थिक विकास मंत्रालय
4. नेजोन ट्यूब्स लि.
5. नेजोन स्ट्रीप्स लि.
6. लिओमेट अलॉय इंक
7. पीजेएसजी नावोलिपेटस्क आयरन एंड स्टील कार्पोरेशन
8. वेलस्पन कार्पो लि.
9. कोबेलको क्रैन्स इंडिया प्रा. लि.
10. कोबेलको प्लेट प्रोसेसिंग इंडिया प्रा. लि.
11. कोर्समा
12. टोयोटा किलोस्कर मोटर प्रा. लि.
13. दि जापान आयरन एंड स्टील फेडरेशन
14. मानकसाइ स्टील लि.
15. रेनोल्ट निसान आटोमोटिव इंडिया प्रा. लि.
16. पोस्को
17. हाइली इलेक्ट्रिकल अपलाइंसेज इंडिया प्रा. लि.
18. नांजिंग आयरन एंड स्टील कं. लि., सिंगापुर जिनटेंग इंटरनेशनल पीटीई लि. और नांजिंग आयरन एंड स्टील ग्रुप
19. हुंडे मोटर इंडिया लिमिटेड
20. मान इंडस्ट्रीज इंडिया लि.
21. मानकसिआ स्टील लि.
22. स्टेल्को लि.

23. पाओ सेवेरस्टाल, रूस
24. थाइसेनक्रुप इलेक्ट्रीकल स्टील इंडिया प्रा. लि.
25. फेरम एक्स्ट्रीम इंजीनियरिंग प्रा. लि.
26. टेगा इंडस्ट्रीज लिमिटेड
27. फोक्सवेगन इंडिया प्रा. लि.
28. आईएसजीईसी हितैची जोसेन लि.
29. आईएसजीईसी हैवी इंजीनियरिंग लि.
30. मारुति सुजुकी इंडिया लि.
31. माडल ईफ्रा कारपोरेशन प्रा. लि.
32. टाटा हिताची कस्ट्रक्शन मशीनरी कंपनी लि.
33. सोरवी इंजीरियरिंग कं. लि.
34. गर्गस इंजीनियर्स कं. लि.
35. सालज़ गिटर मैनेसमैन इंटरनेशनल जीएमबीएच, जर्मनी
36. कोबे स्टील लि.
37. इंडोनेशिया दूतावास
38. रूस संघ के आर्थिक विकास मंत्रालय
39. रूस संघ के उद्योग एवं व्यापार मंत्रालय
40. कोरिया गण राज्य का दूतावास

ट. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जांच हेतु रखी गई सार्वजनिक फाईल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य को अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया गया। सभी हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों पर वर्तमान जाँच परिणाम में ध्यान दिया गया है।

ठ. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच उनके गोपनीयता के दावे के पर्याप्त होने के संबंध में की गई। संतुष्ट होने पर इस प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को गोपनीय माना गया है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं बताया गया है। जहां भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया है कि वे गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय भाग उपलब्ध करायें

ड. आवेदक और अन्य हितबद्ध पक्षों से आवश्यक समझी गई सीमा तक और सूचना मांगी गई थी।

ढ. जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्ष ने न तो प्राधिकारी को उत्तर दिया है और न ही वर्तमान जाँच के दौरान आवश्यक सूचना प्रस्तुत की है या जाँच में काफी बाधा डाली है, उन्हें प्राधिकारी द्वारा असहयोगी हितबद्ध पक्ष माना गया है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जाँच परिणामों को रिकार्ड किया है।

ण. घरेलू उद्योग द्वारा सामान्यकृत लेखास्वी : लेखांकर सिद्धांतों (जीएएपी) सूचना के आधार पर प्रस्तुत लागत और उसे बनाने तथा उसकी बिक्री करने की उत्पाद के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु लागत के आधार पर क्षतिरहित कीमत (जिसे आगे एनआईपी कहा गया है) का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध -III अनुसार किया जिससे कि यह निर्धारित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से न्यूनतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।



- त. इस तथ्य पर विचार करते हुए कि संबद्ध वस्तु का आयात विभिन्न ग्रेडों/आकारों/आयामों में किया जा रहा है, आवेदकों ने पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन की गणना के लिए पीसीएन से पीसीएन की तुलना करने के लिए उत्पाद नियंत्रण सं. (पीसीएन) का भी प्रस्ताव किया है। तथापि, प्राधिकारी ने पीसीएन से पीसीएन का तुलना को नहीं अपनाया है।
- थ. आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के संबंध में आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया था। आवश्यक सुधार के साथ केवल ऐसी सत्यापित सूचना जहां लागू हो, पर भरोसा किया गया है।
- द. यह जांच 1 जुलाई, 2015 से प्रारंभ करके 31 दिसम्बर, 2015 (6 महीने) (जिसे आगे 'जॉच अवधि' या पीओआई भी कहा गया है) तक की गई है। तथापि, क्षति विश्लेषण के लिए प्रवृत्तियों की जांच में वर्ष 2012-13, 2013-14, 2014-15, अप्रैल 2015 से दिसंबर 2015 और जांच की अवधि को शामिल किया गया।
- ध. याचिकाकर्ताओं ने आईबीआईएस से प्राप्त सौदावार आयात आकड़ों के आधार पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन का आरोप लगाते हुए याचिका दायर की है। तथापि, वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से जॉच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तु के अयातों के सौदावार ब्योरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। प्रारंभिक जॉच परिणाम में प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के आकड़ों पर भरोसा किया है। व प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल में सौदावार डीसीजीआई एवं एस आयात आकड़ों के गैर गोपनीय संस्करण को भी रखा है। गोपनीय जानकारी जैसे आयातकों के नाम, आयातकों के आईईसी कोड को सार्वजनिक फाइल में रखने से पूर्व सौदावार डीसीजीआई एवं एस आयात आकड़ों से हटा दिया गया है।
- न. जॉच की प्रक्रिया के दौरान विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा दिए गए तर्कों और सूचना पर साक्ष्यों से समर्थित होने और वर्तमान जॉच से संगत होने पर विचार किया गया और प्राधिकारी द्वारा समुचित रूप से ध्यान दिया गया है।
- प. एडी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, दिनांक 13 अक्टूबर, 2016 को संपन्न सुनवाई में प्राधिकारी ने सभी इच्छुक पक्षों को मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का भी अवसर प्रदान किया मौखिक सुनवाई में भाग लेने वाले सभी पक्षों को दिनांक 24 अक्टूबर, 2017 तक मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित प्रस्तुतियों के रूप में दर्ज करने का अनुरोध किया गया। पक्षों को अपने विरोधी पक्षों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां एकत्र करने की सलाह दी गई तथा दिनांक 4 नवंबर, 2016 तक अपने प्रतियुत्तरों को प्रस्तुत करने का अनुरोध किया।
- फ. निर्दिष्ट प्राधिकारी बदल जाने की स्थिति को देखते हुए प्राधिकारी ने दिनांक 10 जनवरी, 2017 को हुई सुनवाई में सभी इच्छुक पक्षों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। मौखिक सुनवाई में भाग लेने वाले सभी पक्षों को दिनांक 17 जनवरी, 2017 तक मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित प्रस्तुतियों के रूप में दर्ज करने का अनुरोध किया गया। पक्षों को अपने विरोधी पक्षों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां एकत्र करने की सलाह दी गई तथा दिनांक 24 जनवरी, 2017 तक अपने प्रतियुत्तरों को प्रस्तुत करने का अनुरोध किया।
- ब. पीयूसी का बहिष्कार संबंधी मामलों को उद्देश्यपूर्ण तरीके से जांच करने के लिए प्राधिकारी में पीयूसी का बहिष्कार करने की मांग करने वाले सभी पक्षों का बहिष्कार किए जाने वाले ग्रेड की पीसीएन वार विवरण प्रदान करने का निदेश दिया गया है। घरेलू उद्योग को भी पीओआई के दौरान उनके द्वारा निर्मित पीसीएन वार ब्योरा प्रदान करने के लिए कहा गया है। घरेलू उद्योग को अपने प्रतियुत्तर में बहिष्कार अनुरोध के लिए उत्तर देने का अनुरोध किया गया। अनेक इच्छुक पक्षों ने अपने लिखित अनुरोध के साथ पीयूसी बहिष्कार के अनुरोध को प्रस्तुत किया था। तथापि, कुछ इच्छुक पक्षों ने अनुरोध किया कि पीएनसी में कुछ ग्रेड को हटाया जाना चाहिए। तथापि, ऐसे ग्रेड ऐसे इच्छुक पक्षों के आंतरिक ग्रेड थे जिस पर घरेलू उद्योग अपनी टिप्पणियों को प्रभावपूर्ण रूप से नहीं दर्ज कर सकते थे क्योंकि घरेलू उद्योग अथवा प्राधिकारी ऐसे आंतरिक ग्रेडों की रसायनिक संयोजन से अवगत नहीं है। प्राधिकारी ने ऐसे इच्छुक पक्षों से आंतरिक ग्रेडों के लिए समकक्ष भारतीय अंतर्राष्ट्रीय ग्रेड प्रदान करने का अनुरोध किया जिससे कि घरेलू उद्योग और प्राधिकारी ऐसे इच्छुक पक्षों के बहिष्कार संबंधी अनुरोध को अथपूर्ण तरीके से जांच कर सके। उन्होंने प्रस्तुत किया कि कुछ ग्रेड जिनके लिए बहिष्कार की मांग की गई थी, वे उपभोक्ता संबंधी विशिष्ट ग्रेड है और भारतीय मानक एवं इस्पात तथा इस्पात उत्पादों (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2015 में शामिल नहीं होते

भ. 31.03.2017 को हितबद्ध पक्षकारों को एक प्रकटन विवरण जारी किया गया था, जिसमें इस जांच के अनिवार्य तथ्य शामिल थे, जोकि इस अंतिम जांच परिणाम का आधार बनते हैं। घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्राप्त प्रकटीकरण विवरण पश्चात अनुरोधों पर विचार किया गया है, जो इस अंतिम जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना में हद तक सुसंगत पाए गए हैं।

म. सीमाशुल्क आकड़ों के अनुसार पीओआई के लिए अमरीकी डालर से भारतीय रुपये में परिवर्तन की विनिमय दर को 65.93 भारतीय रुपये माना गया है।

य. इस अधिसूचना में \*\*\* किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार से विचार किये जाने का द्योतक है।

## ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

5. वर्तमान जाँच में विचाराधीन उत्पाद निम्नानुसार है :

*“अलाय और नान-अलाय स्टील के हाट रोल्ड फ्लैट उत्पाद हैं जिनकी काइलों में चौड़ाई 2100 मिमी तक और मोटाई 25 मिमी. तक है और अलाय और नान-अलाय स्टील के बिना काइल वाले हाट रोल्ड फ्लैट उत्पाद (जिन्हें आम तौर पर शीटों या प्लेटों के रूप में जाना जाता है) जिनकी चौड़ाई 4950 मिमी. तक और मोटाई 150 मिमी. तक है।”*

पीयूसी में ऐसे उत्पाद शामिल हैं जो हाट रोल्ड से आगे तैयार नहीं किए गए हैं और आयरन, अलाय या नान अलाय स्टील के प्राइम या गैर प्राइम स्थिति में फ्लैट उत्पाद हैं जिनका एस्ट्रोल्ड किनारा या ट्रिम्ड किनारा या स्लिट किनारा या मिल्ड किनारा या शियर्ड किनारा या लेजर कट किनारा या गेस कट किनारा या किसी अन्य प्रकार का किनारा हो। इन उत्पादकों को पिकल्ड या गैर-पिकल्ड (स्किन पास या टैम्परिंग सहित या उसके बिना), स्लिट या गैर-स्लिट, सामान्यीकृत या असामान्यीकृत, अल्ट्रा-सोनिकली परीक्षित या अपरीक्षित या आयल्ड या गैर-आयल्ड आदि हो सकते हैं। ये उत्पाद 'एज-रोल्ड या थर्मोमैकेनिकली रोल्ड या थर्मोमैकेनिकली नियंत्रित रोल्ड या नियंत्रित रोल्ड या सामान्यीकृत रोल्ड या सामान्यीकृत या किसी अन्य समान प्रक्रिया के अधीन हो सकते हैं। इन उत्पादों में हाट रोलिंग के दौरान सीधे प्राप्त विभिन्न प्रकार के रिली/चेकर्ड पैटर्न हो सकते हैं। इन उत्पादों को पिकलिंग, आयलिंग, रीवाइंडिंग, रीकाइलिंग, टैम्पर रोलिंग, ताप उपचार आदि जैसी विभिन्न प्रसंस्करण प्रक्रियाओं के अधीन रखा जा सकता है। ये उत्पाद सैंडब्लास्टेड या शाट ब्लास्टेड या समान प्रक्रिया के अधीन हो सकते हैं। पीयूसी में अलाय या गैर अलाय स्टील की हाट रोल्ड फ्लैट शीटें और प्लेटें शामिल हैं चाहे वे रिक्सिबल प्लेट मिल या हाट स्ट्रिप मिल या टैंडेम मिल या स्टेकल मिल या 2-हाई, 3-हाई, 4-हाई, क्लस्टर मिल या किसी समान हाट रोलिंग प्रक्रिया सहित विभिन्न प्रकार की रोलिंग रूपरेखा के साथ किसी अन्य समान प्रक्रिया सहित यूनिवर्सल प्लेट मिल से रोल की गई हो अथवा नहीं। पीयूसी में हाट रोलिंग प्रक्रिया से सीधे उत्पादित या हाट रोल्ड काइलों से काटी/शियर्ड की गई शीटें और प्लेटें शामिल हैं।

विचाराधीन उत्पाद के दायरे में निम्नलिखित शामिल नहीं हैं:

1. स्टेनलैस स्टील के हाट रोल्ड फ्लैट उत्पाद
2. स्टील के ऐसे हाट रोल्ड फ्लैट उत्पाद जिन्हें जिंक से इलेक्ट्रोलेटिकली प्लेट या कोट किया गया हो।
3. जिंक से अन्यथा प्लेटेड या कोटेड स्टील के हाट रोल्ड फ्लैट उत्पाद
4. क्लेडेड स्टील

6. पीयूसी का प्रयोग अपने अनुप्रयोगों और क्षेत्रों में किया जाता है जैसे आटोमोटिव, आयल और गैस लाइन पाइप/उत्खनन, कोल्ड रोलिंग, पाइप और ठूब विनिर्माण, अवसंरचना और निर्माण, सामान्य इंजीनियरी और सजावट, खुदाई और खनन उपकरण, भण्डारण टंकियों, लो प्रेशर हीटर्स, सीमेंट, उर्वरक, शोधनशालाओं के लिए संयंत्र और प्रक्रिया उपकरण सहित पूंजीगत सामान।

7. पीयूसी को सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 7208, 7211, 7225 और 7226 के अधीन वर्गीकृत किया जाता है। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जाँच के दायरे पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उन मदों, जो उत्पाद विस्तार का भाग नहीं है, को हटाते हुए पीयूसी हेतु आयात आंकड़ों का निष्कर्ष निकालने सौदावार डीजीसीआई एवं एस आयात आंकड़े का विश्लेषण किया है।

### **ख.। अन्य हितबद्ध पक्षों के अनुरोध**

8. पीयूसी से संबंधित मुद्दों के संबंध में निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- क. डब्लू टी ओ विवाद निपटान (विशेष रूप से डीएस 135 –यूरोपीय समुदाय- एस्वेस्टोस को प्रभावित करने वाले उपाय) में निर्धारित है कि प्रत्येक मामला विशेष में सक्षम प्राधिकारी को कतिपय मापदंडों जैसे उत्पाद की विशेषताओं, अंतिम प्रयोक्ता, उपभोक्ता की रुचि और आदतों, प्रकृति और उत्पादकों की गुणवत्ता, सुमेलीकृत प्रणाली में टैरिफ वर्गीकरण के आधार पर एक विस्तृत विश्लेषण करना चाहिए। पीयूसी में कम मोटाई वाली शीटों जिनकी मोटाई 3 मिमी. से कम हो और अधिक मोटाई वाली शीटों जिनकी मोटाई 10 मिमी.से अधिक हो, दोनों को कवर किया गया है। प्लेट की मोटाई महत्वपूर्ण है क्योंकि उससे उत्पादक का अंतिम प्रयोग और उपभोक्ता की पसंद प्रभावित होती है। इसके अलावा जाँच का दायरा काइल में हाट रोल्ड उत्पाद और काइल के बिना हाट रोल्ड उत्पादों के लिए बढ़ाया गया है।
- ख. 7208, 7211, 7225 और 7226 शीर्षों के अंतर्गत आने वाली वस्तुएं उनके अंतिम प्रयोग के अनुसार अलग हैं। नैरो और वाइड फ्लेट रोल्ड उत्पाद उनके अंतिम प्रयोग के अनुसार अलग हैं और उन्हें प्रतिस्थापनीय या एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग योग्य नहीं माना जा सकता है।
- ग. फ्लैट उत्पादों के दो प्रकार होते हैं जो अर्ध तैयार उत्पादों अथवा प्लेटमिल (प्लेट्स) अथवा जर्म स्ट्रीम मिल से उत्पन्न होते हैं। अधिकांश एचआर काइलों को कोल्ड रोल्ड शीटों/काइलों, कोटेड शीटों और काइलों, पाइपों आदि जैसी मदों का उत्पादन करने के लिए आगे रोल और प्रसंस्कृत किया जाता है। एचआर काइलें विभिन्न कारणों से सबसे महत्वपूर्ण अध्यवर्ती उत्पाद है। इसलिए, शीटें और प्लेटें और एचआर काइलें अंतिम प्रयोगों के अनुसार अलग-अलग उत्पाद हैं और उन्हें प्रतिस्थापनीय नहीं माना जा सकता है।
- घ. याचिकाकर्ताओं ने अलग-अलग उत्पादों को एक साथ मिला दिया है जिससे तर्कसंगत और उचित तरीके से जाँच करना असंभव हो गया है। पाटन के दावे का समर्थन करने के लिए 'एच आर बिना काइल' की एक नई श्रेणी का अविष्कार किया गया है जबकि घरेलू और वैश्विक उद्योग में कहीं भी इसका जिक्र नहीं है। इसके अलावा गुणवत्ता नियंत्रण आदेश से बाहर की स्टील की गुणवत्ता को इस जाँच के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।
- ङ. पीयूसी का दायरा काफी व्यापक है और स्पष्ट नहीं है और पीयूसी के दायरे में कवर की गई समान वस्तु की अपेक्षा से बिल्कुल विपरीत है। उपशीर्ष 7225 के अधीन वर्गीकृत उत्पाद उपशीर्ष 7208 के अधीन वर्गीकृत उत्पादों से वास्तविक रूप से अलग हैं और एक पीयूसी निर्धारित करने के लिए उन्हें एक साथ नहीं रखा जा सकता है।
- च. याचिकाकर्ताओं ने समग्र पीयूसी का आवश्यक विश्लेषण किए बिना क्षति विश्लेषण के लिए वस्तुतः दो अलग-अलग उत्पादों को समग्र पीयूसी मान लिया है। ऐसा अलग विश्लेषण उनकी बिल्कुल अलग लागत और बिक्री संरचना के अनुसार उचित है और इसलिए क्षति निर्धारण उचित है। अतः पूर्वोक्त से पता चलता है कि पीयूसी का अति व्यापक ढंग से दायरा बताया गया है। इसके अलावा, वर्तमान जाँच में पीयूसी भारत में दो अलग रक्षोपायों जाँचों के अधीन हैं। वर्तमान पाटनरोधी जाँच की कार्यवाही में यही नीति लागू होनी चाहिए थी।
- छ. टाटा स्टील लिमिटेड पूर्वी क्षेत्रों में 1.20 मिमी. से 1.60 मिमी. मोटाई की एचआर काइलों की आपूर्ति करने में असमर्थ है।

- ज. अस्थिर और असंगत गुणवत्ता और आपूर्ति के कारण भारतीय विक्रेताओं पर भरोसा करना मुश्किल है। भारत में गुणवत्ता युक्त विक्रेता की न्यूनतम आर्डर मात्रा (एमओक्यू) काफी अधिक है जबकि जापानी और कोरियाई आपूर्तिकर्ता एमओक्यू के रूप में ऐसी मात्रा की मांग नहीं करते हैं। डीजीएडी को उन प्लेटों पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाना चाहिए जिनका प्रयोग निर्माण मशीनरी में होता है और जो आईएस मानक आईएस 2062:2011 ई250सी, ई350सी ई450बीआर के अनुपालन में हों।
- झ. कतिपय स्टील उत्पाद जो भारत में नहीं मिलते हैं को जॉच के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। ऐसे स्टील को विभिन्न उद्योगों जैसे आटोमोटिव, विद्युतीय और इलेक्ट्रानिक क्षेत्रों में प्रयोग किया जाता है। इसके अलावा, कतिपय ग्रेडों जिन्हें रक्षोपाय जॉच से बाहर रखा गया है को वर्तमान जॉच के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।
- ञ. जेएफई जापान और एसएसएबी स्वीडन से एब्रेजन रोधी एलाय स्टील प्लेटों (ब्रिलनेल कठोरता ग्रेड 400, 450 और 500) और उच्च मजबूती वाले अलाय स्टील प्लेटों (यिल्ड मजबूती 690 एमपीए और अधिक) पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए। घरेलू मिलें उच्च मजबूती की स्टील प्लेटों का विनिर्माण करने में सक्षम नहीं हैं। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त ऐसी सामग्री में गंभीर समस्याएं हैं। जेएफई और एसएसएबी की सामग्री भारतीय सामग्री की तुलना में काफी मंहगी है। इसके अलावा शुल्क लगाकर लागत को बढ़ाने से ये उत्पाद अव्यवहार्य हो जाएंगे। अगले कुछ वर्षों में भारत में कोई मिल ऐसी गुणवत्ता के स्टील का उत्पादन करने में सक्षम नहीं है।
- ट. जापान से हाट रोलड अलाय स्टील का एक विशेष ग्रेड एन22सीबी कारों में सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण डोर लैच पार्ट के विनिर्माण के लिए जरूरी होता है। भारत में कोई भी विनिर्माता और याचिकाकर्ता कंपनियों में से कोई भी ऐसे किसी ग्रेड का उत्पादन नहीं कर रहा है जिसमें समान रासायनिक, यांत्रिक और धात्विक विशेषताएं हों। इस स्टील की खरीद कीमत 1500 अमरीकी डालर से अधिक है। एन22सीबी ग्रेड को इस पाटनरोधी जॉच के अधीन नहीं लाया जाना चाहिए। इसके अलावा, एन22सीबी ग्रेड को किसी भी भारतीय स्टील मानक के अधीन पूर्णतः वर्णित नहीं किया जा सकता और आयातकों ने वीआईएस प्रमाणन लिये बिना इस ग्रेड के आयातों की अनुमति लेने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो से एनओसी भी लिया है।
- ठ. प्राधिकारी को पाटनरोधी जॉच के दायरे से आटोमोबाइल स्टील के आयातों को छूट देनी चाहिए क्योंकि कुल स्टील खपत का केवल 12 प्रतिशत आटोमोबाइल उद्योग के लिए होता है और सस्ते आयात औद्योगिक क्षेत्र की ओर लक्षित हैं। इसके अलावा, न्यूनतम आयात कीमत (एमआईपी) से अधिक पर आटोमोटिव अनुप्रयोगों के लिए आयातित स्टील को पाटनरोधी जॉच से बाहर रखा जाना चाहिए। आटोमोबाइल क्षेत्र, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तु उद्योग आदि जैसे विशेष डाउनस्ट्रीम उपभोक्ताओं के लिए याचिकाकर्ताओं की गुणवत्ता में कमी है जिसका साक्ष्य रिकार्ड में दिया गया है। प्रयोक्ता उद्योग आयातित पीयूसी को पसंद करता है जो बेहतर गुणवत्ता का है।
- ड. भारत में आटो विनिर्माताओं द्वारा आवद्ध प्रयोग के लिए कोरिया से 'उच्च टेंसाइल विशेष प्रयोजन ग्रेड स्टील' का आयात किया जाता है। ऐसे स्टील की आयात कीमत याचिका में दर्शाई गई सामान्य कीमत से अधिक है और इससे घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है। हाट रोलड और कोल्ड रोलड दोनों जॉच के लिए संदर्भ कीमत निर्धारित करने का अनुरोध किया जाता है। एचएस कोड 720825, 720826 और 720827 के अधीन आने वाले पिकल्ड और आयल्ड हाट रोलड स्टील काइलों को पाटनरोधी शुल्क से छूट देने का अनुरोध किया जाता है।
- ढ. विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से आयातित स्टील के ग्रेड जापानी औद्योगिक ग्रेडों के अनुसार और उनमें एसके4, एसके5, एसकेएस81 जैसे ग्रेड शामिल हैं। इन ग्रेडों का उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जा रहा है और वे 'समान उत्पाद' नहीं हैं। इसलिए इन ग्रेडों को पीयूसी के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। इसके अलावा ये ग्रेड अनिवार्य वीआईएस प्रमाणन के दायरे में भी शामिल नहीं हैं। स्टीलको द्वारा प्रसंस्कृत ग्रेड हैं 55सी6,

60सी6, 65सी6, 70सी6 (एसआई 1074, एसआई 1075), 80सी6 (एसआई 1080), एसआई1095, 50सीआरवी4, एसयूपी10, एसजीएस81। इसलिए स्टील को डीजीएडी से यह स्पष्ट करने का अनुरोध करती है कि स्टील के उक्त ग्रेड जिनका प्रयोग कोल्ड रोलिंग/हार्डनिंग और टैम्परिंग में किया जाता है, इस जॉच के दायरे के अधीन नहीं आते हैं।

- ण. हाट रोलड सिलिकान इलेक्ट्रिकल नान ओरिएंटेड स्टील (एचआरएनओ) को सीआरएनओ के विनिर्माण के लिए यूरोप और चीन से आयात किया जाता है जो अध्याय शीर्ष 7225 1910 के अधीन आते हैं। भारतीय उत्पाद को उनकी स्वयं की कोल्ड रोलिंग सुविधा में सीमित क्षमता है और इसलिए वे बाजार में एचआरएनओ की बिक्री नहीं कर रहे हैं। इस प्रकार, यह उत्पाद भारत में वाणिज्यिक रूप से उपलब्ध नहीं है। अध्याय शीर्ष 7225 1910 के अधीन एचआरएनओ को वर्तमान जॉच के दायरे से बाहर रखने का अनुरोध किया जाता है।
- त. कारों के एअर कंडीशनरों के लिए कम्प्रेसरों के लिए जेआईएस मानकों को अनिवार्यतः पास करने वाले स्टील की जरूरत होती है। आटो कार कंपनियों को विशेष प्रकार के स्टील अर्थात् हाट रोलड आयल और पिकल्ड काइल (एसपीएचसी स्टील या एचआरपीओ स्टील) की जरूरत होती है। घरेलू आपूर्तिकर्ताओं से हाट रोलड आयल और पिकल्ड काइल प्रेशर टेस्ट को पास करने में विफल रहते हैं। ऐसे स्टील का प्रयोग कंप्रेशन बनाने के लिए नहीं किया जा सकता है। यह बात आपूर्तिकर्ताओं अर्थात् जेएसडब्लू और एस्सार स्टील को भी बताई गई है। आईएस1062 और आईएस 1079 के अधीन स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं द्वारा विनिर्मित गैर-एचसीएचसी स्टील को आयातित एसपीएचसी स्टील के स्थान पर प्रयोग नहीं किया जा सकता है। इन ग्रेडों के आयात से याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।
- थ. एपीआई ग्रेडस्टील के लिए विश्वसनीय और योग्य घरेलू आपूर्तिकर्ता के अभाव के कारण, प्रयोक्ता उद्योग के पास आयात के अलावा कोई विकल्प नहीं है। पीओआई के दौरान डीआई द्वारा प्रस्तावित अपवर्जन ग्रेडों के समतुल्य किसी ग्रेड की आपूर्ति नहीं की गई है। अतः उत्पाद के दायरे से एपीआईग्रेड को बाहर रखने का अनुरोध किया जाता है। इसके अलावा, एपीआई ग्रेड को रक्षोपाय जॉच तथा भारत सरकार द्वारा जारी एमआईपी अधिसूचना से भी बाहर रखा गया है। इसलिए 2016 में ही, डीआई को यह पता नहीं चला कि एपीआईग्रेड के आयात घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचा रहे हैं।
- द. आटो ग्रेड स्टील, अल्ट्रा लो कार्बन, अल्ट्रा लो कार्बन उच्च दृढ़ता स्टील, उन्नत उच्च मजबूती स्टील, आईएफ/आईएफएचएस ग्रेड, निर्माण मशीनरी के लिए प्रयुक्त प्लेटें और आई एस 2062:2011 ई250सी, आईएस 2062:2011 ई350सी और आईएस 2062:2011 ई450बीआर के अनुरूप को पाटनरोधी शुल्क से छूट दी जानी चाहिए क्योंकि घरेलू उद्योग भारत में प्रयोक्ताओं की जरूरत को पूरा नहीं कर सकता है। एसपीएचसी ग्रेड, एनएसएसएमसी, जेएफई और मेटल वन कार्पोरेशन से खरीदी गई ग्रेडों को पाटनरोधी शुल्क से छूट दी जानी चाहिए क्योंकि भारत में इनका विनिर्माण नहीं होता है। सीटीएसएच 720825, 720826, 720827, 722530 और 722550 के अधीन एचआरपीओ भारत में उपलब्ध नहीं हैं और इनके अधीन आने वाले आयातों को उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। एब्रेजन रोधी स्टील और उच्च टेंसाइल अलाय स्टील प्लेटों को पाटनरोधी शुल्क से छूट दी जानी चाहिए। जेएफई एवरहार्ड श्रृंखला, हिटेन श्रृंखला, एनएसएसएमसी एबरेक्स श्रृंखला और वेलटेन श्रृंखला जिन्हें मेटल वन कार्पोरेशन से प्राप्त किया जा रहा है को पाटनरोधी शुल्क से छूट दी जानी चाहिए।
- ध. रक्षोपाय शुल्क के दायरे से बाहर रखी गई सभी मदोंको वर्तमान जॉच के दायरे के उत्पाद से बाहर रखा जाना चाहिए।
- न. घरेलू उद्योग आईएफ/आईएफएचएस ग्रेड इस्पात और अन्य ऑटोमोबाइल ग्रेड इस्पातों का निर्माण नहीं कर सकता। विवाद उन तकनीकी प्रदानगी अनुबंधों ('टीडीसी करारों') पर आधारित है, जो पीओएससीओ ने जेएसब्ल्यू स्टील और एस्सार स्टील के साथ किया है।

प. यह भी नोट किया गया है कि आरंभिक निष्कर्ष के पैरा 9 और 10 में, घरेलू उद्योग और माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दोहराया है कि इच्छुक पक्षों ने बहिष्कार संबंधी अपने दावों औचित्य में प्रमाण प्रस्तुत नहीं किए हैं। इस ओर से, आयातकों अपने दिनांक 1 जुलाई, 2016 के संप्रेषण का हवाला देते हैं, जहां उसने कारण और प्रमाण के साथ अपने उत्पादों के बहिष्कार संबंधी दावों को प्रमाणित किया है। अतः यह घरेलू उद्योग से और विशेषतः माननीय निर्दिष्ट प्राधिकार की ओर से दावा करना कि बहिष्कार संबंधी रिकार्ड में कोई प्रमाण नहीं था, सही नहीं है। इसके अतिरिक्त, आयातक कोई अतिरिक्त जानकारी यदि प्राधिकारी द्वारा आवश्यक हो, को प्रदान करने के लिए उपलब्ध एवं इच्छुक है।

फ. प्रारंभिक जांच के कुछ सार के सामान्य रूप से पढ़ने पर निम्नलिखित निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं:-

(क) घरेलू उद्योग के समक्ष उन सभी ग्रेडों जिनके बहिष्कार की मांग की गई है के निर्माण की क्षमता है (पैरा 10 क पर आधारित)।

(ख) घरेलू उद्योग उन सभी ग्रेडों जिनके लिए उसे आर्डर प्राप्त होते हैं, का

निर्माण कर रहा है तथा उनकी आपूर्ति भी किया है (पैरा 10 क पर आधारित); और

(ग) घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित उत्पाद, संबद्ध देशों से आयात किए जा रहे सामग्रियों के जैसे ही है (पैरा 10 क पर आधारित)।

माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा किए गए उपर्युक्त अवलोकनों से, यह पूर्ण रूप से स्पष्ट है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निकाले गए निष्कर्षों के बीच आंतरिक विरोधभास है अथवा यह कि घरेलू उद्योग उन भी ग्रेडों के लिए ओदश प्राप्त करता है जो बहिष्कार के लिए आरोपित किए जा रहे हैं (अन्यथा बिंदु ख और ग असंगत होगा)

य. उल्लिखित ग्रेडों के उत्पादन के लिए घरेलू उद्योग के भावी संभावना के आधार पर शुल्क नहीं लगाया जा सकता (केवल उत्पादन की क्षमता पर्याप्त नहीं है)।

द. याचिकाकर्ताओं द्वारा उन उत्पादों जो अपेक्षित विनिर्देशों अथवा समय सीमा को पूरा नहीं करते, को प्रदान नहीं किए जा सकने के संबंध में अनेक आरोप हैं। ऐसी स्थिति में, जहां, याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रदान किया गया चालान अथवा आदेश की प्रति यह स्पष्ट कर सकती है कि ऐस विनिर्देशों वाले उत्पाद की आपूर्ति की गई है (यह छोड़कर कि वह उत्पाद पीओआई के दौरान वाणिज्यिक आपूर्ति की उपर्युक्त आवश्यकता को पूरा करती है), वही उत्पाद के वास्तविक उपयोगकर्ता उक्त उत्पाद का उपयोग नहीं कर पाते क्योंकि वे कुछ विनिर्देशों अथवा समय सीमा को पूरा करने में विफल होते हैं। अतः कुछ उत्पादों, जिनकी आपूर्ति पीओआई में याचिकाकर्ताओं द्वारा की गई हो किन्तु प्रभावी रूप से आयातित एचआर स्टील के विनिर्देशों को प्रतिस्थापित नहीं कर सकती, को पीयूसी के क्षेत्र में शामिल करना गलत होगा।

## **ख. 2 घरेलू उद्योग के विचार**

9. घरेलू उद्योग (डीआई) द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गये अनुरोध निम्नानुसार हैं:

- क. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि हाट रोल्ड काइलों और शीटों के प्रत्येक प्रकार के विनिर्देशनों और प्रयोगों के अनुसार अलग-अलग आवश्यकता होती है। घरेलू उद्योग सभी प्रकार के पीयूसी का विनिर्माण करने में समर्थ है।
- ख. हितबद्ध पक्षों ने हाल में पूरी हुई रक्षोपाय जाँच में भी इसी प्रकार के तर्क दिये हैं।
- ग. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पहले स्टेनलैस स्टील उत्पादों से संबंधित जाँच की थी जिसमें काइल और प्लेटों/शीटों दोनों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे के भीतर रखा गया था। काइल रूप में किसी उत्पाद का प्रयोग नहीं होता है। प्रत्येक काइल को पहले काटा जाता है और उसके बाद प्रयोग किया जाता है।
- घ. हितबद्ध पक्ष साक्ष्य के साथ अपने दावे को सिद्ध करने में विफल रहे हैं। इसके अलावा, कंपनियों को भारत में

किसी अन्य उत्पादक से संपर्क करना चाहिए था जो आसानी से उन्हें इस सामग्री की आपूर्ति कर देता। केवल इसलिए कि एक भारतीय विनिर्माता इन कंपनियों को आपूर्ति नहीं कर रहा था, इन उत्पादों को बाहर रखने का आधार नहीं हो सकता है। हितबद्ध पक्षों की जरूरतों को याचिकाकर्ताओं सहित भारतीय विनिर्माताओं द्वारा आसानी से पूरा किया जा सकता है। इसके अलावा, अनेक निर्यातकों ने घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित किए गए उत्पादों की गुणवत्ता के संबंध में अनेक मुद्दे उठाए हैं परंतु उनको ये मुद्दे उठाने का कोई अधिकार नहीं है। ऐसे मुद्दे तभी विश्वसनीय होते हैं जब भारत में प्रयोक्ता उन्हें उठाएं।

- ड. विभिन्न ग्रेडों और विनिर्देशनों का पालन करने वाले ऐसे अनेक एचआर फ्लैट स्टील हैं जो डीआई द्वारा विनिर्मित किए जाते हैं परंतु गुणवत्ता नियंत्रण आदेश में शामिल नहीं हैं या उनके पास बीआईएस मानक नहीं है जैसे एपीआई ग्रेड, एसआई1541, एचएसएस टीएस >= 580 एमपीए, केस हार्डनिंग स्टील अर्थात् 16एमएनसीआर5 आदि।
- च. एपीआई को रक्षोपाय जॉच से बाहर रखा गया था क्योंकि एपीआई ग्रेड स्टील के आयातों में अपेक्षित वृद्धि नहीं हुई थी। घरेलू उद्योग को रक्षोपाय जॉच की जॉच अवधि के दौरान एपीआई ग्रेड के स्टील के आयातों से क्षति नहीं हो रही थी। तथापि, जॉच अवधि के दौरान एपीआई ग्रेड के स्टील के आयातों में कई गुणा वृद्धि हो गई और औसत बिक्री कीमत में भी तेजी से गिरावट आई जिससे डीआई को क्षति हुई। एपीआई ग्रेड के स्टील की औसत आयात मात्रा अप्रैल-जून 2015 के दौरान 5959 मी. टन प्रति माह से बढ़कर पीओआई के दौरान 29,142 मी. टन हो गई। एपीआई ग्रेड के स्टील की आयात कीमतें जून 2015 में 702 अम.डा. प्रति मी. टन से घटकर दिसम्बर 2015 में 370 अम.डा. प्रति मी. टन रह गई। तथापि डीआई पूर्णतः सक्षम है और उसे उसकी प्रौद्योगिकीय और प्रचालनात्मक उत्कृष्टता के लिए चुनिंदा विश्वस्तरीय स्टील विनिर्माताओं में गिना जाता है। डीआई विशेष तकनीकी अपेक्षाओं के अनुसार एपीआई ग्रेड के स्टील के उत्पादन और आपूर्ति में सक्षम है।
- छ. डीआई एस्केवेटर, बैक-हो लोडर्स, डम्पर्स आदि के विश्व विख्यात विनिर्माताओं अर्थात् जेसीबी, कैटरपिलर और अनेक अन्य के लिए ढाचागत/एचटी ग्रेड स्टील की जरूरतों के आधार पर पहले ही सेवा प्रदान कर रहा है।
- ज. मारुती सुजुकी इंडिया लिमिटेड सहित अनेक हितबद्ध पक्षों ने यह तर्क दिया है कि ऐसे सभी आयातित ग्रेडों जिनका उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है, को उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाए। यद्यपि ऐसे पक्षों ने उन ग्रेडों जिनका ये आयात करते हैं कि एक सूची अपने अनुरोधों के साथ संलग्न की है तथापि उसे गोपनीय माना गया है। जब तक ऐसे पक्ष अगोपनीय आधार पर ऐसे ग्रेडों की सूची हितबद्ध पक्षों को उपलब्ध नहीं कराती है तब तक घरेलू उद्योग ऐसे ग्रेडों जिन्हें उन्होंने बाहर रखने का अनुरोध किया है के संबंध में कोई टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं होगा। इसे देखते हुए, ऐसे पक्षों द्वारा रखे गए अपवर्जनों की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। यह दोहराया जाता है कि घरेलू उद्योग घरेलू उद्योग द्वारा अपेक्षित सभी ग्रेडों और विनिर्देशनों का विनिर्माण करने में पूर्णतः सक्षम है।
- झ. अनेक हितबद्ध पक्षों ने रक्षोपाय महानिदेशक के समक्ष भी इसी प्रकारके अनुरोध किए थे। हितबद्ध पक्ष अब केवल उन्हीं अनुरोधों को निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष दोहरा रहे हैं। यह नोट किया जाए कि डीजी रक्षोपाय ने 15 मार्च 2016 के अंतिम जॉच परिणामों में हितबद्ध पक्षों के सभी अनुरोधों की विस्तार से जॉच की थी। डीजी रक्षोपाय का यह निष्कर्ष था कि हितबद्ध पक्षों के अनुरोधों में कोई तथ्य नहीं है और यह निष्कर्ष था कि बाहर रखने की मांग किए गए सभी ग्रेडों का विनिर्माण घरेलू उद्योग द्वारा किया जाता है और भारत में प्रयोक्ताओं को उनकी आपूर्ति की जाती है। किसी भी हितबद्ध पक्ष ने डीजी रक्षोपाय के पूर्वोक्त निर्धारण को चुनौती नहीं दी थी। अतः रक्षोपाय जॉच में उत्पाद का दायरा हितबद्ध पक्षों के लिए कानूनी रूप से सत्य, अंतिम और बाध्यकारी है। वही हितबद्ध पक्ष अब निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष आकर उत्पाद के दायरे संबंधी उन्हीं अनुरोधों को दोहरा नहीं सकते हैं।
- ञ. ग्रेड एन22सीबी के संबंध में, डीआई ने अनुरोध किया है कि समतुल्य अंतर्राष्ट्रीय मानक से अवगत कराए जाने का अनुरोध करता है या वैकल्पिक रूप से, रासायनिक संघटन, यांत्रिक विशेषताओं और अन्य धात्विक

विशेषताएं घरेलू उद्योग को टिप्पणियों हेतु उपलब्ध कराई जाएं। किसी भी तरह से यह अनुरोध किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने समतुल्य ग्रेड का विनिर्माण किया है और भारत में प्रयोक्ताओं को उसकी आपूर्ति की है। इसलिए घरेलू उद्योग पूर्वोक्त ग्रेडों का विनिर्माण करने में पूर्णतः सक्षम है।

- ट. हितबद्ध पक्षों द्वारा अनुरोध किए गए अपवर्जन अनावश्यक हैं क्योंकि घरेलू उद्योग न केवल उनका उत्पादन करता है बल्कि उसने नियमित आधार पर भारत में प्रयोक्ताओं को उसकी आपूर्ति भी की है। इस संबंध में बीजकों, मिल परीक्षण प्रमाणपत्रों और प्रयोक्ताओं से प्रशस्ति पत्रों के रूप में साक्ष्य प्राधिकारी को उपलब्ध कराये गये हैं। इन पहलुओं को प्राधिकारी द्वारा विधिवत रूप से सत्यापित किया गया है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि घरेलू उद्योग उन सभी ग्रेडों का विनिर्माण करने में पूर्णतः सक्षम हैं जिन्हें हितबद्ध पक्षों ने जाँच से बाहर रखने का अनुरोध किया है।
- ठ. जेएसडब्ल्यू स्टील और पीओएससीओ के बीच टीडीसी करार इस समझौते के साथ किया गया कि जेएसडब्ल्यू स्टील पीओएससीओ महाराष्ट्र को हॉट-रोलड स्टील ग्रेड (विशेषतः आईएफ और गैर आईएफ ग्रेड) प्रदान करेगा। इसी बीच, आईएफ ग्रेड के लिए परीक्षण पहले ही कर लिया गया है जैसे कि टीडीसी करारों में दर्शाया गया। अतः यह प्रश्न नहीं उठता है कि जेएसडब्ल्यू अथवा घरेलू उद्योग आईएफ/आईएफएचएस और गैर आईएफ ग्रेड का निर्माण नहीं करता है। केवल इसलिए कि पीओएससीओ महाराष्ट्र को अभी भी कुछ निर्माताओं से अनुमोदन प्राप्त करना है। यह नहीं कहा जा सकता कि जेएसडब्ल्यू स्टील पीओएससीओ महाराष्ट्र को पूर्वोक्त एचआर ग्रेड की आपूर्ति नहीं कर सकता। पीओएससीओ ने न केवल टीडीसी करारों की शर्तों को गलत व्याख्या की है, किन्तु निर्दिष्ट प्राधिकारी के मन में पूर्वाग्रह पैदा करने के लिए निर्दिष्ट अधिकारी के समक्ष तथ्यों की मोटे तौर पर गलत व्याख्या की है। तथ्यों की इस प्रकार गलत व्याख्या, न्याय में बाधा डालने और असहयोग से कम नहीं है। पीओएससीओ के मोटे तौर पर गलत व्याख्या के प्रकाश में पीओएससीओ को असहयोगकारी पक्ष के रूप में माना जाना चाहिए।
- ड. घरेलू उद्योग ने उन सभी ग्रेडों अथवा प्रतिस्थापित योग्य ग्रेड जिनके लिए निर्यातकों/आयातकों/उपयोगकर्ताओं ने बहिष्कार की मांग की है, की आपूर्ति किया है। फिर भी इच्छुक पक्षों से अभी भी घरेलू उद्योग को भारतीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय मानक के अनुसार अथवा गैर गोपनीय संस्करण में उनकी संबद्ध के सुसंगत पीसीए के विशिष्ट ग्रेड अथवा समकक्ष ग्रेड के विनिर्देशों को प्रदान करने के लिए अनुरोध किया गया है। घरेलू उद्योग भारतीय अथवा अंतर्राष्ट्रीय मानकों अथवा पीसीएन के अनुसार ऐसे विनिर्देशों अथवा समकक्ष ग्रेडों का अध्ययन करेगा और इच्छुक पक्षों द्वारा उठाए गए दावों के लिए उपयुक्त उत्तर तैयार करेगा।
- ढ. आरंभिक जांच में विचाराधीन उत्पाद पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के विश्लेषण के संबंध में, घरेलू उद्योग प्रस्तुत करता है कि विश्लेषण पर्याप्त है तथा घरेलू उद्योग तथा अन्य इच्छुक पक्षों दोनों द्वारा उठाए गए विवादों का समाधान करती है। निर्दिष्ट प्राधिकरणों को अंतिम जांच में उत्पाद की संभावना पर उनके विश्लेषण का निर्णयात्मक रूप से पुष्टि करने का अनुरोध किया गया है।

### ख. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

10. हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग द्वारा विचाराधीन उत्पाद से संबंधित मामलों के संबंध में किए गए अनुरोधों और प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए अनुरोधों की जांच की गई है और यह पाया गया है कि:

- क. उपरोक्त हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों में इन तीन बातों पर प्रमुख रूप से बल दिया गया है, (i) घरेलू उद्योग उत्पादन के दायरे में शामिल कई ग्रेड का निर्माण नहीं करता, (ii) घरेलू उद्योग कतिपय ग्रेड का निर्माण करता है लेकिन गुणवत्ता उचित नहीं होती है, और (iii) कतिपय ग्रेड के लिए, घरेलू उद्योग के पास ग्राहक का अनुमोदन नहीं होता है। घरेलू उद्योग ने इन हितबद्ध पक्षकारों के दावों के संबंध में एक विस्तृत उत्तर दाखिल किया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा दाखिल किए गए उत्तरों बहिष्कार को निष्कासन से यह पाया है कि घरेलू उद्योग उन सभी ग्रेड का निर्माण कर रहा है, जिनके लिए उसे आदेश मिले हैं और



उन्होंने भारत में उपयोगकर्ताओं को आपूर्ति भी की है। अतः कतिपय ग्रेड को निष्कासित करने के लिए विभिन्न हितवद्ध पक्षकारों के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

- ख. पीयूसी संबंधी निष्कासन को उद्देश्यपूर्ण रूप से जांच करने के लिए, प्राधिकारी ने पीसीयू से बहिष्कार करने की मांग करने वाले सभी पक्षों को बहिष्कार किए जाने की मांग किए जाने वाले ग्रेडों का पीसीएन वार ब्यौरा प्रदान करने के निदेश दिए गए हैं। घरेलू उद्योग को भी पीओआई के दौरान उनके द्वारा निर्मित पीयूसी का पीसीएन वार ब्यौरा प्रदान करने के लिए कहा गया। जानकारी की विस्तृत जांच से प्राधिकारी ने पाया कि घरेलू उद्योग ने प्रत्येक पीसीएन के लिए ठीक उसी प्रकार मिलान वाले पीसीएन अथवा लगभग समानता वाले पीसीएन का निर्माण किया है, जिसके लिए इच्छुक पक्षों ने बहिष्कार का अनुरोध किया है। इसको ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी प्रस्ताव करता है कि उत्पाद की संभावना से कोई बहिष्कार वांछित नहीं है। तथापि आने वाले पैराओं में प्राधिकारी ने आवश्यक माने जाने वाली सीमा तक बहिष्कार के लिए प्रत्येक अनुरोध का अतिरिक्त रूप से समाधान किया है।
- ग. हितवद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि कॉइल और कॉइल में नहीं को एक ही जांच में शामिल नहीं किया जा सकता। यह भी तर्क दिया गया है कि मिश्रित धातु और गैर-मिश्रित धातु को एक ही जांच में शामिल नहीं किया जा सकता। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कानून में एक ही जांच में कॉइल और कॉइल में नहीं के संबंध में एक ही पाटनरोधी जांच करने तथा मिश्रित धातु और गैर-मिश्रित धातु स्टील के संबंध में एक ही पाटनरोधी जांच करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। वास्तव में प्राधिकारी ने स्टेनलेस स्टील के संबंध में पूर्व में पाटनरोधी जांच की है जिसमें दोनों ही कॉइल और शीट तथा प्लेटें एक ही पाटनरोधी जांच में अपने आप ही शामिल हैं। इसके अलावा, यह उल्लेख किया जाता है कि पाटन और क्षति मार्जिन की गणना के संबंध में, प्राधिकारी ने कॉइल की कॉइल के साथ और कॉइल में नहीं (शीटों व प्लेटों) की कॉइल में नहीं (शीटों व प्लेटों) के साथ तुलना की है।
- घ. हितवद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि हॉट रोल्ड (एचआर) कॉइल और शीटें/प्लेटें अलग-अलग उत्पादन हैं जिनका अलग-अलग उपयोग होता है और इसीलिए इन्हें एक-दूसरे का विकल्प नहीं माना जा सकता है। इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यद्यपि कॉइल और शीटें/प्लेटें दो अलग-अलग उत्पाद होते हैं जिनका अलग-अलग उपयोग होता है लेकिन उन्हें एक ही विनिर्माण प्रक्रिया का इस्तेमाल करते हुए निर्मित किया जाता है। इसके अलावा, हॉट रोल्ड कॉइल को विभिन्न आकार और माप (कतिपय मोटाई तक) की शीटों और प्लेटों में फाड़ा नहीं जा सकता। साथ ही, हॉट रोल्ड कॉइल और शीटों/प्लेटों के विनिर्माण के लिए कच्चा माल भी अनिवार्य रूप से एक समान होता है। अतः प्राधिकारी ने एक ही जांच में हॉट रोल्ड स्टील कॉइल और शीटों/प्लेटों को शामिल करना उपयुक्त समझा है। प्राधिकारी पर एक ही जांच में विभिन्न उपयोगों वाले दो अलग-अलग उत्पादों को शामिल करने पर कोई कानूनी प्रतिबंध नहीं है। प्राधिकारी ने पहले भी स्टेनलेस स्टील पर पाटनरोधी जांच की है जिसमें एक ही पाटनरोधी जांच में कॉइल तथा शीट व प्लेटों को शामिल किया जा चुका है। बहर हाल, प्राधिकारी ने हॉट रोल्ड कॉइल और हॉट रोल्ड शीटों/प्लेटों के लिए अलग-अलग पाटन और क्षति मार्जिन की गणना की है।
- ङ. कुछ पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि "कॉइल में नहीं हॉट रोल्ड" जैसा कोई उत्पाद मौजूद नहीं है। इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि "कॉइल में नहीं हॉट रोल्ड" नाम भारतीय सीमा शुल्क टैरिफ में ही दिखाई दे रहा है और वर्तमान जांच में उसी तरह से अपना लिया गया है।
- च. यह तर्क दिया गया है कि विचाराधीन उत्पाद में 3 मि.मी. से कम मोटाई वाली पतली मोटी शीटें और 10 मि.मी. से अधिक की मोटाई वाली अधिक चौड़ी शीटें, दोनों शामिल हैं। यह भी तर्क दिया गया है कि प्लेट की मोटाई में अंतर महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उत्पाद के अंतिम उपयोग और साथ ही उपभोक्ता की तरजीही को प्रभावित करता है। यह तर्क दिया गया है कि सीमा शुल्क टैरिफ शीर्ष के तहत आने वाली वस्तुएं ("सीटीएच") 7208, 7211, 7225 और 7226 उनके अंतिम उपयोगों के संबंध में अलग-अलग हैं। पतली और चौड़ी सपाट रोल्ड उत्पाद अपने अंतिम उपयोगों के संबंध में अलग-अलग हैं और उन्हें एक-दूसरे के विकल्प के योग्य अथवा परस्पर अदला-बदली करने योग्य नहीं माना जा सकता। प्राधिकारी उपरोक्त तर्क से सहमत नहीं है। यह तर्क दिया जाता है कि सीटीएच 7208, 7211, 7225 और 7226 के तहत आने वाली हॉट रोल्ड कॉइल और शीट व प्लेटों अलग-अलग हैं और उनकी पारस्परिकता न तो प्रतिस्थापित करने योग्य है और न ही परस्पर अदला-बदली

करने योग्य है। लेकिन अनिवार्य प्रश्न यह है कि क्या भारत में आयात की जा रही होट रोल्ड कॉइल और शीटें व प्लेटें घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित किए जा रहे उत्पादों के समान अथवा विकल्प के योग्य हैं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वास्तव में संबद्ध आयात घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पादों के समान हैं। इस प्रसंग में परस्पर विकल्प के योग्य अथवा परस्पर अदला-बदली करने योग्य होना असंगत है। इसके अलावा, कम और अधिक मोटाई वाली शीटों तथा प्लेटों के संबंध में एक ही पाटनरोधी जांच करने में कोई कानूनी बाधा नहीं है।

छ. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के तहत निष्कासित कोई उत्पाद केवल तब तक निष्कासित नहीं किया जा सकता, जब तक कि हितबद्ध पक्षकार इस बात के साक्ष्य उपलब्ध न कराए कि इनका घरेलू उद्योग द्वारा निर्माण नहीं किया जा रहा है। प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों ने कोई विश्वसनीय साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है कि ये उत्पाद घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित नहीं किए जा रहे हैं। इसके अलावा, हितबद्ध पक्षकार गुणवत्ता नियंत्रण आदेश में निष्कासित किए गए ऐसे उत्पादों की पहचान नहीं कर पाए, जो घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नहीं हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने इस संबंध में केवल साधारण-सा विवरण दिया है।

ज. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि होट रोल्ड कॉइल और होट रोल्ड जो कॉयल में नहीं हैं को शामिल करने के लिए विचाराधीन उत्पाद को व्यापक रूप से परिभाषित किया गया है। तथापि, उन्होंने अपने दावे के समर्थन में कोई स्पष्टीकरण अथवा साक्ष्य नहीं दिया है। केवल इस तथ्य के कारण से कि घरेलू उद्योग ने कॉइल में होट रोल्ड और होट रोल्ड शीटों व प्लेटों के लिए रक्षोपाय के कम में दो अलग-अलग आवेदन दाखिल किए हैं, इससे घरेलू उद्योग को एक ही पाटनरोधी आवेदन में होट रोल्ड कॉइल कायल में नहीं तथा होट रोल्ड (शीट व प्लेट) को शामिल करने के लिए प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता। जैसा कि पहले उल्लेख किया जा चुका है कि प्राधिकारी द्वारा स्टेनलेस कॉइलों, स्टील और शीटों तथा प्लेटों के संबंध में पहले भी एक ही पाटनरोधी जांच की जा चुकी है। किसी भी शामिल मामले में, इस मुद्दे का समाधान करने के लिए प्राधिकारी द्वारा पीसीएनवार विश्लेषण कार्य लिया गया है।

झ. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी तर्क दिया है कि वे 2.00 मि.मी. और उससे कम की मोटाई में होट रोल्ड कॉइल का आयात कर रहे हैं क्योंकि नियमित आपूर्तिकर्ता मैसर्स टाटा स्टील लि. ने उपलब्धता से संबंधित समस्याओं और इस कारण से आपूर्ति करना बंद कर दिया कि वे इस उत्पाद विशेष का ही आयात करने के लिए बाध्य है और इसलिए ऐसे उत्पादों को उत्पाद के दायरे से निष्कासित किया जाए। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकार विश्वसनीय साक्ष्य के साथ इस दावे का समर्थन करने में विफल रहे हैं। इसके अलावा, प्रयोक्ताओं को भारत में किसी अन्य उत्पादक से भी सम्पर्क करना चाहिए था जो उन्हें ऐसी सामग्री की आसानी से आपूर्ति कर देते। केवल इस कारण से कि भारतीय निर्माता पीयूसी के विशेष प्रकार/ग्रेड का निर्माण /आपूर्ति करने की स्थिति में नहीं है, इस विशेष प्रकार/ग्रेड के पीयूसी के निष्कासन के लिए एक आधार नहीं हो सकता।

ञ. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह अनुरोध किए जाने के संबंध में कि असंगत गुणवत्ता, आपूर्ति और न्यूनतम आदेश की मात्रात्मक अपेक्षाओं के कारण भारतीय वेंडर पर निर्भर रहना कठिन है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऐसे पक्षकारों ने स्वयं ही यह माना है कि उनके द्वारा अपेक्षित ग्रेडों को भारतीय उत्पादकों द्वारा ही निर्मित किया जाता है। केवल इस कारण से कि कुछ विशेष घरेलू उत्पादक एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा अनुमोदित नहीं है, इसका यह अर्थ नहीं निकलता कि इन ग्रेडों को निष्कासित कर दिया जाए। इसके अलावा, न्यूनतम आदेश की मात्रा एक प्रकार का कारोबारी निर्णय है, जो व्यापार में बिल्कुल मौजूद हो सकता है और इस प्रकार यह घरेलू उद्योग को संरक्षण प्रदान करने के लिए कारण नहीं हो सकता। साथ ही, ऐसे दावों के समर्थन में कोई साक्ष्य नहीं है। इसके अतिरिक्त, हितबद्ध पक्षकारों ने ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है, जिससे कि यह पता चलता हो कि निर्माण मशीनरी के लिए प्रयुक्त की जा रही और आईएस मानक आई एस 2062:2011, ई250सी, ई350सी तथा ई450बीआर का अनुपालन करने वाली प्लेटों घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नहीं की जातीं।

ट. यह तर्क दिया गया है कि जेएफई, जापान और एसएसएबी, स्वीडन से प्राप्त घर्षण प्रतिरोधी मिश्रित धातु स्टील प्लेटों और उच्च क्षमता की धातु स्टील प्लेटों पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाए। यह नोट करना उचित होगा कि यह जांच ईयू के विरुद्ध नहीं है अतः इच्छुक पक्ष का एसएसएबी स्वीडन से आयातित उत्पाद

का निष्कासन करने का अनुरोध, तर्क को निरस्त कर देता है। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग इन ग्रेडों का निर्माण कर रहा है।

- ठ. यह तर्क दिया गया है कि जापान से एक विशेष ग्रेड, एन22सीबी की हॉट रोल्ड स्टील को उत्पाद के दायरे से निष्कासित किया जाए। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने यह दर्शाया है कि वे भारत में प्रयोक्ताओं के लिए एक समकक्ष ग्रेड का निर्माण और आपूर्ति भी की है।
- ड. विभिन्न हितवद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि विचाराधीन उत्पाद दायरे से ऑटोमेटिक स्टील को निष्कासित किया जाए क्योंकि कुल आयातों की तुलना में इसका आयात काफी कम है और कीमतें काफी अधिक हैं। इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि किसी ग्रेड विशेष का कम आयात होने मात्र से उस ग्रेड को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से निष्कासित नहीं किया जाता। इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऑटोमेटिक स्टील का आयात वास्तव में जांच की अवधि के दौरान काफी मात्रा में हुआ है। हितवद्ध पक्षकारों ने यह नहीं दर्शाया है कि ये ग्रेड भारत में पाटित नहीं किए जा रहे अथवा घरेलू उद्योग ऐसे ग्रेड का निर्माण नहीं कर रहा है। घरेलू उद्योग ने यह दर्शाने के लिए व्यापक साक्ष्य प्रदान किए हैं कि वे इसका निर्माण कर रहे हैं और भारत में प्रयोक्ताओं के लिए ऑटोमेटिक स्टील की आपूर्ति कर रहे हैं।
- ढ. कुछ हितवद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि वे कोरिया जन. गण. और जापान से आयात "हाई टेन्साइल विशेष प्रयोजनीय ग्रेड स्टील" जैसे ऑटोमेटिक ग्रेड स्टील को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से निष्कासित किया जाए क्योंकि इस ग्रेड का आयात मूल्य सामान्य मूल्य से अधिक हैं। यह तर्क दिया जाता है कि संदर्भ कीमत निर्धारित की जाए क्योंकि पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद उन्हें आवश्यक रूप से इस उत्पाद को आयात करना पड़ेगा। इस संबंध में प्राधिकारी ने यह पाया है कि कोरियाई निर्यातकों को यह प्रदर्शित करना है कि वे इस ग्रेड का पाटन नहीं कर रहे हैं अथवा इस ग्रेड के आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो रही है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग "हाई टेन्साइल विशेष प्रयोजनीय ग्रेड के स्टील" तथा "पिकल्ड एंड ऑयल्ड हॉट रोल्ड स्टील कॉइल" का निर्माण करने में सक्षम है। घरेलू उद्योग ने यह भी कहा है कि वे पहले से ही कई ऑटोमेटिक निर्माताओं, उनके वेंडरों तथा ऑटो घटक निर्माताओं की अनुमोदित वेंडर सूची में हैं।
- ण. इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने साक्ष्य सहित यह प्रदर्शित किया है कि वे हॉट रोल्ड सिलिकॉन इलैक्ट्रिकल नॉन ओरिएंटेड स्टील (एचआरएनओ) और हॉट रोल्ड ऑयल्ड एंड पिकल्ड कॉइल का निर्माण कर सकते हैं। अतः इन ग्रेड के निष्कासन के लिए अनुरोध पर विचार नहीं किया जा सकता।
- त. एपीआई ग्रेड के निष्कासन के संबंध में हितवद्ध पक्षकारों के दावों के संबंध में यह नोट किया जाता है कि एपीआई को रक्षोपाय के आवेदन में उत्पाद के दायरे से निष्कासित किया गया है क्योंकि एपीआई ग्रेड के आयात पूर्वोपाय का आवेदन भरते समय महत्वपूर्ण नहीं थे और इस प्रकार से रक्षोपाय जांच अवधि के दौरान कोई क्षति उत्पन्न नहीं कर रहे थे। तथापि, अनंतिम पूर्वोपाय शुल्क लगाने के बाद और चालू पाटनरोधी जांच की अवधि के दौरान, कम की गई कीमतों पर बड़ी हुई मात्रा में एपीआई ग्रेड का आयात किया गया है। एपीआई ग्रेड के स्टील को रक्षोपाय जांच के उत्पाद के दायरे से निष्कासित किया गया था क्योंकि वर्ष 2014-15 का आयात विश्लेषण यह दर्शाता है कि इन एपीआई ग्रेड के स्टील के आयात की मात्रा आश्चर्यजनक स्तर पर नहीं थी। वर्ष 2015-16 के दौरान एपीआई ग्रेड के औसत आयातों की मात्रा में पूर्व अवधि की तुलना में जांच की अवधि में लगभग 5 गुना वृद्धि हुई। एपीआई ग्रेड के स्टील की औसत आयात कीमत भी जांच की अवधि के दौरान काफी गिर गई थी। घरेलू उद्योग ने भी इस संबंध में साक्ष्य प्रदान किए थे, जिनकी प्राधिकारी ने विधिवत जांच की थी। अतः एपीआई ग्रेड के स्टील को उत्पाद के दायरे से निष्कासित नहीं किया जा सकता।
- थ. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि विचाराधीन उत्पाद व्यापक और अस्पष्ट है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद को, संबद्ध देशों से आयातों और घरेलू उद्योग के उत्पादन व आपूर्ति की स्थिति को देखते हुए उपयुक्त रूप से परिभाषित किया गया है। प्राधिकारी ने उत्पाद के दायरे पर पहुँचने से पूर्व सभी पक्षकारों के तर्कों की पूरी तरह से जांच की है।

- द. नियमावली के नियम 6(7) और नियम 7 के संदर्भ में प्राधिकारी एक हितबद्ध पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को प्रस्तुत किए गए साक्ष्य को प्रदान करने के लिए बाध्य है। यदि कोई हितबद्ध पक्षकार अनुरोध और साक्ष्य के संबंध में गोपनीयता का दावा करता है कि हितबद्ध पक्षकार नियम 7 के तहत इस अनुरोध और साक्ष्य को अगोपनीय फॉर्मेट में प्रस्तुत करने के लिए बाध्य हैं, लेकिन इस प्रकार के अगोपनीय अनुरोध सार्थक होने चाहिए ताकि अन्य हितबद्ध पक्षकारों को टिप्पणी करने दिया जाए। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मारुति सुजुकी इंडिया लि., स्टेल्को लि., वेल्सपन कॉर्प लि., हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड जैसे कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने उत्पाद के दायरे से कई ग्रेड को निष्कासित करने का अनुरोध किया है, लेकिन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा ऐसी निष्कासन सूची अथवा पीसीएन सूचियों की गोपनीयता का दावा किया गया है। चूंकि प्राधिकारी एक अर्ध-न्यायिक प्राधिकारी है, इसलिए उसने ऐसे पक्षकारों के अगोपनीय अनुरोध घरेलू उद्योग को उपलब्ध करा दिए हैं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उपरोक्त हितबद्ध पक्षकारों ने नियम 7 का पालन नहीं किया है क्योंकि उनके अगोपनीय अनुरोध पर्याप्त रूप से सार्थक नहीं हैं जिससे कि पीसीएन/ग्रेड की सूची, जिसके लिए उनके निष्कासन हेतु अनुरोध पर्याप्त सार्थक नहीं हैं। इसे उपरोक्त हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निष्कासन के संबंध में किए गए अनुरोध पर टिप्पणियां देने के लिए उचित अवसर देने हेतु घरेलू उद्योग को नकार दिया गया है। इसे ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने मत प्रस्तावित किया है कि उपरोक्त हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निष्कासन अनुरोधों की अनुमति नहीं दी जा सकती।
- ध. प्राधिकारी ने एचआर कॉइलों की सुरक्षित जांच के लिए सुरक्षा महानिदेशक द्वारा जारी की गई अनंतिम जांच परिणाम की भी जांच की है। यह नोट किया गया है कि प्राधिकारी के समक्ष निष्कासन मांगने वाले अधिकांश पक्षकारों ने भी महानिदेशक, सुरक्षा के समक्ष इसी प्रकार का अनुरोध किया है। तथापि, विस्तृत विश्लेषण के पश्चात महानिदेशक, सुरक्षा ने निष्कर्ष निकाला है कि विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किया गया कोई भी निष्कासन अनुरोध वांछित नहीं था।
- न. समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह प्रावधान है कि: "समान वस्तु" से तात्पर्य ऐसी वस्तु से है, जो भारत में पाटित किए जाने के लिए की जा रही जांच के अधीन वस्तु के समान अथवा एक जैसी है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर कोई अन्य वस्तु, जो यद्यपि पूरी तरह से समान तो नहीं है, लेकिन जांच की जा रही वस्तु से काफी मिलती-जुलती विशेषताओं वाली है। उपलब्ध सूचना के आधार पर और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने अनंतिम रूप से यह पाया है कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देशों से आयातित वस्तुओं में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। दोनों ही भौतिक विशेषताओं, निर्माण प्रक्रियाओं, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशों, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय है। दोनों ही तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापित करने योग्य हैं। उपभोक्ता दोनों को ही एक-दूसरे के स्थान पर उपयोग में लाते हैं। प्राधिकारी ने अनंतिम रूप से यह पाया है कि वे आवेदकों द्वारा निर्मित उत्पाद संबद्ध देशों से भारत में आयात की जा रही संबद्ध वस्तुओं के समान वस्तुएं हैं।
- प. प्राधिकारी इस जांच के लिए जांचाधीन उत्पाद की एतद्वारा पुष्टि करते हैं:

*"एलॉय के अथवा कॉइल में गैर-एलॉय स्टील के 2100 एमएम तक चौड़े और 25 एमएम की मोटाई के कॉइलों में एलॉय अथवा गैर-एलॉय स्टील के हॉट रोल्ड फ्लैट उत्पाद (आम तौर पर शीट और प्लेट के नाम से जाने जाते हैं) 4950 एमएम तक की चौड़ाई और 150 एमएम तक की मोटाई वाले।"*

*संबद्ध उत्पाद में वे उत्पाद शामिल हैं जो हॉट रोल्ड की अपेक्षा आगे वर्कड नहीं किए गए हैं और एज-रोलड अथवा 'ट्रिम्ड' एज अथवा 'स्लिट' एज अथवा 'मिल्ड' एज अथवा 'शेयर्ड' एज अथवा 'लेजर-कट' एज अथवा 'गैस-कट' एज अथवा अन्य किसी प्रकार के एजे वाले उत्कृष्ट अथवा अउत्कृष्ट स्थिति में लोहे अथवा एलॉय अथवा नॉन एलॉय स्टील के फ्लैट उत्पाद हैं। ये उत्पाद पिकलड अथवा अनपिकलड (स्किन पास अथवा टेम्परिंग युक्त अथवा के बिना) स्लिट अथवा नॉन स्लिट, नार्मलाइज्ड अथवा अननार्मलाइज्ड, अल्ट्रासोनिकली टेस्टेड अथवा अनटेस्टेड अथवा ऑयलड अथवा अनऑयलड हो सकते हैं। ये उत्पाद थर्मो मैकेनिकली कंट्रोल्ड रोलड अथवा कंट्रोल्ड रोलड अथवा नार्मलाइज्ड अथवा इसी प्रकार की अन्य प्रक्रिया के अध्यधीन हो सकते हैं। ये उत्पाद हॉट रोलिंग के दौरान सीधे डीराइज्ड विभिन्न किस्मों के रिलीफ/चैकडपैटर्न*

में हो सकते हैं। ये उत्पाद पिक्लिंग, आयलिंग, रीवाइंडिंग, रीकॉयलिंग, टैम्परिंग रोलिंग, हीट ट्रीटमेंट आदि जैसी विभिन्न प्रक्रमण कदमों के अध्यक्षीन हो सकते हैं। ये उत्पाद सेंड ब्लास्टेड अथवा शॉट ब्लास्टेड जैसी उसी प्रकार की प्रक्रियाओं के अध्यक्षीन हो सकते हैं। संबद्ध उत्पादन में एलॉय अथवा नॉन-एलॉय स्टील के हॉट रोल फ्लेटशीट और प्लेटे शामिल हैं चाहे रिवर्सिबल प्लेट व्हील अथवा हॉट स्ट्रिप व्हील अथवा टेंडम मिल अथवा स्टेकल मिल अथवा रोलिंग विशिष्टताओं की विभिन्न किस्मों की इसी प्रकार की अन्य प्रक्रियाओं सहित यूनिवर्सल प्लेट मिल से रोल्ड हों अथवा नहीं, इनमें 2-हाई, 3-हाई, 4-हाई, क्लस्टर मिल अथवा इसी प्रकार की कोई अन्य प्रकार की हॉट रोलिंग प्रक्रिया शामिल है। संबद्ध उत्पाद में हॉट रोल कॉइलों से हॉट रोलिंग प्रक्रिया अथवा कट/शीयर्ड से उत्पादित शीट और प्लेटें हैं।

निम्नलिखित संबद्ध उत्पाद के कार्यक्षेत्र में शामिल नहीं हैं:

1. स्टेनलेस स्टील के हॉट रोल्ड फ्लेट उत्पाद
2. स्टील के हॉट रोल्ड फ्लेट उत्पाद जो इलैक्ट्रोलेटिकली प्लेटिड अथवा जिंक कोटेड हैं
3. स्टील के हॉट रोल्ड फ्लेट उत्पाद अन्यथा प्लेटिड अथवा जिंक कोटेड
4. क्लेडेड स्टील

## ग. गोपनीयता

### ग.1. निर्यातक, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

#### 11. अतिरिक्त गोपनीयता के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दे निम्नलिखित हैं:

- क. आईबीआईएस से प्राप्त किए गए मूल/कच्चा लेन-देन-वार आयात आंकड़ों की प्रति एक्सल फाइल फॉर्मेट में उपलब्ध नहीं कराई गई है।
- ख. आवेदक के अलावा घरेलू उत्पादक का कंपनी-वार उत्पादन और बिक्री मात्रा का ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया गया है।
- ग. संरचित मूल्य का मद-वार ब्यौरा और सामान्य मूल्य गोपनीय रखा गया है और यहां तक कि सामान्य मूल्य की रेंज भी नहीं दी गई है।
- घ. घरेलू उद्योग द्वारा समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, पोर्ट व्यय आदि के लिए समायोजनों के संबंध में साक्ष्य नहीं दिए गए हैं।
- ङ. प्रतिशतता की दृष्टि से लाभ और आरओसीई गोपनीय रखा गया है।
- च. प्राधिकारी को दावा की गई सूचना के संबंध में गोपनीयता का दावा नहीं करना चाहिए क्योंकि उसे आपूर्ति करने वाले पक्षकार द्वारा गोपनीयता का दावा किया गया है (संदर्भ सुप्रीम कोर्ट निर्णय: भारत संघ बनाम मेघमणि ऑर्गेनिक्स लि. दिनांक 14.10.2016)। अतएव प्राधिकारी को लेन-देन वार डीजीसीआईएंडएस आयात सांख्यिकी सहित गोपनीयता के रूप में दावा नहीं की गई सभी सूचना उपलब्ध करानी चाहिए।
- छ. घरेलू विक्रय कीमत गोपनीय नहीं है और उपलब्ध कराई जानी चाहिए।
- ज. याचिकाकर्ताओं ने याचिका में विभिन्न दृष्टांत और अनुवर्ती दाखिलों में निम्नलिखित सूचना के संबंध में अतिरिक्त गोपनीयता का दावा किया है:
  - (i) मेटल बुलेटिन रिपोर्ट गोपनीय होनी चाहिए। तथापि, वह पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।
  - (ii) मेटल बुलेटिन कीमतों के आधार पर गणना किया गया सामान्य मूल्य गोपनीय रखा गया है।
  - (iii) टाटा स्टील लि. तथा जिंदल स्टील एंड पावर लि. (समर्थक) द्वारा समर्थन पत्र उपलब्ध कराए गए हैं। तथापि, इस प्रकार की सूचना सूची बिंदुओं की दृष्टि से सारांशीकरण के अधीन है।

- (iv) अपने समान वस्तु अनुरोधों के लिए याचिकाकर्ताओं द्वारा दाखिल साक्ष्य गोपनीयता दावा की जाने हेतु अनौचित्यपूर्ण है। जन सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं द्वारा सहमति दी गई है कि उनकी ओर से दायर विभिन्न साक्ष्यों के दायर किए गए अगोपनीय सारांश के लिए निर्देश अवश्य दिए जाएं।

- i. पाटनरोधी प्राधिकारी ने कहा है कि उन्होंने डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों पर विश्वास किया है, परंतु प्रारंभिक जांच परिणामों के साथ डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों की प्रति संलग्न नहीं की है।

## ग.2. घरेलू उद्योग के विचार

12. कुछ हितबद्ध पक्षकारों का मत है कि घरेलू उद्योग ने i) बीआईएस आयात आंकड़े, ii) कंपनी-वार उत्पादन और बिक्री मात्रा का ब्यौरा, iii) संरचित सामान्य मूल्य का मद-वार ब्यौरा, iv) समुद्री मालभाड़े, समुद्री बीमा, पोर्ट व्यय आदि के लिए समायोजनों के बारे में साक्ष्य, v) घरेलू विक्रय कीमतें, vi) लाभ तथा प्रतिशतता की दृष्टि से आरओसीई तथा मेटल बुलिटिन, vii) मेटल बुलिटिन पर आधारित सामान्य मूल्य, ix) टाटा स्टील तथा जिंदल स्टील एंड पावर लि. द्वारा समर्थन पत्र, x) समान वस्तु अनुरोधों के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा दायर किए गए साक्ष्य, xi) घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित पीसीएन गोपनीय रखकर याचिका में अतिरिक्त गोपनीयता की गई है। घरेलू उद्योग ने उपरोक्त आशयों को पूर्णतः नकारा है और आपत्ति की है। सबसे पहले यह स्पष्ट है कि एडी नियमावली का नियम 7 सूचना संबंधी गोपनीयता का दावा करने के लिए पक्षकार को अनुमति देता है। नियम 7 यह भी अधिदेशित करता है कि गोपनीय सूचना हितबद्ध पक्षकारों को अगोपनीय सार में उपलब्ध कराई जानी चाहिए तथा जबकि यह संभव नहीं है, यह कारण बताए जाने चाहिए कि सारांशीकरण संभव क्यों नहीं है। घरेलू उद्योग ने एडी नियमावली के नियम 7 के अनुपालन में कुछ आंकड़ों पर गोपनीयता का दावा किया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भी उद्योग के गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है, इसलिए हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपरोक्त तर्कों का कोई आधार नहीं है। इसके अतिरिक्त, इस जांच के लिए आयात आंकड़े पहले ही सरकारी फाइल में रख दिए गए, इसलिए आयात आंकड़ों की अनुपलब्धता के संबंध में तर्क नहीं पाया गया। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने लिखित अनुरोधों के अगोपनीय रूपांतरण में उनके द्वारा उत्पादित पीसीएन की सूची रिकार्ड पर ले ली है।

## ग.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

13. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नानुसार व्यवस्था है:-

*गोपनीय सूचना: (1) नियमों तथा नियम 6 के (7), उपनियम (2), नियम 12 के (3)(2), नियम 15 के उपनियम (4) तथा नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।*

*(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।*

*(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसका सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।*

14. गोपनीयता के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोधों की जांच की गई है और तदनुसार समाधान किया गया है। गोपनीयता आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की दावा किए गए गोपनीयता की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने गोपनीयता दावे स्वीकार कर लिए हैं और जहां अनुबद्ध है, इस प्रकार की सूचना गोपनीय मानी गई है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां संभव है, गोपनीयता आधार पर सूचना उपलब्ध कराने वाले

पक्षकारों को गोपनीयता आधार पर दायर सूचना के पर्याप्त अगोपनीय अंतरण उपलब्ध कराने के निदेश दिए गए थे। प्राधिकारी ने पब्लिक फाइल के फॉर्म में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराए हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोई भी सूचना, जो पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है, गोपनीय नहीं मानी जा सकती। यह भारत संघ बनाम मैसर्स मेघमणि ऑर्गेनिक्स लि. और अन्य (2016), 10 एससीसी 28 में माननीय उच्चतम न्यायालय की बड़ी बैंच के निर्णय के अनुरूप है। यह भी नोट किया गया है कि निर्यातक, आयातकों के नाम तथा उससे आयातकर्ताओं के आईईसी कोड जैसी गोपनीय सूचना हटाने के पश्चात पब्लिक फाइल में डीजीसीआईएंडएस के लेन-देन वार आंकड़े रखे हैं।

#### घ. घरेलू उद्योग और पक्ष

15. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:

*"(ख) 'घरेलू उद्योग' का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में 'घरेलू उद्योग' पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।*

16. मैसर्स स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, मैसर्स जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड तथा मैसर्स एस्सार स्टील इंडिया लिमिटेड ने आवेदन दायर किए हैं। उपरोक्त तीन उत्पादकों का उत्पादन कुल घरेलू उत्पादक के उत्पादन का बड़ा हिस्सा है जो भारतीय उत्पादन के 50 प्रतिशत से अधिक है। दो घरेलू उत्पादकों अर्थात् टाटा स्टील लिमिटेड और जिंदल स्टील एंड पावर लि. द्वारा भी आवेदन का समर्थन किया गया है।

#### घ.1. घरेलू उद्योग के पक्ष के बारे में निर्यातक, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के मत

17. यह प्रमाणित तथ्य है कि एस्सार और जेएसडब्ल्यू तथाकथित पाटित वस्तु के आयात में लगे हुए थे। तथापि, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के कार्यक्षेत्र से आयातकर्ताओं के निष्कासन की निरंतर परिपाटी से विपथन के कारण स्पष्ट नहीं किए हैं।

18. जेएसडब्ल्यू को नीचे दिए गए कारणों की वजह से घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जा सकता:

क. जेएसडब्ल्यू में जेएफई द्वारा 4600 करोड़ से अधिक का निवेश (शेयरधारिता का 15 प्रतिशत से अधिक है)

ख. तकनीकी सहयोग:

i. ऑटोमेटिव स्टील उत्पादन के लिए सहयोग

ii. जेएफई और जेएसडब्ल्यू, जहां निकट भविष्य में भारत में संभव सहयोग का पता लगाया जा सकता है, उन क्षेत्रों के संबंध में मोटे तौर पर एक मत हैं।

ग. जेएसडब्ल्यू में जेएफई द्वारा नामित निदेशक

घ. जेएफई से जेएसडब्ल्यू द्वारा संबद्ध वस्तुओं का आयात

घरेलू उद्योग द्वारा झूठे प्रकटीकरण पर आधारित शुरू की गई जांच से घरेलू उद्योग के कार्यक्षेत्र का गलत निर्धारण हुआ। प्राधिकारी घरेलू उद्योग के कार्यक्षेत्र पर पुनर्विचार नहीं कर सकते। जांच बायोदाब-इनिशियो है और तत्काल बंद की जानी चाहिए।

#### घ.2. घरेलू उद्योग के विचार

19. घरेलू उद्योग के पक्ष के बारे में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों के संबंध में घरेलू उद्योग के अनुरोध निम्नलिखित हैं:

क. कुछ हितबद्ध पक्षकारों का मत है कि चूंकि जेएफई स्टील की जेएसडब्ल्यू स्टील में 15 प्रतिशत की सीमा तक शेयरधारिता है, इसलिए जेएसडब्ल्यू स्टील को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाना चाहिए। हितबद्ध पक्षकारों ने भी तर्क दिया है कि एस्सार स्टील और जेएसडब्ल्यू स्टील ने संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है और इसलिए घरेलू उद्योग के रूप में अर्हक होने में विफल रहे हैं। घरेलू उद्योग ने उपरोक्त तर्कों को पूर्णतः

नकार दिया है और आपत्ति की है। अर्थपूर्ण विश्लेषण के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) को संदर्भित करना महत्वपूर्ण है जिसके संबंधित भाग का उद्धरण नीचे दिया गया है:

“घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।

स्पष्टीकरण – इस खंड के प्रयोजनों के लिए

- (i) उत्पादकों को केवल तभी आयातकों अथवा निर्यातकों से संबंधित माना जाना चाहिए यदि
- (क) उनमें से एक प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से दूसरे को नियंत्रित करता है, अथवा
- (ख) दोनों किसी तीसरे व्यक्ति द्वारा प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित हैं, अथवा
- (ग) वे इकट्ठे किसी तीसरे व्यक्ति से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रित हैं, बशर्ते कि उनका विश्वास करने अथवा संदेह करने का आधार है कि संबंध का प्रभाव ऐसा है कि उत्पादकों का कारण गैर-संबद्ध उत्पादकों से भिन्न है। किसी उत्पादक को अन्य उत्पादक पर नियंत्रण तभी माना जाना चाहिए जब पहले वाला कानूनी रूप से अथवा प्रचालनात्मक रूप से बाद वाले तर्क पर प्रतिबंध अथवा दिशा-निर्देश देने की स्थिति में है।
- (ii) किसी उत्पादक का दूसरे उत्पादक पर नियंत्रण मानद होगा जबकि पूर्ववर्ती कानूनी रूप से अथवा प्रचालनात्मक रूप से बाद वाले पर नियंत्रण करने अथवा निर्देश देने की स्थिति में है।

ख. उपरोक्त कानूनी प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि मामले के तथ्यों में यह प्रमाणित नहीं है कि जेएसडब्ल्यू स्टील एडी नियमावली के नियम 2(ख)(i) तथा 2(ख)(ii) की शर्तों के अनुसार जेएफई स्टील से संबंधित हैं। विशेष रूप से, कोई भी हितबद्ध पक्षकार यह प्रमाणित नहीं कर सका है कि जेएफई स्टील प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से जेएसडब्ल्यू स्टील को नियंत्रित अथवा विलोमतः करता है। इसके अतिरिक्त, कोई भी हितबद्ध पक्षकार यह प्रमाणित नहीं कर सका है कि जेएफई स्टील और जेएसडब्ल्यू स्टील एक साथ तीसरे निकाय को नियंत्रित करते हैं। मामले के तथ्यों में यह भी प्रमाणित नहीं है कि जेएफई स्टील जेएसडब्ल्यू स्टील पर प्रतिबंध लगाता है अथवा निर्देश देता है अथवा विलोमतः है। इस प्रकार, जेएफई स्टील का जेएसडब्ल्यू स्टील पर अथवा विलोमतः नियंत्रण का पत्र एडी नियमावली के नियम 2(ख)(i) तथा 2(ख)(ii) की शर्तों के अनुसार प्रमाणित नहीं हुआ है।

ग. इस संबंध में, घरेलू उद्योग ने दिनांक 16 नवंबर, 2010 के संख्या 14/25/2008-डीजीएडी के तहत जारी किए गए चीन जन गण की सर्कुल वीविंग मशीनों में अंतिम जांच परिणामों पर विश्वास किया है, जबकि निर्दिष्ट प्राधिकारी का मत है कि मात्र शेयरधारिता/संबद्ध एडी नियमावली की शर्तों के अनुसार नियंत्रण नहीं दर्शाता। सुलभ संदर्भ के लिए अंतिम जांच परिणामों का संगत उद्धरण नीचे दिया गया है:

15. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उत्पादक और निर्यातक के संबंध के बारे में महत्वपूर्ण तत्व नियंत्रण कानूनी अथवा प्रचालनात्मक हैं। प्राधिकारी पाते हैं कि स्टारलिंगर, चीन स्टारलिंगर, आस्ट्रिया की एक 100% सहायक कंपनी है जिससे दोनों कंपनियां संबद्ध हैं। इसके अतिरिक्त पता लगा है कि स्टारलिंगर, आस्ट्रिया के पास आवेदक कंपनी अर्थात् लोहिया स्टारलिंगर लिमिटेड के 34.67% शेयर हैं। परंतु केवल शेयरधारिता से नियंत्रण नहीं होता और इसलिए पाटनरोधी नियमावली के अभिप्राय के भीतर स्टारलिंगर, आस्ट्रिया और/अथवा स्टारलिंगर, चीन, लोहिया स्टारलिंगर लिमिटेड (एलएसएल) से संबद्ध नहीं बनाती। अधिक अर्थात् 50% से अधिक शेयरधारिता केवल कानूनी नियंत्रण देती है। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी पाते हैं कि स्टारलिंगर, आस्ट्रिया का प्रतिनिधित्व करने के लिए आवेदक कंपनी के बोर्ड में कोई निदेशक 2002 से नियुक्त नहीं किया गया है। दोनों पक्षकारों द्वारा रिकार्ड में लाया गया है कि स्टारलिंगर, आस्ट्रिया ने



एलएसएल के बोर्ड में अपना नामिति नियुक्त करने की अनुमति लेने के लिए कंपनी विधि बोर्ड के समक्ष एक याचिका दायर की है। ये सभी प्रमाणित करते हैं कि स्टारलिंगर आस्ट्रिया का प्रचालनात्मक नियंत्रण के साथ-साथ एलएसएल पर नियंत्रण नहीं है। इसके अतिरिक्त यदि दो पक्षकार संबद्ध पक्षकार हैं तो भी अपात्र के रूप में घरेलू उत्पादक पर विचार करने के लिए केवल संबद्ध का तथ्य अपर्याप्त है। इस प्रकार के संबद्ध घरेलू उत्पाद के निष्काषण को औचित्यपूर्ण ठहराते हुए पर्याप्त आधार अनिवार्यतः होना चाहिए। यह साक्ष्य भी अनिवार्यतः होने चाहिए कि संबद्ध के कारण संबद्ध घरेलू उत्पादक ने पृथक् ढंग से काम किया है अथवा पाटन प्रक्रियाओं में भाग लिया है और ऐसे कदम उठाए गए हैं जिनसे स्वतः थोपी गई स्थिति होगी। वर्तमान मामले में इस तरह का कोई साक्ष्य नहीं है कि दो पक्षकारों के बीच संबद्ध से असंबद्ध उत्पादक याचिकाकर्ता से एक भिन्न तरीके से व्यवहार करेगा।

16. इस प्रकार से स्टारलिंगर, आस्ट्रिया और/अथवा स्टारलिंगर, चीन द्वारा एलएसएल पर कानूनी अथवा प्रचालनात्मक नियंत्रण के अभाव में तथा नियम 2(ख) में निहित प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए एलएसएल को अपात्र घरेलू उत्पादक के रूप में मानते हुए पर्याप्त आधार नहीं है, प्राधिकारी का मत है कि आवेदक एडी नियमावली के नियम 2(ख) के अभिप्राय के भीतर घरेलू उद्योग के रूप में माने जाने के लिए पात्र हैं तथा एडी नियमावली के नियम 5(3) की शर्तों के अनुसार याचिका दायर करने के लिए पक्ष है।

- घ. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने यह प्रमाणित नहीं किया है कि जेएसडब्ल्यू स्टील में जेएफई स्टील की तथाकथित 15 प्रतिशत शेयरधारिता (तथापि स्वीकार नहीं की गई) जेएफई स्टील पर नियंत्रण करती है जिससे जेएफई स्टील और जेएसडब्ल्यू स्टील को संगत बनाती है। जेएफई स्टील जेएसडब्ल्यू स्टील पर कोई नियंत्रण नहीं करता, इसलिए जेएसडब्ल्यू स्टील निर्यातक जेएफई स्टील से संबंधित नहीं है और इस प्रकार एडी नियमावली के नियम 2(ख) की शर्तों के अनुसार घरेलू उद्योग के रूप में अर्हक है।
- ङ. इसके अतिरिक्त, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सही से अवलोकन किया है कि संबद्ध वस्तुओं का बहुत कम आयात करने के बावजूद घरेलू उद्योग के रूप में याचिकाकर्ता अर्हक है। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यह अवलोकन प्रमाणित न्यायशास्त्र प्रथा तथा कई सेसटेट निर्णयों के अनुरूप है कि जिस देश को उस स्थिति में, जिसमें याचिकाकर्ता द्वारा जांचाधीन उत्पाद का आयात कम हो, में घरेलू उद्योग के रूप में निर्दिष्ट प्राधिकारी याचिकाकर्ता मानने के लिए विवेकशील है। इसे ध्यान में रखते हुए, निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध है कि घरेलू उद्योग के रूप में याचिकाकर्ताओं के पक्ष के संबंध में अपनी प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करें। घरेलू उद्योग के रूप में याचिकाकर्ताओं के पक्ष के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किसी भी विरोधाभासी दावे में कानूनी आधार का अभाव है और सीधे अस्वीकार किया जाना चाहिए।

### घ.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

20. घरेलू उद्योग के आधार के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच की गई है जोकि निम्नानुसार हैं:

- क. कोई भी हितबद्ध पक्षकार यह प्रमाणित नहीं कर सका है कि जेएफई स्टील का प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से जेएसडब्ल्यू स्टील पर नियंत्रण है अथवा विलोमतः है। इसके अतिरिक्त, कोई भी हितबद्ध पक्षकार यह प्रमाणित नहीं कर सका है कि जेएफई स्टील और जेएसडब्ल्यू स्टील इकट्ठे तीसरे निकाय पर नियंत्रण करते हैं। मामले के तथ्यों में यह भी प्रमाणित नहीं है कि जेएफई स्टील जेएसडब्ल्यू स्टील पर प्रतिबंध लगाता है अथवा निर्देश देता है अथवा विलोमतः है।
- ख. निर्यातक के साथ संबंध के कारण एडी नियमावली के नियम 2(ख) की शर्तों के अनुसार किसी उत्पादक को अपात्र विचार करने के लिए यह साक्ष्य अनिवार्यतः होने चाहिए कि संबंधित घरेलू उत्पादक ने संबंध के कारण अलग ढंग से काम किया है अथवा पाटन प्रक्रियाओं में भाग लिया है और ऐसे कदम उठाए हैं जिनसे स्वतः थोपी गई क्षति हुई है। वर्तमान मामले में इस प्रकार का कोई साक्ष्य नहीं है कि दो पक्षकारों के बीच संबंध से असंबद्ध उत्पादक से किसी भिन्न तरीके से व्यवहार करने में याचिकाकर्ता बनना पड़ा हो।
- ग. इस प्रकार जेएफई स्टील द्वारा जेएसडब्ल्यू पर कानूनी अथवा प्रचालनात्मक नियंत्रण के अभाव में तथा एडी नियमावली के नियम 2(ख) में निहित प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए जेएसडब्ल्यू को अपात्र घरेलू

उत्पादक मानने के लिए पर्याप्त आधार नहीं है, प्राधिकारी जेएसडब्ल्यू स्टील को इस मामले में पात्र आवेदक मानते हैं। इसके अतिरिक्त, चीन जन गण से सर्कुलर वीविंग मशीनों के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच में प्राधिकारी द्वारा इसी प्रकार का मत लिया गया था।

घ. विभिन्न पक्षकारों ने तर्क दिया है कि एस्सार और जेएसडब्ल्यू ने जांचाधीन उत्पाद का आयात किया है और इसलिए घरेलू उद्योग बनाने के लिए अपात्र माना जाना चाहिए। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि एस्सार और जेएसडब्ल्यू, दोनों ने उनके द्वारा आयातित मात्रा और प्रयोजन का उल्लेख करते हुए याचिका सहित प्रमाण-पत्र दायर किए हैं। यह अवलोकन किया गया है कि आयात की गई मात्राएं उनके द्वारा रखे गए उत्पादन की तुलना में पर्याप्त कम हैं जो एडी नियमावली के नियम 2(ख) की शर्तों के अनुसार घरेलू उद्योग का भाग बनाने के लिए उन्हें अपात्र मानती है। यह भी अवलोकन किया गया है कि एस्सार और जेएसडब्ल्यू द्वारा कितनी ही मात्रा का आयात किया गया हो, उनके द्वारा केवल अपनी खपत के लिए ही प्रयोग की गई थी। इसलिए प्राधिकारी घरेलू उद्योग का भाग बनाने के लिए एस्सार और जेएसडब्ल्यू स्टील को अपात्र मानने के लिए हितबद्ध पक्षकारों के तर्क को अस्वीकार करते हैं।

ङ. प्राधिकारी का विचार है कि एडी नियमावली के नियम 2(ख) की दृष्टि से घरेलू उद्योग के भाग के रूप में होने के लिए जेएसडब्ल्यू स्टील और एस्सार स्टील पात्र हैं।

च. प्राधिकारी का यह मत भी है कि आवेदक एक साथ मिलकर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के प्रमुख अनुपात को नियंत्रित करते हैं। तदनुसार, आवेदक नियम 5(3) की शर्तों के अनुसार पक्ष की अपेक्षा को पूरा करते हैं और एडी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग बनता है।

#### ड. न्यूनतम सीमा

21. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से प्राधिकारी द्वारा प्राप्त किए गए आंकड़ों तथा संबद्ध देशों के सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का आयात डि-मिनिमिस स्तर से ऊपर पाया गया है।

#### च. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए विविध मुद्दे

च.1. पाटन निर्धारण की पद्धति घरेलू उद्योग के क्षति दावों सहित वर्तमान जांच के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने कई मुद्दे उठाए हैं। पाटन और क्षति निर्धारण से संबंधित मुद्दे इस जांच परिणाम में उचित स्थानों पर देखे गए हैं, जबकि जांच के लिए पक्षकारों द्वारा उठाए गए सामान्य मुद्दों की यहां जांच की गई है। संक्षिप्तता के लिए पक्षकारों के अनुरोध और उनमें उठाए गए मुद्दों का सार नीचे दिया गया है:

क. कोल्ड रोलड स्टील, गाल्वेनाइज्ड स्टील और प्री-पेन्टेड गाल्वेनाइज्ड स्टील के समान तैयार उत्पादों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए बिना केवल "धातु के हॉट रोलड फ्लैट उत्पाद अथवा कॉइल में गैर-धातु स्टील" पाटनरोधी शुल्क लगाने से द्वितीयक स्टील निर्माताओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। डाउनस्ट्रीम उत्पाद भारत में आयातित किए जाएंगे क्योंकि वे किसी भी पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन नहीं हैं, जिसके परिणामस्वरूप सभी डाउनस्ट्रीम उद्योग, जो हॉट रोलड कॉइल की कच्ची सामग्री के रूप में खपत करते हैं, उनके लिए घातक है।

ख. जांच की अवधि "प्रतिनिधित्व के रूप में और यथा संभव शीघ्र" होनी चाहिए। एक वर्ष की जांच की अवधि के बैचमार्क से विचलन याचिकाकर्ताओं द्वारा वास्तविक होगा और निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा सकारात्मक साक्ष्य देने होंगे, जो वर्तमान मामले में मौजूद नहीं हैं। छः माह की जांच की अवधि किसी निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए काफी कम है और यह कम से कम एक वर्ष होनी चाहिए।

ग. स्टील उद्योग एमएफएन सीमा शुल्क टैरिफ में वर्ष 2011-12 में 5% से वर्ष 2015-16 में 12.5% तक की वृद्धि करके पहले से ही संरक्षित है। इस पर 15 मार्च, 2016 से कॉइल में हॉट रोलड स्टील के आयातों पर 20% यथा मूल्य रक्षोपाय शुल्क लगाया गया है। इसके अलावा, डीजीएफटी ने 173 एचएस कोडों पर न्यूनतम आयात कीमत शुरू की है जिसमें विचाराधीन उत्पाद शामिल है।

- घ. एमआईपी पहले ही लगाई जा चुकी है और भारतीय स्टील मिलों की मांग को स्वीकार नहीं किया जाए। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से तैयार उत्पादों के आयात को बढ़ावा मिलेगा, और परिणामस्वरूप भारतीय उद्योग बंद हो जाएंगे। एमआईपी लगने, आयात शुल्क में कमी तथा रक्षोपाय शुल्क लगाए जाने के बाद स्टील उद्योग को संरक्षण दिए जाने की आगे जरूरत नहीं पड़ेगी। स्टील की कीमतें अब बढ़ रही हैं और प्रमुख घरेलू स्टील भागीदार जैसे जेएसडब्ल्यू स्टील, भूषण, एस्सार, जेएसपीएल, टाटा अच्छा कर रहे हैं।
- ङ. उच्च टैरिफ के अलावा, विदेशी उत्पादक बीआईएस द्वारा लाइसेंस प्रदान करने जैसी भेदभावपूर्ण गैर-शुल्क बाधा का भी सामना करते हैं। बीआईएस से लाइसेंस की आवश्यकता एनएलएमके ग्रुप के लिए भारत को रूस से संबद्ध उत्पाद के अपने आयातों को बंद करने का प्रमुख कारण था।
- च. रूस और चीन को छोड़कर सभी संबद्ध देशों का अधिमान्य व्यापार करार है।
- छ. याचिका केवल जेपीसी डाटा के आधार पर होनी चाहिए ताकि निजी एजेंसियों की किसी भी हेराफेरी से बचा जा सके। आयात के आंकड़े एक निजी संगठन आईबीआईएस से लिए गए हैं और इन आंकड़ों में हेराफेरी की संभावना हो सकती है। आयात के आंकड़े आईबीआईएस के आधार पर हैं और उत्पादन के आंकड़े जेपीसी के आधार पर हैं जो संगत नहीं हैं और भ्रामक हैं।
- ज. फरवरी, 2016 में शीर्ष 7208 के तहत आने वाली सभी वस्तुएं और शीर्ष 7225 के तहत आने वाली आंशिक वस्तुएं न्यूनतम आयात कीमत लगाए जाने के अध्याधीन थीं। इसे देखते हुए "जांच की अवधि वार्षिक" मूल्य को विश्वसनीय नहीं माना जा सकता और उन पर विचार नहीं किया जाना चाहिए।
- झ. यह घोषणा कि याचिकाकर्ताओं और निर्यातकों द्वारा लगाई गई उत्पादन कीमतों में कोई ज्ञात अंतर नहीं है, उचित नहीं है। भारतीय उत्पादकों ने लागत कटौती और उत्पाद विकास के लिए प्रौद्योगिकीय उन्नयन को नजरअंदाज किया है।
- ञ. याचिका में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के कथित प्रभाव पर पर्याप्त सूचना शामिल नहीं की थी। ऐसा करने में, याचिकाकर्ता भारतीय पाटनरोधी नियमों में यथा कार्यान्वित अनुच्छेद 5 डब्ल्यूटीओ एडीए की विशिष्ट अपेक्षाओं को पूरा करने में विफल रहा है। याचिकाकर्ताओं ने रोजगार, मजदूरी, बिक्री की लागत, निर्यात बिक्री, स्टॉक खुलने और बंद होने, निवल संपत्ति और कैपिटल खपत के संबंध में सूचना को हटा दिया।
- ट. काफी मात्रा में विचाराधीन उत्पाद की डाउनस्ट्रीम वस्तुओं के उत्पादन के लिए याचिकाकर्ताओं द्वारा कैपिटल खपत की जा रही है। याचिकाकर्ताओं ने समग्र विचाराधीन उत्पाद के लिए मांग जान-बूझकर ली है जबकि उनके द्वारा हुई विचाराधीन उत्पाद की कैपिटल खपत को छिपा लिया गया है। कैपिटल खपत वाली वस्तुएं बाजार में प्रवेश नहीं हुईं और प्रतिस्पर्द्धी वस्तुओं के भाग के रूप में विचार नहीं किया जा सका।
- ठ. नियोजित पूंजी पर लाभ 22 प्रतिशत जितना अधिक नहीं होना चाहिए, रिलायंस को ब्रिजस्टोन टायर्स मैनुफैक्चरिंग तथा अन्य बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के निर्णय पर रखा गया है।

## च.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए विभिन्न अनुरोध नीचे दिए गए हैं:

- क. अधिनियम की धारा 9क(3) उत्पादन के पाटन के इतिहास के संदर्भ में है। याचिकाकर्ताओं ने संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क भूतलक्षी प्रभाव से लगाने के लिए प्राधिकारी से सिफारिश की है क्योंकि पाटनरोधी शुल्क भूतलक्षी प्रभाव से लगाने की शर्तें पूर्ण रूप से पूरी की गई हैं।
- ख. यह संबद्ध वस्तुओं के पाटन का साक्ष्य है जो इस तथ्य से पता चलता है कि कनाडा, यूएस, टर्की, ईयू आदि सहित कई देशों ने स्टील के हॉट रोलड चपटे उत्पादों के आयात के विरुद्ध पाटनरोधी जांच शुरू की है। संबद्ध उत्पाद का भारत में बड़े पैमाने पर तुलनात्मक रूप से कम समय अवधि में हुआ है जो घरेलू उद्योग की क्षति का कारण है।
- ग. निर्यातक इस बात से अच्छी तरह से अवगत हैं कि वे पाटन का सहारा ले रहे हैं जो घरेलू उद्योग की क्षति का कारण है क्योंकि संबद्ध उत्पाद की आयात कीमतें काफी घटी हैं जो संबंधित देशों के लिए उतराई मूल्य से सिद्ध होता है।

- घ. कुछ हितबद्ध पक्षकारों का मत है कि गैर-क्षति कीमत की गणना करने में नियोजित पूंजी पर 22% प्रतिलाभ औचित्यपूर्ण नहीं है। घरेलू उद्योग ने उपरोक्त तर्क के लिए कड़ी आपत्तियां की हैं और अनुरोध किया है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने यह प्रदर्शित करने के लिए कि नियोजित पूंजी पर 22% प्रतिलाभ कैसे औचित्यपूर्ण नहीं है, साक्ष्य उद्धरित किए हैं। वास्तव में हाल के सेसटेट के दो निर्णयों में यह अवलोकन किया गया है कि नियोजित पूंजी पर 22% प्रतिलाभ निर्दिष्ट प्राधिकारी की सतत प्रक्रिया के अनुसार है और दायित्व 22% का प्रतिलाभ औचित्यपूर्ण क्यों नहीं है, के साथ साक्ष्य को प्रदर्शित करने के लिए पक्षकार द्वारा इसे मना करने पर है। इस संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी का ध्यान दिनांक 27 नवंबर, 2015 के *मेरिनो पेनल प्रोडक्ट्स लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी*, अंतिम आदेश सं. एडी/ए/53541/2015-सीयू(डीबी) तथा दिनांक 12 सितंबर, 2016 के *एक्सिमकोर्प इंडिया प्रा.लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी*, के अंतिम आदेश सं. एडी/ए/53462/2016-सीयू(डीबी) में सेसटेट निर्णयों की ओर आकर्षित किया जाता है। उपरोक्त सेसटेट आदेशों को ध्यान में रखते हुए नियोजित पूंजी पर 22% प्रतिलाभ वर्तमान मामले में वैध है और अंतिम जांच परिणाम में निश्चित रूप से पुष्टि की जानी चाहिए।
- ङ. प्रारंभिक जांच परिणामों के अवलोकन से घरेलू उद्योग का मत है कि गैर-क्षति कीमत की गणना करने में कुछ त्रुटि हुई प्रतीत होती है। गैर-क्षति कीमत कम बताई गई प्रतीत होती है। यह अनुरोध किया गया है कि इस प्रकार की त्रुटियां सही की जाएं। घरेलू उद्योग में भी रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी एवं अन्य (2006) 10 एससीसी 368 में माननीय उच्चतम न्यायालय के प्रकाश में घरेलू उद्योग द्वारा जांच हेतु प्रारंभिक गैर-क्षति कीमत गणनाओं को प्रकट करने तथा तथ्यपूर्ण टिप्पणियां करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी को अनुरोध किया है। माननीय उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय की संघ सरकार बनाम मेघमणि ऑर्गेनिक लि. और अन्य, सिविल अपील संख्या 2010 की 1679 में माननीय उच्चतम न्यायालय की अधिक बड़ी बैंच द्वारा हाल ही में पुष्टि की गई है।

### च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

22. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए विविध अनुरोधों की जांच की गई है और नीचे दिए अनुसार समाधान किया गया है :

- क. इस अनुरोध के संबंध में, कि संबद्ध वस्तुओं के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उनकी कीमतों पर मुद्रास्फितीकर प्रभाव होगा और डाउनस्ट्रीम उद्योगों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेगा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य अनुचित व्यापार व्यवसाय को रोकना और घरेलू उद्योग को एक उचित भूमिका उपलब्ध कराकर उन पर इनके क्षति प्रभाव को कम करना है। इसके अतिरिक्त पाटनरोधी शुल्क लगाने से न तो आयात प्रतिबंधित होता है और न ही रूकता है।
- ख. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह तर्क कि संबद्ध वस्तुओं के आयात पर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को अवांछित लाभ प्रोद्भूत करेगा, पूर्वधारणा और समयपूर्व है। पाटनरोधी जांच तथ्यों और कानून पर आधारित हैं और पाटन की मात्रा का विश्लेषण करना और आंकन करना तथा घरेलू उद्योग पर परिणामी क्षति प्रभाव निर्यातकों से पाटन की तुलना में घरेलू उद्योग के लिए निष्पक्ष और उचित भूमिका उपलब्ध कराकर उपयुक्त तथा पर्याप्त पाटनरोधी उपाय करने की सिफारिश करना है।
- ग. हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि जांच की अवधि 6 माह से अधिक होनी चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी व्यवसाय (डब्ल्यूटीओ दस्तावेज सं. जी/एडीपी/6 दिनांक 16 मई, 2000) पर समिति की सिफारिश के अनुसार :

".....पाटन जांच के लिए आंकड़े एकत्र करने की अवधि सामान्यतः 12 माह होनी चाहिए और किसी भी स्थिति में यह 6 माह से कम नहीं होनी चाहिए। जहां तक व्यवहार्य हो, जांच शुरुआत की तारीख के निकट समाप्त होनी चाहिए।"

इसलिए उपरोक्त सिफारिश को ध्यान में रखते हुए, 6 माह की अवधि को जांच की अवधि माना जा सकता है। जांच प्राधिकारी ने दूसरी जांचों में भी जांच की अवधि 6 माह कर दी है।

- घ. रक्षोपाय शुल्क लगाने के पीछे आशय पाटनरोधी शुल्क से अलग है। रक्षोपाय शुल्क आयात में वृद्धि को रोकने के लिए लगाया जाता है जबकि पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग पर पाटन की क्षति के प्रभाव को निष्प्रभावी करने और एक उचित भूमिका सृजित करने के लिए लगाया जाता है ताकि घरेलू उद्योग पाटित वस्तुओं की तुलना में प्रभावी रूप से प्रतिस्पर्द्धा कर सके।
- ङ. भारत सरकार द्वारा एमआईपी की शुरुआत एक अस्थायी उपाय के रूप में की गई थी और वह 4 अगस्त, 2016 तक संबद्ध वस्तुओं के लिए लागू थी।
- च. हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि बीआईएस जैसी अन्य गैर प्रशुल्क बाधाएं भी हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि बीआईएस का अस्तित्व कतिपय गुणता प्राचलों को सुनिश्चित करना है। बीआईएस मानकों का घरेलू उद्योग के साथ-साथ सभी देशों से आयात द्वारा पालन किया जाना है। इसके अतिरिक्त, बीआईएस के अस्तित्व से यह निष्कर्ष नहीं निकलेगा कि कोई पाटन नहीं है और घरेलू उद्योग को कोई परिणामी क्षति नहीं है।
- छ. हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि रूस और चीन जन गण सीमा शुल्क बढ़ाने के अध्यधीन है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सीमा शुल्क में वृद्धि किए जाने के बावजूद घरेलू उद्योग पाटित आयातों की कम कीमतों से तुलना नहीं कर सकता।
- ज. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जब भी आवश्यक हुआ उत्पादन मात्रा आंकड़े केवल जेपीसी से लिए गए हैं। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी ने इस अंतिम जांच परिणाम में में डीजीसीआईएंडएस आयात आंकड़ों पर विश्वास किया है।
- झ. पाटनरोधी शुल्क भूतलक्षी प्रभाव से लगाने के लिए अनुरोध के संबंध में सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क(3) में निम्नलिखित प्रावधान हैं :

जांच के अधीन पाटित वस्तु के संबंध में यदि केंद्र सरकार का यह अभिमत है कि:

- (i) पाटन काफी पहले से किया जा रहा है, जिससे क्षति हुई है अथवा कि आयातक को यह ज्ञात था अथवा ज्ञात होना चाहिए था कि निर्यातक पाटन कर रहा है और यह कि ऐसे पाटन से क्षति पहुँचेगी, और
- (ii) अपेक्षाकृत लघु अवधि में आयातित किसी वस्तु के भारी मात्रा में पाटन से क्षति हुई है, जिससे पाटित आयातित वस्तु के समय और मात्रा एवं अन्य परिस्थितियों के मद्देनजर लगाए जाने वाले पाटनरोधी शुल्क का सुधारात्मक प्रभाव कम होने की संभावना है, तो

केंद्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना के माध्यम से उप-धारा (2) के अंतर्गत भूतलक्षी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की तारीख से पहले की तारीख से पाटनरोधी शुल्क लगा सकती है, परंतु इस उपखंड के अंतर्गत शुल्क अधिरोपण की तारीख अधिसूचना की तारीख से नब्बे दिन पूर्व तक ही होगी और इस समय लागू किसी कानून में किसी बात के होते हुए भी ऐसे शुल्क का भुगतान उस दर एवं उस तारीख से किया जाएगा, जिसे अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किया गया हो।

- ज. मामले के तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क भूतलक्षी प्रभाव से लगाने की सिफारिश करने को उपयुक्त नहीं पाते।

- ट. वर्तमान जांच संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन को दर्शाते हुए आवेदक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना/आंकड़ों के प्रथम दृष्टया विश्लेषण, उक्त पाटन तथा दो के बीच आकस्मिक लिंक के कारण आवेदक को क्षति के आधार पर शुरू की गई है। विरोधी हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि जांच की शुरूआत आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए भ्रामक आंकड़ों के कारण कानून की दृष्टि से सही नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह प्रथम दृष्टया जांच की शुरूआत के समय याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर सूचना की यथार्थता और पर्याप्तता के बारे में स्वयं संतुष्ट थे।
- ठ. प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी हितबद्ध पक्षकार ने कोई साक्ष्य नहीं उपलब्ध कराया है कि गैर-क्षति कीमत की गणना करने के प्रयोजन के लिए नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ किस प्रकार 22% से कम होना चाहिए। इसके अतिरिक्त 22% के रूप में आरओसीई लेना प्राधिकारी की मानक प्रक्रिया है।

#### छ. आंकन बाजार अर्थव्यवस्था उपचार (एमईटी), सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

##### सामान्य मूल्य

23. धारा 9क(1)(ग) के तहत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य से निम्नलिखित अभिप्रेत है :

- i. व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- ii. जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो, तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

परंतु यह कि उद्गम वाले देश से इतर किसी देश से वस्तु के आयात के मामले में अथवा जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश के जरिए मात्र यानांतरित किया गया है अथवा जहां ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यातक के देश में नहीं किया जाता है, निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

##### गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देशों से संबंधित प्रावधान

24. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 में कहा गया है:

“7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत रहित, सामान्य, मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयानुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हों, समय-सीमा के

भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विशेष में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयावधि प्रदान की जाएगी।"

8. (1) "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश" वाक्यांश का अर्थ कि देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धांतों का लागू नहीं करने वाले के रूप में मानते हैं। जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं कि बिक्रियों उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य नहीं दर्शाती है।"

(2) यह कहना पूर्वानुमान लगाना होगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यू.टी.ओ. के किसी सदस्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

तथापि, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप-पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या:

(क) ऐसे देश में कच्ची सामग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं;

(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतों तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाए गए विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है। खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसंपत्तियों के ह्रास अन्य बट्टे खाते वस्तु विनियम व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में;

(ग) ऐसी फर्म दिवालिया तथा संपत्ति कानून के अधीन होती है जो कि फर्म के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है:-

(घ) विनियम दर के परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं:-

तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसी अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धांतों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।

### **निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध**

25. एमईटी, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन तथा प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई है और नीचे दिए अनुसार समाधान किया गया है:

क. सामान्य मूल्य की गणना वास्तविक स्थिति की अपेक्षा अवधारणा पर आधारित है और वैध नहीं है। सामान्य मूल्य के अवयवों जैसे लौह अयस्क खपत, ऊर्जा खपत, श्रम लागत आदि का ब्यौरा दिया जाना चाहिए।

ख. रूसी फेडरेशन ने रूसी आपूर्तियों के लिए पाटन मार्जिन गणना की पद्धति के संबंध में अपनी चिंता व्यक्त की है। मेटल बुलेटिन प्राइस (एमबीपी) रूस से संबद्ध वस्तुओं के आयात के लिए बैंचमार्क की गणना के प्रयोजन के लिए अविश्वसनीय और गलत है। एमबीपी रूसी कीमतों के जैसा नहीं है क्योंकि वे पूर्वी यूरोप में उत्पादकों के लिए कीमतों पर आधारित हैं न कि केवल रूस में। डीजीएडी को अपना निष्कर्ष रूसी निर्यातकों और उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत वास्तविक आंकड़ों के आधार पर निकालना चाहिए।

- ग. "भारतीय अनुभव" के आधार पर लागतों की गणना पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.2.1.1 के विरोधास्वरूप है जिसमें यह भी निर्दिष्ट है कि "लागतों की गणना सामान्यतः जांचाधीन निर्यातकों अथवा उत्पादकों द्वारा रखे गए रिकार्ड के आधार पर की जाएगी।
- घ. कुछ हितवद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि यदि लाभ कमाने वाले लेन-देन 20% से कम है तो सामान्य मूल्य उत्पादन का लागत आधिक्य उचित लाभ के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए।
- ङ. यदि डीजीएडी पाटन मार्जिन गणना में सूचित पीसीएन की अवहेलना करता है तो प्रतिवादी पर निर्धारित पाटन मार्जिन का परिणाम बिगड़ा हुआ होगा क्योंकि इस प्रकार के परिदृश्य में एक उचित तुलना सराहनीय नहीं है। इसके अतिरिक्त यह तुलना पद्धति भारतीय एडी नियमावली के अनुरूप नहीं है।
- च. प्रारंभिक जांच परिणामों के अंत में उपलब्ध कराई गई शुल्क तालिका में यह नोट किया गया है कि उत्पादक के लिए आबंटन योग्य शुल्क मार्जिन कतिपय उत्पाद प्रतिबंधों के संबंध में आकस्मिक बना दिया गया है। यह विनयपूर्वक अनुरोध किया गया है कि एचआर के निर्यात पर कोई भी शुल्क लगाना उत्पादकों द्वारा निर्मित कॉइलों में नहीं है और इसके सहयोगी व्यापार चैनल गैर-कानूनी हैं और पाटनरोधी नियमावली के नियम 12 और 13 का सीधा उल्लंघन है जिसकी अपेक्षा है कि लगाया गया शुल्क पाटन मार्जिन से अधिक नहीं होना चाहिए।
- छ. यदि प्रारंभिक परिणामों में जांच प्राधिकारी ने पीटी पोसको क्राकताउ द्वारा दाखिल उत्तर मुख्य रूप से इस आधार पर स्वीकार नहीं किए हैं कि व्यापार कंपनी, जिसके जरिए पीटी केपी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। इस निर्यात में सूचित रिटर्न में नहीं है। ट्रेडिंग कंपनियों की ओर से उत्तर 30.09.2016 अर्थात् सुनवाई से काफी पहले प्रस्तुत किए गए थे। विनम्र अनुरोध है कि तथापि बाद में व्यापार कंपनी द्वारा दाखिल उत्तर रिकार्ड में लिए जाएं।
- ज. अपने लिखित अनुरोध के पैरा 7(iii) में याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि जेएफई को असहयोगी माना जाना चाहिए क्योंकि उत्पादकों के कुछ संबंधित घरेलू उपभोक्ताओं ने वर्तमान जांच में अपने उत्तर दायर नहीं किए हैं। उत्पादक के आंकड़े को अस्वीकार करने के लिए कोई वास्तविक कानूनी आधार की व्यवस्था नहीं की गई है। सामान्य मूल्य के निर्धारक के रूप में घरेलू बिक्री को केवल तभी अस्वीकार किया जा सकता है यदि घरेलू बिक्री सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9(क) तथा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 में स्पष्ट किए गए अनुसार "साधारण व्यापार नहीं" पाया गया है।
- झ. भारत से कोरिजन रेसिस्टेंट स्टील के आयात पर प्रतिकारी जांच में यूएसडीओसी परिणामों पर याचिकाकर्ता रिलायंस के संबंध में उत्पादक विनय पूर्वक अनुरोध करता है कि पूर्व उदाहरण पाटनरोधी जांच में लागू नहीं है। याचिकाकर्ताओं द्वारा स्वयं उद्धरितानुसार प्रतिकूल तथ्य जेएसडब्ल्यूएसएल के लिए लागू किए गए थे क्योंकि वह 'क्रॉस ओनरशिप' के लिए संबंधित इनपुट आपूर्तिकर्ता को उचित ढंग से अभिचिन्हित करने में विफल रहा है जोकि प्रतिकारी जांच में भी प्रयोग की गयी एक विशिष्ट जांच है। पाटनरोधी जांच में कोई समतुल्य जांच अथवा अपेक्षा नहीं है इसलिए पूर्व उदाहरण वर्तमान जांच में लागू नहीं होता।
- ञ. चीनी निर्यातकों, बाजार सिद्धांतों पर प्रचालन नहीं करने और अपनी घरेलू कीमतों अथवा लागतों की अवहेलना करने वाला मानने के लिए अनुच्छेद 15(क)(ii) में प्रावधानों के अनुसार अनुच्छेद 15(घ) में निहित प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए अप्रचालनात्मक बन गया है। इसलिए वर्तमान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो चीनी उत्पादकों की घरेलू कीमतों और लागतों की अवहेलना करने के लिए माननीय प्राधिकारी को सक्षम बनाते हैं। इसलिए चीनी उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य संबद्ध वस्तुओं की उनकी घरेलू कीमतों और लागतों के आधार पर निर्धारित की जाए तथा उनके लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्रयोग की गई कोई अन्य पद्धति डब्ल्यूटीओ के अंतर्गत भारत की बाध्यताओं का उल्लंघन होगा।



- ट. सामान्य मूल्य की गणना के लिए उपलब्ध कराई गई कीमत अविश्वसनीय और उपयुक्त नहीं है क्योंकि उनमें रूसी बाजार में बाजार कीमतों के अनुरूप सामान्य कुछ भी नहीं है। यह सलाह दी जाती है कि रूसी उत्पादकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य (डब्ल्यूटीओ नियमावली के अनुसार) की गणना की जाए।
- ठ. यह नोट किया जाए कि पोसको द्वारा भारत में असंबद्ध उपभोक्ताओं को संबद्ध उत्पाद का निर्यात व्यापार कंपनियों और एक संबंधित पक्षकार अर्थात् पोसको महाराष्ट्र के लिए किया जाता है, पोसको संबद्ध उत्पाद का सीधे निर्यात करता है। वर्तमान पाटनरोधी में पोसको द्वारा प्रश्नावली के उत्तर दाखिल किए गए हैं और इसके 6 व्यापारियों में जांच की अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यात का 99.91% शामिल हैं। पोसको पीएंडएस को छोड़कर कोई भी संबंधित पक्षकार भारत में निर्यात बिक्री श्रृंखला का भाग नहीं था क्योंकि पोसको पीएंडएस ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं।

### घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

26. जांच के दौरान एमईटी, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए तथा विभिन्न सामान्य अनुरोध निम्नानुसार हैं:
- क. घरेलू उद्योग ने संबद्ध देशों के घरेलू बाजार में संबद्ध उत्पाद की विक्रय कीमत का साक्ष्य उपलब्ध कराया है।
- ख. यह विचार करने के लिए पर्याप्त कारण है कि संबद्ध देशों में उत्पादक संबद्ध वस्तुएं पाटित कर रहे हैं। ये उत्पादक उत्पादन की लागत से कम कीमत पर संबद्ध उत्पाद का विक्रय कर रहे हैं अथवा घरेलू कीमतें भारत को निर्यात कीमत से अधिक हैं।
- ग. कोई भी चीनी उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था स्थिति को संतुष्ट नहीं कर सकता। किसी भी डब्ल्यूटीओ सदस्य देश ने संगत मानदण्डों के नवीनतम विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर चीनी उत्पादकों की बाजार अर्थव्यवस्था स्थिति नहीं दी है।
- घ. जब तक उत्तर देने वाले चीनी निर्यातक नियमावली के तहत निर्धारित मानकों की पुष्टि नहीं करते, निर्दिष्ट प्राधिकारी को नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य निर्धारित करना अपेक्षित है।
- ङ. चीन जन गण के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था उपचार का दावा नहीं किया है।
27. घरेलू उद्योग ने पाटन मार्जिन, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत, तथा विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दायर प्रश्नावली के संबंध में निम्नलिखित विशिष्ट अनुरोध किए हैं:
- क. निस्को के निर्यात लेन-देन से संबंधित आंकड़े हुंडई कारपोरेशन द्वारा दबा दिए गए हैं। हुंडई कारपोरेशन को भारत को सभी निर्यात सूचित नहीं करने का स्पष्टीकरण देना चाहिए क्योंकि तथ्यों को दबाना हुंडई कारपोरेशन की ओर से एक प्रमुख त्रुटि है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रारंभिक जांच परिणाम में ही हुंडई कारपोरेशन को असहयोगी मानना चाहिए।
- ख. यह भी संभव है कि हुंडई कारपोरेशन ने भारत को अन्य लेन-देन तथा अन्य उत्पादकों जैसे हुंडई स्टील और पोसको के लिए सूचित गलत जानकारी के संबंध में आंकड़े दबाए हैं। तदनुसार हुंडई स्टील कंपनी और पोसको द्वारा दाखिल उत्तर भी अस्वीकृत किए जाने चाहिए क्योंकि हुंडई कारपोरेशन भी कोरिया गणराज्य में इन उत्पादकों द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं का एक प्रमुख निर्यातक है और पोसको से संबंधित है।
- ग. प्राधिकारी को इस जांच में सहयोग नहीं करने के लिए पांच असंबद्ध व्यापारियों और पोसको के एक संबद्ध व्यापारी के रूप में पोसको द्वारा दायर उत्तर को स्वीकार नहीं करना चाहिए। संबंधित पक्षकारों के लिए यह अनिवार्य है कि वे निर्दिष्ट प्राधिकारी के साथ पूरी तरह से सहयोग करे चाहे निर्यात की गई मात्रा कम हो।

- घ. घरेलू बिक्री के संबंध में जेएफई स्टील कारपोरेशन के संबंधित पक्षकारों ने कोई उत्तर दायर नहीं किए हैं। केवल संबंधित पक्षकारों को बिक्री की मात्रा के कारण निर्दिष्ट प्राधिकारी को जेएफई स्टील कारपोरेशन द्वारा दायर उत्तर स्वीकार नहीं करने चाहिए। इसके अतिरिक्त, भारत के लिए निर्यात कीमत के संबंध में जेएफई स्टील कारपोरेशन के एक असंबद्ध व्यापारी ने उत्तर दायर नहीं किया है। इस प्रकार जेएफई स्टील कारपोरेशन के लिए मूल्य चेन पूरी नहीं है। संबद्ध और असंबद्ध पक्षकारों से पर्याप्त असहयोग को ध्यान में रखते हुए जेएफई स्टील कारपोरेशन को असहयोगी माना जाना चाहिए।
- ड. एनएसएसएमसी के 6 संबद्ध पक्षकारों में से 4 ने घरेलू बिक्री के संबंध में कोई उत्तर दायर नहीं किया है। केवल इन संबद्ध पक्षकारों को बिक्री की मात्रा कम होने के कारण निर्दिष्ट प्राधिकारी को एनएसएसएमसी द्वारा दायर उत्तर स्वीकार नहीं करने चाहिए। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अवलोकन किया है कि एनएसएसएमसी ने अन्य व्यापारियों जिन्होंने जांच में सहयोग नहीं किया है, के जरिए निर्यात किया है। इस प्रकार एनएसएसएमसी के लिए मूल्य चेन अपूर्ण है। काफी असहयोग को ध्यान में रखते हुए एनएसएसएमसी को असहयोगी माना जाना चाहिए।
- च. झांगजियागांग ग्रुप के व्यापारियों ने उन अन्य व्यापारियों जिन्होंने जांच में सहयोग नहीं किया है के जरिए निर्यात किया है। इस प्रकार झांगजियागांग ग्रुप के लिए मूल्य चेन अपूर्ण है। काफी असहयोग को ध्यान में रखते हुए झांगजियागांग ग्रुप को असहयोगी माना जाना चाहिए।
- छ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा असहयोग के संबंध में घरेलू उद्योग ने आगे अनुरोध किया है कि अन्य डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों में जांच प्राधिकारियों द्वारा कड़ी अपेक्षाएं रखी गई हैं। संयुक्त राज्य द्वारा आयोजित भारत से कुछ कोरोजन रेसिस्टेंट उत्पादों के आयात से संबंधित प्रतिकारी शुल्क जांच के मामले में यूएस डिपार्टमेंट ऑफ कामर्स ("यूएसडीओसी") ने एक निर्यातक को केवल इस कारण असहयोगी माना है क्योंकि वह यूएसडीओसी को यह सूचित करने में विफल रहा है कि संबद्ध कंपनी कच्चे माल की एक मिनिस्कल मात्रा की सप्लाई कर रही थी, पीओआई के अंतिम दो माह के लिए प्रचालन में थी।
- ज. यह वैश्विक प्रक्रिया है कि तथ्यों को दबाना और असहयोग से प्रभावली के उत्तर अस्वीकृत होने चाहिए। निर्दिष्ट प्राधिकारी को निर्यातकों की उसी प्रकार की बाध्यताएं बनानी चाहिए और उपरोक्त उद्धरित कारणों से उन्हें असहयोगी माना जाए।
- झ. यह भी अनुरोध किया गया है कि कारखाना बाह्य निर्यात कीमत की गणना में बैंक प्रभार निष्पक्ष तुलना के लिए निर्यातकों की निर्यात कीमत से कटौती के रूप में घटाए जाएं।

#### प्राधिकारी द्वारा जांच

#### चीन के उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था दावे

28. चाइना एसेशन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 में निम्नानुसार प्रावधान है :

"गैट 1994 का अनुच्छेद VI, जनरल एग्रीमेंट ऑन टैरिफ एंड ट्रेड 1994 के अनुच्छेद VI के कार्यान्वयन संबंधी करार ('पाटनरोधी करार') तथा एससीएम करार उन कार्यवाहियों में लागू होगा जिनमें डब्ल्यूटीओ सदस्य में चाइनीज मूल का आयात निम्नलिखित से संगत हो:

- (क) गैट 1944 के अनुच्छेद VI तथा पाटन रोधी करार के अंतर्गत तुलनीयता कीमत निर्धारित करने में आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य जांचाधीन उद्योग अथवा किसी पद्धति के लिए चीनी कीमत अथवा लागतों का प्रयोग करेगा जो निम्नलिखित नियमावली पर आधारित चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ कड़ाई से तुलना हेतु आधारित नहीं है।
- (ii) यदि जांचाधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि विनिर्माण उत्पादन और उस उत्पाद की बिक्री के संबंध में समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था स्थिति उपलब्ध है, आयातक

डब्ल्यूटीओ सदस्य कीमत तुलनीयता निर्धारित करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीनी कीमतों अथवा लागतों का प्रयोग करेगा;

- (ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का प्रयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ कड़ाई से तुलना पर आधारित नहीं है यदि जांचाधीन उत्पाद स्पष्ट रूप से नहीं दर्शा सकता है कि उक्त उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में समान उत्पाद उत्पादित करने वाले उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था परिस्थितियां विद्यमान हैं।
- (ख) जब अनुच्छेद 14(क), 14 (ख), 14 (ग) और 14(घ) में उल्लिखित सब्सिडी का पता लगाने के लिए एससीएम करार के भाग II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में एससीएम करार के संबंधित प्रावधान लागू होंगे। यदि उस आवेदन में विशेष कठिनाइयां हैं तो आयात डब्ल्यूटीओ सदस्य सब्सिडी लाभ जो उस संभावना जो चीन में विद्यमान निबंधन एवं शर्तें हैं, को ध्यान में रखते हुए सब्सिडी के लाभ अभिचिन्हित करने और मापने के लिए पद्धतियों का प्रयोग कर सकते हैं जो उपयुक्त बैंचमार्क के लिए सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती। इस प्रकार की पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयातक सदस्यों को चीन से बाहर विद्यमान निबंधन एवं शर्तों के प्रयोग पर विचार करने से पूर्व प्रचलित इस प्रकार की निबंधन एवं शर्तों को समायोजित करना चाहिए।
- (ग) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य पाटनरोधी प्रक्रियाओं संबंधी समिति के लिए उप पैराग्राफ (क) के अनुसार प्रयोग की कई पद्धतियां अधिसूचित करेंगे तथा सब्सिडी और प्रतिकारी उपायों संबंधी समिति के लिए उप-पैरा (ख) के अनुसार पद्धतियां अधिसूचित करेंगे।
- (घ) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अंतर्गत एक बार चीन में प्रमाणित हो जाता है और यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है तो पैराग्राफ (क) के प्रावधान समाप्त हो जाएंगे, बशर्ते कि आयातक सदस्य का राष्ट्रीय कानून अभिवृद्धि की तारीख को बाजार अर्थव्यवस्था मानदण्डों से युक्त हो। किसी भी स्थिति में उप-पैराग्राफ (क)(ii) के प्रावधान की अभिवृद्धि की तारीख के 15 वर्ष पश्चात समाप्त होंगे। इसके अतिरिक्त चीनी आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में यह प्रमाणित करेगा कि किसी विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में बाजार अर्थव्यवस्था स्थितियां उपलब्ध हैं तो उप-पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए अब लागू नहीं होंगे।

29. अनुच्छेद 15 में निहितार्थ है कि उप पैरा के एक के प्रावधान चाइना एसोसिएशन की तारीख से 15 वर्ष बाद समाप्त होंगे। इस उप पैरा के प्रावधान 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गए हैं। चूंकि घरेलू उद्योग को क्षति के कारण पाटन के तथ्य जांच की अवधि के आधार पर प्रमाणित है इसलिए जांच की अवधि के दौरान प्रचलित परिस्थितियां अकेले वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए संगत उपयुक्त और आवश्यक है। वर्तमान समीक्षा के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि (पीओआई) जुलाई, 2015 से दिसंबर, 2015 है। चूंकि अनुच्छेद 15 का उप-पैरा जांच की अवधि के दौरान अस्वित्व में था। इसलिए प्राधिकारी वे पद्धति प्रयोग करने के लिए पात्र हैं जो घरेलू कीमतों के साथ कड़ी तुलना अथवा चीन में लागतों पर आधारित नहीं है यदि उत्पादक जांच के अंतर्गत उत्पाद करने वाले उद्योग जैसे उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पाद और बिक्री के संबंध में समान उत्पाद में प्रचलित बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां स्पष्ट रूप से नहीं दर्शा सकते।
30. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विगत तीन वर्षों में चीन जन गण को भारत द्वारा और दूसरे डब्ल्यूटीओ सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश के रूप में माना गया है। चीन जन गण निर्यातक देश द्वारा अथवा नियमावली की शर्तों के अनुसार संबंधित निर्यातकों द्वारा पूर्वधारणा के खण्डन के लिए संबद्ध देश गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना गया है।

31. यथासंशोधित एडी नियमावली के पैरा 8, अनुबंध-1 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की पूर्वधारणा का खण्डन किया जा सकता है, यदि चीन जन गण के निर्यातक पैरा 8 में उप पैरा (3) में विनिर्दिष्ट मानदण्डों और विरोधाभासी सिद्ध करने के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराता है। चीन जन गण से संबद्ध वस्तुओं के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था उपचार प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखितानुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि विनिर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदण्डों पर विचार कर सके:
- क. कीमतों लागतों और आदानों जिसमें कच्चा माल, प्रौद्योगिकीय लागत, श्रम, उत्पादन, बिक्री और निवेश शामिल हैं, के बारे में चीन जन गण में संबंधित फर्मों का निर्णय बाजार संकेतों के उत्तर में लिए गए हैं जो आपूर्ति और मांग को प्रदर्शित करते हैं और इस संबंध में राज्य के हस्तक्षेप के बिना और प्रमुख आदानों की लागतें क्या बाजार मूल्य में पर्याप्त ढंग से प्रदर्शित की गई हैं।
  - ख. इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बट्टे खाते, विनिमय व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के जरिए भुगतान के संबंध में विशेष रूप से पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से सार्थक हानि के अध्यधीन है।
  - ग. इस तरह की फर्मों दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन है जो कानूनी निश्चितता और फर्मों के प्रचालन के लिए स्थिरता की गारंटी देते हैं।
  - घ. विनियम दर अंतरण बाजार दरों पर किए जाते हैं।
32. यह नोट किया गया है कि चीन जन गण में संबद्ध वस्तुओं के किसी भी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था उपचार का दावा नहीं किया है। तदनुसार, प्राधिकारी को उपरोक्त मानदण्डों के किसी भी मानदण्ड की जांच करना अपेक्षित नहीं है और उनका मत है कि चीन जन गण के उत्पादक/निर्यातक बाजार अर्थव्यवस्था परिस्थितियों के अंतर्गत प्रचालन नहीं कर रहे हैं और इसलिए नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 की शर्तों के अनुसार सामान्य मूल्य संबंधी निर्धारण के लिए संरचित सामान्य मूल्य अपनाया है।

#### सामान्य मूल्य का निर्धारण

33. प्राधिकारी ने निर्धारित प्रपत्र और तरीके से सूचना उपलब्ध कराने की सलाह देते हुए संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली भेजी है। निम्नलिखित पक्षकारों ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं:

#### **I. कोरिया**

1. हुंडई स्टील कंपनी (उत्पादक)
2. सैमवू कं. लि. (व्यापारी)
3. हुंडई कारपोरेशन (व्यापारी)
4. पीएंडए कारपोरेशन (व्यापारी)
5. मेन स्टील कं. लि. (व्यापारी)
6. ईआईएन कारपोरेशन (व्यापारी)
7. जीएस ग्लोबल कारपो. (व्यापारी)
8. पोसको एशिया कंपनी लि. (व्यापारी)
9. पोसको, कोरिया (उत्पादक)

10. डेवी इंटरनेशनल (14 मार्च, 2016 को पोसको से डेवू कारपोरेशन में नाम बदला गया) (व्यापारी)
11. पोसको प्रोसेसिंग एंड सर्विसेज कं. लि. (व्यापारी)
12. सैमसंग सीएंडटी कारपोरेशन (व्यापारी)

## II. जापान

13. हनवा कं. लि. (व्यापारी)
14. मितसुई एंड कं. लि. (व्यापारी)
15. मरुबेनी इटोचू स्टील इ. (व्यापारी)
16. जेएफई स्टील कारपोरेशन (उत्पादक)
17. जेएफई शोजी ट्रेड कारपोरेशन (व्यापारी)
18. होंडा ट्रेडिंग कारपोरेशन (व्यापारी)
19. ओहमी इंडस्ट्रीज लि. (व्यापारी)
20. निप्पोन स्टील एंड सुमिकिन बुसन कारपोरेशन (व्यापारी)
21. शिमसो कारपोरेशन (व्यापारी)
22. निस्सिन स्टील क. लि. (उत्पादक)
23. सुमिटोमो कारपोरेशन (व्यापारी)
24. निप्पोन स्टील एंड सुमिटोमो मेटल कारपोरेशन (उत्पादक)
25. कनेमत्सू कारपोरेशन लि. (व्यापारी)
26. टोयोटा त्शुशो कारपोरेशन (व्यापारी)
27. मेटल वन कारपोरेशन (व्यापारी)
28. निस्सान ट्रेडिंग कारपोरेशन (व्यापारी)
29. उत्तम गल्वा इंटरनेशनल एफजेडई, यूएई (व्यापारी)
30. उत्तम गल्वा इंटरनेशनल पटी, लि. सिंगापोर (व्यापारी)
31. क्युशो का. लि. जापान

## III. चीन जन गण

32. झांगिजायगांग होंगचांग स्टील प्लेट कं. लि. (उत्पादक)
33. झांगिजायगांग जीटीए प्लेट कं. लि. (उत्पादक)
34. शागेंग इंटरनेशनल पीटीई. लि. (व्यापारी)
35. जिंशा इंटरनेशनल पीटीई. लि. (व्यापारी)

36. झांगिजायगांग शाजिंग हेवी प्लेट कं. लि. (उत्पादक)
37. जियांगसू शागेंग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. (व्यापारी)
38. नंजिंग आयरन एंड स्टील कं. लि. (उत्पादक)
39. नंजिंग आयरन एंड स्टील ग्रुप इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. (व्यापारी)
40. सिंगापुर जिंटेंग इंटरनेशनल पीटीई. लि. (व्यापारी)
41. एंगेंग ग्रुप हांगकांग कं. लि. (व्यापारी)
42. एंगेंग स्टील कंपनी लिमिटेड (उत्पादक)
43. वुयांग न्यू हेवी एंड वाइड स्टील प्लेट कं. लि. (उत्पादक)
44. वुयांग आयरन एंड स्टील कं. लि. (उत्पादक)
45. हेबेई आयरन एंड स्टील (सिंगापुर) पीटीई, लि. (व्यापारी)
46. हेबेई आयरन एंड स्टील (हांग कांग) इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. (व्यापारी)
47. सलजगिटर मन्नेसमन इंटरनेशनल जीएमबीएच (व्यापारी)
48. निंग्बो सिमेई इंपोट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (व्यापारी)
49. लू क्विन (हांग कांग) कं. लि. (व्यापारी)
50. बुरविल रिसोर्स लिमिटेड (व्यापारी)
51. फ्यूचर मैटेरियल्स इंडस्ट्री (हांगकांग) कं. लि. (व्यापारी)
52. स्टीलको पेसिफिक ट्रेडिंग लि. (व्यापारी)

#### IV. इंडोनेशिया

53. पीपी क्राकाटाउ पोसको, इंडोनेशिया
34. रूस और ब्राजील के संबद्ध वस्तुओं के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने निर्यातकों की प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए हैं।

#### चीन जन गण में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

35. यह नोट किया गया है कि चीन जन गण ने संबद्ध वस्तुओं के किसी भी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था उपचार का दावा नहीं किया है। नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 की शर्तों के अनुसार सामान्य मूल्य संबंधी निर्धारण के लिए संरचित सामान्य मूल्य अपनाया है।

#### चीन जन गण में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए पद्धति

36. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, चीन जन गण के लिए सामान्य मूल्य पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार निर्धारित किया जाना अपेक्षित है। अनुबंध-1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार, चीन जन गण में सामान्य मूल्य किसी बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश में घरेलू विक्रय मूल्यों पर आधारित अथवा किसी बाजार अर्थव्यवस्था तीसरे देश में संरचित मूल्य अथवा किसी अन्य देश को इस प्रकार के तीसरे देश, जिसमें भारत भी शामिल है, से निर्यात कीमत के आधार पर निर्धारित की जानी अपेक्षित है। तथापि, यदि सामान्य मूल्य उपरोक्त उल्लिखित विकल्पों के आधार पर निर्धारित नहीं किया जा सकता तो निर्दिष्ट प्राधिकारी वास्तविक रूप से भुगतान

की गई कीमत अथवा समान उत्पाद के लिए भारत में देय, औचित्यपूर्ण लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत रूप से समायोजन सहित किसी अन्य युक्ति संगत आधार पर सामान्य मूल्य पर निर्धारित कर सकते हैं।

37. किसी तीसरे देश की बाजार अर्थव्यवस्था में संबद्ध वस्तुओं के लिए कोई विश्वसनीय कीमत और लागत ब्यौरा नहीं होने की स्थिति में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने समान उत्पाद के लिए युक्तिसंगत लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत रूप से समायोजित वास्तविक रूप से भुगतान की गई कीमत अथवा भारत में देय के आधार पर चीन जन गण के लिए सामान्य मूल्य संरचित किया है। तदनुसार, चीन जन गण से सभी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य पीयूसी के लिए तैयार किया गया है और वह पाटन मार्जिन में नीचे तालिका में दर्शाया गया है।

#### **कोरिया गणराज्य और जापान में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण**

##### **सामान्य मूल्य की गणना करने के लिए साधारण पद्धति**

38. प्राधिकारी द्वारा पहले यह निर्धारित किया गया था कि संबद्ध देशों में उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं की कुल घरेलू बिक्री की जब भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात से तुलना की गई प्रतिनिधित्वात्मक थी।
39. तत्पश्चात, यह जांच की गई थी कि क्या उनकी बिक्री पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 2 की शर्तों के अनुसार सामान्य व्यापार है। जहां भी उत्पादकों/निर्यातकों ने घरेलू बाजार में की गई बिक्री का लेन-देनवार ब्यौरा उपलब्ध कराया है और प्राधिकारी द्वारा उसे स्वीकार किया गया है, उक्त सूचना पर घरेलू बाजार में बेची गई संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य के निर्धारण में विश्वास किया गया है।
40. साधारण व्यापार जांच करने के लिए संबंधित उत्पाद की उत्पादन लागत की जांच उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के संदर्भ में की गई थी और यह निर्धारित करने के लिए कि घरेलू बिक्री साधारण व्यापार थी अथवा नहीं, निर्धारित करने के लिए घरेलू बिक्री कीमत से तुलना की गई है। प्राधिकारी ने सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों जहां लाभ अर्जित करने वाले लेन-देन 80% से अधिक हैं और उन मामलों में जहां लाभ अर्जित करने वाले लेन-देन 80% से कम हैं, के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु घरेलू बाजार ने सभी लेन-देन पर विचार किया है, केवल सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए लाभ योग्य घरेलू बिक्री पर विचार किया गया है।

#### **कोरिया जनवादी गणराज्य**

##### **सहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य**

##### **मैसर्स हुंडई स्टील कंपनी ("हुंडई स्टील") कोरिया गणराज्य, (उत्पादक) के लिए सामान्य मूल्य**

41. जांच की अवधि के दौरान हुंडई स्टील ने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है। घरेलू बाजार में सभी बिक्री जांच की अवधि के दौरान असंबद्ध पक्षकारों को की गई थी। जब घरेलू बिक्री की तुलना भारत को निर्यात से की जाती है तो वह काफी मात्रा में है। सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत के संदर्भ में लाभ अर्जित करने वाले घरेलू बिक्री लेन-देन को निर्धारित करने के लिए सामान्य जांच की है। यदि लाभ अर्जित करने वाले लेन-देन 80% से अधिक हैं तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु घरेलू बाजार ने सभी लेन-देन पर विचार किया है और उन मामलों में जहां लाभ अर्जित करने वाले लेन-देन 80% से कम हैं, केवल सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए लाभ योग्य घरेलू बिक्री पर विचार किया गया है। हुंडई स्टील ने ऋण लागत और अंतर्देशीय माल-भाड़े के समायोजन का दावा किया है और उसकी प्राधिकारी द्वारा अनुमति दे दी गई है। तदनुसार, हुंडई स्टील के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर सामान्य मूल्य एचआर कॉइलों और एचआर नॉट इन कॉयल के लिए निर्धारित किया गया है तथा उसे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

##### **मैसर्स पोसको, कोरिया गणराज्य (उत्पादक) के लिए सामान्य मूल्य**

42. जांच की अवधि के दौरान पोसको ने संबंधित और असंबंधित पक्षकारों को घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है। प्राधिकारी केवल एक संबद्ध पक्षकार मैसर्स पोसको पीएंडएस को नोट करते हैं जिसने प्रश्नावली के उत्तर

दाखिल किए हैं। तथापि यह भी नोट किया गया है कि \*\*\* से अधिक घरेलू बिक्री जांच की अवधि के दौरान असंबद्ध पक्षकारों को की गई है इसलिए प्राधिकारी सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजन के लिए घरेलू बिक्री स्वीकार करते हैं। जब भारत को निर्यात के साथ तुलना की जाती है तो घरेलू बिक्री पर्याप्त मात्रा में है। सभी घरेलू बिक्री लेनदेन को सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए माना गया है। सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभ अर्जित करने वाले घरेलू बिक्री लेनदेन को निर्धारित करने के लिए सामान्य व्यापार जांच की है। यदि लाभ अर्जित करने वाले लेन-देन 80% से अधिक हैं तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु घरेलू बाजार ने सभी लेन-देन पर विचार किया है और उन मामलों में जहां लाभ अर्जित करने वाले लेन-देन 80% से कम हैं, केवल सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए लाभ योग्य घरेलू बिक्री पर विचार किया गया है।

43. पोसको ने अंतर्देशीय माल-भाड़ा, लदान प्रभार, पैकिंग लागत, कमीशन, वारंटी लागत, ऋण व्यय, अप्रत्यक्ष बिक्री व्यय तथा व्यापार के स्तर के कारण समायोजन का दावा किया है। प्राधिकारी ने वारंटी लागत, अप्रत्यक्ष विक्रय व्यय तथा व्यापार के स्तर के लिए समायोजन स्वीकार नहीं किए हैं क्योंकि कोई युक्तिसंगत आधार अथवा औचित्य इस प्रकार के समायोजनों के समर्थन में प्राधिकारी को उपलब्ध नहीं कराया गया था। तदनुसार, पोसको के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर भारित औसत सामान्य मूल्य एचआर कॉइलों तथा एचआर में कॉइल नहीं के लिए निर्धारित किया गया है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### **मैसर्स सैमवू कं. लि. ("सैमवू"), कोरिया गणराज्य**

44. मैसर्स सैमवू कं. लि. ("सैमवू"), कोरिया गणराज्य ने संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक होने के लिए दावा करते हुए प्रश्नावली के उत्तर दाखिल किए हैं। प्राधिकारी द्वारा यह नोट किया गया है कि सैमवू केवल कोरिया गणराज्य में एचआर कोयलों के विभिन्न उत्पादकों को एच कॉयल खरीदने के पश्चात केवल पिक्लिंग और आयलिंग प्रोसेस में लगा हुआ है। सैमवू ने एचआर कॉइलों के उत्पादकों जिससे इसमें एचआर कॉयलें खरीदी हैं, के बारे में ऐसा कोई ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया है। इसलिए प्राधिकारी सैमवू के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित करने में असमर्थ है और वर्तमान जांच परिणाम के प्रयोजन के लिए सैमवू द्वारा दायर किए गए उत्तरों को स्वीकार नहीं करता है। तदनुसार, सैमवू के लिए सामान्य मूल्य प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों पर आधारित हैं और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### **कोरिया गणराज्य के असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य**

45. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया गणराज्य के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। कोरिया गणराज्य में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने उपलब्ध बेहतर सूचना के आधार पर एचआर कॉइलों तथा एचआर में कॉइल नहीं के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### **जापान के लिए सामान्य मूल्य**

#### **मैसर्स जेएफई स्टील कारपोरेशन, जापान (उत्पादक) ("जेएफई") के लिए सामान्य मूल्य**

46. जांच की अवधि के दौरान जेएफई ने संबद्ध और असंबद्ध पक्षकारों को घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि केवल एक संबद्ध पक्षकार जेएफई शोजी ट्रेडी में अपने उत्तर दायर किए हैं। तथापि, प्राधिकारी द्वारा यह भी नोट किया गया है कि असहयोगी संबद्ध पक्षकारों को की गई घरेलू बिक्री कुल घरेलू बिक्री की दृष्टि से काफी कम है इसलिए प्राधिकारी सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजन के लिए घरेलू बिक्री को स्वीकार करते हैं। घरेलू बिक्री भारत को निर्यात की तुलना में पर्याप्त मात्रा में है।
47. सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संबंध में लाभ अर्जित करने वाले घरेलू बिक्री कारोबार को निर्धारित करने के लिए सामान्य व्यापार जांच की है। यदि लाभ अर्जित करने वाले लेन-देन 80% से अधिक हैं तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु घरेलू बाजार ने सभी लेन-देन पर



विचार किया है और उन मामलों में जहां लाभ अर्जित करने वाले लेन-देन 80% से कम हैं, केवल सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए लाभ योग्य घरेलू बिक्री पर विचार किया गया है।

48. जेएफई ने छूट अंतर्देशीय माल-भाड़ा, संभाल, भंडारण और कमीशन के लिए समायोजन का दावा किया है। प्राधिकारी ने सभी समायोजनों को स्वीकार कर लिया है। तदनुसार, जेएफई के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर भारित औसत सामान्य मूल्य एचआर कॉइलों तथा एचआर में कॉइल नहीं के लिए निर्धारित किया गया है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### **मैसर्स निप्पोन स्टील एंड सुमिटोमो मेटल कारपोरेशन ("एनएसएसएमसी") के लिए सामान्य मूल्य**

49. जांच की अवधि के दौरान एनएसएसएमसी ने संबद्ध और असंबद्ध पक्षकारों को घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि केवल दो संबद्ध पक्षकारों अर्थात् मैसर्स निप्पोन स्टील एंड सुमिकिन बुसान कारपोरेशन और निप्पोन स्टील एंड सुमिकिन पाइप क. लि. ने अपने उत्तर दायर किए हैं। तथापि, प्राधिकारी द्वारा यह नोट किया गया है कि असहयोगी हितबद्ध पक्षकारों को की गई घरेलू बिक्री कुल घरेलू बिक्री की दृष्टि से बहुत कम है। इसलिए प्राधिकारी सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजन के लिए घरेलू बिक्री को स्वीकार करते हैं। घरेलू बिक्री भारत को निर्यात की तुलना में पर्याप्त मात्रा में है।
50. सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभ अर्जित करने वाले घरेलू बिक्री लेन देन को निर्धारित करने के लिए सामान्य व्यापार जांच की है। यदि लाभ अर्जित करने वाले लेन-देन 80% से अधिक हैं तो प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु घरेलू बाजार ने सभी लेन-देन पर विचार किया है और उन मामलों में जहां लाभ अर्जित करने वाले लेन-देन 80% से कम हैं, केवल सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए लाभ योग्य घरेलू बिक्री पर विचार किया गया है।
51. एनएसएसएमसी ने कीमत समायोजन, छूट, पहले भुगतान, अंतर्देशीय मालभाड़ा, बीमा, ऋण लागत, भंडारण तथा संभाल के लिए समायोजन का दावा किया है। प्राधिकारी ने पहले भुगतान को छोड़कर सभी समायोजन स्वीकार कर लिए हैं क्योंकि प्राधिकारी ने नोट किया है कि पहले भुगतान छूट एनएसएसएमसी द्वारा वास्तव में दावा की गई क्रेडिट लागत की तुलना में काफी अधिक है। तदनुसार, एनएसएसएमसी के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर भारित औसत सामान्य मूल्य एचआर कॉइलों तथा एचआर में कॉइल नहीं के लिए निर्धारित किया गया है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### **निसान स्टील क. लि.**

52. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निसान स्टील क. लि. ('एनएससी') ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादक होने का दावा करने के लिए निर्यातकों के उत्तर प्रस्तुत किए हैं और सूचित किया है कि इसने जापान में व्यापारियों के जरिए संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है तथा प्राधिकारी नोट करते हैं कि एनएससी ने परिशिष्ट-1 में घरेलू लागत के बारे में कोई ब्यौरा और अन्य लागत सूचना प्रस्तुत नहीं की है। भारत को निर्यात के संबंध में एनएससी ने परिशिष्ट-2क और 2ख जो पूर्णतः अधूरे हैं, प्रस्तुत किए हैं। इसलिए प्राधिकारी किसी सूचना के अभाव में एनएससी के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए सक्षम नहीं है और एनएससी द्वारा प्रस्तुत उत्तर को अस्वीकृत करते हैं। तदनुसार एनएससी के लिए सामान्य मूल्य प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों पर आधारित है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### **जापान के असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य**

53. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जापान के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिए हैं। जापान में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर एचआर कॉइलों तथा एचआर नॉट इन कॉइलों के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

**इंडोनेशिया के लिए सामान्य मूल्य****मैसर्स पीटी क्राकाटाउ पोसको, इंडोनेशिया के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण**

54. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स पीटी क्राकाटाउ पोसको, इंडोनेशिया ने निर्यातकों की प्रश्नावली के उत्तर बाद में दायर किए हैं। मैसर्स पीटी क्राकाटाउ पोसको, इंडोनेशिया द्वारा कहा गया है कि उन्होंने विभिन्न व्यापार कंपनियों के जरिए भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है तथापि, इन व्यापार कंपनियों में से कुछ व्यापार कंपनियों नामतः मैसर्स पीटी क्राकाटाउ, पोसको ने अपने उत्तर में भारत को संबद्ध वस्तुओं जो मैसर्स पीटी क्राकाटाउ पोसको द्वारा निर्मित हैं, का निर्यात सूचित नहीं किया है। व्यापारियों द्वारा इस महत्वपूर्ण सूचना को दबाने के कारण प्राधिकारी ने मैसर्स पीटी क्राकाटाउ पोसको का उत्तर स्वीकार नहीं किया और बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर कंपनी के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित किया है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

**इंडोनेशिया में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण**

55. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इंडोनेशिया के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। इंडोनेशिया में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर एचआर कॉइलों तथा एचआर नॉट इन कॉइलों के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

**रूस में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण**

56. प्राधिकारी नोट करते हैं कि रूस के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है और सहयोग नहीं किया है। रूस में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर एचआर कॉइलों तथा एचआर नॉट इन कॉइलों के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

**ब्राजील में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण**

57. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ब्राजील के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है और सहयोग नहीं किया है। ब्राजील में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर एचआर कॉइलों तथा कॉइल में एचआर नहीं के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

**निर्यात कीमत****कोरिया गणराज्य के लिए निर्यात कीमत****मैसर्स हुंडई स्टील कंपनी, कोरिया गणराज्य (उत्पादक) के साथ-साथ मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपोरेशन कोरिया गणराज्य, मैसर्स कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य, मैसर्स मेन स्टील कं. लि, कोरिया गणराज्य, मैसर्स पीएंडए कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य और ओहमी इंडस्ट्रीज लि. जापान (आयातक/व्यापारी) के लिए निर्यात कीमत**

58. कोरिया गणराज्य में संबद्ध वस्तुओं के एक उत्पादक मैसर्स हुंडई स्टील कंपनी ने अपनी असंबद्ध व्यापार कंपनियों नामतः मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपोरेशन कोरिया गणराज्य, मैसर्स कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य, मैसर्स मेन स्टील कं. लि, कोरिया गणराज्य, मैसर्स पीएंडए कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य और ओहमी इंडस्ट्रीज लि. जापान सहित प्रश्नावली के उत्तर दाखिल किए हैं। इन व्यापार कंपनियों ने जांच की अवधि के दौरान हुंडई स्टील द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं का भारत को निर्यात किया है। इन सभी निर्यातकों/व्यापारियों ने प्राधिकारी को अपनी प्रश्नावली के उत्तर दाखिल किए हैं।

59. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हुंडई स्टील ने एच कॉयल्स, एचआरपीओ कॉयल्स तथा कॉइल में एचआर नहीं (शीट/प्लेट) के रूप में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। अपनी असंबद्ध व्यापार कंपनियों के जरिए हुंडई स्टील की निर्यात बिक्री एफओबी/सीएफआर आधार पर है। हुंडई स्टील ने अंतर्देशीय मालभाड़ा, समुद्री माल भाड़ा, संभाल प्रभार, जांच फीस, बैंक प्रभार, वेयर हाउस व बीमा फीस तथा ऋण व्यय के लिए समायोजन का दावा किया है और उसकी अनुमति दी गई है। तदनुसार, हुंडई स्टील के लिए एचआर कॉइलों तथा कॉइलों में एचआर नहीं के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

मैसर्स पोसको, कोरिया गणराज्य (उत्पादक) के साथ-साथ मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपो. कोरिया गणराज्य, मैसर्स हुंडई कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य, मैसर्स सैमसंग सीएंडटी कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य, मैसर्स डेवू इंटरनेशनल, कोरिया गणराज्य, मैसर्स पोसको एशिया, कोरिया गणराज्य, पोसको पीएंडएस, कोरिया गणराज्य, (निर्यातकों/व्यापारियों) के लिए निर्यात मूल्य

60. कोरिया गणराज्य में संबद्ध वस्तुओं के एक उत्पादक मैसर्स पोसको कंपनी ने अपनी असंबद्ध/संबद्ध व्यापार कंपनियों नामतः मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपो. कोरिया गणराज्य, मैसर्स हुंडई कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य, मैसर्स सैमसंग सीएंडटी कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य, मैसर्स डेवू इंटरनेशनल, कोरिया गणराज्य, मैसर्स पोसको एशिया, कोरिया गणराज्य, पोसको पीएंडएस, कोरिया गणराज्य जिन्होंने पोसको द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं का भारत का निर्यात किया है, सहित प्रश्नावली के उत्तर दाखिल किए हैं। पोसको ने भी जांच की अवधि के दौरान भारत में अपनी संबद्ध कंपनी पोसको महाराष्ट्र को सीधे निर्यात किया। इसके अतिरिक्त पोसको ने अन्य व्यापारियों, जिन्होंने निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास अपनी प्रश्नावली के उत्तर दाखिल नहीं किए हैं, के जरिए कुछ मात्रा का निर्यात किया है।
61. तथापि प्राधिकारी द्वारा यह भी नोट किया है कि असहयोगी संबद्ध/असंबद्ध पक्षकारों के जरिए भारत को निर्यात भारत के कुल निर्यात की दृष्टि से बहुत कम है। अपनी सहयोगी असंबद्ध/संबद्ध व्यापार कंपनियों के जरिए पोसको की निर्यात बिक्री एफओबी/सीएफआर आधार पर है। पोसको ने अंतर्देशीय मालभाड़ा, समुद्री माल भाड़ा, लदाई प्रभार, पैकिंग, बैंक प्रभार तथा ऋण व्यय के लिए समायोजन का दावा किया है और उसकी अनुमति दी गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछ व्यापारियों ने भारत को पोसको से खरीदी गई संबद्ध वस्तुओं का हानि पर निर्यात किया है। इसलिए प्राधिकारी ने व्यापारियों की हानि के ध्यान रखने के लिए उपयुक्त समायोजन किया है। तदनुसार, पोसको के लिए एचआर कॉइलों तथा कॉइलों में एचआर नहीं के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

मैसर्स सैमवू कं. लि. ("सैमवू") कोरिया गणराज्य के साथ-साथ मैसर्स ईआईएन कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य (निर्यातक/व्यापारी)

62. प्राधिकारी द्वारा यह नोट किया गया है कि मैसर्स सैमवू कं., लि., कोरिया गणराज्य ने भारत को केवल पिक्ड और ऑयलड एचआर कॉइलों का निर्यात किया है। सैमवू एचआर कॉइलों का निर्माण नहीं करता है, परंतु कोरिया गणराज्य में एचआर कॉइलों के विभिन्न उत्पादकों से एचआर कॉइलें खरीदने के पश्चात् पिकलिंग/ऑयलिंग प्रक्रिया ही कर रहा है। इसलिए, प्राधिकारी वर्तमान जाँच परिणामों के प्रयोजन के लिए सैमवू द्वारा दायर किए गए उत्तर को स्वीकार नहीं करता और निर्यात कीमत निर्धारित करने में सक्षम नहीं है। तदनुसार, सैमवू के लिए निर्यात कीमत प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों पर आधारित है।

कोरिया गणराज्य से गैर-सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

63. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया गणराज्य के अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। कोरिया गणराज्य में सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के

आधार एचआर कॉइलों और कॉइल में एचआर नहीं के लिए निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

**जापान के लिए निर्यात कीमत**

होंडा ट्रेडिंग कारपोरेशन, जापान, जेएफई शोजी ट्रेड कारपोरेशन, जापान मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक., जापान, मितसुई एंड कं. लि., जापान, ओहमी इंडस्ट्रीज लि., जापान, उत्तम गल्वा इंटरनेशनल पीटीई. लि., सिंगापुर, उत्तर गल्वा इंटरनेशनल एफजेडई, दुबई और निसान ट्रेडिंग कंपनी लि., जापान, शिंशो कारपोरेशन, जापान एवं मेटल वन कारपोरेशन, जापान (निर्यातक/ट्रेडर्स) सहित मैसर्स जेएफई स्टील कारपोरेशन जापान (उत्पादक) ("जेएफई") के लिए निर्यात कीमत

64. जेएफई ने अपनी असंबद्ध/संबद्ध व्यापार कंपनियों नामतः होण्डा ट्रेडिंग कारपोरेशन, जापान, जेएफई शोजी ट्रेड कारपोरेशन, जापान मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक., जापान, मित्सुई एण्ड कं.लि., ओहमी इंडस्ट्रीज, लि., जापान, उत्तम गल्वा इंटरनेशनल प्रा. लि., सिंगापुर, उत्तम गल्वा इंटरनेशनल एफजेडई, दुबई और निसान ट्रेडिंग कं. लि., जापान, शिंशो कारपोरेशन, जापान एण्ड मेटल वन कारपोरेशन, जापान, जिन्होंने जेएफई द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं का भारत को निर्यात किया है, सहित प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। इसके अतिरिक्त, जेएफई ने भी अन्य व्यापारियों, जिन्होंने निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास अपनी प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए हैं, के जरिए कुछ मात्रा का निर्यात किया है।
65. तथापि, प्राधिकारी द्वारा यह भी नोट किया गया है कि गैर-सहयोगी असंबद्ध पक्षकारों ने भारत को कुल निर्यात की दृष्टि से कम निर्यात किया है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछ व्यापारियों ने उस कीमत पर, जो व्यापारियों के व्यय को कवर नहीं करती, भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। इसलिए प्राधिकारी ने व्यापारियों के व्यय के लिए भी उपयुक्त समायोजन किए हैं। तदनुसार, जेएफई के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर निर्यात कीमत एचआर कॉइलों और कॉइल में एचआर नहीं के लिए निर्धारित किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

मैसर्स निप्पो स्टील एंड सुमितोमो मेटल कारपोरेशन ("एनएसएसएमसी"), जापान के साथ-साथ हनवा कं. लि., जापान, होंडा ट्रेडिंग कारपोरेशन, जापान, कनेमात्सु कारपोरेशन लि., जापान, मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक., जापान, मितसुई एंड कं. लि., जापान, निप्पो स्टील एंड सुमिकीन बुस्सान कारपोरेशन, जापान, सुमितोमो कारपोरेशन, जापान और मेटल वन कारपोरेशन, जापान (निर्यातक/ट्रेडर्स) के लिए निर्यात कीमत

66. एनएसएसएमसी ने अपनी असंबद्ध/संबद्ध व्यापार कंपनियों नामतः हनवा कं. लि., जापान, होण्डा ट्रेडिंग कारपोरेशन, जापान, कानेमात्सु कारपोरेशन लि., जापान, मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक., जापान, मित्सुई एण्ड कं. लि., जापान, निप्पो स्टील एण्ड सुमिकीन बुस्सान कारपोरेशन सुमितोमो कारपोरेशन, जापान एण्ड मेटल वन कारपोरेशन, जापान जिन्होंने एनएसएसएमसी द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं का भारत को निर्यात किया है, सहित प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं। इसके अतिरिक्त, एनएसएसएमसी ने भी अन्य व्यापारियों, जिन्होंने निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास अपनी प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए हैं, के जरिए कुछ मात्रा का निर्यात किया है।
67. अपनी असंबद्ध/संबद्ध व्यापार कंपनियों के जरिए एनएसएसएमसी की निर्यात बिक्री एफओबी आधार पर है। एनएसएसएमसी ने कीमत समायोजन, ऋण लागत, छूट, शीघ्र भुगतान, अंतर्देशीय भाड़ा, पैकिंग स्टोरेज तथा संभाल के कारण समायोजन का दावा किया है और उसे अनंतिम रूप से अनुमति दे दी गई है। तदनुसार, एनएसएसएमसी के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य एचआर कॉइलों और कॉइल में एचआर नहीं के लिए निर्धारित किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

### जापान से गैर-सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

68. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जापान के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। जापान में सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार एचआर कॉइलों और कॉइल में एचआर नहीं के लिए निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

### चीन जन गण के लिए निर्यात कीमत

#### मैसर्स अनगांग स्टील कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण (उत्पादक)

69. मैसर्स अनगांग स्टील कंपनी लिमिटेड ("अनगांग") ने प्रश्नावली के अपने उत्तर में अनुरोध किया है कि अनगांग ने संबंधित निर्यातक/व्यापारी अर्थात् मैसर्स अनगांग ग्रुप हांगकांग लि. ("अनगांग एचके") के माध्यम से भारत में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है और यह कि अनगांग ग्रुप इंटरनेशनल ट्रेड कारपोरेशन ("अनगांग इंटरनेशनल") कमीशन एजेंट के रूप में कार्य कर रहा है। हालांकि, सत्यापन के दौरान प्राधिकारी द्वारा यह नोट किया गया था कि अनगांग एचके का वाणिज्यिक बीजक अनगांग इंटरनेशनल द्वारा जारी किया गया है। अनगांग द्वारा अनगांग एचके को प्रत्यक्ष तौर पर कोई बीजक जारी नहीं किया गया था। चूंकि अनगांग इंटरनेशनल द्वारा कोई उत्तर दायर नहीं किया गया है। अतः मूल्य श्रृंखला पूर्ण नहीं है और अनगांग द्वारा तथ्यों को दोहराया गया है। तदनुसार, प्राधिकारी अनगांग के उत्तर को स्वीकार नहीं करते हैं और सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कंपनी के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण करते हैं और उसे नीचे दिए गए पाटन मार्जिन में दर्शाया गया है।

मैसर्स झंगजियागांग जीटीए प्लेट कं. लि. (जीटीए), चीन जन गण, मैसर्स झंगजियागांग होंगचांग स्टील प्लेट कं. लि. (होंगचांग), चीन जन गण, मैसर्स झंगजियागांग शाजिंग हैवी प्लेट कं. लि., (शाजिंग), चीन जन गण (उत्पादक/निर्माता) के साथ-साथ इसकी संबद्ध/गैर-संबद्ध ट्रेडिंग कंपनियां नामतः मैसर्स जियांग्सु शगांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., (शगांग इंटरनेशनल), चीन जन गण, मैसर्स शगांग इंटरनेशनल (सिंगापुर) पीटीई लि. (शगांग सिंगापुर), सिंगापुर, मैसर्स किंशा इंटरनेशनल पीटीई लि. (किंशा), सिंगापुर, मैसर्स बुरविल रिसोर्सेस लिमिटेड, बीबीआई, मैसर्स फ्यूचर मैटेरियल्स इंडस्ट्री (हांगकांग) कं. लि., हांगकांग, मैसर्स लु किन (हांगकांग) कं. लि., हांगकांग, मैसर्स निंगबो सीमी इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि., चीन जन गण, मैसर्स स्टीलको पैसिफिक ट्रेडिंग लिमिटेड, हांगकांग, मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपो., कोरिया गणराज्य(निर्यातक/ट्रेडर्स)

70. मैसर्स झंगजियागांग जीटीए प्लेट कं. लि. (जीटीए), चीन जन गण, मैसर्स झंगजियागांग हांगकांग स्टील प्लेट कं. लि., (हांगकांग), चीन जन गण, मैसर्स झंगजियागांग शेजिंग हैवी प्लेट कं. लि., (शेजिंग), संबद्ध वस्तुओं की संबंधित कंपनियां और उत्पादक हैं। इन उत्पादकों ने अपनी संबद्ध कंपनी मैसर्स जियांग्सु शगांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., (शगांग इंटरनेशनल) को संबद्ध वस्तुएं बेची हैं। शगांग इंटरनेशनल ने आगे संबद्ध वस्तुओं की बिक्री मैसर्स अनगांग इंटरनेशनल (सिंगापुर) प्रा. लिमिटेड (अनगांग सिंगापुर) और मैसर्स जिंशा इंटरनेशनल प्रा. लि., (जिंशा) को की है। शगांग, सिंगापुर और जिंशाएव ने मैसर्स बुरविल रिसोर्सेस लिमिटेड, बीबीआई, मैसर्स निंगबो सिमेई इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि., चीन जन गण, मैसर्स फ्यूचर मैटेरियल्स इंडस्ट्री (हांगकांग) कं. लि., मैसर्स लु किन (हांगकांग) कं. लि., मैसर्स स्टीलको पैसिफिक ट्रेडिंग लिमिटेड, मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपो., मैसर्स बी एण्ड एल मेटल (एचके) लि., मैसर्स सीजीएस (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड तथा मैसर्स हांगजू कोजेनरेशन (हांगकांग) कं. लि. को बेची हैं जिन्होंने संबद्ध वस्तुएं भारत को निर्यात की है।
71. उपरोक्त उल्लिखित कंपनियों में से मैसर्स बी एण्ड एल मेटल (एचके) लि., मैसर्स सीजीएस (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड तथा मैसर्स हांगजू कोजेनरेशन (हांगकांग) कं. लि. ने प्राधिकारी को अपनी प्रश्नावली के उत्तर दायर नहीं किए हैं। हालांकि प्राधिकारी द्वारा यह भी नोट किया गया है कि गैर-सहयोगी असंबद्ध व्यापारियों के लिए भारत को किया गया निर्यात भारत के कुल निर्यात की दृष्टि से कम है। प्राधिकारी ने केवल उन निर्यात मात्राओं पर विचार किया है जिनके लिए अनंतिम निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए प्रश्नावली के उत्तर दायर किए गए हैं।

72. भारतीय ग्राहकों को बिक्री एफओबी पर होती है। प्राधिकारी ने निर्यात कीमत से वापस न किए जाने योग्य वैट का समायोजन किया है। तदनुसार, झांगजियागांग के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत सामान्य मूल्य एचआर कॉइलों और कॉइल में एचआर नहीं के लिए निर्धारित किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

हेबेई आयरन एंड स्टील (हांगकांग) इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., हांगकांग और हेबेई आयरन एंड स्टील (सिंगापुर) पीटीई लि., सिंगापुर, सलजिटर मनेसमन इंटरनेशनल जीएमबीएच, जर्मनी और बुरविल रिसोर्सेस लिमिटेड, बीबीआई के माध्यम से मैसर्स वुयांग न्यू हैवी एंड वाइड स्टील प्लेट कं. लि. ("डब्ल्यूवाईएनएच"), चीन जन गण और मैसर्स वुयांग आयरन एंड स्टील कं. लि. ("डब्ल्यूवाईआईएस"), चीन जन गण

73. डब्ल्यूवाईएनएच चीन जन गण में कॉइल में एचआर नहीं का एक उत्पादक है। डब्ल्यूवाईएनएच चीन जन गण में अपनी संबद्ध कंपनी डब्ल्यूवाईएस को कॉइलों में एचआर नहीं की बिक्री करता है। डब्ल्यूवाईआईएस ने अपनी संबद्ध कंपनियों हेबेई आयरन एंड स्टील (हांग कांग) इंटरनेशनल कं. लि., हांग कांग एंड हेबेई आयरन एंड स्टील (सिंगापुर) प्रा. लि. तथा असंबद्ध व्यापारियों के जरिए भी भारत को इसके द्वारा स्वयं विनिर्मित एचआर नहीं कॉइलों सहित इन वस्तुओं का निर्यात किया और असंबद्ध व्यापारियों नामतः सलजिटर मनेसमन इंटरनेशनल जीएमबीएच, जर्मनी एंड बुरविल रिसोर्सेस लिमिटेड, ब्रिटिश वर्जिन इनलैण्ड के जरिए भी निर्यात किया। भारतीय ग्राहकों को बिक्री एफओबी/सीआईएफ आधार पर है। डब्ल्यूवाईएनएच और डब्ल्यूवाईआईएस ने अंतर्देशीय भाड़ा, पत्तन संभाल प्रभार, सीमा शुल्क फीस, समुद्री भाड़ा, बीमा और बैंक प्रभारों के कारण समायोजन का दावा किया है और उसे अनुमति दी है। प्राधिकारी ने गैर-वापसी योग्य वैट के कारण आगे समायोजन किया है। तदनुसार, डब्ल्यूवाईएनएच और डब्ल्यूवाईआईएस के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर सामान्य मूल्य एचआर कॉइलों में एचआर नहीं के लिए निर्धारित किया गया है और उसे पाटन मार्जिन तालिका में नीचे दर्शाया गया है।

मै. नानजिंग आयरन एंड स्टील ग्रुप इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड और सिंगापुर जिनटेंग इंटरनेशनल प्रा. लि. के माध्यम से मै. नानजिंग आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड ("एनआईएससीओ")

74. मै. नानजिंग आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि एनआईएससीओ ने मै. नानजिंग आयरन एंड स्टील ग्रुप इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड और सिंगापुर जिनटेंग इंटरनेशनल प्रा. लि. नामक अपने संबंधित निर्यातक/व्यापारिक कंपनियों के माध्यम से भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए हैं। इन व्यापारियों ने हुंडई कॉर्पोरेशन पेशियस मैटल इंटरनेशनल (एच के) कंपनी लिमिटेड और हांगकांग बाओमिन ट्रेडिंग लिमिटेड, हुंडई कॉर्पोरेशन नामक अन्य व्यापारियों के माध्यम से प्रमुख मात्रा में निर्यात किए हैं जिन्होंने अपने उत्तर में इन निर्यातों के बारे में सूचित नहीं किया है। पेशियस मैटल इंटरनेशनल (एच के) कंपनी लिमिटेड और हांगकांग बाओमिन ट्रेडिंग लिमिटेड, ने प्राधिकारी को सहयोग नहीं दिया है। इसलिए प्राधिकारी एन आई एस सी ओ द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तर को स्वीकार नहीं करते हैं और वह उसके लिए निर्यात कीमत निर्धारित करने में असमर्थ हैं। तदनुसार एनआईएससीओ के लिए निर्यात कीमत प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों पर आधारित है।

चीन जन गण से गैर-सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन गण के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिए हैं। चीन जन गण में सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार एचआर कॉइलों और कॉइलों में एचआर नहीं के लिए निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

इंडोनेशिया के लिए निर्यात कीमत

मैसर्स पीटी क्राकाटाऊ पोसको, इंडोनेशिया

76. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स पीटी क्राकाटाऊ पोसको, इंडोनेशिया ने निर्यातकों की प्रश्नावली के उत्तर विलंब से प्रस्तुत किए हैं। मैसर्स पीटी क्राकाटाऊ पोसको, इंडोनेशिया ने कहा है कि उन्होंने विभिन्न व्यापार कंपनियों के जरिए

भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। तथापि, मैसर्स पीटी क्राकाटाउ पोसको, इंडोनेशिया द्वारा बताई गई इन कुछ व्यापार कंपनियों ने अपने उत्तर में भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करने के बारे में सूचित नहीं किया है जोकि मैसर्स पीटी क्राकाटाउ पोसको, इंडोनेशिया द्वारा निर्मित व्यापारियों द्वारा इस महत्वपूर्ण सूचना को दबाए रखने के कारण प्राधिकारी मैसर्स पीटी क्राकाटाउ पोसको, इंडोनेशिया के उत्तर को स्वीकार नहीं करता और बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर कंपनी के लिए निर्यात कीमत निर्धारित करता है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### **इंडोनेशिया में अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत**

77. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इंडोनेशिया के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिए हैं। इंडोनेशिया में सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार एचआर कॉइलों और कॉइलों में एचआर नहीं के लिए निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### **रूस में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत**

78. प्राधिकारी नोट करते हैं कि रूस के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिए हैं। रूस में सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार एचआर कॉइलों और कॉइलों में एचआर नहीं के लिए निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### **ब्राजील में उत्पादकों और निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत**

79. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ब्राजील के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिए हैं। ब्राजील में सभी गैर-सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार एचआर कॉइलों और कॉइलों में एचआर नहीं के लिए निर्यात कीमत निर्धारित की है और उसे नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

#### **1) पाटन मार्जिन**

80. भारत के लिए निर्यात कीमत (निर्यातकों द्वारा दावा किए गए सभी समायोजनों तथा प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत का निवल) की तुलना पाटन मार्जिन निर्धारित करने के लिए सामान्य मूल्य से की गई है। संबद्ध देशों के सभी सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए जांच की अवधि के दौरान पाटन मार्जिन नीचे पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाए अनुसार निर्धारित किया गया है।

#### **पाटन मार्जिन तालिका**

क्रम सं.	देश	उत्पादक	उत्पाद	निर्यातक	एनवी	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %
1	कोरिया गणराज्य	मैसर्स हुंडई स्टील कंपनी	कॉइल में एचआर	1. हुंडई स्टील कंपनी, कोरिया गणराज्य 2. मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपो., कोरिया गणराज्य 3. मैसर्स हुंडई कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य 4. मैसर्स मैन स्टील कं. लि., कोरिया गणराज्य 5. मैसर्स पीएंडए	***	***	***	20-30%

				कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य				
				6. ओहमी इंडस्ट्रीज लि., जापान				
			कॉइल में एचआर नहीं	1. मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपो., 2. मैसर्स हुंडई कारपोरेशन,	***	***	***	170- 180%
				विचाराधीन उत्पाद भारित औसत	***	***	***	30- 40%
2	कोरिया गणराज्य	मैसर्स पोसको	कॉइल में एचआर	1. मैसर्स पोसको, कोरिया गणराज्य 2. मैसर्स पोसको देवू कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य 3. मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपो., कोरिया गणराज्य 4. मैसर्स हुंडई कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य 5. मैसर्स सैमसंग सीएंडटी कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य 6. मैसर्स पोसको एशिया, हांगकांग 7. पोसको पीएंडएस	***	***	***	30- 40%
			कॉइल में एचआर नहीं	1. मैसर्स देवू इंटरनेशनल, 2. मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपो., 3. मैसर्स हुंडई कारपोरेशन, 4. मैसर्स सैमसंग सीएंडटी कारपोरेशन, 5. मैसर्स पोसको एशिया, हांगकांग 6. पोसको पीएंडएस	***	***	***	80- 90%
				विचाराधीन उत्पाद भारित औसत	***	***	***	40- 50%
3	जापान	जेएफई स्टील कारपोरेशन	कॉइल में एचआर	1. होंडा ट्रेडिंग कारपोरेशन 2. जेएफई शोजी ट्रेड कारपोरेशन 3. मेटल वन कारपोरेशन 4. मितसुई एंड कं. लि. 5. ओहमी इंडस्ट्रीज लि. 6. उत्तम गल्वा इंटरनेशनल पीटीई. लि. 7. उत्तम गल्वा इंटरनेशनल एफजेडई 8. टोयोटा त्सोहू कारपोरेशन 9. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक. जापान	***	***	***	40- 50%
			कॉइल में एचआर नहीं	1. जेएफई शोजी ट्रेड कारपोरेशन 2. मेटल वन कारपोरेशन 3. मितसुई एंड कं. लि. 4. ओहमी इंडस्ट्रीज लि.	***	***	***	40- 50%



				5. टोयोटा त्सोहू कारपोरेशन 6. शिशो कारपोरेशन, जापान 7. मरूबेनी-इटोचू स्टील इंक. जापान 8. किशो कं. लि., जापान				
				विचाराधीन उत्पाद भारित औसत	***	***	***	40-50%
4	जापान	मैसर्स निप्पो स्टील एंड सुमितोमो मेटल कारपोरेशन	कॉइल में एचआर	1. हनवा कं. लि. 2. होंडा ट्रेडिंग कारपोरेशन 3. कनेमत्सु कारपोरेशन लि. 4. मरूबेनी-इटोचू स्टील इंक. 5. मेटल वन कारपोरेशन, जापान 6. मितसुई एंड कं. लि. 7. निप्पो स्टील एंड सुमिकिन बुस्सान कारपोरेशन 8. सुमितोमो कारपोरेशन 9. टोयोटा त्सोहू कारपोरेशन 10. ओहमी इंडस्ट्रीज लि.	***	***	***	30-40%
			कॉइल में एचआर नहीं	1. हनवा कं. लि. 2. मितसुई एंड कं. लि. 3. निप्पो स्टील एंड सुमिकिन बुस्सान कारपोरेशन 4. सुमितोमो कारपोरेशन 5. ओहमी इंडस्ट्रीज लि.	***	***	***	10-20%
				विचाराधीन उत्पाद भारित औसत	***	***	***	20-30%
5	चीन जन गण	1. मैसर्स झंगजियांग एंड जीटीए प्लेट कं. लि. 2. मैसर्स झंगजियागांग होंगचांग स्टील प्लेट कं. लि. 3. मैसर्स झंगजियागांग शाजिंग हैवी प्लेट कं. लि.	कॉइल में एचआर	1. मैसर्स जियांग्सु शगांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. 2. मैसर्स शगांग इंटरनेशनल (सिंगापुर) पीटीई. लि. 3. मैसर्स किंशा इंटरनेशनल पीटीई लि. 4. मैसर्स बुरविल रिसोर्सेस लिमिटेड 5. मैसर्स फ्यूचर मैटेरियल्स इंडस्ट्री (हांगकांग) कं. लि. 6. मैसर्स लु किन (हांगकांग) कं. लि. 7. मैसर्स निंगबो सीमी इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. 8. मैसर्स स्टीलको पेसिफिक ट्रेडिंग लिमिटेड 9. मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपो.	***	***	***	60-70%
			कॉइल में एचआर नहीं	1. मैसर्स जियांग्सु शगांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. 2. मैसर्स शगांग इंटरनेशनल	***	***	***	80-90%

			(सिंगापुर) पीटीई. लि.				
			विचाराधीन उत्पाद भारित औसत	***	***	***	70-80%
6	चीन जन गण	1. मैसर्स वुयांग न्यू हैवी एंड वाइड स्टील प्लेट कं. लि.  2. मैसर्स वुयांग आयरन एंड स्टील कं. लि.	कॉइल में एचआर नहीं  1. मैसर्स वुयांग आयरन एंड स्टील कं. लि. 2. हेबेई आयरन एंड स्टील (हांगकांग) इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. 3. हेबेई आयरन एंड स्टील (सिंगापुर) पीटीई. लि. 4. सलजगिटर मन्नेसमन इंटरनेशनल जीएमबीएच जर्मनी 5. बुरविल रिसोर्सेस लिमिटेड, हांगकांग	***	***	***	100-110%

### संबद्ध देशों से अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन

81. संबद्ध देशों में अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के संबंध में भारत में सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण, उपलब्ध श्रेष्ठ सूचना के आधार पर किया गया है। इस प्रयोजनार्थ प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रदत्त सूचना को अपनाया गया है। इस प्रकार से तय किया गया पाटन मार्जिन नीचे तालिका में दिया गया है:-

कॉइल में एचआर (अमेरिकी डॉलर/मी. टन में)	जापान	कोरिया	चीन	इंडोनेशिया	ब्राजील	रूस
सामान्य मूल्य	***	***	***	***	***	***
निवल निर्यात कीमत	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन %	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन % रेंज	70-80%	70-80%	70-80%	70-80%	60-70%	30-40%

कॉइल में एचआर नहीं (अमेरिकी डॉलर/मी. टन में)	जापान	कोरिया	चीन	इंडोनेशिया	ब्राजील	रूस
सामान्य मूल्य	***	***	***	***	***	***
निवल निर्यात कीमत	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन %	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन % रेंज	230-240%	260-270%	100-110%	50-60%	85-95%	60-70%

82. यह देखा गया है कि पाटन मार्जिन काफी अधिक है और यह संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के सभी उत्पादकों-निर्यातकों द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में नियमावली के अंतर्गत निर्धारित सीमा से अधिक है।

### ज. क्षति और कारणात्मक संबंध का निर्धारण

83. पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 के साथ पठित उसके अनुबंध-II में यह प्रावधान है कि क्षति का निर्धारण करने की जांच में "..... सभी संबद्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जिनमें पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में उनकी कीमतों पर प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव शामिल हैं....." ऐसे कारकों की जांच करना शामिल है, जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति होने का पता चलता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर

विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे उत्पादों के प्रभाव से कीमत में काफी अधिक मात्रा में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली इस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती।

#### घरेलू उद्योग के क्षति दावे के संबंध में निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

84. क्षति से संबंधित मुद्दों के बारे में प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- क. विश्व भर में कच्चे माल और उपभोज्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आई है, जिसके फलस्वरूप स्टील की कीमतों में गिरावट आई है। वर्ष 2014-15 में लौह अयस्क, कोकिंग कोयले और ल्यूब्रीकेंट्स सहित मुख्य कच्चे माल की घरेलू और वैश्विक कीमतों में 30% से 60% तक की गिरावट आई है जिसके फलस्वरूप एचआर कॉइल्स की कीमतों में 30% से 35% तक की गिरावट आई है। दूसरी ओर भारतीय स्टील उद्योग को अत्यधिक लाभ अर्जित करते समय ऐसी मंदी की दशाओं में वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा का सामना करने के लिए अपनी प्रतिस्पर्द्धात्मक क्षमता विकसित करनी चाहिए। इसलिए ऐसा कोई कारण नहीं है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में कोई गिरावट आए।
- ख. आयातों से केवल अतिरिक्त मांग की पूर्ति हुई है और बड़े हुए आयातों को देश में विद्यमान कुल मांग के आलोक में देखा जाना चाहिए।
- ग. भारतीय इस्पात बाजार में चीन जन गण से सस्ते आयातों की भरमार, तथ्यों की जांच किए बिना याचिकाकर्ताओं की ओर से सुस्थिर मीडिया अभियान के आधार पर है। चीन जन गण और अन्य देशों से सभी लदान, भारतीय उद्योग द्वारा दिए गए आर्डर पर है और इस प्रकार भारतीय उद्योग आयातों की मात्रा का निर्धारण करते हैं और न कि विदेशी उत्पादक। इसके अतिरिक्त, मूल्य संबंधित उत्पादों के निर्यात उत्पादन के लिए शुल्क रहित योजना के अंतर्गत आयात, एचआर कॉइल्स के आयातों का बल्क होते हैं। जेपीसी के आंकड़ों के अनुसार घरेलू उत्पादन और खपत के बीच व्याप्त अंतर को दूर करने के लिए भी आयात करने अत्यावश्यक थे।
- घ. लेन-देन वार डीजीसीआईएंडएस के आयात आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2012-2016 की अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं की खपत में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और भारत में घरेलू खपत के संबंध रूस से आयातों में कमी हुई है।
- ङ. विचाराधीन उत्पाद की समग्र भारतीय खपत में रूस के आयातों के हिस्से में वर्ष 2012-2013 से लेकर अप्रैल-दिसंबर, 2015 तक कोई वृद्धि नहीं हुई है, जबकि ये वर्ष 2013-14 तथा 2014-15 में पर्याप्त रूप से कम थे। हालांकि संबंधित देशों की तुलना में रूस के आयातों की कीमतें न्यूनतम थीं, अन्य देशों की तुलना में रूस के आयातों के बाजार के हिस्से में वृद्धि नहीं हुई है। एनएलएमके ने यह निवेदन किया है कि अन्य देशों से आयातों के प्रभाव की तुलना में रूस से आयातों का पृथक रूप से मूल्यांकन किया जाए।
- च. घरेलू उद्योग के उत्पादन के स्तर में गिरावट नहीं आई है और माल सूची में मामूली वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त 76% के क्षमता उपयोग के उचित स्तर से पता चलता है कि स्थिति आपदाजनक नहीं है, जैसा कि बताया गया है। 12% का बाजार का हिस्सा, इस तथ्य के आलोक में खतरे का संकेतक नहीं है कि अधिक मांग को पूरा करने के लिए घरेलू उत्पादन में वृद्धि नहीं हुई है।
- छ. घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग के निम्न स्तर होने का कारण कच्चे माल की आपूर्ति की कमी होना है। सरकार ने वर्ष 2013-14 में लौह-अयस्क के खनन पर प्रतिबंध लगा दिया था जिसके फलस्वरूप भारत में सभी स्टील निर्माता कंपनियों पर नकारात्मक वित्तीय प्रभाव पड़े हैं। भारत में कोयले की अधिक लागत आने के कारण भी कम क्षमता उपयोग हो रहा है। उत्पादन की तुलना में कोयले की मांग अधिक बनी हुई है।
- ज. कच्चे माल की अधिक कीमतें और अत्यधिक उत्पादन लागत, घरेलू उद्योग के निराशाजनक वित्तीय परिणामों के प्रमुख कारक हैं। भारतीय उत्पादकों को कच्चे माल का आयात करना पड़ा था और अत्यधिक उत्पादन लागत आने के कारण उत्पादन को स्थगित करना पड़ा था।
- झ. वर्ष 2012-13, 2013-14 और 2014-15 में घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई थी। याचिकाकर्ताओं की स्थापित क्षमता, लाभप्रदता, नकद लाभ, नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ में वृद्धि हुई थी, जबकि उसके उत्पादन की मात्रा स्थिर बनी हुई थी।
- ञ. याचिका में इस तथ्य का कोई उल्लेख नहीं है कि जांच की अवधि की अर्द्ध अवधि के दौरान जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड ने विजयनगर और डोल्वी संयंत्र में स्थित अपनी दोनों भट्टियों को बंद कर दिया था। विपणन रिपोर्टों के

अनुसार बड़ी हुई क्षमताओं से मार्च, 2016 में सर्वाधिक स्टील का उत्पादन हुआ था। वित्तीय स्थिति पर इस कारक के नकारात्मक प्रभाव को आरोपित पाटित आयातों के लिए जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है।

- ट. घरेलू स्टील उत्पादकों को अपनी निजी वित्तीय असंगतियों तथा लागत कम करने के लिए अनुसंधान व विकास की कमी के कारण क्षति हुई है। उन्होंने घाटा कमाने वाली विदेशी परियोजनाओं में बिलियन डॉलरों का निवेश किया है।
- ठ. याचिकाकर्ताओं के नकारात्मक वित्तीय परिणाम का कारण भारत में कच्चे माल की अधिक कीमत होना तथा उत्पादन की अधिक लागत होना है। भारतीय उत्पादक लौह अयस्क और कोयले का आयात करते हैं जो कि उनके उत्पादन को विदेशी कंपनियों के उत्पादन की तुलना में अधिक महंगा बनाता है। भारत में कोकिंग कोयले में राख की अधिक मात्रा होती है जो कि स्टील उद्योग के लिए उपयुक्त नहीं है।
- ड. याचिकाकर्ताओं के नकद लाभ में कमी आने का कारण क्षमताओं में विस्तार करने, ब्याज और लाभांश का भुगतान करने तथा ऋण सेवाओं आदि पर अधिक खर्च होना है।
- ढ. यदि याचिकाकर्ताओं को अपनी क्षमताओं को वर्ष 2012-13 के स्तर पर बनाए रखना था तो उन्हें अपनी क्षमता उपयोग में वर्ष 2013-14 और 2014-15 में लगभग 92% तक की वृद्धि करनी पड़ती। इस प्रकार गलत प्रबंधकीय निर्णय लेने और नकारात्मक प्रभाव के लिए आयातों को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है।
- ण. याचिकाकर्ताओं को आयातों के कारण नहीं बल्कि कुप्रबंध अथवा भारत में स्टील उद्योग की प्रणाली संबंधित लागत समस्याओं के कारण क्षति हुई है, जो कि वैश्विक कच्चे माल की कीमतों से अलग-थलग पड़ गया है। जांच की अवधि के प्रारंभ में भारतीय स्टील उद्योग की सीमांत लागत लगभग 400 अमरीकी डालर थी जबकि चीन में उसके निकटस्थ प्रतिस्पर्द्धी की सीमांत लागत लगभग 319 अमरीकी डालर तथा यूरोप में 330 अमरीकी डालर थी।
- त. जबकि विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में याचिकाकर्ताओं के मामले में गिरावट दृष्टिगत हुई है, समर्थक और अन्य घरेलू उत्पादकों के उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुई है।
- थ. कारणात्मक संबंध में स्पष्ट रूप से विच्छेद हुआ है। संबद्ध देशों द्वारा प्राप्त किए गए 2.6 प्रतिशत बाजार हिस्से अन्य देशों आयातों द्वारा खोए गए 7.3 प्रतिशत बाजार हिस्से का कारण हुई है। अन्य देशों द्वारा हानि उठाए गए बाजार हिस्से में कमी के कारण समर्थक और याचिकाकर्ताओं को लगभग 5 प्रतिशत बाजार हिस्से का लाभ मिला है।
- द. सेल के कर्मचारी की लागत बहुत अधिक है। जेएसडब्ल्यू और सेल के कारोबार में क्रमशः 20 प्रतिशत और 14 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि उनके कर्मचारी की लागत का समायोजन 1-1.5 प्रतिशत तक ही हुआ है। दूसरी ओर, टाटा स्टील के राजस्व में 8.5 प्रतिशत की गिरावट आई है जिसके द्वारा कर्मचारी की लागत में अपेक्षाकृत आनुपातिक गिरावट (अर्थात् 6 प्रतिशत) सुनिश्चित हुई है।
- ध. याचिकाकर्ताओं की निर्यात कीमतें, भारतीय आयातों की कीमत उद्धरणों से औसत 10% तक कम थीं। भारतीय घरेलू उद्योग ने 302 अमरीकी डालर प्रति मी. टन के स्तर पर अपनी निर्यात कीमतें उद्धृत की थीं, जो कि भारत में आयात करने वाले विदेशी उत्पादकों की उद्धृत कीमतों से 10% कम थीं अर्थात् ये घरेलू उद्योग की लाभप्रदता से कम थीं। इससे यह सिद्ध होता है कि आरोपित द्वारा क्षति स्वयं पहुंचाई गई है।
- न. जेएसडब्ल्यू स्टील लि. और भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि. (सेल) द्वारा उनकी अपनी वार्षिक रिपोर्ट में की गई स्वीकारोक्ति से यह स्पष्ट है कि ऐसे कारक जैसे कम मांग एवं कच्चे माल के मामले याचिकाकर्ताओं के कार्य निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। इन अवरोधों के बावजूद, जेएसडब्ल्यू स्टील लि. की बिक्री घरेलू और विदेशी दोनों बाजारों में बढ़ती रही है।
- प. व्यापक आर्थिक भागीदारी करार ("सीडीपीए") पर भारत और जापान द्वारा 16 फरवरी, 2011 को हस्ताक्षर किया गया था। जांच की अवधि के दौरान जापान से भारत में विचाराधीन उत्पाद के प्रायः सभी आयातों को वरीयता शुल्क दर के अधीन किया गया है। इसलिए इन तथ्यों और आंकड़ों को दोनों देशों के लिए उपलब्ध वर्तमान लाभ को देखते हुए क्षति का विश्लेषण करते समय अन्य संबद्ध देशों के प्रतिकूल के विरुद्ध जापान के लिए स्पष्ट रूप से विश्लेषण करना भी महत्वपूर्ण है।
- फ. यह जांच दो अलग-अलग उत्पादों नामतः कॉइल में एचआर और कॉइल में एचआर नहीं के लिए की गई है। इन दोनों उत्पादों के लिए पाटन और क्षति की जांच अलग-अलग करना आवश्यक है और इसे एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता है। प्रारंभिक जांच परिणाम के पैरा 101 के अनुसार, कॉइल में एचआर नहीं के संबंध में आयात के आंकड़े दर्शाते हैं कि इस उत्पाद का आयात रूस से जांच की अवधि में केवल 2076 मी. टन हुआ था जिसमें से जांच की अवधि के दौरान भारत में कुल आयात 197757 मी. टन हुआ था। यह दर्शाता है कि अगर "कॉइल में एचआर नहीं" के लिए जांच

अलग हुई होती तब रूस की तुलना में किसी जांच की अनुमति नहीं मिल सकती क्योंकि रूस से आयात 0.5 प्रतिशत से कम था जो "न्यूनतम" से बहुत कम है।

### घरेलू उद्योग के विचार

85. क्षति से संबंधित मुद्दों के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- क. समग्र जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के आयातों में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है।
- ख. उत्पादन के संबंध में तथा भारत में खपत के संबंध में संबद्ध वस्तुओं के आयात में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है।
- ग. घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में गिरावट आई है, हालांकि भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि हो रही है। इसका यह कारण है कि आयातों ने मांग में होने वाली वृद्धि की तीव्रता से कब्जा कर लिया है, जब कि संबद्ध देशों से आयातों के बाजार के हिस्से में वर्ष 2012-13 से लेकर जांच की अवधि (वार्षिकीकृत) में तेजी से वृद्धि हुई है।
- घ. घरेलू उद्योग, मांग में ऐसी वृद्धि के समनुरूप अपने उत्पादन और बिक्रियों को बढ़ाने में सक्षम नहीं हुआ है।
- ङ. घरेलू उद्योग की मालसूचियों में भी वृद्धि हुई है क्योंकि घरेलू उद्योग, मांग में वृद्धि होने के बावजूद भी अपनी बिक्रियां बढ़ाने में सक्षम नहीं हो सका है। आयात भारत में मांग को तेजी से अधिग्रहीत कर रहे हैं।
- च. भारत में होने वाले कम कीमत पर पाटित आयातों के कारण अत्यधिक कीमतहास और न्यूनीकरण हो रहा है।
- छ. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ विकट रूप से प्रभावित हुआ है। ऐसा इस तथ्य से प्रमाणित होता है कि घरेलू उद्योग वर्ष 2014-15 तक अच्छा लाभ और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ अर्जित कर रहा था। लेकिन जांच की अवधि के दौरान लाभ और प्रतिलाभ में घाटे होने शुरू हो गए।
- ज. घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन ने किसी भी तरीके से उसकी वित्तीय और आर्थिक स्थिति को प्रभावित नहीं किया है। इसके अतिरिक्त याचिकाकर्ताओं ने क्षति के प्राचलों की जांच करते समय निर्यातों से संबंधित सूचना की भी अनदेखी की है तथा समग्र क्षति विश्लेषण, केवल याचिकाकर्ताओं के घरेलू कार्य निष्पादन पर आधारित है।
- झ. ऐसे विश्लेषण से अत्यधिक ऐसा पता चलता है कि घरेलू उद्योग को भारत में विचाराधीन उत्पादों के बढ़ रहे पाटित आयातों के कारण आर्थिक क्षति हो रही है। संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों में वृद्धि होने तथा घरेलू उद्योग को हो रही आर्थिक क्षति के बीच सुदृढ़ संबंध विद्यमान होने का पता चलता है।
- ञ. घरेलू उद्योग को आर्डर देने के समय ग्राहक घरेलू उद्योग को एक समान महीने में विदेशी उत्पादक द्वारा पेश की जा रही कीमत के समान अपनी कीमत को बनाए रखने पर बल देते हैं, हालांकि विदेशी आपूर्तिकर्ता द्वारा पेश की गई कीमत पर आपूर्ति 2 महीनों के बाद ही की जाती है। इसलिए कीमत में कटौती होने की उचित तुलना, घरेलू बिक्रियों की वसूली और दो महीनों की अवधि के साथ की जानी चाहिए। यदि प्राधिकारी इस समय-सीमा के मुद्दे पर विचार करते हैं तो उससे कीमत में कटौती होने का पता चल जाएगा।
- ट. हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आई है और उसके परिणामस्वरूप संबद्ध वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आई है। हितबद्ध पक्षकारों ने आगे यह तर्क भी दिया है कि याचिकाकर्ताओं की घरेलू कीमतें निर्यात कीमतों से काफी अधिक हैं। याचिकाकर्ताओं का यह निवेदन है कि उन्होंने कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आने के समनुरूप अपनी कीमतों को पहले से ही घटा दिया है। पक्षकारों का यह तर्क गलत है कि कच्चे माल की कीमतों में तेजी से गिरावट आई है क्योंकि उसने फैक्ट्री में कच्चे माल के परिवहन की लागत को ध्यान में रखा है। इसके अतिरिक्त, क्षति विश्लेषण अवधि के दौरान परिवहन लागत में भी निरंतर वृद्धि हुई है।
- ठ. यह नोट करना भी अत्यावश्यक है कि हाल ही की अवधि में कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आने की तुलना में संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य में काफी अधिक गिरावट आई है। इसके अतिरिक्त यह भी नोट किया जाना चाहिए कि आयात बहुत कम कीमतों पर होते हैं और घरेलू उद्योग को ऐसी कम कीमतों के समान अपनी कीमतें इतनी कम करने पर विवश होना पड़ा है जो कि घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत से भी कम हो गई हैं।
- ड. हितबद्ध पक्षकारों का यह दावा सही नहीं है कि घरेलू उद्योग की निर्यात कीमतें घरेलू कीमतों से कम हैं। यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि संबद्ध देशों से निरंतर अत्यधिक पाटन होने के कारण स्टील उत्पादों की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में पहले से ही हास हुआ है। घरेलू उद्योग की निर्यात कीमतों में भी हास हुआ है। इसका तात्पर्य यह नहीं है कि घरेलू उद्योग को अपने घरेलू बाजार में भी अपने उत्पादों को हास कीमतों पर बेचना चाहिए।

- ढ. हितबद्ध पक्षकारों ने यह निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण उनके आंतरिक कारक हैं, जिनमें गलत प्रबंधकीय निर्णय, अधिक नियत लागत भार, अधिक भाड़ा लागत, निकृष्ट अवसंरचना, कच्चे माल की समस्या, स्थापित क्षमताओं का कम प्रयोग तथा निचले स्तर तक के विशिष्ट उद्योग की गुणवत्ता युक्त आवश्यकताओं को पूरा करने में उसकी अक्षमता शामिल हैं। ये दावे बहुत सामान्य हैं और इनके समर्थन में कोई तथ्य और आंकड़े नहीं हैं। तथ्य यह है कि क्षति होने का मुख्य कारण भारत में संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयात हैं, जिसकी पुष्टि पहले ऊपर कर दी गई है। अनेक वर्षों के घरेलू उद्योग अस्तित्व में है और यह विगत से बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। संबद्ध वस्तुओं की मांग को पूरा करने के लिए घरेलू उद्योग की अवसंरचना और क्षमताएं सुस्थापित हैं।
- ण. यह आरोप लगाया गया है कि घरेलू उद्योग आंतरिक प्रबंधकीय मुद्दों के कारण घाटों का सामना कर रहा है। यदि वास्तव में ऐसे आंतरिक मुद्दे विद्यमान हैं तो उद्योग ने विगत में अच्छा कार्य नहीं किया होता। इसलिए यह आरोप सही नहीं है कि घरेलू उद्योग आंतरिक प्रबंधकीय मुद्दों के कारण घाटों का सामना कर रहा है। इसके अतिरिक्त, हितबद्ध पक्षकार अपने तर्कों में यह प्रमाणित करने में असमर्थ रहे हैं कि घरेलू उद्योग गुणवत्ता युक्त उत्पाद का उत्पादन नहीं कर सकता है।
- त. घरेलू उद्योग का अनुरोध है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के आयातों का संचयी रूप से आकलन करने के लिए पैरा 81 से 84 में प्रारंभिक जांच परिणाम में सही रूप से निष्कर्ष निकाला है। घरेलू उद्योग निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध करता है कि वह अंतिम जांच परिणाम में उपर्युक्त टिप्पणियों की निश्चित रूप से पुष्टि करे। घरेलू उद्योग भी प्रारंभिक जांच परिणाम में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा क्षति विश्लेषण को भी स्वीकार करता है। घरेलू उद्योग अनुरोध करता है कि क्षति के विश्लेषण की पुष्टि अंतिम जांच परिणाम में निश्चित रूप से की जानी चाहिए।
- थ. घरेलू उद्योग का अनुरोध है कि पाटित आयातों को छोड़कर कोई अन्य कारक नहीं है जो घरेलू उद्योग को क्षति उत्पन्न कर रहा हो। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अंतिम रूप से प्रारंभिक जांच परिणाम में उसकी पुष्टि की है। निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध है कि वह अंतिम जांच परिणाम में अन्य कारकों के संबंध में अपनी टिप्पणियों की निश्चित रूप से पुष्टि करे।

#### प्राधिकारी द्वारा मुद्दों की जांच

86. क्षति और कारणात्मक संबंधों के बारे में जांच की कार्यवाही के दौरान घरेलू उद्योग और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए तथा प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदनों की जांच की गई है और उनका निदान निम्नानुसार किया गया है:-
- क. हितबद्ध पक्षकारों के इस आशय के निवेदनों के संबंध में कि कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आई है और जिसके परिणामस्वरूप संबद्ध वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आने के समुनुरूप घरेलू उद्योग ने पहले से ही अपनी कीमतों को घटा दिया है। तथापि, सामान्य मुद्रा स्फीति के कारण भाड़े, श्रम और अन्य परिवर्तन लागत जैसे अन्य व्यय में वृद्धि हुई है।
- ख. प्राधिकारी आगे यह भी नोट करते हैं कि कच्चे माल की कीमतों में गिरावट आने की तुलना में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के पहुंच मूल्य में काफी अधिक गिरावट आई है और घरेलू उद्योग को ऐसी कम कीमतों के समुनुरूप अपनी कीमतों को कम करने पर विवश होना पड़ा है जिसके कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।
- ग. घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि समग्र क्षति विश्लेषण केवल याचिकाकर्ताओं के घरेलू कार्य निष्पादन पर आधारित है।
- घ. इसके अतिरिक्त प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क का भी विश्लेषण किया है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण उनके आंतरिक कारक हैं, जिनमें गलत प्रबंधकीय निर्णय, अधिक नियत लागत भार, अधिक भाड़ा लागत, निकृष्ट अवसंरचना, कच्चे माल की समस्या, स्थापित क्षमताओं का कम प्रयोग तथा निचले स्तर तक के विशिष्ट उद्योग की गुणवत्ता युक्त आवश्यकताओं को पूरा करने में उसकी अक्षमता शामिल हैं। ऐसे दावे बहुत सामान्य हैं और ये किसी तथ्य और आंकड़ों के समर्थन रहित हैं। ये दावे बहुत सामान्य हैं और इनके समर्थन में कोई तथ्य और आंकड़े नहीं हैं। अनेक वर्षों से घरेलू उद्योग अस्तित्व में है और यह विगत से बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। संबद्ध वस्तुओं की मांग को पूरा करने के लिए घरेलू उद्योग की अवसंरचना और क्षमताएं सुस्थापित हैं। यदि इन कारकों से घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन पर प्रभाव पड़ता तो घरेलू उद्योग विगत वर्षों में लाभ अर्जित नहीं कर रहा होता।
- ङ. रूस से आयातों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि रूस से आयात अत्यधिक हैं और ये पर्याप्त रूप से निम्नतर कीमतों पर होते हैं।

**संचयी आकलन**

87. विश्व व्यापार संगठन करार के अनुच्छेद 3.3 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध- II के पैरा (iii) में यह उपबंध है कि यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के हुए आयात के साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे जब वह यह निर्धारित करें कि:-
- ड. प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3 प्रतिशत से कम है (अथवा अधिक है) वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयात के साथ सबसे अधिक बनता है; तथा
- ढ. आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के मद्देनजर आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।
88. प्राधिकारी नोट करते हैं कि:
- क) संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है। ऐसे प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन, नियमावली में निर्धारित न्यूनतम सीमा से बहुत अधिक है।
- ख) ऐसे प्रत्येक संबद्ध देश से आयात की मात्रा आयातों की कुल मात्रा से 3% से भी अधिक है।
- ग) आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करना उपयुक्त है क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात न केवल उनके द्वारा पेश की जा रही समान वस्तुओं से सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं, बल्कि वे भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा पेश की जा रही समान वस्तुओं से भी प्रतिस्पर्धा करते हैं।
89. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह विचार है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों से संचयी रूप से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का मूल्यांकन करना उपयुक्त होगा।
90. पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 के साथ पठित उसके अनुबंध-II में यह प्रावधान है कि क्षति का निर्धारण करने की जांच में "..... सभी संबद्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जिनमें पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में उनकी कीमतों पर प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव शामिल हैं....." ऐसे कारकों की जांच करना शामिल है, जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति होने का पता चलता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे उत्पादों के प्रभाव से कीमत में काफी अधिक मात्रा में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली इस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक स्तर तक बढ़ गई होती। भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-2 के अनुसार उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सूचकों जैसे कि उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्रियों की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निबल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि पर विचार किया गया है।

**पाटित आयातों पर मात्रा का प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव****मांग का आकलन**

91. संबद्ध वस्तुओं की मांग का निर्धारण, सभी देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के साथ समान उत्पाद के भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्रियों को जोड़ कर किया गया है। वर्तमान क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त किए गए आयात के आंकड़ों पर विश्वास किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की मांग में अत्यधिक वृद्धि हुई है, जैसा कि नीचे तालिका में देखा जा सकता है :-

विचाराधीन उत्पाद (मी. टन)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल, 2015- दिसंबर, 2015 (ए)	जांच की अवधि (जुलाई, 2015- दिसंबर, 15)	जांच की अवधि (ए)
संबद्ध देशों से आयात	2,634,251	1,565,538	3,293,421	5,429,979	2,891,814	5,783,628
अन्य देशों से आयात	1,172,403	677,995	440,130	346,912	121,849	243,699
कुल आयात	3,806,654	2,243,533	3,733,551	5,647,060	3,013,664	6,027,327

याचिकाकर्ताओं की घरेलू बिक्री	12,686,998	13,802,597	13,449,196	13,468,873	6,639,969	13,279,938
समर्थकों की घरेलू बिक्री	2,569,389	3,585,572	3,258,135	3,812,529	2,017,357	4,034,714
अन्य उत्पादकों की घरेलू बिक्री	2,351,353	4,005,980	3,671,250	3,125,440	1,546,204	3,092,409
कुल मांग	21,414,394	23,637,682	24,112,132	26,053,903	13,217,194	26,434,388

#### संबद्ध देशों की आयात मात्रा और हिस्सा

92. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को इस पर विचार करने की आवश्यकता होती है कि क्या पाटित आयातों में पूर्णरूपेण अथवा भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में अत्यधिक वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों की मात्रा का विश्लेषण किया गया है, जो कि निम्नानुसार है:-

विचाराधीन उत्पाद (मी. टन)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल, 15 से दिसंबर, 15	जांच की अवधि
चीन जन गण	780,273	478,963	1,506,381	1,097,519	831,198
जापान	788,009	613,705	925,778	1,158,637	785,781
कोरिया गणराज्य	674,708	359,463	598,463	1,081,739	760,506
रूस	277,421	74,261	167,778	296,427	257,091
ब्राजील	113,837	39,058	81,527	160,166	160,166
इंडोनेशिया	3	89	13,494	180,527	97,072
अन्य	1,172,403	677,995	440,130	260,184	121,849
कुल	3,806,654	2,243,533	3,733,551	4,235,198	3,013,664

विचाराधीन उत्पाद (मी. टन)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल, 2015- दिसंबर, 2015 (ए)	जांच की अवधि (जुलाई, 2015- दिसंबर, 15)	जांच की अवधि (ए)
संबद्ध देशों से आयात	2,634,251	1,565,538	3,293,421	5,300,149	2,891,814	5,783,628
प्रवृत्ति	100	59	125	201	110	220
अन्य देशों से आयात	1,172,403	677,995	440,130	346,912	121,849	243,699
प्रवृत्ति	100	58	38	30	10	21
कुल आयात	3,806,654	2,243,533	3,733,551	5,647,060	3,013,664	6,027,327
प्रवृत्ति	100	59	98	148	79	158
कुल मांग	21,414,394	23,637,682	24,112,132	26,053,903	13,217,194	26,434,388
खपत से संबंधित संबद्ध देशों से आयात	12.3%	6.6%	13.7%	20.3%	21.9%	21.9%

93. उपरोक्त तालिका से प्राधिकारी निम्नानुसार नोट करते हैं:-

- क. संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयात, वर्ष 2012-13 में पूर्णरूपेण 26,34,251 मी. टन से बढ़ कर जांच की अवधि (वार्षिकीकृत) में 57,83,628 मी. टन हो गए।
- ख. संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयात, वर्ष 2012-13 में 12.3% से बढ़ कर जांच की अवधि (वार्षिकीकृत) में 21.9% हो गए।

94. इस प्रकार यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि पूर्णरूपेण और भारत में उत्पादन और खपत दोनों के संबंध में संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों में वृद्धि हुई है।



**घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव**

95. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, नियमावली के अनुबंध-II (ii) में निम्नानुसार निर्धारित है :

"जहां तक नियम 18 के उप नियम (2) में किए गए उल्लेखानुसार कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण कीमत में होने वाली वृद्धि में अन्यथा काफी अधिक ह्रास हुआ है अथवा कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है जिसमें अन्यथा काफी हद तक वृद्धि हो गई होती।"

96. इसकी जांच की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत के पाटित आयातों द्वारा कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव अन्यथा कीमतों को ह्रास करने पर पड़ते अथवा कीमत में होने वाली वृद्धि को रोकते जो कि अन्यथा अत्यधिक स्तर तक होती। कीमत में कटौती होने, कम कीमत पर बिक्री होने, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण यदि कोई हुआ है, के संदर्भ में घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच की गई।

**कीमत कटौती**

97. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं, प्राधिकारी ने आयातों की पहुंच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली के साथ की है। इस संबंध में घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत की तुलना निर्यातित उत्पाद के पहुंच मूल्य और व्यापार के समान स्तर पर सभी रिबेटों और करों को छोड़कर घरेलू बाजार के लिए घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के साथ की गई है। घरेलू उद्योग की कीमतों का निर्धारण कारखानागत स्तर पर किया गया था। घरेलू कीमतों और कीमत में कटौती के मार्जिन को नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

विचाराधीन उत्पाद (भारतीय रुपए/मी. टन)	जापान	कोरिया	रूस	ब्राजील	चीन	इंडोनेशिया	संबद्ध देश
पहुंच मूल्य	27,489	27,111	27,442	26,247	27,414	25,169	27,218
घरेलू बिक्री कीमत	***	***	***	***	***	***	***
कीमत कटौती	(***)	(***)	(***)	***	(***)	***	(***)
पहुंच मूल्य के % के रूप में कीमत कटौती	(***)	(***)	(***)	***	(***)	***	(***)
कीमत कटौती रेंज %	(5)-5	(5)-5	(5)-5	0 - 10	(5)-5	5 - 15	(5)-5

98. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कीमत में कटौती कुछ संबद्ध देशों के लिए नकारात्मक है, लेकिन उनका यह भी विचार है कि उचित जांच करने के लिए कीमत में कटौती की जांच कीमत में ह्रास और कीमत न्यूनीकरण के संयोजन में की जानी चाहिए तथा कीमत में कटौती की जांच ऐसी अलगाव की स्थिति में नहीं की जानी चाहिए जहां कि घरेलू उद्योग को आयातों के पहुंच मूल्य के समान अपनी कीमतों को बनाए रखने के लिए उन्हें घटाने के लिए निरंतर बाध्य होना पड़े। यदि घरेलू उद्योग आयातों की कीमतों के समनुरूप अपनी कीमतों को कम नहीं करता है तो उसे अधिक ग्राहक गंवाने पड़ेंगे और इससे उसको और विकट क्षति होगी।

**कम कीमत पर बिक्री**

99. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा कम कीमत पर बिक्री किए जाने की स्थिति की भी जांच की है। इस प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित की गई क्षति रहित कीमत की तुलना आयातों की पहुंच कीमत के साथ की गई है। घरेलू उद्योग की भारित औसत क्षति रहित कीमत की आयातों की औसत पहुंच कीमत के साथ की गई तुलना को निम्नानुसार दर्शाया जाता है:-

कम कीमत पर बिक्री	यूनिट	जापान	कोरिया	रूस	ब्राजील	चीन	इंडोनेशिया
पहुंच मूल्य	भारतीय रुपए/मी. टन	27,489	27,111	27,442	26,247	27,414	25,169
क्षतिरहित कीमत का भारित औसत	भारतीय रुपए/मी. टन	***	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	भारतीय रुपए/मी. टन	***	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री (रेंज)	%	15%- 25%	15%- 25%	15%- 25%	25%- 35%	15%- 25%	25%- 35%

100. यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमत, घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित की गई क्षति रहित कीमत से अत्यधिक कम थी।

**कीमत ह्रास/न्यूनीकरण**

101. यह निर्धारण करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों में ह्रास कर रहे हैं और क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से काफी हद तक कीमतों में ह्रास हुआ है अथवा कीमतों में वृद्धि होना रूका है, जो कि अन्यथा काफी हद तक हो सकती थी, प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान लागत और कीमतों में परिवर्तन होने पर विचार किया है। इसकी स्थिति नीचे तालिका में दर्शाई गई है:-

विचाराधीन उत्पाद (रु. प्रति मी. टन)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल, 2015- दिसंबर, 2015	जांच की अवधि (जुलाई, 2015- दिसंबर, 15)
निर्माण करने और बिक्री करने की लागत	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	99	96	94	94
घरेलू बिक्री कीमत	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	102	101	80	77
पहुँच मूल्य	38,421	40,417	39,122	28,874	27,218
प्रवृत्ति	100	105	102	75	71

102. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री कीमतें अत्यधिक कम की गई हैं ताकि उन्हें पाटित आयातों के पहुंच मूल्य के समान बनाया जा सके। इस प्रकार आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में ह्रास कर रहे थे।

103. निर्माण करने और बिक्री करने की लागत में 6 सूचीबद्ध बिंदुओं तक गिरावट आई है जबकि घरेलू बिक्री कीमत में 2012-13 से जांच की अवधि तक 23 सूचीबद्ध एक इकाईयों तक गिरावट आई है। बिक्री कीमत में बहुत अधिक कमी भारत में आ रही निम्न कीमत पर पाटित आयातों का मुकाबला करने के लिए किया जाना था। यह देखा जा सकता है कि उसी अवधि के दौरान पहुँच मूल्य में 29 सूचीबद्ध अंकों तक गिरावट आई है।

**घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंड**

104. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में क्षति का निर्धारण करने के लिए समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों की परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच करने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त, नियमों में ऐसा भी प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने में उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले सभी संबद्ध आर्थिक कारकों और सूचकों का सार्थक और निष्पक्ष मूल्यांकन करना निहित है, जिनमें बिक्रियों, लाभ, आउटपुट, बाजार का हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर प्रतिलाभ अथवा क्षमता उपयोग, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन के मार्जिन की मात्रा, नकदी प्रवाह, माल सूचियों, रोजगार, वेतन, संवृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल हैं। घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन की जांच करने से ऐसा पता चला है कि घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग की क्षति से संबंधित विभिन्न प्राचलों का उल्लेख नीचे किया गया है।

**उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियां**

105. उत्पादन, घरेलू बिक्रियों, क्षमता और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य-निष्पादन निम्नानुसार था:-

विचाराधीन उत्पाद (मी. टन)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल, 2015- दिसंबर, 2015	जांच की अवधि (जुलाई, 2015- दिसंबर, 15)	जांच की अवधि (ए)
संस्थापित क्षमता	27,430,926	29,345,600	29,492,267	29,785,600	14,892,800	29,785,600
कुल उत्पादन	20,995,371	21,566,220	21,841,191	20,076,540	9,622,937	19,245,874
क्षमता उपयोग	76.54%	73.49%	74.06%	67.40%	64.61%	64.61%
घरेलू बिक्री	12,686,998	13,802,597	13,449,196	13,468,873	6,639,969	13,279,938

106. उपरोक्त तालिका में जो देखा गया है, वह निम्नानुसार है:-

- क. विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग का उत्पादन वर्ष 2012-13 में 20,995,371 मी. टन से अत्यधिक घट कर जांच की अवधि (वार्षिकीकृत) के दौरान 19,245,874 मी. टन हो गया।
- ख. विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में पर्याप्त गिरावट दृष्टिगत हुई है। घरेलू उद्योग वर्ष 2012-13 के दौरान 76.54% का सर्वोत्तम क्षमता उपयोग करने में सक्षम रहा है। तथापि, जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों में अत्यधिक वृद्धि होने के कारण यह घट कर 64.61% रह गया।

**लाभ, लाभप्रदता, नियोजित पूंजी पर लाभ और नकद लाभ**

विचाराधीन उत्पाद	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल, 2015- दिसंबर, 2015	जांच की अवधि (जुलाई, 2015- दिसंबर, 15)	जांच की अवधि (ए)
लाभ (रु. लाख)	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	212	327	(505)	(316)	(633)
लाभ (रु./मी. टन)	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	195	308	(475)	(605)	(605)
नकद लाभ (रु. लाख)	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	157	199	(149)	(102)	(204)
नकद लाभ (रु./मी. टन)	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	144	187	(141)	(195)	(195)
आरओसीई %	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	144	162	(21)	(44)	(44)

107. उपरोक्त तालिका से प्राधिकारी निम्नानुसार नोट करते हैं:-

- क. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के अत्यधिक पाटन के कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ विकट रूप से प्रभावित हुआ है। ऐसा इस तथ्य से पता चलता है कि घरेलू उद्योग वर्ष 2014-15 तक काफी अच्छा लाभ और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ अर्जित कर रहा था। तथापि, जांच की अवधि के दौरान ये लाभ और प्रतिलाभ घाटों में परिवर्तित हो गए।
- ख. उपरोक्त तालिकाओं से यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग वर्ष 2014-15 तक काफी अच्छा लाभ अर्जित कर रहा था। तथापि, जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटन होने के कारण घरेलू उद्योग नियोजित पूंजी पर उचित प्रतिलाभ अर्जित करने की अपेक्षा बिक्रियों की अपनी लागत को वसूल करने में भी समर्थ नहीं रहा है। यदि ऐसी प्रवृत्ति निरंतर कायम रहती है, तो घरेलू उद्योग के लिए कोई निवेश जुटाने में अत्यधिक कठिनाई होगी। इसके अतिरिक्त, यदि पाटन और भी गहन होता है, तो नकारात्मक नकदी प्रवाह में और वृद्धि होगी और घरेलू उद्योग अपने ऋणों को चुकाने की स्थिति में नहीं होगा।

**बाजार हिस्सा**

108. घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच की गई है, जो कि निम्नानुसार है:-

विचाराधीन उत्पाद	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल, 2015- दिसंबर, 2015	जांच की अवधि (जुलाई, 2015- दिसंबर, 15)	जांच की अवधि (ए)
मांग (मी. टन)	21,414,394	23,637,682	24,112,132	26,053,903	13,217,194	26,434,388
सूचीबद्ध	100	110	113	122	62	123
बाजार हिस्सा						

याचिकाकर्ताओं का हिस्सा	59.2%	58.4%	55.8%	51.7%	50.2%	50.2%
समर्थकों का हिस्सा	12.0%	15.2%	13.5%	14.6%	15.3%	15.3%
अन्य उत्पादकों का हिस्सा	11.0%	16.9%	15.2%	12.0%	11.7%	11.7%
संबद्ध देशों का हिस्सा	12.3%	6.6%	13.7%	20.3%	21.9%	21.9%
अन्य देशों का हिस्सा	5.5%	2.9%	1.8%	1.3%	0.9%	0.9%

109. याचिकाकर्ता संबंधित देशों से होने वाले पाटित आयातों की अत्यधिक मात्रा के कारण मांग में वृद्धि होने के समनुरूप विचाराधीन उत्पाद की बिक्रियां बढ़ाने में सक्षम नहीं हो सके हैं।

110. उपरोक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि कॉइलों में एचआर के लिए घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में गिरावट आई है, हालांकि भारत में संबंधित वस्तुओं की मांग में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान संबंधित देशों से आयातों के बाजार के हिस्से में वृद्धि हुई है। ऐसा इस कारणवश हुआ है कि आयातों ने मांग में वृद्धि पर कब्जा कर लिया है।

#### माल-सूचियां

विचाराधीन उत्पाद	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि (जुलाई, 2015-दिसंबर, 15)
माल-सूची (मी. टन)	436,308	519,456	469,530	561,888
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	119	108	129

111. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग अत्यधिक जमा हुई मालसूचियों का सामना कर रहा है। आधार वर्ष की तुलना में मालसूचियों के स्तर में वृद्धि हो रही है। आयातों के बढ़ने के कारण घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्सा घट गया है और आयातों ने बड़ी हुई मांग पर कब्जा कर लिया है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग अपने उत्पादन और बिक्रियों को बढ़ाने में असमर्थ है जिसके फलस्वरूप क्षति अवधि के दौरान मालसूचियों के इकट्ठे जमा होने की स्थिति हो गई है।

#### वृद्धि

विचाराधीन उत्पाद	यूनिट	2013-14	2014-15	अप्रैल, 15 से दिसंबर, 15 (ए)	जांच की अवधि (ए)
उत्पादन	%	2.7	1.3	-8.1	-11.9
बिक्री की लागत	%	-0.7	-3.0%	-2.7	0.3
बिक्री कीमत	%	1.5	-0.2	-20.8	-3.4
प्रति यूनिट लाभ/हानि	%	95.1	58.1	-254.2	-296.1
नियोजित पूंजी पर लाभ	%	44.3	12.0	-112.9	-126.9

112. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन, घरेलू बिक्रियों, क्षमता उपयोग, लाभ, नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ, नकदी लाभ के संबंध में घरेलू उद्योग की संवृद्धि नकारात्मक रही है।

#### पूंजीगत निवेश जुटाने की क्षमता

113. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने देश में उत्पाद की मांग बढ़ने की स्थिति को ध्यान में रख कर संयंत्र और मशीनरी में निवेश किया है। तथापि, इस निवेश के बावजूद घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में अत्यधिक गिरावट आई है और इससे और निवेश पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

#### पाटन और पाटन मार्जिन का स्तर

114. यह नोट किया जाता है कि संबंधित देशों से आयात भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर प्रवेश कर रहे हैं और पाटन का मार्जिन अत्यधिक है।

**घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक**

115. संबद्ध देशों से आयात कीमतों की जांच करने, लागत के ढांचे में परिवर्तन होने, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्द्धा होने, पाटित आयातों से भिन्न कारकों से जो कि घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित करते हैं, आदि से ऐसा पता चलता है कि संबद्ध देशों से आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और क्षति रहित कीमत से काफी कम है, जिसके कारण भारतीय बाजार में अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री हो रही है। इस प्रकार घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला कारक, संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का पहुंच मूल्य है।

**क्षति संबंधी निष्कर्ष**

116. इस प्रकार यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से पूर्णरूपेण पाटित आयातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई है। भारत में उत्पाद की खपत और उत्पादन के संबंध में आयातों में वृद्धि हुई है। इस प्रकार, भारत में उत्पाद की खपत और उत्पादन दोनों के संबंध में आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। पाटित आयातों का कीमत ह्रास और न्यूनीकरण के रूप में कीमत पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। पाटित आयातों के प्रभाव के फलस्वरूप संबद्ध वस्तुओं की घरेलू कीमतें कम हुई हैं। कम कीमत के पाटित आयातों ने घरेलू उद्योग को बाजार कीमत प्राप्त करने के लिए विवश कर दिया है जो कि उसकी लागत को भी वसूल नहीं कर सकी है। घरेलू उद्योग को अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री करने पर क्षति हो रही है। भारत में कम कीमत पर पाटित आयातों के प्रवेश करने से अत्यधिक कीमत ह्रास और न्यूनीकरण की स्थिति विद्यमान है। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन बहुत अधिक है। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के बारे में यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयात ने उत्पादन, घरेलू बिक्रियों, क्षमता उपयोग, माल सूचियों, बाजार के हिस्से, लाभ, नकद लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ के संबंध में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। घरेलू उद्योग की मालसूचियों में वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ विकट रूप से प्रभावित हुआ है। ऐसा इस तथ्य से पता चलता है कि घरेलू उद्योग वर्ष 2014-15 तक नियोजित पूंजी पर बहुत अच्छा लाभ और प्रतिलाभ अर्जित कर रहा था। तथापि, जांच की अवधि के दौरान लाभ और प्रतिलाभ घाटों में परिवर्तित हो गया। इस प्रकार प्राधिकारी का अनन्तिम रूप से यह निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।

**कारणात्मक संबंध**

117. प्राधिकारी ने इसकी जांच की है कि क्या पाटनरोधी नियमावली में सूचीबद्ध अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। पाटन और घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति होने के बीच कारणात्मक संबंधों की जांच की गई है, जो कि निम्नानुसार है।

**तीसरे देशों से आयात**

118. संबद्ध देशों से भिन्न अन्य देशों से आयात मात्रा की दृष्टि से अधिक नहीं हैं जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति होने का खतरा हो। इसके अतिरिक्त जिन कीमतों पर अन्य देशों से वस्तुएं आ रही हैं, वे संबद्ध देशों से आने वाली वस्तुओं की कीमतों से बहुत अधिक हैं।

**मांग में संकुचन**

119. संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि होने की प्रवृत्ति दृष्टिगत हुई है। इसलिए मांग में कमी होना, घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं हो सकता है। वास्तव में घरेलू उद्योग मांग में हुई वृद्धि के समनुरूप अपनी बिक्रियों और बाजार के हिस्से को बढ़ाने में सक्षम नहीं हुआ है।

**विदेशी और घरेलू उत्पादकों की व्यापारिक प्रतिबंधित प्रवृत्तियां और उनके बीच प्रतिस्पर्द्धा**

120. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसी कोई व्यापारिक प्रतिबंधित प्रवृत्ति नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

**प्रौद्योगिकी में विकास**

121. संबद्ध उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इस प्रकार प्रौद्योगिकी में विकास को घरेलू उद्योग की क्षति के लिए जिम्मेदार नहीं माना जा सकता है।

**खपत के पैटर्न में परिवर्तन**

122. घरेलू उद्योग ऐसी वस्तुओं का उत्पादन कर रहा है, जिनका भारत में आयात किया गया है। खपत के पैटर्न में संभावित परिवर्तन घरेलू उद्योग की क्षति का कारक नहीं हो सकता है।

**निर्यात निष्पादन**

23. घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई क्षति के लिए घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन में संभावित अधिक गिरावट आने का कारण नहीं माना जा सकता है। वास्तव में भौतिक दृष्टि से घरेलू उद्योग के निर्यात में कोई गिरावट नहीं आई है। फिर भी घरेलू उद्योग के घरेलू कार्य निष्पादन पर विचार किया गया है।

**अन्य देशों के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन**

124. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों के निष्पादन ने घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन के प्राधिकारी द्वारा किए गए मूल्यांकन को प्रभावित नहीं किया है। प्राधिकारी द्वारा केवल विचाराधीन उत्पाद से संबंधित सूचना पर विचार किया गया है।

**घरेलू उद्योग की उत्पादकता**

125. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को उत्पादकता में गिरावट आने के कारण क्षति नहीं हुई है।

**कारणात्मक संबंध स्थापित करने वाले कारक**

126. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन के विश्लेषण से ऐसा पता चलता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में भौतिक दृष्टि से गिरावट आई है। पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध होने की संपुष्टि निम्नोक्त आधार पर हुई है:-

- संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है।
- भारत में खपत के संबंध में संबद्ध वस्तुओं के आयातों में वृद्धि हुई है।
- हालांकि भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि हुई है, फिर भी घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में गिरावट आई है। इसका यह कारण है कि आयातों ने मांग में हुई वृद्धि को तेजी से कब्जा कर लिया है।
- घरेलू उद्योग मांग में हुई वृद्धि के समन्तुरूप अपने उत्पादन और बिक्रियों को बढ़ाने में समर्थ नहीं हुआ है।
- घरेलू उद्योग की माल सूचियां बढ़ी हैं क्योंकि मांग में हुई वृद्धि होने के बावजूद घरेलू उद्योग अपनी बिक्रियों को बढ़ाने में समर्थ नहीं हुआ है। आयातों ने भारत में मांग पर तेजी से कब्जा कर लिया है।
- भारत में प्रवेश करने वाले कम कीमत के पाटित आयातों के कारण अत्यधिक कीमत ह्रास और न्यूनीकरण हो रहा है।
- घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ विकट रूप से प्रभावित हुआ है। ऐसा इस तथ्य से पता चलता है कि घरेलू उद्योग वर्ष 2014-15 तक नियोजित पूंजी पर बहुत अच्छा लाभ और प्रतिलाभ अर्जित कर रहा था। लेकिन जांच की अवधि के दौरान लाभ और प्रतिलाभ घाटों में परिवर्तित हो गया।

127. उपरोक्त विश्लेषण से ऐसा पता चलता है कि भारत में विचाराधीन उत्पाद के बढ़ते पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हो रही है। इस प्रकार संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों में वृद्धि होने और घरेलू उद्योग को हो रही आर्थिक क्षति के बीच सुदृढ़ संबंध विद्यमान है।

**क्षति और कारणात्मक संबंध पर निष्कर्ष**

128. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में उपरोक्त जांच से प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन होने के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है। समस्त क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में तथा भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में पूर्णरूपेण वृद्धि हुई है। पाटित आयातों ने बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव डाला है। संबद्ध देशों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है और इसे अत्यधिक माना गया है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों ने उत्पादन, बिक्रियों और क्षमता उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में अत्यधिक गिरावट आई है जबकि संबद्ध आयातों के बाजार के हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में लाभ, नकद लाभ और निवेश पर प्रतिलाभ के संबंध में अत्यधिक गिरावट आई है। उसकी मांग सूचियों में वृद्धि हुई है। प्राधिकारी का अनन्तिम रूप से यह निष्कर्ष है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन होने के फलस्वरूप घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।

129. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत निर्धारित की है और उसकी तुलना प्रतिवादी निर्यातकों के संबद्ध आयातों के पहुंच मूल्यों के साथ की है ताकि क्षति मार्जिन का निर्धारण किया जा सके। भारित औसत क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए निर्धारित किए गए क्षति मार्जिन पर विचार किया गया है। इस प्रकार निर्धारित किया गया क्षति मार्जिन निम्नानुसार है:-

## क्षति मार्जिन

क्रम सं.	देश	उत्पादक	उत्पाद	निर्यातक	एनआईपी	पहुँच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %
1	कोरिया गणराज्य	मैसर्स हुंडई स्टील कंपनी	कॉइल में एचआर	1. हुंडई स्टील कंपनी, कोरिया गणराज्य 2. मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपो., कोरिया गणराज्य 3. मैसर्स हुंडई कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य 4. मैसर्स मैन स्टील कं. लि., कोरिया गणराज्य 5. मैसर्स पीएंडए कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य 6. ओहमी इंडस्ट्रीज लि., जापान	***	***	***	20-30%
			कॉइल में एचआर नहीं	1. मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपो., 2. मैसर्स हुंडई कारपोरेशन,	***	***	***	80-90%
			विचाराधीन उत्पाद भारित औसत		***	***	***	30-40%
2	कोरिया गणराज्य	मैसर्स पोसको	कॉइल में एचआर	1. मैसर्स पोसको, कोरिया गणराज्य 2. मैसर्स पोसको देवू कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य 3. मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपो., कोरिया गणराज्य 4. मैसर्स हुंडई कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य 5. मैसर्स सैमसंग सीएंडटी कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य 6. मैसर्स पोसको एशिया, हांगकांग 7. पोसको पीएंडएस	***	***	***	20-30%
			कॉइल में एचआर नहीं	1. मैसर्स देवू इंटरनेशनल, 2. मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपो., 3. मैसर्स हुंडई कारपोरेशन, 4. मैसर्स सैमसंग सीएंडटी कारपोरेशन, 5. मैसर्स पोसको एशिया, हांगकांग	***	***	***	20-30%

				6. पोसको पीएंडएस				
				विचाराधीन उत्पाद भारित औसत	***	***	***	20-30%
3	जापान	जेएफई स्टील कारपोरेशन	कॉइल में एचआर	1. होंडा ट्रेडिंग कारपोरेशन 2. जेएफई शोजी ट्रेड कारपोरेशन 3. मेटल वन कारपोरेशन 4. मितसुई एंड कं. लि. 5. ओहमी इंडस्ट्रीज लि. 6. उत्तम गल्वा इंटरनेशनल पीटीई. लि. 7. उत्तम गल्वा इंटरनेशनल एफजेडई 8. टोयोटा त्सोहू कारपोरेशन 9. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक. जापान	***	***	***	30-40%
			कॉइल में एचआर नहीं	1. जेएफई शोजी ट्रेड कारपोरेशन 2. मेटल वन कारपोरेशन 3. मितसुई एंड कं. लि. 4. ओहमी इंडस्ट्रीज लि. 5. टोयोटा त्सोहू कारपोरेशन 6. शिंशो कारपोरेशन, जापान 7. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक. जापान 8. किशो कं. लि., जापान	***	***	***	0-10%
				विचाराधीन उत्पाद भारित औसत	***	***	***	25-35%
4	जापान	मैसर्स निप्पो स्टील एंड सुमितोमो मेटल कारपोरेशन	कॉइल में एचआर	1. हनवा कं. लि. 2. होंडा ट्रेडिंग कारपोरेशन 3. कनेमत्सु कारपोरेशन लि. 4. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक. 5. मेटल वन कारपोरेशन, जापान 6. मितसुई एंड कं. लि. 7. निप्पो स्टील एंड सुमिकिन बुस्सान कारपोरेशन 8. सुमितोमो कारपोरेशन 9. टोयोटा त्सोहू कारपोरेशन 10. ओहमी इंडस्ट्रीज लि.	***	***	***	20-30%
			कॉइल में एचआर नहीं	1. हनवा कं. लि. 2. मितसुई एंड कं. लि. 3. निप्पो स्टील एंड सुमिकिन बुस्सान कारपोरेशन 4. सुमितोमो कारपोरेशन 5. ओहमी इंडस्ट्रीज लि.	***	***	***	(40-50%)



			विचाराधीन उत्पाद भारत औसत	***	***	***	20-30%
5	चीन जन गण	1. मैसर्स झंगजियांग एंड जीटीए प्लेट कं. लि. 2. मैसर्स झंगजियागांग होंगचांग स्टील प्लेट कं. लि. 3. मैसर्स झंगजियागांग शाजिंग हैवी प्लेट कं. लि.	कॉइल में एचआर 1. मैसर्स जियांग्सु शगांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. 2. मैसर्स शगांग इंटरनेशनल (सिंगापुर) पीटीई. लि. 3. मैसर्स किंशा इंटरनेशनल पीटीई लि. 4. मैसर्स बुरविल रिसोर्सेस लिमिटेड 5. मैसर्स फ्यूचर मैटेरियल्स इंडस्ट्री (हांगकांग) कं. लि. 6. मैसर्स लु किन (हांगकांग) कं. लि. 7. मैसर्स निंगबो सीमी इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. 8. मैसर्स स्टीलको पेसिफिक ट्रेडिंग लिमिटेड 9. मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपो.	***	***	***	30-40%
			कॉइल में एचआर नहीं 3. मैसर्स जियांग्सु शगांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. 4. मैसर्स शगांग इंटरनेशनल (सिंगापुर) पीटीई. लि.	***	***	***	50-60%
			विचाराधीन उत्पाद भारत औसत	***	***	***	30-40%
6	चीन जन गण	1. मैसर्स वुयांग न्यू हैवी एंड वाइड स्टील प्लेट कं. लि. 2. मैसर्स वुयांग आयरन एंड स्टील कं. लि.	कॉइल में एचआर नहीं 1. मैसर्स वुयांग आयरन एंड स्टील कं. लि. 2. हेबेई आयरन एंड स्टील (हांगकांग) इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. 3. हेबेई आयरन एंड स्टील (सिंगापुर) पीटीई. लि. 4. सलजगिटर मन्नेसमन इंटरनेशनल जीएमबीएच जर्मनी 5. बुरविल रिसोर्सेस लिमिटेड, हांगकांग	***	***	***	40-50%

130. यथा निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन अत्यधिक पाया गया है।

**संबद्ध देशों से अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पहुँच मूल्य और क्षति मार्जिन**

131. संबद्ध देशों में अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के संबंध में भारत में पहुँच मूल्य का निर्धारण उपलब्ध श्रेष्ठ सूचना के आधार पर किया गया है। इस प्रयोजनार्थ प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रदान की गई सूचना को अपनाया गया है। इस प्रकार से तय किए गए क्षति मार्जिन को नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

कॉइल में एचआर (अमेरिकी डॉलर/मी. टन)	जापान	कोरिया	चीन	इंडोनेशिया	ब्राजील	रूस
एनआईपी	***	***	***	***	***	***
पहुँच मूल्य	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन %	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन % रेंज	55-65	40-50	40-50	30-40	15-25	0-10

कॉइल में एचआर नहीं (अमेरिकी डॉलर/मी. टन)	जापान	कोरिया	चीन	इंडोनेशिया	ब्राजील	रूस
एनआईपी	***	***	***	***	***	***
पहुँच मूल्य	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन %	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन % रेंज	60-70	70-80	60-70	40-50	40-50	50-60

प्रकटन पश्चात विवरण पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

132. प्रकटन विवरण पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई टिप्पणियां निम्नानुसार हैं :-

- (क) घरेलू उद्योग ने अपने लिखित निवेदन में पीसीएन की सूची प्रदान की थी जिसमें उसने यह दावा किया था कि वह इनका विनिर्माण कर सकता है। तथापि, घरेलू उद्योग की पीसीएन की सूची में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत की गई पीसीएन की सूची शामिल नहीं थी। इसके अतिरिक्त, प्रकटन विवरण में सामान्य विवरण का उल्लेख किया गया है कि घरेलू उद्योग समान पीसीएन अथवा प्रत्येक पीसीएन के लिए सदृश पीसीएन का विनिर्माण कर रहा है। प्रकटन विवरण में ऐसे पीसीएन ग्रेडों की कोई सूचना प्रदान नहीं की गई है जिसका घरेलू उद्योग द्वारा दावा किया गया है कि वह पीसीएन से मिलते हैं अथवा पीसीएन के सदृश हैं। प्रकटन विवरण में ऐसी विस्तृत कमी होने से हितबद्ध पक्षकारों पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और वे सार्थक उत्तर प्रदान नहीं कर रहे हैं क्योंकि उन्हें घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित पीसीएन के व्यौरों की जानकारी नहीं है जोकि प्रतिवादी के पीसीएन के सदृश हैं। इस प्रकार प्रकटन विवरण में सभी अनिवार्य तथ्य निहित नहीं हैं और इसलिए यह पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.9 का उल्लंघन है।
- (ख) थिसिनक्रप ने यह निवेदन किया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण में यह बताया है कि घरेलू उद्योग ने ऐसे साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं कि वह एच आर एन ओ स्टील का विनिर्माण करता है। याचिकादाता थिसिनक्रप और एस्सार स्टील इंडिया लिमिटेड (जोकि एक याचिकादाता है) के बीच हाल ही में किए गए ई-मेल विनिमय से ऐसा पता चलता है कि याचिकादाता (0.5 प्रतिशत से 3.2 प्रतिशत तक की सीमा में निहित सिलिकॉनयुक्त एचआरएनओ) आयातक द्वारा आयातित एचआरएनओ के ग्रेडों का विनिर्माण और अथवा आपूर्ति नहीं करते हैं। इस ई-मेल में थिसिनक्रप ने उपरोक्त ग्रेड के एचआरएनओ के लिए एस्सार से उद्धृत करने का अनुरोध किया था। तथापि, एस्सार ने ऐसे प्रश्न का कभी भी उत्तर नहीं दिया था।
- (ग) मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने निवेदन किया है कि कुछ पीसीएन (गोपनीय अधार पर) पीसीएन के बहिष्करण के लिए उसके द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों की प्राधिकारी द्वारा यह निर्धारण करने के लिए जांच करने की आवश्यकता है कि क्या घरेलू उद्योग द्वारा ऐसे सभी ग्रेडों का उत्पादन किया जा रहा है।
- (घ) वेल्पसन कॉर्प लि. ने निवेदन किया है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति किया गया कोई भी उत्पाद ग्रेड ऐसे ए पी आई ग्रेड के समान नहीं है जिसके लिए वेल्पसन ने बहिष्करण करने की मांग की है। इसके अतिरिक्त यदि एपीएल के निम्नतर ग्रेडों के लिए प्रतिस्थापन के रूप में तकनीकी रूप से एपीआई के उच्चतर ग्रेडों का प्रयोग किया जाता है तो वे वाणिज्यिक रूप से अर्थक्षम नहीं हैं। उदाहरण के लिए एक्स-65 का उपयोग एक्स-46 के स्थान पर किया जा सकता है। तथापि, ये दोनों ग्रेड सहयोजित कीमत के रूप में अत्यधिक भिन्न हैं। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों पर विचार नहीं किया है और प्रारंभिक जांच परिणाम में प्रकटन विवरण के रूप में अपना निष्कर्ष दिया है।

- (ड) विभिन्न हितवद्ध पक्षकारों ने यह निवेदन किया है कि उनके लिए निर्धारित की गई निवल निर्यात कीमत प्रश्नावली के उत्तर में उनके द्वारा प्रदत्त की गई सूचना के साथ-साथ प्राधिकारी को प्रस्तुत किए गए निवल निर्यात कीमत के व्यौरों की तुलना में भिन्न है। इसलिए, प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे इन कंपनियों के लिए पाटन मार्जिन और निवल निर्यात कीमत को सही करें।
- (च) पीजेएससी नावो लिपेटस्क स्टील (एनएलएमके) ने पाटनरोधी नियमावली के अनुच्छेद-15 के अनुसार, कीमत की पेशकश की है। जिसमें न्यूनतम कीमत का निर्धारण क्षति को समाप्त करने के स्तर पर किया जाएगा, यदि निर्धारित प्राधिकारी निवल (सीआईएफ) कीमत अथवा विशिष्ट शुल्क के प्रतिशत के रूप में सममूल्य शुल्क की सिफारिश करने का उपागम बनाते हैं और कार्रवाई करते हैं जैसाकि वस्तुओं की कुछ राशि के लिए मूल्य का निर्धारण किया गया है।
- (छ) उत्तर प्रस्तुत करने के लिए दी गई समयावधि बहुत कम है। इस पर विचार करते हुए कि प्रकटन विवरण घरेलू उद्योग का भाग बनने वाली तीन कंपनियों सहित बहुविध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों पर आधारित है। प्रकटन विवरण पर कोई भी सार्थक टिप्पणी के लिए प्रतिवादी पक्षकारों द्वारा किए गए विगत निवेदनों की पुनरीक्षा करने की आवश्यकता है तथा साथ ही माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पाए गए तदुत्तरूपी अनिवार्य तथ्यों की जांच करने की आवश्यकता है। इस कार्रवाई में पर्याप्त समय लगेगा और इसको ध्यान में रखते हुए यह निवेदन है कि दो दिनों की समयावधि विकट रूप से अपर्याप्त है।
- (ज) माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस समय लागू किए जा रहे समानता परीक्षण और बहिष्करण के प्रयोजनार्थ पीसीएन की तुलना करने की कार्य प्रणाली त्रुटिपूर्ण कार्य प्रणाली है। समानता और बहिष्करण के प्रयोजनार्थ विनिर्देशन की तुलना विनिर्देशन परीक्षण के साथ नहीं करके माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी जानबूझकर के शुल्कों के कार्यक्षेत्र में ऐसे उत्पादों को शामिल कर रहे हैं हिनका घरेलू उद्योग न तो उत्पादन करता है और न ही उसकी प्रतिस्पर्धा कर सकता है। इसलिए माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग द्वारा की गई वाणिज्यिक विक्रियों के आधार पर विनिर्देशन परीक्षण की सही ढंग से तुलना करनी चाहिए।
- (झ) एन एस एस एम सी, कोबे स्टील और जेएफई स्टील ने यह निवेदन किया है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने गोपनीय पाटन मार्जिन परिकलन शीट उपलब्ध कराई है। तथापि, उसमें यह स्पष्ट नहीं है कि कैसे अंतिम सामान्य मूल्य और लागत का परिकलन किया गया है। मार्जिन के परिकलन के विलंबित और अपूर्ण प्रकटन से प्रतिवादी पक्षकारों की उचित तरीके से निर्धारित सीमा में उत्तर देने की क्षमता विकट रूप से सीमित हुई है।
- (ट) हितवद्ध पक्षकारों ने निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वे इसको स्पष्ट करें कि एचआर इन-क्वाइल्स और नॉट-इन-क्वायल्स के लिए पृथक रूप से शुल्क लगाया जाएगा अथवा नहीं अथवा भारित औसत आधार पर लगाया जाएगा अथवा नहीं। माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रकट नहीं किए गए कारणवश एचआर इन-क्वाइल्स और नॉट-इन-क्वायल्स के लिए संयुक्त तरीके से क्षति की तुलना करने का निर्णय लिया है। तथापि, अंतिम जांच परिणाम में किया गया क्षति विश्लेषण इस जांच में शामिल किए गए दो किस्मों के उत्पादों के लिए पृथक रूप से किया गया था।
- (ठ) प्राधिकारी से यह निवेदन है कि वे एचआर इन-क्वाइल्स और नॉट-इन-क्वायल्स के लिए पृथक शुल्कों (उनकी कीमतों के संदर्भ में) की सिफारिश करें।
- (ड) प्राधिकारी ने हितवद्ध पक्षकारों द्वारा अभिज्ञात किए गए गैर-जिम्मेदारान सभी कारकों का निदान नहीं किया है जैसे कि कम घरेलू मांग इनपुट की कीमतों में तेजी से गिरावट, मुद्राओं का मूल्यहास, बाह्य इनपुट का अत्यधिक उपयोग, नई क्षमताएं आदि।
- (ढ) निप्पन स्टील एंड सुमिटोमो मेटल कॉर्पोरेशन ने निवेदन किया है कि एच आर नॉट-इन क्वायल्स से संबंधित उत्पादक के निर्यात के लिए क्षति मार्जिन नकारात्मक (40-50 प्रतिशत कम) है। इसलिए, माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को पाटनरोधी नियमावली की आवश्यकताओं के अनुरूप उत्पादक के लिए शुल्क के शून्य मार्जिन की सिफारिश करनी चाहिए और प्रारंभिक जांच परिणाम की पद्धति को दोहराना नहीं चाहिए जिसमें उत्पादों, जिस पर शून्य शुल्क स्वीकृत किया गया था, के कार्यक्षेत्र को सीमित करके पूर्व शर्त के साथ शुल्क की शून्य दर की सिफारिश की गई थी।
- (ण) शुल्क के रूप के संबंध में माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपनाई जा रही कार्य प्रणाली का कोई प्रकटन नहीं किया गया है। इस विशिष्ट उत्पाद के कार्य क्षेत्र के लिए यदि किसी प्रकार के शुल्क की सिफारिश की जाती है तो ऐसे शुल्क का उचित रूप, शुल्क की संदर्भ कीमत होगी।
- (त) अंगांग स्टील कंपनी लिमिटेड (अंगांग) ने यह निवेदन किया है कि उसकी प्रश्नावली के उत्तर को स्वीकृत करना सही नहीं है। इस संबंध में अंगांग ने निवेदन किया है कि उसने अपनी प्रश्नावली के उत्तर में यह स्पष्ट कर दिया है कि अंगांग इंटरनेशनल एक कमीशन एजेंट मात्र है और यह अपने निजी नाम पर अंगांग की ओर से वाणिज्यिक वीजक जारी करती है। इसके लिए, करार की एक प्रति भी प्रस्तुत की गई है।

- (थ) मै. सांमवू कंपनी लि. कोरिया जनवादी गणराज्य ने निवेदन किया है कि सांमवू द्वारा प्रस्तुत किये गये उत्तर को स्वीकार किया जाना चाहिए। सांमवू को विनिर्मित एचआरपीओ के लिए पृथक दर दी जाए अथवा उसे हुंडई स्टील कॉर्पोरेशन के एक व्यापारी के रूप में माना जाना चाहिए। यह भी निवेदन किया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस आशय का निष्कर्ष कि सामवू कंपनी लिमिटेड ने कोरिया जनवादी गणराज्य से विभिन्न उत्पादकों से संबद्ध वस्तुओं की खरीदारी की है, सही नहीं है क्योंकि सामवू कंपनी लिमिटेड ने एचआर उत्पादों की खरीद केवल हुंडई स्टील कंपनी लिमिटेड, कोरिया जनवादी गणराज्य नामक केवल एक उत्पादक से ही की है।
- (द) नानजिंग द्वारा प्रस्तुत किए गए निर्यात आंकड़ों को बिना कोई कारण बताए अस्वीकृत कर दिया गया है। प्राधिकारी ने उसी रवैये को अपनाया है जोकि उसने नानजिंग के लिए प्रारंभिक जांच परिणाम में अपनाया था, जिसके लिए उन्होंने कोई औचित्यपूर्ण कारण नहीं बताया है।
- (ध) यह निवेदन किया गया है कि माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने एमआईपी और सुरक्षा के प्रभाव को गलत ढंग से शामिल नहीं किया है। हालांकि सुरक्षा शुल्क लागू करने का उद्देश्य पाटनरोधी शुल्क से भिन्न होता है, लेकिन उन दोनों का उद्देश्य घरेलू उद्योग का संरक्षण करना होता है और ये दोनों ही घरेलू उद्योग का संरक्षण करते हैं। इसके अतिरिक्त, एमआईपी जांच अवधि को क्षति का उचित और निष्पक्ष विश्लेषण करने के लिए अत्यधिक अनपयुक्त ठहराती है। इसलिए एमआईपी लागू करने के बाद घरेलू उद्योग की स्थिति और संबद्ध देश से आयातों के प्रभाव एमआईपी के प्रभाव और घरेलू उद्योग की स्थिति का विश्लेषण करना आवश्यक है।
- (न) जेआईएसएफ ने आटोमेटिव ई एंड ई पाइप्स और ट्यूब मशीनरी आदि जैसे उत्पादों का बहिष्करण करने का अनुरोध किया है।
- (न) पोस्को ने निवेदन किया है कि प्राधिकारी द्वारा टीडीसी करार से संबंधित उनके मुद्दे का समाधान नहीं किया गया है।
133. घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटन विवरण पर की गई टिप्पणियां निम्नानुसार हैं :-
- (क) घरेलू उद्योग का यह विचार है कि घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत (एनआईपी) कम है। विशेषकर एस्सार स्टील इंडिया लिमिटेड (एस्सार) जोकि घरेलू उद्योग का एक अंग है, के लिए घरेलू उद्योग का यह निवेदन है कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-3 के अनुसार क्षति रहित कीमत का परिकलन करने के वास्तविक लागत और नियोजित पूंजी के प्रतिलाभ पर विचार किया जाना चाहिए।
- (ख) दिनांक 3 अप्रैल, 2017 के ई-मेल द्वारा निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा सहयोजित गोपनीय क्षतिरहित कीमत के कार्यचालन से तथा निर्दिष्ट प्राधिकारी के साथ हुए हाल ही के विचार-विमर्श से यह समझा जाता है कि एस्सार के लिए नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ का परिकलन करते समय निवल अचल परिसंपत्तियों से कुछ कटौतियां की गई हैं। इसके अतिरिक्त यह भी निवेदन किया गया है कि :
1. निर्दिष्ट प्राधिकारी को एस्सार के लिए सभी परिसंपत्तियों पर विचार करना चाहिए जैसा कि उसकी लेखाओं की लेखा परीक्षित बहियों में प्रतिबिंबित होता है।
  2. इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी किए गए संबद्ध लेखाकरण मानकों के अनुसार लेखा बहियों में सभी राशि को पूंजीकृत किया गया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए ऐसा कोई कारण नहीं है कि वे लेखाओं की लेखा परीक्षित बहियों से आगे जाएं और एक पक्षीय आधार पर किसी भी राशि की अनुमति न दें। कानून में ऐसा कोई उपबंध नहीं है कि वह निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग द्वारा नियोजित परिसंपत्तियों से ऐसी कोई कटौती करने की स्वीकृति देता हो।
  3. यह भी निवेदन किया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई कटौतियां पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-3 के विपरीत हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी का दृष्टिकोण मनमाना है और यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन है। उपरोक्त मुद्दों का तत्काल निदान किया जाना चाहिए तथा क्षतिरहित कीमत का परिकलन करने के लिए सभी निवल अचल परिसंपत्तियों पर विचार किया जाना चाहिए।
- (ग) प्रकटन विवरण का अनुशीलन करने से ऐसा पता चलता है कि प्रारंभिक जांच परिणाम की तुलना में जेएफई के लिए किया गया क्षति मार्जिन कम हुआ है। यह विशेष रूप से इसलिए हुआ है क्योंकि प्रारंभिक जांच परिणाम के चरण की तुलना में प्रकटन विवरण के चरण के दौरान क्षतिरहित कीमत में वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप जेएफई का क्षति मार्जिन नीचे नहीं जा सका है। निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध है कि वह इस पहलू की जांच करें।
- (घ) प्रकटन विवरण के अनुसार एचआर नॉट इन क्वायल के लिए एनएसएसएमसी का क्षति मार्जिन कथित रूप से नकारात्मक है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि एचआर इन क्वायल और एच आर नॉट इन क्वायल दोनों के लिए क्षति मार्जिन सहित भारित औसत पाटन मार्जिन बहुत अधिक है। इसके अतिरिक्त एनएसएसएमसी का भारित औसत क्षति मार्जिन भी बहुत अधिक है। अधिक भारित औसत पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन को ध्यान में रखते हुए सादर निवेदन किया जाता है कि एन एस एस

एम सी के एचआर नॉट इन क्वायल के निर्यातों के लिए लिए भी संदर्भ कीमत की सिफारिश की जानी चाहिए। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा ऐसे उपागम का सुसंगत रूप से अनुसरण किया जा रहा है और इसका हाल ही का उदाहरण चीन जनवादी गणराज्य के मूल की अथवा वहां से निर्यातित सीमलैस ट्यूब्स और पाइप्स के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच में दिनांक 9 दिसंबर, 2016 का अंतिम जांच परिणाम है। उपरोक्त तथ्यों के बिना पूर्वाग्रह के घरेलू उद्योग का यह निवेदन है कि जांच अवधि के दौरान एनएसएसएमसी के एचआर नॉट इन क्वायल्स के निर्यात नगण्य थे। ऐसे कम निर्यात प्रतिनिधिक नहीं होते हैं, इसलिए पाटन और क्षति मार्जिन का परिकलन करने के प्रयोजनार्थ इनकी अनदेखी की जानी चाहिए। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पहले भी अनेक मामलों में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का परिकलन करने के लिए कम निर्यातों की अनदेखी की है जैसे कि (1) संयुक्त राज्य अमरीका और चीन जन.गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित मैथिल एसीटेट के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच में दिनांक 1 अप्रैल, 2016 का अंतिम जांच परिणाम और (2) चीन जन.गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित शीट ग्लास के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच पर दिनांक 29 दिसंबर, 2014 का अंतिम जांच परिणाम और (3) चीन जन.गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित सेक्रीन के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा जांच में दिनांक 7 दिसंबर, 2011 का अंतिम जांच परिणाम। निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध है कि उपरोक्त मामलों में अपनाई गई अपनी सुसंगत पद्धति का अनुसरण करें।

- (ड) ये टिप्पणियां विचाराधीन अनिवार्य तथ्यों और पाटनरोधी नियामवली के नियम 16 के अंतर्गत प्रकट किए गए प्रेक्षणों पर आधारित हैं। यदि विचाराधीन अनिवार्य तथ्यों और प्रेक्षणों में किसी भी समय कोई परिवर्तन होता है तो यह अनुरोध है कि जांच और टिप्पणियों के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अंतर्गत प्रतिवादियों को दूसरा प्रकटन विवरण जारी किया जाए और घरेलू उद्योग को सुनवाई का अन्य अवसर भी प्रदान किया जाए।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

134. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पक्षकारों द्वारा किए गए अत्यधिक निवेदन पुनरावृत्ति प्रकृति के हैं और इनका समाधान प्रकटन विवरण में पहले से ही कर दिया गया है। उपरोक्त जांच परिणाम में स्वतः इन पक्षकारों के तर्कों का निदान निहित है। इसके अतिरिक्त, जितना प्रासंगिक समझा गया है और जिनका समाधान अन्यत्र नहीं किया गया है, प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्ष द्वारा किए गए निवेदनों की जांच की है जिसका उल्लेख नीचे किया गया है :-
- (क) कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग की पीसीएन की सूची में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत की गई पीसीएन की सूची शामिल नहीं है और प्रकटन विवरण में साधारणतः सामान्य यह बताया गया है कि घरेलू उद्योग समान पीसीएन अथवा प्रत्येक पीसीएन के सदृश पीसीएन का विनिर्माण कर रहा है। प्रकटन विवरण में पीसीएन ग्रेडों के बारे में कोई सूचना प्रदान नहीं की गई है जिसका दावा घरेलू उद्योग ने किया है कि वे पीसीएन के समान हैं अथवा पीसीएन के सदृश हैं। इस संबंध में प्राधिकारी ने यह पाया है कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान उनके द्वारा विनिर्मित किए जा रहे पीसीएन की सूची प्रदान की थी और प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों ने उन पीसीएन की सूची प्रदान की थी जिनका बहिष्करण करने की उन्होंने मांग की थी। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई सूची सभी हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान कर दी गई थी। घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत की गई पीसीएन की सूचियों की जांच करने पर यह देखा गया था कि घरेलू उद्योग या तो समान पीसीएन अथवा प्रत्येक ऐसे पीसीएन के सदृश पीसीएन का विनिर्माण कर रहा था जिसके बहिष्करण के लिए हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया था। वास्तविक रूप से समान पीसीएन के मामले में प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों ने कोई आपत्ति नहीं की है। सदृश पीसीएन के मामले में ही आपत्ति की गई है। यहां यह उल्लेख करना अनिवार्य है कि पीसीएन का एक मापदंड उसकी गुणवत्ता था। घरेलू उद्योग ने सभी गुणवत्तायुक्त उत्पादों का विनिर्माण किया था जिनके बहिष्करण की मांग की गई थी। अत्यंत समान पीसीएन में अंतर उसकी चौड़ाई, मोटाई, लंबाई के सिरों, धरातल के निरूपण अथवा वाष्प निरूपण के कारण थे। इसलिए प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के दावे का कोई महत्व नहीं है।
- (ख) विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उनके संबंधित सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के परिकलन के बारे में किए गए निवेदनों के संबंध में प्राधिकारी स्पष्ट करते हैं कि उनका परिकलन हितबद्ध पक्षकारों के सत्यापित आंकड़ों के आधार पर किया गया है। कानूनी प्रावधानों के अनुसार निर्यात कीमत में उपयुक्त समायोजन किया गया था ताकि व्यापार के समान स्तर पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत में तुलना सुनिश्चित की जा सके।
- (ग) अंगांग स्टील कंपनी लिमिटेड ("अंगांग") और अंगांग ग्रुप हांगाकांग कंपनी लिमिटेड ("अंगांग एचके") ने निवेदन किया है कि अंगांग इंटरनेशनल एक कमीशन एजेंट है और वह एक व्यापारी नहीं है क्योंकि वह अपनी बिक्री राजस्व के रूप में कमीशन दर्ज करती है और न कि वस्तुओं के मूल्य को इसके अतिरिक्त यह भी तर्क दिया गया है कि अंगांग इंटरनेशनल द्वारा उसकी ओर से जारी किया गया वाणिज्यिक बीजक, अंगांग स्टील और अंगांग एचके के बीच केवल बीजक है। अंगांग इंटरनेशनल निर्यात संभारतंत्र, प्रलेखन और सीमाशुल्क की प्रक्रिया का आयोजन करती है। इस पद्धति को चीन की विधि के अंतर्गत स्वीकार किया जाता है। अब उन्होंने अंगांग और अंगांग इंटरनेशनल के बीच हुए एक करार की एक प्रति प्रदान की है। ऐसे तर्कों की सुगमता से जांच की जा सकती थी यदि अंगांग इंटरनेशनल ने समर्थन में सत्यापन योग्य दस्तावेजों के साथ प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत कर दिए होते। अंगांग इंटरनेशनल से सहयोग के बिना तथा अंगांग इंटरनेशनल से सत्यापन योग्य रिकॉर्ड के साथ प्रश्नावली का

कोई उत्तर प्राप्त नहीं होने की स्थिति में प्राधिकारी अंगांग द्वारा उठाए गए तर्क को स्वीकार करने में असमर्थ हैं। प्राधिकारी उपलब्ध श्रेष्ठ तथ्यों के आधार पर अंगांग के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण करने के संबंध में अपने प्रेक्षकों की संपुष्टि करते हैं।

- (घ) जेएफई स्टील का यह तर्क है कि उत्पाद बहिष्करण पर निर्णय लेने के लिए पीसीएन वार तुलना करना अनपयुक्त है। यह उत्पाद बहिष्करण पर निर्णय लेने के लिए पीसीएन वार तुलना करने के संबंध में प्राधिकारी को दी गई जे एफ ई स्टील की पूर्व सहमति के विपरीत है। दूसरी सार्वजनिक सुनवाई के दौरान भी जे एफ ई स्टील के प्रतिनिधियों सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों के प्रतिनिधियों ने यह सहमति प्रकट की थी कि उत्पाद का बहिष्करण करने पर निर्णय लेने के लिए पीसीएन वार तुलना की जानी चाहिए। दूसरी सार्वजनिक सुनवाई के दौरान सभी हितबद्ध पक्षकारों की सहमति के बाद ही प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों से अनुरोध किया था कि वे ऐसे पीसीएन की सूची प्रदान करें जिनका वे बहिष्करण करना चाहते हैं। इसके अनुसरण में जेएफई स्टील ने दूसरी सार्वजनिक सुनवाई के बाद प्राधिकारी को प्रस्तुत किए गए अपने लिखित निवेदनों के साथ पीसीएन की एक सूची भी प्रदान की थी। प्राधिकारी ने बहिष्करण के ऐसे अनुरोधों का गहन विश्लेषण कर लिया है। अब जे एफ ई स्टील जांच के समापन के समय एक विपरीत रवैया अपना रहा है और यह तर्क दे रहा है कि प्राधिकारी को पीसीएन वार तुलना को अस्वीकृत कर देना चाहिए जिसके प्रति जेएफई स्टील और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने पहले स्वयं सहमति प्रकट की थी। उत्पाद का बहिष्करण करने का निर्णय लेने के लिए पीसीएन वार तुलना की प्रक्रिया उचित ढंग से तथा गहन और सार्थक तरीके से तथा साथ ही सभी हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध और सहमति पर शुरू की गई थी। प्राधिकारी अब ऐसी स्थिति में नहीं हैं कि वे इस समग्र कार्रवाई की महज इस कारण से अनदेखी कर दें कि कुछ हितबद्ध पक्षकार ने इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप अनुकूल परिणाम नहीं प्राप्त किए हैं। इसको ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पीसीएन वार तुलना के संबंध में जे एफ ई स्टील के प्रकटन विवरण पर उनकी टिप्पणियों में दिए गए तर्कों को अस्वीकार करते हैं। जेएफआई स्टील के साथ परिकलन में सहभागिता करने के संबंध में प्राधिकारी ने जे एफ ई स्टील को सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में परिकलन प्रदान किए हैं। व्यापारियों की निर्यात कीमत में समायोजन करने के संबंध में दिए गए कारण को प्रकटन विवरण के साथ-साथ मौजूदा जांच परिणाम में स्पष्ट कर दिया गया है।
- (ङ) प्राधिकारी यह पाते हैं कि विचाराधीन उत्पाद में हॉट रोलड स्टील इन क्वायल्स और हॉट रोलड स्टील नाट इन क्वायल्स शामिल हैं। तदनुसार प्राधिकारी ने समग्र विचाराधीन उत्पाद के लिए क्षति विश्लेषण किया है। इसके अतिरिक्त हॉट रोलड स्टील इन क्वायल्स और हॉट रोलड स्टील नाट इन क्वायल्स के लिए पृथक् शुल्कों की सिफारिश की गई है। कोबे स्टील लिमिटेड, निशिन स्टील कंपनी लिमिटेड और निप्पोन स्टील एंड सुमिटोमो मेटल कॉर्पोरेशन ने भी वही निवेदन किए हैं कि जोकि जेएफई स्टील लिमिटेड ने किए हैं जिनका ऊपर पहले से ही निदान कर दिया गया है। इन कंपनियों ने अन्य मुद्दे भी उठाए हैं जोकि उन्होंने पहले भी उठाए थे और जिनका निदान प्राधिकारी द्वारा पहले भी कर दिया गया है।
- (च) थीसिनक्रूप इलेक्ट्रिकल स्टील इंडिया प्रा.लि. (थिसिनक्रूप) का यह तर्क है कि एचआरएनओ के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान किए गए साक्ष्य की विश्वसनीयता संदेहास्पद है। दस्तावेजी साक्ष्य की जांच की गई थी और इस साक्ष्य की परिशुद्धता घरेलू उद्योग की स्थल पर जांच करने के समय की गई थी। इसको ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी उत्पाद के कार्य क्षेत्र से एचआरएनओ के बहिष्करण के संबंध में थीसेनक्रूप के तर्कों को अस्वीकार करते हैं।
- (छ) पाटनरोधी शुल्क के कार्यक्षेत्र से पलेट्स के बहिष्करण के संबंध में कोबेलको क्रैन्स इंडिया प्रा.लि. (के सी टी) द्वारा उठाए गए तर्कों का समाधान पहले ही कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी ने यह पाया है कि केसीटी के पीसीएन और घरेलू उद्योग के पीसीएन की तुलना से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग ने सभी प्रकार के पीसीएन अथवा उसके सदृश पीसीएन विनिर्मित किए हैं। इसलिए, केसीटी के बहिष्करण के किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।
- (ज) प्राधिकारी यह पाते हैं कि समवू कंपनी लिमिटेड (समवू) यह सिद्ध करने में विफल रही है कि वह संबद्ध वस्तुओं की एक उत्पादक कंपनी है। समवू के उत्तर से यह पता चलता है कि वह केवल एच आर क्वायल को खरीदने के बाद पिकलिंग और आयलिंग की प्रक्रिया के कार्य करती है। प्रश्नावली के उत्तर में एच आर क्वायल के उत्पादकों के संबंध में अपूर्व सूचना को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी समवू के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने में असमर्थ रहे हैं। उपरोक्त कारणों से प्राधिकारी समवू के लिए निर्यात कीमत निर्धारित करने में असमर्थ रहे हैं।
- (झ) वेलस्पन कार्प लिमिटेड (वेलस्पन) ने इस आधार पर कुछ एपीआई ग्रेड्स के बहिष्करण का अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग ऐसे समान ग्रेडों को विनिर्मित नहीं करता है, जिसका समाधान विचाराधीन उत्पाद से संबंधित मुद्दों में ऊपर जांच परिणाम में पहले से ही कर दिया गया है। वेलस्पन ने आगे यह भी तर्क दिया है कि कुछ विशिष्ट किस्मों के एपीआई ग्रेड को उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि उनके आयात कम हैं। इसको सिद्ध करने के लिए वेलस्पन ने जांच अवधि के दौरान कुछ एपीआई ग्रेड के आयातों की मात्रा प्रदान की है लेकिन उसने ऐसे आयातों की मात्रा के स्रोत अथवा उसने प्रत्येक ग्रेड के लिए आयातों की मात्रा को कैसे प्राप्त किया है, के बारे में कोई प्रकटन नहीं किया है। इसके बावजूद प्राधिकारी के विश्लेषण से यह पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान एपीआई ग्रेड के पर्याप्त आयात हुए थे और इसलिए कम आयातों के कारण एपीआई ग्रेड को उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर रखने के संबंध में उसके दावे का कोई महत्व नहीं है।

- (ट) वूआंग न्यू हैवी एंड वाइड स्टील प्लेट कंपनी लिमिटेड, वूआंग आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड, हेबेई आयरन एंड स्टील कंपनी (हांगकांग) इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड, हेबेई आयरन एंड स्टील (सिंगापुर) पीईटी, लिमिटेड, मैसर्स वरविल रिसोर्सेज लिमिटेड, हांगकांग, साल्जगिटर मैनेस मान इंटरनेशनल जीएमबीएच, जर्मनी का यह तर्क है कि उनकी निर्यात कीमत उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों की तुलना में भिन्न है। प्राधिकारी यह स्पष्ट करते हैं कि इन कंपनियों के आंकड़ों पर विधिवत विचार किया गया है और तदनुसार निर्यात कीमत आकलित की गई है। कानूनी प्रावधानों के अनुसार निर्यात कीमत में उपयुक्त समायोजन किए गए हैं ताकि व्यापार के समान स्तर पर सामान्य मूल्य और पाटन मार्जिन की तुलना सुनिश्चित की जा सके। इन कंपनियों ने अन्य मुद्दों को भी दुबारा से उठाया है जोकि उन्होंने पहले भी उठाए थे। प्राधिकारी ने वर्तमान जांच परिणाम के अन्य भागों में ऐसे मुद्दों का पहले से ही निदान कर दिया है।
- (ठ) जापान आयरन एंड स्टील फेडरेशन (जीआईएसएफ) ने बहुत वास्तविक निवेदन किए हैं और आटोमेटिव, ई एंड ई पाइप्स एंड ट्यूब्स और मशीनरी जैसे उत्पादों के बहिष्करण का अनुरोध किया है। प्राधिकारी यह पाते हैं कि ये निवेदन स्पष्ट हैं और इस प्रकार अस्वीकार्य हैं। जेआईएसएफ ने ऐसे एक विशिष्ट ग्रेड अथवा पीसीएन को अभिज्ञात करने में विफल रहा है जिसका बहिष्करण करने की आवश्यकता का उन्होंने अनुरोध किया है। जेआईएसएफ से उत्पाद बहिष्करण के लिए कोई विशिष्ट अनुरोध प्राप्त नहीं होने की स्थिति में प्राधिकारी जेआईएसएफ के उपरोक्त निवेदन को स्वीकार नहीं कर सकते हैं।
- (ड) प्रकटन विवरण को जारी करने के संबंध में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (मारुति) को अगोपनीय आधार पर पीसीएन की सूची प्रदान करने के लिए एक और अवसर प्रदान किया गया था जिसके लिए वे प्रकटन विवरण पर अपनी टिप्पणियों में बहिष्करण करने की आवश्यकता प्रकट करते हैं। इस अवसर के बावजूद भी मारुति ने अगोपनीय आधार पर पीसीएन की सूची प्रदान करने में दुबारा अपनी असमर्थता प्रकट की है। गोपनीयता की ऐसी अत्यधिक कार्रवाई को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह पाते हैं कि घरेलू उद्योग को अपनी सूची के साथ मारुति की पीसीएन की सूची की तुलना करने और उस पर अपनी टिप्पणियां देने का अवसर प्रदान करने से वंचित रखा गया है। पीसीएन वार तुलना करने का उद्देश्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसा अवसर प्रदान करना था कि वे इस साक्ष्य के साथ इस सत्य की संपुष्टि कर सकें कि कुछ किस्मों/ग्रेड के विचाराधीन उत्पाद को उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर क्यों रखा जाना चाहिए। ऐसा तभी हो सकता था जबकि हितबद्ध पक्षकार घरेलू उद्योग को टिप्पणियां करने के लिए अगोपनीय आधार पर पीसीएन की सूची प्रदान करते तथा साथ ही प्राधिकारी को भी दोनों पक्षों द्वारा प्रदत्त साक्ष्यों और तर्कों की जांच करने में समर्थ बनाते जिससे कि वे उत्पाद के बहिष्करण के संबंध में उचित और सार्थक निर्णय ले सकते। तथापि, मारुति ने दोबारा अपनी गोपनीयता के दावे के कारण घरेलू उद्योग को पीसीएन की अपनी सूची उपलब्ध कराने से मनाही करने का दुबारा रास्ता अपनाया है। इससे प्राधिकारी को उनके बहिष्करण के अनुरोधों की जांच करने में रूकावट आई है और तदनुसार, प्राधिकारी उत्पाद के बहिष्करण के उनके अनुरोधों की जांच नहीं कर सके हैं।
- (ढ) पीजेएससी नोवालिपेटेस्क द्वारा कीमत अधिग्रहण के संबंध में किए गए अनुरोध के संबंध में प्राधिकारी यह पाते हैं कि पीजेएससी नोवालिपेटेस्क ने इस जांच में प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। इसलिए प्राधिकारी इस चरण में उनके इस अनुरोध को स्वीकार करने की स्थिति में नहीं हैं।
- (ण) पोस्को, कोरिया (पोस्को) और टोयटा किलोस्कर मोटर प्रा.लि. (टोयटा) का यह तर्क है कि कुछ विशिष्ट पीसीएन को उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए था क्योंकि वे घरेलू उद्योग की पीसीएन की सूची में शामिल नहीं थे। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने समान पीसीएन का विनिर्माण किया है जिसके कारण पोस्को और टोयटा के बहिष्करण के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। टीडीसी करारों के संबंध में पोस्को के तर्कों का निदान पहले से ही वर्तमान जांच परिणाम में कर दिया गया है। पोस्को और टोयटा ने अन्य मुद्दों को दुबारा उठाया है जिनका समाधान प्राधिकारी द्वारा वर्तमान जांच परिणाम में पहले ही कर दिया गया है।
- (त) नानजिंग आयरन स्टील कंपनी लिमिटेड (एनआईएससीओ) द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि एनआईएससीओ ने नानजिंग आयरन एंड स्टील ग्रुप इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लिमिटेड और सिंगापुर जिनटेंग इंटरनेशनल प्रा.लि. नामक अपने संबंधित निर्यातक/व्यापारिक कंपनियों के माध्यम से भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए हैं। इन व्यापारिक कंपनियों ने हुंडई कॉर्पोरेशन, प्रेसियस मैटल इंटरनेशनल (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड और हांगकांग बाओमिन ट्रेडिंग लिमिटेड नामक अन्य व्यापारियों के माध्यम से अधिकतर मात्रा में निर्यात किए हैं। हुंडई कॉर्पोरेशन ने अपने उत्तर में इन निर्यातों के बारे में सूचित नहीं किया है तथा प्रेसियस मैटल इंटरनेशनल (हांगकांग) कंपनी लिमिटेड और हांगकांग बाओमिन ट्रेडिंग लिमिटेड ने भी प्राधिकारी से सहयोग नहीं किया है। इसलिए प्राधिकारी वर्तमान जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ एनआईएससीओ द्वारा प्रस्तुत उत्तर को स्वीकार नहीं करते हैं और वे उनके लिए निर्यात कीमत निर्धारित करने में असमर्थ हैं। तदनुसार, एनआईएससीओ के लिए निर्यात कीमत प्राधिकारी के पास उपलब्ध श्रेष्ठ तथ्यों पर आधारित है। इसके अतिरिक्त, एनआईएससीओ ने प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित समय से अधिक समय बीतने के बाद कुछ अतिरिक्त सूचना प्रदान की है इसलिए उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। एनआईएससीओ ने अन्य मुद्दों को दोहराया है जिनका निदान प्राधिकारी द्वारा वर्तमान जांच परिणाम के अन्य स्थलों पर पहले ही कर दिया गया है।

- (थ) अधिकतर पक्षकारों ने इसकी चिंता व्यक्त की है कि प्रकटन विवरण पर टिप्पणियां देने की समयावधि कम थी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रकटन विवरण सभी पक्षकारों को 31 मार्च, 2017 को जारी किया गया था और सभी पक्षकारों को अपनी टिप्पणियां 5 अप्रैल, 2017 को प्रस्तुत करने का समय दिया गया था। पक्षकारों को अपना उत्तर देने के लिए यह समय उचित और पर्याप्त था।
- (द) क्षतिरहित कीमत के संबंध में घरेलू उद्योग की चिंताओं के संबंध में प्राधिकारी यह पाते हैं कि क्षतिरहित कीमत का परिकलन पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-3 के अनुसार किया गया है। क्षति मार्जिन पर जेएफई सटील के उनके तर्क के संबंध में प्राधिकारी यह पाते हैं कि यह उचित है। निप्पोन स्टील एंड सुमितोमो मेटल कॉर्पोरेशन, जापान (एनएसएसएमसी) के लिए हॉट रोलड स्टील नॉट-इन-क्वायल पर शुल्क की सिफारिश करने के घरेलू उद्योग के तर्क के संबंध में प्राधिकारी पाते हैं कि एन एस एस एम सी के लिए समग्र सकारात्मक पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन को ध्यान में रखते हुए ही प्राधिकारी ने एनएसएसएमसी के लिए हॉट रोलड स्टील नॉट-इन-क्वायल पर शुल्क की सिफारिश की है।
- (ध) विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के इन तर्कों के संबंध में कि पाटनरोधी शुल्क में उत्पाद पर सुरक्षा शुल्क को भी शामिल किया जाना चाहिए, प्राधिकारी पाते हैं कि सुरक्षा शुल्क की अधिसूचना स्वतः ही इस पहलू को ध्यान में रखती है। इस अधिसूचना में यह बताया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क के बिना, यदि कोई है, सुरक्षा शुल्क लागू किया जाएगा।
- (न) इस मुद्दे के संबंध में कि प्राधिकारी द्वारा एमआईपी के प्रभाव पर विचार करना चाहिए, प्राधिकारी पाते हैं कि एमआईपी जांच अवधि पश्चात की कार्रवाई है तथा पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी का यह दायित्व है कि वे जांच अवधि और केवल विगत तीन वर्षों पर ही विचार करें। इसलिए प्राधिकारी का क्षति विश्लेषण पाटनरोधी नियमावली के अनुसार है।
- (प) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए अन्य सभी मुद्दों का निदान वर्तमान जांच परिणाम के विभिन्न भागों में पहले से ही कर दिया गया है।

#### ब. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

135. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्यतः पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में समान अवसरों वाली स्थिति सृजित करके खुली और उचित प्रतिस्पर्द्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटन-रोधी उपाय लागू करना संबद्ध देश से आयातों को किसी भी तरह से प्रतिबंधित नहीं करेगा और इसलिए उपभोक्ता को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं करेंगे।
136. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं को इस्तेमाल करके विनिर्मित किए उत्पाद के कीमत के स्तर को प्रभावित हो सकते हैं और उसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्द्धात्मकता कुछ हद तक प्रभावित हो सकती है। घरेलू उद्योग ने यह निवेदन किया है कि प्रस्तावित शुल्क लगाए जाने से उपभोक्ताओं के लिए लागत संबंधी नगण्य प्रभाव पड़ेंगे। इसलिए पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्द्धा कम नहीं होगी, विशेषकर यदि पाटनरोधी शुल्क ऐसी राशि तक सीमित रहते हैं, जो कि घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन की पद्धतियों द्वारा प्राप्त किए गए अनुचित लाभ समाप्त होंगे और घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट की रोकथाम होगी तथा ये उपभोक्ताओं को उनकी व्यापक रुचि की संबद्ध वस्तुओं की उपलब्धता को बनाए रखने में सहायक होंगे।

#### ट. सिफारिशें

137. किए गए निवेदनों और उठाए गए मुद्दों की जांच करने और रिकार्ड पर उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह निष्कर्ष देते हैं कि-
- (क) भारत में संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के निर्यात, सामान्य मूल्य से कम पर किए गए हैं।
- (ख) संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।
- (ग) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है।
138. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच शुरू की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को इसके बारे में अधिसूचित किया गया था। निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को, पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सार्थक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त समय दिया गया था। पाटनरोधी नियमावली के अनुसार पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच शुरू किए जाने और उसका संचालन करने तथा संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में निश्चयात्मक पाटन मार्जिन के साथ-साथ ऐसे पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को हुई आर्थिक क्षति और खतरा होने की पुष्टि हो जाने पर, प्राधिकारी का यह विचार है कि मौजूदा मामले में पाटन और “क्षति” को दूर करने के लिए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की आवश्यकता है।



139. प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने वाले कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए निम्नांकित तालिका में वर्णित ढंग और तरीके से प्राधिकारी इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन से कम मार्जिन के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त किया जा सके। तदनुसार, प्राधिकारी केन्द्रीय सरकार द्वारा संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य और नीचे तालिका के कॉलम 8 में निर्दिष्ट राशि के बीच के अंतर के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं, बशर्ते कि पहुंच मूल्य, कॉलम 8 में निर्दिष्ट मूल्य से कम हो। इस प्रयोजनार्थ का पहुंच मूल्य, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 द्वारा यथा निर्धारित मूल्यांकन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमा शुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 और 9 क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर, सभी शुल्क शामिल होंगे।

### शुल्क तालिका

क्रम सं.	शीर्ष/उप-शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	यूनिट	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	7208, 7211, 7225 और 7226	2100 एमएम तक चौड़े और 25 एमएम की मोटाई के कॉइलों में एलॉय अथवा गैर-एलॉय स्टील के हॉट रोल्ड फ्लेट उत्पाद	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य	मैसर्स हुंडई स्टील कंपनी	1. हुंडई स्टील कंपनी, कोरिया गणराज्य 2. मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपो., कोरिया गणराज्य 3. मैसर्स हुंडई कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य 4. मैसर्स मैन स्टील कं. लि., कोरिया गणराज्य 5. मैसर्स पीएंडए कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य 6. ओहमी इंडस्ट्रीज लि., जापान	478	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
2.	- वही -	- वही -	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य	मैसर्स पोसको	1. मैसर्स पोसको, कोरिया गणराज्य 2. मैसर्स पोसको देवू कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य 3. मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपो., कोरिया गणराज्य 4. मैसर्स हुंडई कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य 5. मैसर्स सैमसंग सीएंडटी कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य 6. मैसर्स पोसको एशिया, हांगकांग	489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर

क्रम सं.	शीर्ष/उप-शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	यूनिट	मुद्रा
						7. पोसको पीएंडएस, कोरिया गणराज्य			
3.	- वही -	- वही -	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य	क्रम सं. 1 व 2 को छोड़कर कोई अन्य युग्म		489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
4.	- वही -	- वही -	कोरिया गणराज्य	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	कोई	कोई	489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
5.	- वही -	- वही -	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	कोरिया गणराज्य	कोई	कोई	489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
6.	- वही -	- वही -	जापान	जापान	जेएफई स्टील कारपोरेशन	1. होंडा ट्रेडिंग कारपोरेशन, जापान 2. जेएफई शोजी ट्रेड कारपोरेशन, जापान 3. मेटल वन कारपोरेशन, जापान 4. मितसुई एंड कं. लि. 5. ओहमी इंडस्ट्रीज लि., जापान 6. उत्तम गल्वा इंटरनेशनल पीटीई. लि., सिंगापुर 7. उत्तम गल्वा इंटरनेशनल एफजेडई, यूएई 8. टोयोटा त्सोहू कारपोरेशन, जापान 9. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक. जापान, जापान	489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
7.	- वही -	- वही -	जापान	जापान	मैसर्स निप्पो स्टील एंड सुमितोमो मेटल कारपोरेशन	1. हनवा कं. लि., जापान 2. होंडा ट्रेडिंग कारपोरेशन, जापान 3. कनेमत्सु कारपोरेशन लि., जापान 4. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक., जापान 5. मेटल वन कारपोरेशन, जापान 6. मितसुई एंड कं. लि., जापान 7. निप्पो स्टील एंड सुमिकिन बुस्सान कारपोरेशन, जापान	489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर

क्रम सं.	शीर्ष/उप-शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	यूनिट	मुद्रा
						8. सुमितोमो कारपोरेशन, जापान 9. टोयोटा त्सोहू कारपोरेशन, जापान 10. ओहमी इंडस्ट्रीज लि., जापान			
8.	- वही -	- वही -	जापान	जापान	क्रम सं. 6 व 7 को छोड़कर कोई अन्य युग्म		489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
9.	- वही -	- वही -	जापान	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	कोई	कोई	489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
10.	- वही -	- वही -	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	जापान	कोई	कोई	489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
11.	- वही -	- वही -	चीन जन गण	चीन जन गण	1. मैसर्स झंगजियांग एंड जीटीए प्लेट कं. लि. 2. मैसर्स झंगजियागांग होंगचांग स्टील प्लेट कं. लि. 3. मैसर्स झंगजियागांग शाजिंग हैवी प्लेट कं. लि.	1. मैसर्स जियांग्सु शगांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., चीन जन गण 2. मैसर्स शगांग इंटरनेशनल (सिंगापुर) पीटीई. लि., सिंगापुर 3. मैसर्स किंशा इंटरनेशनल पीटीई लि., सिंगापुर 4. मैसर्स बुरविल रिसोर्सेस लिमिटेड, बीबीआई 5. मैसर्स फ्यूचर मैटेरियल्स इंडस्ट्री (हांगकांग) कं. लि., हांगकांग 6. मैसर्स लु किन (हांगकांग) कं. लि., हांगकांग 7. मैसर्स निंगबो सीमी इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि., चीन जन गण 8. मैसर्स स्टीलको पेसिफिक ट्रेडिंग लिमिटेड, हांगकांग 9. मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपो., कोरिया गणराज्य	489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
12.	- वही -	- वही -	चीन जन गण	चीन जन गण	क्रम सं. 11 को छोड़कर कोई अन्य युग्म		489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
13.	- वही -	- वही -	चीन जन गण	पाटन	कोई	कोई	489	मी.	अमेरिकी

क्रम सं.	शीर्ष/उप- शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	यूनिट	मुद्रा
			गण	मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश				टन	डॉलर
14.	- वही -	- वही -	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	चीन जन गण	कोई	कोई	489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
15.	- वही -	- वही -	रूस	रूस	कोई	कोई	489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
16.	- वही -	- वही -	रूस	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	कोई	कोई	489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
17.	- वही -	- वही -	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	रूस	कोई	कोई	489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
18.	- वही -	- वही -	ब्राजील	ब्राजील	कोई	कोई	489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
19.	- वही -	- वही -	ब्राजील	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	कोई	कोई	489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
20.	- वही -	- वही -	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	ब्राजील	कोई	कोई	489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
21.	- वही -	- वही -	इंडोनेशिया	इंडोनेशिया	कोई	कोई	489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
22.	- वही -	- वही -	इंडोनेशिया	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	कोई	कोई	489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
23.	- वही -	- वही -	पाटन मार्जिन शुल्क से	इंडोनेशिया	कोई	कोई	489	मी. टन	अमेरिकी डॉलर

क्रम सं.	शीर्ष/उप-शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	यूनिट	मुद्रा
			संबंधित कोई अन्य देश						

म सं.	शीर्ष/उप-शीर्ष	कार्यों का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	यूनिट	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	7208, 7211, 7225 और 7226	एलॉय अथवा गैर-एलॉय स्टील के हॉट रोल्ड प्लेट उत्पाद (आम तौर पर सीट और प्लेट के नाम से जानी जाते हैं) 4950 एमएम तक की चौड़ाई और 150 एमएम तक की मोटाई वाले	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य	मैसर्स हुंडई स्टील कंपनी	1. मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपो., कोरिया गणराज्य 2. मैसर्स हुंडई कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
2.	- वही -	- वही -	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य	मैसर्स पोसको	1. मैसर्स पोसको देवू कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य 2. मैसर्स जीएस ग्लोबल कारपो., कोरिया गणराज्य 3. मैसर्स हुंडई कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य 4. मैसर्स पोसको एशिया, हांगकांग 5. पोसको पीएंडएस, कोरिया गणराज्य	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
3.	- वही -	- वही -	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य	क्रम सं. 1 और 2 को छोड़कर कोई अन्य युग्म		561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
4.	- वही -	- वही -	कोरिया गणराज्य	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	कोई	कोई	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर

म सं.	शीर्ष/उप- शीर्ष	कार्यों का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	यूनिट	मुद्रा
5.	- वही -	- वही -	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	कोरिया गणराज्य	कोई	कोई	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
6.	- वही -	- वही -	जापान	जापान	जेएफई स्टील कारपोरेशन	1. जेएफई शोजी ट्रेड कारपोरेशन, जापान 2. मेटल वन कारपोरेशन, जापान 3. मितसुई एंड कं. लि., जापान 4. ओहमी इंडस्ट्रीज लि., जापान 5. टोयोटा त्सोहू कारपोरेशन, जापान 6. शिंशो कारपोरेशन, जापान 7. मरुबेनी-इटोचू स्टील इंक. जापान 8. किशो कं. लि., जापान	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
7.	- वही -	- वही -	जापान	जापान	मैसर्स निप्पो स्टील एंड सुमितोमो मेटल कारपोरेशन	1. हनवा कं. लि., जापान 2. मितसुई एंड कं. लि., जापान 3. निप्पो स्टील एंड सुमिकिन बुस्सान कारपोरेशन, जापान 4. सुमितोमो कारपोरेशन, जापान 5. ओहमी इंडस्ट्रीज लि., जापान	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
8.	- वही -	- वही -	जापान	जापान	क्रम सं. 6, 7 और 8 को छोड़कर कोई अन्य युग्म		561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
9.	- वही -	- वही -	जापान	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	कोई	कोई	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
10.	- वही -	- वही -	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	जापान	कोई	कोई	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर

म सं.	शीर्ष/उप-शीर्ष	कार्यों का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	यूनिट	मुद्रा
11.	- वही -	- वही -	चीन जन गण	चीन जन गण	1. मैसर्स झंगजियांग एंड जीटीए प्लेट कं. लि. 2. मैसर्स झंगजियागांग होंगचांग स्टील प्लेट कं. लि. 3. मैसर्स झंगजियागांग शाजिंग हैवी प्लेट कं. लि.	1. मैसर्स जियांग्सु शगांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., चीन जन गण 2. मैसर्स शगांग इंटरनेशनल (सिंगापुर) पीटीई. लि., सिंगापुर	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
12.	- वही -	- वही -	चीन जन गण	चीन जन गण	1. मैसर्स वुयांग न्यू हैवी एंड वाइड स्टील प्लेट कं. लि. 2. मैसर्स वुयांग आयरन एंड स्टील कं. लि.	1. मैसर्स वुयांग आयरन एंड स्टील कं. लि., चीन जन गण 2. हेबेई आयरन एंड स्टील (हांगकांग) इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., हांगकांग 3. हेबेई आयरन एंड स्टील (सिंगापुर) पीटीई. लि., सिंगापुर 4. सलजगिटर मन्नेसमन इंटरनेशनल जीएमबीएच जर्मनी 5. बुरविल रिसोर्सेस लिमिटेड, बीबीआई	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
13.	- वही -	- वही -	चीन जन गण	चीन जन गण	क्रम सं. 12 और 13 को छोड़कर कोई अन्य युग्म		561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
14.			चीन जन गण	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	कोई	कोई	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
15.			पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	चीन जन गण	कोई	कोई	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
16.	- वही -	- वही -	रूस	रूस	कोई	कोई	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
17.	- वही -	- वही -	रूस	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य	कोई	कोई	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर

म सं.	शीर्ष/उप- शीर्ष	कार्यों का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	यूनिट	मुद्रा
				देश					
18.	- वही -	- वही -	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	रूस	कोई	कोई	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
19.	- वही -	- वही -	ब्राजील	ब्राजील	कोई	कोई	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
20.	- वही -	- वही -	ब्राजील	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	कोई	कोई	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
21.	- वही -	- वही -	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	ब्राजील	कोई	कोई	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
22.	- वही -	- वही -	इंडोनेशिया	इंडोनेशिया	कोई	कोई	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
23.	- वही -	- वही -	इंडोनेशिया	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	कोई	कोई	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर
24.	- वही -	- वही -	पाटन मार्जिन शुल्क से संबंधित कोई अन्य देश	इंडोनेशिया	कोई	कोई	561	मी. टन	अमेरिकी डॉलर

140. वस्तुओं के विवरण में निम्नलिखित का आयात शामिल नहीं है:

- (क) स्टेनलेस स्टील का हॉट रोलड फ्लेट उत्पाद
- (ख) स्टील का हॉट रोलड फ्लेट उत्पाद, जो इलैक्ट्रोलेक रूप से फ्लेटेड हैं अथवा जिक से कोट किया हुआ है
- (ग) स्टील का हॉट रोलड फ्लेट उत्पाद, जो अन्य प्रकार से फ्लेटेड हो अथवा जिक से कोट किया हुआ हो
- (घ) क्लेडेड स्टील

141. इन जांच परिणामों को केंद्र सरकार द्वारा स्वीकार किए जाने के बाद इसके विरुद्ध अपील, सीमा शुल्क अधिनियम, 1975, जिसे 1995 में संशोधित किया गया है तथा सीमा शुल्क नियमावली, 1995 के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

डॉ. इंद्रजीत सिंह, निर्दिष्ट प्राधिकारी



## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

### NOTIFICATION

New Delhi, 10th April, 2017

#### FINAL FINDINGS

**Sub: Anti-dumping investigation concerning imports of “Hot-Rolled flat products of alloy or non-alloy steel” originating in or exported from China PR, Japan, Korea RP, Russia, Brazil and Indonesia.**

**No.14/9/2016-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the AD Rules) thereof M/s Essar Steel India Limited, M/s Steel Authority of India Limited and M/s JSW Steel Limited (hereinafter referred to as the “applicants” or “domestic industry”) had jointly filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as this Authority), in accordance with the Act, and the Rules, alleging dumping of **“Hot-Rolled flat products of alloy or non-alloy steel” originating in or exported from China PR, Japan, Korea RP, Russia, Brazil and Indonesia** (hereinafter also referred to as ‘subject countries’) and requested for initiation of an investigation for levy of anti-dumping duties on the subject goods.

2. The Authority on the basis of sufficient *prima facie* evidence submitted by the applicant issued a public notice dated 11<sup>th</sup> April 2016, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating an anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, in accordance with Rule 6(1) of the Rules, to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.
3. The Authority vide Preliminary Findings issued vide Notification No.14/09/2016-DGAD dated 01.08.2016 recommended provisional anti-dumping duty in the present investigation. Ministry of Finance issued a customs notification imposing provisional anti-dumping duty vide Customs Notification No. 44/2016-Customs (ADD) dated 08.08.2016 accepting the recommendations of the Authority. The Authority issued a corrigendum dated 10<sup>th</sup> August, 2016. Ministry of Finance accordingly issued a corrigendum to the aforesaid Customs Notification on 07.09.2016. The Authority, in terms of the second proviso to Rule 13 of the AD Rules, on request of majority exporters from the subject countries, recommended extension of provisional anti-dumping duty for two more months to the Central Government. The Ministry of Finance accepted the extension proposed by the Authority and extended the provisional anti-dumping duty vide Customs Notification No. 05/2017-Cus (ADD), dated 07.02.2017 for two months.

#### **A. Procedure**

4. The procedure described below has been followed:
  - a. The Authority notified the embassies of subject countries in India about the receipt of application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the AD Rules.
  - b. The Authority sent a copy of initiation notification to the embassies of subject countries in India, known producers/ exporters from the subject countries and known importers/ users/ associations of the subject goods as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification in accordance with Rule 6(2) of the AD Rules.
  - c. The Authority forwarded a copy of the non-confidential version of the application to embassies of the subject countries in India, known producers/exporters from the subject countries and known importers of the subject goods, in accordance with the AD Rules. A copy of the application was also provided to other interested parties, wherever requested.
  - d. The embassies of subject countries in India were also requested to advise the producers/exporters from their countries to file their responses within the prescribed time limits.
  - e. The Authority sent exporter’s questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in the subject countries in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

#### China PR

1. Rizhao
2. Betai Iron & steel

3. Baotou Iron and Steel Group
4. Jiangsu Shagang Group Company Limited
5. Tonghua Iron Steel Group Corporation
6. Angang Steel Company
7. Nanjing Iron and Steel
8. Tangshang Iron & Steel
9. Wuhan Iron and Steel
10. Tianjin Iron & Steel Group Co Ltd

Japan

1. Nippon Sumitomo
2. Kobe
3. JFE Steel Corporation

Korea RP

1. POSCO
2. Hyundai Steel Co Ltd
3. Dongkuk Steel Mill Col Ltd.

Russia

1. Severstal
2. EVRAZ

Brazil

1. Arcelor Mittal

- f. In response to the initiation notification, the following producers and exporter/traders from the subject countries and traders have filed response to exporter's questionnaire:

**I. Korea:**

1. Hyundai Steel Company (Producer)
2. Samwoo Co. Ltd. (Producer)
3. Hyundai Corporation (Trader)
4. P & A corporation (Trader)
5. Main Steel Co. Ltd. (Trader)
6. EIN Corporation (Trader)
7. GS Global Corp. (Trader)
8. POSCO Asia Company Limited (Trader)
9. POSCO, Korea (Producer)
10. Daewoo International (*Name changed w.e.f. 14<sup>th</sup> March 2016 to POSCO Daewoo Corporation*) (Trader)
11. POSCO Processing & Services Co. Ltd. (Trader)
12. Samsung C&T Corporation (Trader)

**II. Japan**

13. Hanwa Co. Ltd. (Trader)
14. Mitsui & Co. Ltd. (Trader)
15. Marubeni Itochu Steel Inc. (Trader)
16. JFE Steel Corporation (Producer)

17. JFE Shoji Trade Corporation (Trader)
18. Honda Trading Corporation (Trader)
19. Ohmi Industries Ltd. (Trader)
20. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation (Trader)
21. Shinsho Corporation (Trader)
22. Nisshin Steel Co. Ltd. (Producer)
23. Sumitomo Corporation (Trader)
24. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation (Producer)
25. Kanematsu Corporation Ltd. (Trader)
26. Toyota Tshusho Corporation (Trader)
27. Metal One Corporation (Trader)
28. Uttam Galva International FZE (Trader)
29. Uttam Galva International Pte. Ltd. (Trader)
30. Nissan Trading Co. Ltd (Trader)
31. Kyusho Co. Ltd., Japan

### III. **China PR**

32. Zhangjiagang Hongchang Steel Plate Co. Ltd. (Producer)
33. Zhangjiagang GTA Plate Co. Ltd. (Producer)
34. Shagang International (Singapore) PTE. Ltd. (Trader)
35. Xinsha International Pte. Ltd. (Trader)
36. Zhangjiagang Shajing Heavy Plate Co. Ltd. (Producer)
37. Jiangsu Shagang International Trade Co. Ltd (Trader)
38. Nanjing Iron and Steel Co. Ltd. (Producer)
39. Nanjing Iron and Steel Group International Trade Co. Ltd. (Trader)
40. Singapore Jinteng International Pte. Ltd. (Trader)
41. Angang Group HongKong Co. Ltd. (Trader)
42. Angang Steel Company Limited (Producer)
43. Wuyang New Heavy & Wide Steel Plate Co. Ltd. (Producer)
44. Wuyang Iron & Steel Co. Ltd. (Producer)
45. Hebei Iron & steel (Singapore) PET. Ltd. (Trader)
46. Hebei Iron & steel (Hong Kong) International Trade Co. Ltd (Trader)
47. Salzgitter Mannesmann International GmbH (Trader)
48. Ningbo Cimei Import & Export Co. Ltd. (Trader)
49. Lu Qin (Hong Kong) Co. Ltd. (Trader)
50. Burwill Resources Limited (Trader)
51. Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Ltd. (Trader)
52. Steelco Pacific Trading Limited (Trader)

### IV. **Indonesia**

53. PT Krakatau POSCO, Indonesia

- g. None of the producers/exporters from China PR has claimed Market Economy Treatment (MET) rebutting the non-market economy treatment in the present investigation.

- 
- h. Questionnaires were sent to the following known importers/users of the subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:
1. Alstom India Ltd.
  2. Arcelor Neel Tailored Blank Private Limited
  3. Bharat Heavy Electricals Limited
  4. Bhilai Engineering Corporation Ltd.,
  5. C.R.I. Pumps Private Limited,
  6. Caterpillar India Pvt. Ltd.,
  7. Denis Plast Limited
  8. DesmiEquipmentsPvt.Ltd.
  9. Escorts Ltd.
  10. Exedy India Limited
  11. Fine Forge Limited.,
  12. Flakt (India) Limited
  13. Gamesa Wind Turbines P.Ltd
  14. Ganpati Enterprises
  15. Hindustan Shipyard Ltd.,
  16. Hindustan Construction Co. Ltd.,
  17. Idl Explosives Limited
  18. Ifb Automotive Private Limited
  19. JBM Industries Ltd.
  20. JCB India Limited
  21. Kalinga Fixtures Ltd.
  22. Kalpataru Power Transmission Ltd.
  23. Larsen & Toubro Limited
  24. Lloyds Steel Industries Ltd
  25. Maruti Suzuki India Limited
  26. POSCO Electrical Steel India Pvt. Ltd.,
  27. Ravi Steel Co.
  28. Superior Steel Industries
  29. Tranter India Private Limited
  30. TRF Limited
- i. The following importers/users of the subject goods have responded in the form of questionnaire responses or provided comments during the course of the investigation:
1. Hyundai Steel India Limited
  2. Automotive Steel Pipe India Private Limited
  3. Highly Electrical Appliances India Pvt. Ltd.
  4. Ferrum Extreme Engineering Pvt. Ltd
  5. Rajasthan Prime Steel Processing Center Pvt. Ltd.
  6. TT Steel Service India Pvt Ltd.
  7. Hyundai Motors India Ltd.
  8. PyungHwa India Pvt. Ltd.

9. Mobis India Limited
  10. PHA India (P) Ltd.
  11. Hwashin Automotive India Pvt. Ltd
  12. TI Metal Forming
  13. YSI Automotive Pvt Ltd
  14. SungwooHitech India Limited
  15. Sungwoo Stamping Private Limited
  16. Myuong Shin India Automotove Private Ltd.
  17. KwangJin India Autosystems Pvt. Ltd.
  18. Nippon Steel & Sumikin Pipe India Pvt. Ltd
  19. Tega Industries Limited
  20. POSCO Maharashtra
  21. Toyota Kirloskar Motor Pvt Ltd.
  22. Welspun Corp Limited
  23. Maruti Suzuki India Limited
  24. Thyssenkrupp Electrical Steel India Pvt Ltd.
- j. Apart from the respondent exporters, importers, domestic industry and other domestic producers, submissions have been received on behalf of the following parties during the course of this investigation:
1. Mundhra Fine Blanc
  2. Federation of Industries of India
  3. Ministry of Economic Development of the Russia Federation
  4. Nezone Tubes Limited
  5. Nezone Strips Limited
  6. Leomet Alloys Inc
  7. PJSC NOVOLIPETSK Iron & Steel Corporation
  8. Welspun Corp Limited
  9. Kobelco Cranes India Private Limited
  10. Kobelco Plate Processing India Private Limited
  11. CORSMA
  12. Toyota Kirloskar Motor Private Limited
  13. The Japan Iron & Steel Federation
  14. Manaksia Steel Limited
  15. Renault Nissan Automotive India Private Limited
  16. POSCO
  17. Highly Electrical Applicances India Pvt. Ltd.
  18. Nanjing Iron & Steel Co. Ltd., Singapore Jinteng International Pte. Ltd. and Nanjing Iron & Steel Group
  19. Hyundai Motor India Limited
  20. MAN Industries India Limited
  21. Manaksia Steels Limited
  22. Stelco Limited
  23. PAO Severstal , Russia

24. Thyssenkrupp Electrical Steel India Private Limited
  25. Ferrum Extreme Engineering Pvt. Ltd.
  26. Tega Industries Limited
  27. Volkswagen India Private Limited
  28. ISGEC Hitachi Zosen Ltd.
  29. ISGEC Heavy Engineering Ltd
  30. Maruti Suzuki India Ltd.
  31. Model Infra Corporation Pvt. Ltd.
  32. Tata Hitachi Construction Machinery Company Limited
  33. Sokhi Engineering Co. Ltd.
  34. Garg's Engineers Limited
  35. Salzgitter Mannesmann International GmbH, Germany
  36. Kobe Steel Ltd.
  37. Embassy of Indonesia
  38. Ministry of Economic Development of the Russian Federation
  39. Ministry of Industry and Trade of the Russian Federation
  40. Embassy of the Republic of Korea
- k. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties. Submissions made by all interested parties have been taken into account in present findings.
- l. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- m. Further information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary.
- n. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.
- o. The Non-Injurious Price (hereinafter referred to as 'NIP') based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-Dumping Rules has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- p. Considering the fact that the subject goods are being imported in various grades/sizes/dimensions, the applicants have proposed Product Control Numbers (PCNs) in order to make a PCN to PCN comparison for computing the dumping margin and injury margin. Accordingly, the authority has made PCN to PCN comparison for the purpose of computing dumping margins.
- q. Verification of the information provided by the applicant domestic industry was carried out by the Authority to the extent deemed necessary. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon.
- r. Investigation was carried out for the period starting from 1<sup>st</sup> July 2015 to 31<sup>st</sup> December 2015 (6 months) (hereinafter referred to as the 'period of investigation' or the 'POI'). The examination of trends, in the context of injury analysis covered the period from 2012-13, 2013-14, 2014-15, April 2015 to December 2015 and the POI.
- s. The petitioners had submitted the petition alleging dumping of the subject goods from the subject countries relying upon transaction wise imports data sourced from IBIS. However, request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide transaction-wise details of the imports of the subject goods for the past three years, including the period of investigation. The Authority has relied upon the transaction-wise DGCI&S import data. The Authority has also kept the non-confidential version of transaction-

wise DGCIS import data in the public file. Confidential information such as names of importers, IEC codes of importers have been removed from transaction-wise DGCIS import data before placing the same in the public file.

- t. Arguments raised and information provided by various interested parties during the course of the investigation, to the extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority.
- u. In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a hearing held on 13<sup>th</sup> October, 2016. All the parties attending the oral hearing were requested to file written submissions by 24<sup>th</sup> October 2017 of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and were requested to submit their rejoinders by 4<sup>th</sup> November, 2016.
- v. The Authority again provided opportunity to all interested parties in view of the change in the Designated Authority to present their views orally in a hearing held on 10<sup>th</sup> January, 2017. All the parties attending the oral hearing were requested to file written submissions by 17<sup>th</sup> January, 2017 of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and were requested to offer their rejoinders by 24<sup>th</sup> January, 2017.
- w. In order to examine the PUC exclusion related issues in an objective manner, the authority instructed all the parties seeking exclusions from PUC to provide PCN wise details of the grades sought to be excluded. The domestic industry was also asked to provide PCN wise details manufactured by them during the POI. The domestic industry was requested to reply to the exclusion requests in its rejoinder. Many interested parties had filed their PUC exclusion requests along with their written submissions. A few interested parties, however, requested that a certain grade in a PCN should be excluded. However, such grades were internal grades of such interested parties on which the domestic industry could not file its comments effectively as the domestic industry or the Authority is not aware about the chemical composition of such internal grades. The Authority requested such interested parties to provide equivalent Indian /international grades for the internal grades so that the domestic industry and Authority could meaningfully examine the exclusion request of such interested parties. They submitted that for certain grades for which exclusion has been sought were customer specific grades and not covered under Indian Standards and steel and steel products (Quality Control) Order, 2015.
- x. A Disclosure Statement containing the essential facts in this investigation which would have formed the basis of the Final Findings was issued to the interested parties on 31.03.2017. The post Disclosure Statement submissions received from the domestic industry and other interested parties have been considered, to the extent found relevant, in this Final Findings Notification.
- y. Exchange rate for conversion of US\$ to INR is considered for the POI as INR 65.93 as per customs data.
- z. In this notification, \*\*\* represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

## **B. Product under Consideration and Like Article**

### **5. The product under consideration ("PUC") in the present investigation is**

*"Hot-rolled flat products of alloy or non-alloy steel in coils of a width upto 2100mm and thickness upto 25mm and Hot-rolled flat products of alloy or non-alloy steel not in coils (commonly known as sheets and plates) of a width upto 4950mm and thickness upto 150mm".*

*The PUC covers products which are not further worked than hot-rolled and are flat products of iron, alloy or non-alloy steel, in prime or non-prime condition having 'as-rolled' edge or 'trimmed' edge or 'slit' edge or "milled" edge or "sheared" edge or "laser-cut" edge or "gas-cut" edge or any other type of edges. These products may be pickled or non-pickled (with or without skin-pass or tempering), slit or non-slit, normalized or un-normalized, ultra-sonically tested or untested or oiled or non-oiled etc. These products may be "as-rolled" or "thermo-mechanically rolled" or "thermo-mechanically controlled rolled" or "controlled rolled" or "normalized rolled" or "normalized" or subject to any other similar process. These products may have patterns in relief / chequered patterns of different types derived directly during hot rolling. These products may have been subjected to various processing steps like pickling, oiling, rewinding, recoiling, temper rolling, heat treatment, etc. These products may be sand blasted or shot blasted or subjected to similar processes. The PUC covers Hot Rolled flat sheets and plates of alloy or non-alloy steel, whether or not rolled from universal plate mill including reversible plate mill or hot strip mill or tandem mill or steckel mill or any other similar process with various type of rolling configuration including 2-High, 3-High, 4-High, cluster mill or any similar hot rolling process. The PUC includes sheets and plates produced either directly from the hot rolling process or cut / sheared from hot rolled coils.*

*The following are not included in the scope of the product under consideration:*

1. *Hot-rolled flat products of stainless steel.*
  2. *Hot-rolled flat products of steel which are electrolytically plated or coated with zinc.*
  3. *Hot-rolled flat products of steel otherwise plated or coated with zinc.*
  4. *Cladded steel.*
6. The PUC is used in many applications and sectors such as automotive, oil and gas line pipes/exploration, cold-rolling, pipe and tube manufacturing, infrastructure and construction, general engineering & fabrication, earth-moving & mining equipment, storage tanks, low pressure heaters, capital goods including plant and process equipment for cement, fertilizer, refineries etc.
  7. The PUC is classified under Custom Tariff Heading 7208, 7211, 7225 and 7226. The customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation. The Designated Authority analyzed the transaction-wise DGCI&S import data to arrive at the import statistics for the PUC by removing the items that are not part of the product scope.

#### **B.1 Views of the Interested Parties**

8. Submissions made by exporters, importers, users and other interested parties with regard to issues related to PUC and considered relevant by the Authority are, inter alia, as follows:
  - a. The WTO (particularly in the case DS 135- European communities- Measures affecting asbestos) has determined that in every particular case the competent authorities should undertake a comprehensive analysis based on certain criteria such as product properties, end-users, consumer tastes and habits, nature and quality of the products, tariff classification in the Harmonized System. The PUC covers both narrow thickness sheets with a thickness less than 3 mm and wide thickness sheets with thickness more than 10 mm. The difference in plate thickness is crucial because it affects the end-use of the product and the consumer's preference as well. Besides the scope of investigation is expanded on hot-rolled products in coils and hot-rolled products not in coils.
  - b. The goods falling under headings 7208, 7211, 7225 and 7226 are different regarding their end uses. Narrow and wide flat rolled products are different in regard to their end uses, and they cannot be treated as substitutable or interchangeable.
  - c. There are two streams of flat products originating either from semi-finished products or from a plate mill (plates) or a hot strip mill. Most of the HR Coils are further rolled and processed to produce items such as cold rolled sheets/coils, coated sheets and coils, pipes etc. HR Coils are the most important intermediate products for various reasons. So, sheets and plates and HR Coils are different products in regard to the end-uses, and they cannot be treated as substitutable.
  - d. The Petitioners have clubbed heterogeneous products together, making it impossible to conduct investigation in a rational and fair manner. A new category of "HR not in coils" has been invented to support claim of dumping whereas there is no mention of this category in the domestic and global industry. Further, the qualities of steel excluded from Quality Control Order should also be excluded from purview of this investigation.
  - e. The scope of PUC is very broad and not clear and is completely contrary to the requirement of having only like articles covered within the scope of the PUC. The products classified under sub-heading 7225 are materially different from material classified under subheading 7208 and cannot be put together in one basket to determine a single PUC.
  - f. The Petitioners have treated the overall PUC as de-facto two separate products for its injury analysis without due analysis of the overall PUC. Such separate analysis is justified by their completely different cost and sales structures, and therefore injury determination. Therefore, it stems from the aforementioned that the PUC is over broadly defined. Moreover, the PUC in the present investigation were subject to two separate safeguard investigations in India. The same approach should have been applicable to the present anti-dumping proceedings.
  - g. Tata Steel Limited is unable to supply HR Coils in thickness 1.20 mm to 1.60 mm in the eastern regions.
  - h. It is difficult to depend on Indian vendors due to unstable and inconsistent quality and supply. Minimum Order Quantity of qualified vendor in India is very high whereas Japanese and Korean suppliers do not ask for such volumes as MOQ. DGAD should not levy anti-dumping duty for plates which are used for construction machinery and complying to IS Standard IS 2062:2011 E250C, E350C E450BR.



- i. Certain steel products which are not obtained in India ought to be excluded from the scope of the investigation. Such steel is consumed in various industries such as automotive, electrical and electronic sectors etc. Moreover certain grades which are excluded from the safeguard investigation should also be excluded from the scope of the current investigation.
- j. Anti-dumping duty should not be imposed on abrasion resistant alloy steel plates (Brinell hardness grade 400, 450 and 500) and high strength alloy steel plates (Yield Strength 690Mpa and above) from JFE Japan and SSAB Sweden. Domestic mills have not been able to manufacture the high strength steel plates. There are serious problems in such materials provided by domestic industry. JFE and SSAB material is very costly in comparison to Indian material. Further increasing the cost by imposing duties will make the products unviable. No mill in India is capable of producing such quality steel plates in next few years.
- k. N22CB, a special grade of Hot Rolled alloy steel from Japan is required to manufacture safety critical door latch parts in cars. No manufacturer in India and none of the petitioner companies is manufacturing a grade which has similar chemical, mechanical and metallurgical properties. The buying price of this steel is above USD 1500 per MT. N22CB grade should not be brought under the said anti-dumping investigation. Moreover, N22CB grade cannot be fully described under any of the Indian steel standards and importers have also obtained an NOC from the Bureau of Indian Standards to allow import of this grade without obtaining BIS certification.
- l. The Authority should exempt imports of automobile steels from anti-dumping purview as only 12% of the total steel consumption is for automobile industry and cheap imports are targeted towards the industrial sector. Moreover, steels imported for automotive application, which is higher than the Minimum Import Price (MIP), should be out of the anti-dumping purview. The Petitioners lack quality for specialised downstream consumers such as automobile sector, consumer durable industry etc., for which evidence has been placed on record. User industry thus prefers imported PUC which are of better quality.
- m. "High Tensile Special Purpose Grade Steel" is imported from Korea for captive use by auto manufacturer in India. The import prices of such steel are higher than the "Normal Price" indicated in the Petition and are not causing any injury to the DI. It is requested to fix a reference price for both Hot Rolled and Cold Rolled investigations. It is also requested to exempt pickled and oiled hot rolled steel coils falling under HS Code 720825, 720826 and 720827 from anti-dumping duty.
- n. The steel grades imported from some overseas suppliers are as per Japanese Industrial Grades and include grades such as SK4, SK5, SKS81. These grades are not being produced by the Domestic Industry and are not "like products". Therefore, these grades should be excluded from the scope of the PUC. Moreover, these grades are also not covered under the scope of mandatory BIS certification. The grades of steel which Stelco processes are 55C6, 60C6, 65C6, 70C6 (SAE 1074, SAE 1075), 80C6 (SAE 1080), SAE 1095, 50CrV4, SUP 10, SGS81. Stelco, therefore, requests DGAD to issue clarification that the said grades of steel which are used for cold rolling/ hardening & tempering do not fall under the purview of this investigation.
- o. Hot Rolled Silicon Electrical Non Oriented Steel (HRNO) is imported for manufacture of CRNO, falling under chapter heading 7225 1910, from Europe and China. The Indian producers with limited capacity and capability to manufacture this item have their own cold rolling facilities and hence are not selling HRNO in market. Thus, the product is not available in India commercially. It is requested to consider exclusion of HRNO under chapter heading 7225 1910 from the present investigation.
- p. Compressors for air conditioners require steel which must pass JIS standards. The auto car companies require special kind of steel, i.e., Hot Rolled Oil & Pickled coils (SPHC Steel or HRPO Steel). The Hot Rolled Oil & Pickled Coils from domestic suppliers fail to pass the pressure test. Such steel cannot be used to manufacture compressors. This has also been communicated to the suppliers, i.e., JSW and Essar. A non SPHC steel manufactured by local suppliers under IS1062 and IS1079 cannot be used in place of SPHC steel being imported. The import of these grades could not have caused injury to petitioning domestic industry.
- q. Due to absence of reliable and qualified domestic suppliers of API grade steel, the user industry has no choice but to import the same. None of the grades supplied by the Domestic Industry during the POI is equivalent to the grades proposed for exclusion. It is, therefore, requested to exclude API grade from the product scope. Moreover API grade has also been excluded from the safeguard investigation as well as MIP notification issued by the Government of India. Thus, as recent as 2016, the Domestic Industry did not find that imports of API grade were causing it injury
- r. Auto grade steel, ultra low carbon high strength steel, advance high strength steel, IF/IFHS grades, plates used for construction machinery and complying with IS 2062:2011 E250C, IS 2062:2011 E350C and IS 2062:2011 E450BR should be exempted from anti-dumping duty, as the domestic industry is unable to meet the user

requirements in India. SPHC grade, grades procured from NSSMC, JFE and Metal One Corporation should be exempted from anti-dumping duty, as the same are not manufactured in India. HRPO under CTSN 720825, 720826, 720827, 722530 and 722550 are not available in India and imports falling under them should be excluded from the product scope. Abrasion resistant steel and high tensile alloy steel plates should be exempted from anti-dumping duty. JFE EVERHARD series, HITEN series, NSSMC ABREX series and WELTEN series which it sources from Metal One Corporation, Japan should also be exempted from anti-dumping duty.

- s. All items excluded from the purview of safeguard duty should be excluded from the product scope in the present investigation.
- t. The domestic industry cannot manufacture IF/IFHS grade steel and other automobile grade steels. The contentions are based on Technical Delivery Contracts ("TDC agreements") that POSCO has entered with JSW Steel and Essar Steel
- u. It is also noted that in paragraphs 9 and 10 of the Preliminary Finding, the domestic industry and the Hon'ble Designated Authority have repeatedly held that the interested parties have not provided evidence in justification of their exclusion claims. In this behalf, the Importer refers to its communication dated 1st July 2016, wherein it has substantiated its product exclusion claims with reasons and evidence. Therefore, it is incorrect on the part of the domestic industry and particularly the Hon'ble Designated Authority to claim that there was no evidence placed on record on exclusion. Further, the Importer is available and willing to provide any further information if required by the Authority.
- v. On a plain reading of few extracts of Preliminary Finding, the following may be concluded:
  - a. The domestic industry has the capability of manufacturing all the grades for which exclusions have been sought (based on para 10a);
  - b. The domestic industry is manufacturing all the grades for which it got orders and has also supplied them (based on para 10a); and
  - c. The products manufactured by the domestic industry are like article with the product being imported from the Subject Countries (based on para 10v).

From the above observations made by the Hon'ble Designated Authority, it seems readily apparent that there is either an internal contradiction between the conclusions drawn by the Hon'ble Designated Authority or that the domestic industry receives orders for all grades that are being alleged for exclusion (otherwise point b and c would be irreconcilable).
- w. Duty cannot be levied on the basis of the prospective possibility of Domestic Industry to produce above mentioned grades (mere capability to produce is not sufficient).
- x. There are various allegations regarding Petitioners not being able to provide the product that meets the required specifications or timelines. In such a scenario, while the invoice or order copy provided by the Petitioners may indicate that the product with such specifications has been supplied (leaving aside whether it satisfies the above requirement of commercial supply during the POI), the actual users of the product are unable to utilize the same product because it fails to meet certain specifications or timelines. So it will be wrongful to include some products into the scope of the PUC that may have been supplied by the Petitioners in the POI but could not substitute the specifications of imported H R steel effectively.

## **B.2 Views of the domestic industry**

9. The submissions made by the domestic industry (DI) and considered relevant by the Authority are as follows:
  - a. Domestic industry has submitted that each type of hot rolled coils and sheets have different requirement as per the specifications and uses. The domestic industry is capable of manufacturing all the type of PUC.
  - b. The interested parties have raised similar contentions during the recently concluded safeguard investigation also.
  - c. The Designated Authority had earlier conducted investigations relating to stainless steel products wherein both coil and plates/sheets were included within the scope of the product under consideration. No product is consumed in coil form. Every coil is first cut and then consumed.
  - d. The interested parties have failed to substantiate their claim with evidence. Moreover, companies could have approached any other producer in India who would have easily supplied such material to them. Merely because one Indian manufacturer is not supplying particular grade(s)/ type(s) to these companies, it cannot be a ground for exclusion. The requirements of the interested parties can be conveniently served by Indian steel manufacturers including Petitioners. Further, several exporters have raised issues on the quality of products

- manufactured by the domestic industry, but they have no locus standito raise such issues. Such issues can be treated as credible if users in India raise them.
- e. There are many HR Flat steels conforming to various grades and specifications that are being produced by the Domestic Industry but not covered under Quality Control Order or does not have BIS Standard, viz., API grades, SAE1541, AHSS with TS  $\geq$  580 MPa, Case-Hardening steels viz. 16MnCr5 etc.
  - f. API was excluded from Safeguard investigation since imports of API grade steels did not exhibit the required surge. The Domestic industry was not getting injured by the imports of API grade steel during the period of investigation in the safeguard investigation. However, the imports of API Grade steel has jumped manifold during the POI and the average import price has also fallen sharply causing injury to the DI. The average import quantity of the API grade steel increased from 5,959 MT per month during April-June 2015 to 29,142 MT during the POI. The import prices of API Grades steel plummeted from USD 702 per MT in June 2015 to USD 370 per MT in December 2015. However, the Domestic Industry has the capability and is rated amongst select world-class steel makers for their technological and operational excellence. The Domestic Industry is capable of producing and supplying API grade steels as per customized technical requirement.
  - g. DI is already servicing on regular basis the structural / HT grade steel requirement for world-renowned manufacturers of excavators, back-hoe loaders, dumpers etc. viz. JCB, Caterpillar and many more.
  - h. Many interested parties including Maruti Suzuki India Limited have contended that all imported grades that are not manufactured by the domestic industry should be excluded from the product scope. Though such parties have annexed with their submissions a list of grades that they import, but the same have been treated as confidential. Unless such parties provide the list of grades to interested parties on non-confidential basis, the domestic industry will not be in a position to comment on the grades for which they require exclusion. In view of this, exclusions requested by such parties cannot be allowed. It is reiterated that the domestic industry is fully capable of manufacturing all the grades and specifications required by importers/users/interested parties .
  - i. Many of the interested parties had raised similar submissions before the DG Safeguards as well. The interested parties are merely repeating those submissions before the Designated Authority now. It is to be noted that the DG Safeguards had thoroughly examined the submissions of the interested parties in the final findings dated 15 March 2016. The DG Safeguards concluded that there was no merit in the submissions of the interested parties and further concluded that all the grades for which exclusions were sought were being manufactured by the domestic industry and supplied to users in India. No interested party has challenged the aforesaid determination of the DG Safeguards. Therefore, the product scope in safeguard investigation is legally sacrosanct, final and binding on the interested parties. The same interested parties cannot now come before the Designated Authority and reiterate same submissions on the product scope.
  - j. As regards the grade N22CB, Domestic Industry requests that equivalent international standard should be made known or alternately chemical composition, mechanical properties and other metallurgical properties should be provided to it to offer comment. In any case, it is submitted that the domestic industry has manufactured equivalent grade and supplied the same to users in India. Therefore, the domestic industry is fully capable to manufacture the aforesaid grade.
  - k. None of the exclusions requested by the interested parties are warranted, as the domestic industry not only manufactures the same but has also supplied these to users in India on regular basis. Evidence in this regard in the form of invoices, mill test certificates and appreciation letters from users has been provided to the Authority. These aspects have also been duly verified by the Authority. There is no doubt that the domestic industry is fully capable of manufacturing all the grades for which the interested parties have requested exclusion.
  - l. The TDC agreements have been entered into between JSW Steel and POSCO with the understanding that JSW Steel shall provide hot-rolled steel grades (in particular IF and non-IF grades) to POSCO Maharashtra. In the meantime, trial runs for IF grade are already in place as demonstrated by the TDC agreements. Therefore, the question that JSW Steel or the domestic industry does not manufacture IF/IFHS and non-IF grades does not arise at all. The domestic industry is fully capable of manufacturing and supplying the aforesaid grades. Only because POSCO Maharashtra is yet to obtain approval from a certain manufacturer, it cannot be said that JSW Steel cannot supply the aforesaid HR grades to POSCO Maharashtra. POSCO has not only misinterpreted the terms of the TDC agreements, but has also grossly misrepresented facts before the Designated Authority to create bias in the mind of the Designated Authority. This amounts to misrepresentation of facts, obstruction of justice and nothing short of non-cooperation. In light of POSCO's gross misrepresentation, POSCO should be treated as non-cooperative.
  - m. The domestic industry has supplied all the grades or substitutable grades for which the Exporters / Importers / Users have sought exclusions. Nevertheless, interested parties are still requested to provide specifications of specific grades or equivalent grade as per Indian or international standards or the relevant PCNs of their concern

in non-confidential version to the domestic industry. The domestic industry shall study such specifications or equivalent grade as per Indian or international standards or PCNs and make an appropriate reply to the claims raised by interested parties.

- n. Regarding the Designated Authority's analysis on product under consideration in the preliminary findings, the domestic industry submits that the analysis is adequate and addresses the contentions raised by both the domestic industry and other interested parties. The Designated Authority is requested to definitively confirm its analysis on product scope in the final findings.

### B.3 Examination by the Authority

10. The submissions made by the interested parties and the domestic industry with regard to the PUC related issues and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:

- a. The main thrust of the submissions by the aforementioned interested parties is three-fold: i) the domestic industry does not produce many grades covered in the product scope; ii) the domestic industry does manufacture certain grades but the quality is not suitable; and iii) for certain grades, the domestic industry does not have customer's approval. The domestic industry has filed a detailed response addressing the claims of these interested parties. From the response filed by the domestic industry, the authority found that the domestic industry is manufacturing all the grades for which it got the orders and has also supplied them to users in India. There could be an issue with the quality of these grades supplied by the domestic industry. But, the request of various interested parties for exclusion of specific grades on this ground may not be feasible to entertain.
- b. In order to examine the PUC exclusion related issues in an objective manner, the authority instructed all the parties seeking exclusions from PUC to provide PCN wise details of the grades sought to be excluded. The domestic industry was also asked to provide PCN wise details of PUC manufactured by them during the POI. From detailed examination of the information, the authority found that the domestic industry either manufactured exactly matching PCN or a closely resembling PCN for each PCN for which interested parties had requested exclusion. In view of this, the Authority proposes that no exclusions are warranted from the product scope. However, in the succeeding paragraphs, the authority has additionally addressed the individual requests for exclusions to the extent deemed necessary.
- c. It has been contended by interested parties that coils and not in coils cannot be covered in one investigation. It is further contended that alloy and non-alloy steel cannot be covered in one investigation. The Authority notes that there is no bar in law to conduct an anti-dumping investigation on coils and not in coils as well as alloy and non-alloy steel in one anti-dumping investigation. In fact, the Authority has conducted previous anti-dumping investigations on stainless steel which cover coils, sheets and plates in one anti-dumping investigation itself. Further, it is noted that with respect to calculation of dumping and injury margins, the Authority has compared coils with coils and "not in coil (sheets and plates)" with "not in coil (sheets and plates)".
- d. It has been contended by the interested parties that HR coils and sheets/plates are different products having different end uses and, therefore, cannot be considered substitutable. In this regard the Authority notes that the Authority has already conducted anti-dumping investigations on stainless steel which cover both coils and sheets and plates in one anti-dumping investigation. There is also no legal bar on the Authority to cover two products having different uses in the same investigation. In any case, the Authority has calculated separate dumping and injury margins for HR Coils and HR not in coil ( sheets/plates) . Therefore, the Authority considers it appropriate to cover both hot-rolled steel in coils and sheets/plates into a single investigation...
- e. It has been contended by some parties that there does not exist any product such as "HR not in coils". In this regard the Authority notes that "HR not in coils" is a nomenclature appearing in Indian Customs Tariff itself and the same has been adopted in the present investigation.
- f. It has been contended that the PUC covers both narrow thickness sheets with a thickness less than 3mm and wide thickness sheets with thickness more than 10mm. It is further argued that the difference in plate thickness is crucial because it affects the end-use of the product and the consumer's preference as well. It is argued that the goods falling under customs tariff heading ("CTH") 7208, 7211, 7225 and 7226 are different regarding their end-uses. Narrow and wide flat rolled products are different in regard to their end-use, and they cannot be treated as substitutable or interchangeable. It is argued that HR coils and sheets and plates falling under CTH 7208, 7211, 7225 and 7226 are different and inter se are neither substitutable nor interchangeable. But the essential question is whether HR coils and sheets and plates being imported into India are like or substitutable with the products being manufactured by the domestic industry. The Authority notes that this issue has been further addressed by comparing coils with coils and "not in coil (sheets and plates)" with "not in coil (sheets and plates)" for calculation of dumping and injury margins,
- g. The Authority notes that products excluded under Quality Control Order cannot be excluded on this ground unless the interested parties provide evidence that the same are not being manufactured by the domestic

industry. The opposing interested parties have not given any credible evidence that these products are not manufactured by the domestic industry. Further, the interested parties have not been able to identify the products excluded in the Quality Control Order which the domestic industry does not manufacture. The interested parties have merely made a blanket statement in this regard.

- h. Some of the interested parties have contended that the PUC has been broadly defined to cover HR coils as well as HR not in coil. However, they have not given any explanation or evidence to substantiate their claim. Merely the fact that domestic industry has filed two separate safeguard applications for Hot rolled in coils and Hot rolled sheets and plates, does not debar it to cover Hot rolled in coil and Hot rolled not in coil (Sheets and plates) in a single anti-dumping application. As stated earlier, the Authority has in the past conducted a single anti-dumping investigation on stainless steel in coils and sheets and plates. In any case, to address this issue PCNwise analysis has been undertaken by the Authority
- i. Some interested parties have also argued that they have been importing HR coil in thickness 2.00 mm and below because their regular supplier M/s Tata Steel Ltd. had stopped supplying the same due to availability constraints and because of this reason they are forced to import this specific product and such products, therefore, should be excluded from the product scope. The Authority notes that the interested parties have failed to substantiate this claim with credible evidence. Moreover, the users could have approached any other producer in India who could have easily supplied such material to them. Merely because one Indian manufacturer is not in a position to manufacture / supply a particular type/grade of the PUC cannot be reason enough for exclusion of this particular type/grade of the PUC.
- j. With regard to the submission by some interested parties that it is difficult to depend on Indian vendors due to inconsistent quality, supply and Minimum Order Quantity requirements, the Authority notes that such parties have themselves acknowledged that the grades required by them are manufactured by Indian producers. Merely because some particular domestic producers are not approved by an interested party does not mean that these grades should be excluded. Moreover, the Minimum Order Quantity is a kind of business decision which is quite prevalent in the trade and thus cannot be reason for not granting protection to the domestic industry. Further, such claims have not been substantiated by any evidence. Further, interested parties have not supplied any evidence to demonstrate that plates which are used for construction machinery and complying to IS Standard IS 2062:2011, E250C, E350C and E450BR are not manufactured by the domestic industry.
- k. It is contended that anti-dumping duty should not be imposed on abrasion resistant alloy steel plates and high strength alloy steel plates sourced from JFE Japan and SSAB, Sweden. It is pertinent to note that this investigation is not against the EU, so interested parties' request for excluding the product imported from SSAB Sweden defies logic. In addition, the Authority notes that the domestic industry has been making these grades.
- l. It is contended that N22CB, a special grade of hot-rolled steel from Japan should be excluded from the product scope. The Authority notes that the domestic industry has demonstrated that they have manufactured and supplied an equivalent grade to users in India.
- m. It has been argued by various interested parties that automotive steel should be excluded from the scope of PUC since its imports are very less as compared to total imports and prices are very high. In this regard, the Authority notes that low imports of a particular grade cannot be ground for exclusion of that grade from the scope of the PUC. Further, the Authority notes that imports of automotive steel are actually in significant quantities during the POI. The interested parties have not conclusively demonstrated that such grades are not being dumped into India or the domestic industry is not manufacturing such grades. The domestic industry on the other hand has provided reasonable evidence to demonstrate that they have been manufacturing and supplying automotive steel grades to users in India.
- n. Some interested parties have argued that automotive grade steel like "High Tensile Special Purpose Grade Steel" imported from Korea RP and Japan should be excluded from PUC as the import prices of this grade are higher than the normal price. The fixation of reference price has accordingly been requested. In this regard, the Authority observes that it has to be demonstrated by Korean exporters that they are not dumping this grade or imports of this grade are not causing injury to the domestic industry. Further, the domestic industry is in fact manufacturing "High Tensile Special Purpose Grade Steel" as well as "pickled and oiled hot rolled steel coils". The domestic industry has further submitted that they are already on the approved vendor list of several automobile makers, their vendors and auto component manufacturers.
- o. Further, the domestic industry has demonstrated with evidence that they do manufacture and sell Hot-rolled Silicon Electrical Non Oriented Steel (HRNO) and hot-rolled oiled and pickled coils. Therefore, requests for exclusion of these grades cannot be entertained.
- p. With respect to the contention of the interested parties regarding exclusion of API grade, it is noted that API grade has been excluded from the product scope in the safeguard application because the imports of API grade were not significant at the time of filing the safeguard application and thus were not causing any injury during the

safeguard investigation period. However, API grade has been imported in increased quantities at reduced prices after imposition of provisional safeguard duty and during the POI of the current antidumping investigation. API grade steel had been excluded from the product scope of the safeguard investigation as the import analysis for F.Y. 2014-15 showed that quantity of import of these API grade steel was not at alarming levels. During 2015-16, the average import volumes of API grade steel increased by nearly 5 times in the POI as compared to the earlier period. The average import prices of API grade steel had also steeply fallen during the POI. The domestic industry has also supplied evidence in this regard which the Authority has duly examined. Besides, the domestic industry manufactures API grade steel. Therefore, API grade steel cannot be excluded from the product scope.

- q. As regards the contention that the PUC is too broad and vague, the Authority notes that the PUC has been appropriately defined keeping in view the imports from the subject countries and production and supply position of the domestic industry.
- r. In terms of Rule 6(7) and Rule 7 of the Rules, the Authority is obligated to provide evidence presented to it by one interested party to another interested party. If an interested party claims confidentiality on submissions and evidence, that interested party is obligated under Rule 7 to provide the same submissions and evidence in non-confidential format, but such non-confidential submissions should be meaningful so as to allow other interested parties to make comments. The Authority notes that many interested parties have requested for exclusion of various grades from the product scope but some such interested parties like Maruti Suzuki India Ltd, Stelco Limited, Welspun Corp Ltd., Hyundai Motor India Limited have claimed confidentiality on such exclusion lists or PCN lists. The Authority, being a quasi-judicial authority, has provided non-confidential submissions of such parties to the domestic industry. The Authority notes that the above interested parties have not complied with Rule 7 as their non-confidential submissions are not meaningful enough as they do contain the list of PCNs/grades for which they have requested exclusions. This has denied the domestic industry a fair opportunity to offer comments on exclusions requested by the above interested parties. In view of this, the Authority proposes to hold that exclusion requests by above interested parties cannot be allowed.
- s. The authority has also examined the final findings issued by DG Safeguards for HR Coils Safeguard investigation. It is noted that most of the parties seeking exclusions before the authority have also made similar request before the DG Safeguards. However, after detailed analysis, the DG Safeguards has concluded that no exclusions requested by various interested parties was warranted.
- t. With regard to like article, Rule 2(d) of the AD Rules provides as follows: -"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation. On the basis of information on record and considering the submissions made by the interested parties, the Authority holds that there is no known difference in the subject goods produced by the Indian industry and those imported from the subject countries. The two are comparable in terms of physical characteristics, manufacturing process, functions and uses, product specifications, distribution and marketing, and tariff classifications of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers use the two interchangeably. The Authority holds that the products manufactured by the Applicants constitute like article to the subject goods being imported into India from the subject countries.
- u. The Authority hereby confirms the Product Under Investigation for this investigation as under:

*"Hot-rolled flat products of alloy or non-alloy steel in coils of a width upto 2100mm and thickness upto 25mm and Hot-rolled flat products of alloy or non-alloy steel not in coils (commonly known as sheets and plates) of a width upto 4950mm and thickness upto 150mm".*

*The PUC covers products which are not further worked than hot-rolled and are flat products of iron, alloy or non-alloy steel, in prime or non-prime condition having 'as-rolled' edge or 'trimmed' edge or 'slit' edge or "milled" edge or "sheared" edge or "laser-cut" edge or "gas-cut" edge or any other type of edges. These products may be pickled or non-pickled (with or without skin-pass or tempering), slit or non-slit, normalized or un-normalized, ultra-sonically tested or untested or oiled or non-oiled etc. These products may be "as-rolled" or "thermo-mechanically rolled" or "thermo-mechanically controlled rolled" or "controlled rolled" or "normalized" or "normalized" or subject to any other similar process. These products may have patterns in relief / chequered patterns of different types derived directly during hot rolling. These products may have been subjected to various processing steps like pickling, oiling, rewinding, recoiling, temper rolling, heat treatment, etc. These products may be sand blasted or shot blasted or subjected to similar processes. The PUC covers Hot Rolled flat sheets and plates of alloy or non-alloy steel, whether or not rolled from universal plate mill including reversible plate mill or hot strip mill or tandem mill or steckel mill or any other similar process with various type of rolling configuration including 2-High, 3-High, 4-High, cluster mill or any similar hot rolling process. The PUC includes sheets and plates produced either directly from the hot rolling process or cut / sheared from hot rolled coils.*

*The following are not included in the scope of the product under consideration:*

1. *Hot-rolled flat products of stainless steel.*
2. *Hot-rolled flat products of steel which are electrolytically plated or coated with zinc.*
3. *Hot-rolled flat products of steel otherwise plated or coated with zinc.*
4. *Cladded steel.*

## **C. Confidentiality**

### **C.1 Views of Exporter, importers and other Interested Parties**

11. Following are the issues raised by interested parties with respect to excessive confidentiality:

- a. Copy of Original/Raw transaction-wise import data obtained from IBIS has not been provided in excel file format.
- b. The company-wise production and sales volume detail of the domestic producer other than the applicant has not been provided.
- c. The item wise details of constructed value as well as normal value have been kept confidential and even ranges of normal value have not been given.
- d. Evidence regard to adjustments for ocean freight, marine insurance, port expenses, etc. has not been given by the domestic industry.
- e. Profit and ROCE in percentage terms have been kept confidential
- f. The authority should not claim the confidentiality on information not claimed as confidential by party supplying the same. (Reference: SC judgement: Union of India v/s Meghmani Organics Ltd. dated 14.10.2016). Hence the authority should provide all information not claimed as confidential including transaction wise DGCI&S import statistics.
- g. Domestic selling prices is not confidential and should be provided.
- h. The Petitioners, at various instances in the Petition and subsequent filings, have claimed excessive confidentiality over the following information:
  - (i) Metal bulletin report to be confidential, however, the same is available in the public domain;
  - (ii) The normal value calculated on the basis of metal bulletin prices is kept confidential.
  - (iii) The support letters provided by Tata Steel Limited and Jindal Steel & Power Limited (the Supporters), however such information is amenable to summarization in terms of index points.
  - (iv) The evidence filed by the Petitioners for their like article submissions are unjustifiably claimed to be confidential. As also agreed by the Petitioners during the public hearing, they must be directed to file non-confidential summaries of the various evidences filed by them in this behalf.
  - (v) Anti-Dumping authority has stated that they have relied on DGCIS data but a copy of DGCIS data has not been enclosed with preliminary findings.

### **C.2 Views of the Domestic Industry**

12. Few interested parties are of the view that the domestic industry has exercised excessive confidentiality in the petition by keeping confidential - i) IBIS import data; ii) company-wise production and sales volume details; iii) item-wise details of constructed normal value; iv) evidence regarding adjustments for ocean freight, marine insurance, port expenses, etc.; v) domestic selling prices; vi) profit and ROCE in %age terms; vii) Metal Bulletin; viii) Normal value based on Metal Bulletin; ix) support letters by Tata Steel Limited and Jindal Steel & Power Limited; x) evidence filed by domestic industry on like article submissions and xi) PCNs manufactured by the domestic industry. The domestic industry wholly denies and objects to the above contentions. First of all, it is clarified that Rule 7 of the AD Rules allows a party to claim confidentiality on information. Rule 7 also mandates that confidential information should be provided in non-confidential summary to interested parties, and where that is

not possible, reasons should be provided why summarisation is not possible. The domestic industry has claimed confidentiality on certain data in compliance with Rule 7 of the AD Rules. The Designated Authority has also accepted the domestic industry's confidentiality claims. Therefore, the above contentions by interested parties have no merit. Further, import data for this investigation has already been placed in the public file. Therefore, contentions regarding non availability of import data are unfounded. Further, the domestic industry has placed on record the list of PCNs produced by them in non-confidential version of the written submissions.

### C.3 Examination by the Authority

13. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

*Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule(2),(3)(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.*

*(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.*

*(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.*

14. Submissions made by the interested parties with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are examined and addressed accordingly. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file. The Authority notes that any information which is available in the public domain cannot be treated as confidential. This is in line with the larger bench judgment of the Hon'ble Supreme Court in *Union of India v. Meghmani Organics Ltd. and Others*, (2016) 10 SCC 28. Also, it is to be noted that the Authority placed the transaction-wise DGCI&S import statistics in the public file after removing confidential information such as names of exporter, importers and IEC codes of importers from the same.

### D. Domestic Industry and Standing

15. Rule 2 (b) of the AD rules defines the domestic industry as under:

“(b) “domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”

16. The application has been filed M/s Steel Authority of India Limited, M/s. JSW Steel Limited and M/s Essar Steel India Limited. The production of the aforesaid three producers accounts for a major proportion of the total domestic production and is more than 50% of Indian production. The application has also been supported by two domestic producers, namely, Tata Steel Limited and Jindal Steel and Power Limited.

#### D.1 Views of Exporter, importers and other Interested Parties regarding standing of the domestic industry.

17. It is well established fact that Essar and JSW were engaged in import of the alleged dumped article. However, the authority has not explained the reasons for the deviation from the consistent practice of exclusion of importers from the scope of the Domestic Industry.

18. JSW cannot be termed as part of domestic Industry because of the reasons stated below:

- a. Investment of more than 4600 cr. by JFE in JSW (Constitute more than 15% of shareholding)
- b. Technical Collaboration



- i) Collaboration for automotive steel production
- ii) JFE and JSW have also arrived at a broad consensus on the areas where possible collaboration can be explored in India in near future.
- c. Director nominated by JFE in JSW
- d. Import of subject goods by JSW from JFE

Investigation initiated based on the false disclosure by the domestic industry has led to wrongful determination of scope of domestic industry. The authority cannot revisit the scope of Domestic Industry; investigation is voidab-initio and should be terminated immediately.

## D.2. Views of the Domestic Industry

19. The following are the submissions of the domestic industry with respect to the issues raised by various interested parties regarding standing of the domestic industry:

- a. Some interested parties are of the view that since JFE Steel has a shareholding to the extent of 15% in JSW Steel, JSW Steel should not be treated as part of the domestic industry. Interested parties also contend that Essar Steel and JSW Steel have imported the subject goods, and therefore, fail to qualify as domestic industry. The domestic industry wholly denies and objects to the above contentions. For a meaningful analysis, it is important to refer to Rule 2(b) of the AD Rules, which is extracted in relevant part below:

*“domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers.*

*Explanation – For the purposes of this clause, -*

- (i) *producers shall be deemed to be related to exporters or importers only if, –*
  - a) *one of the them directly or indirectly controls the other; or*
  - b) *both of them are directly or indirectly controlled by a third person; or*
  - c) *together they directly or indirectly control a third person, subject to the condition that there are grounds for believing or suspecting that the effect of the relationship is such as to cause the producers to behave differently from non-related producers.*
- (ii) *a producer shall be deemed to control another producer when the former is legally or operationally in a position to exercise restraint or direction over the latter.*
- b. In view of the above legal provision, domestic industry submitted that it is not established in the facts of the case that JSW Steel is related to JFE Steel in terms of Rules 2(b)(i) and 2(b)(ii) of the AD Rules. In particular, none of the interested parties have been able to establish that JFE Steel directly or indirectly controls JSW Steel or vice versa. Further, none of the interested parties have been able to establish that JFE Steel and JSW Steel together control a third entity. It is also not established in the facts of the case that JFE Steel exercises restraint or direction over JSW Steel or vice versa. Thus, the question of JFE Steel exercising control over JSW Steel or vice versa is not established at all in the present case in terms of Rules 2(b)(i) and 2(b)(ii) of the AD Rules.
- c. In this regard, the domestic industry relied on the Final Findings in Circular Weaving Machines from China PR issued vide No.14/25/2008-DGAD dated 16 November 2010, where the Designated Authority has held that mere shareholding/relation does not demonstrate control in terms of the AD Rules. The relevant extract from the final findings is reproduced below for ease of reference:

*15. The Authority notes that the key element in regard to relationship of the domestic producer and the exporter is ‘control’, legal or operational. The Authority finds that Starlinger, China is a 100% subsidiary of Starlinger, Austria whereby both are related companies. Further, it is evidenced that Starlinger, Austria is holding 34.67% shares in the applicant company i.e. LohiaStarlinger Limited. But mere shareholding does not amount to exercise of control and therefore does not make Starlinger, Austria and/or Starlinger, China related to LohiaStarlinger Limited (LSL) within the meaning of Anti Dumping Rules. Majority shareholding i.e. above 50% only gives legal control. Further, the Authority finds that no Director representing Starlinger, Austria has been appointed in the Board of applicant company since 2002. It is brought on record by both the parties that Starlinger, Austria has filed a Petition before Company Law Board seeking appointment of its nominee on the Board of LSL. All these establish that Starlinger, Austria*

*has no operational control as well over LSL. Further, even if the two parties are related parties, the mere fact of relationship is insufficient to consider the domestic producer as ineligible. There must be sufficient grounds justifying exclusion of such related domestic producer. There must be evidence that the related domestic producer has acted differently due to relationship, or has participated in dumping practices and has taken such steps which would have resulted in self inflicted injury. In the instant case, there is no such evidence that the relationship between the two parties have led to petitioner behaving in a manner different from an unrelated producer.*

*16. Thus, in the absence of legal or operational control by Starlinger, Austria and/or Starlinger, China over LSL and in the absence of sufficient grounds to treat LSL as ineligible domestic producer in the light of the provision contained in Rule 2(b), the Authority holds that the applicant is entitled to be treated as domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the AD Rules and has the standing to file the petition in terms of Rule 5(3) of the AD Rules.*

- d. None of the interested parties have established that an alleged 15% share (though not admitted) of JFE Steel in JSW Steel accords control to JFE Steel thereby making JFE Steel and JSW Steel related. JFE Steel does not exercise any control on JSW Steel. Therefore, JSW Steel is not related to the exporter JFE Steel, and thus, qualifies as domestic industry in terms of Rule 2(b) of the AD Rules.
- e. Further, the Designated Authority has correctly observed that the petitioners qualify as domestic industry despite making very low imports of the subject goods. This observation by the Designated Authority is in line with the established jurisprudence, practice and many CESTAT decisions that state that the Designated Authority has the discretion to consider a petitioner as domestic industry in a situation where imports of the product under investigation by that petitioner are very low. In view of this, the Designated Authority is requested to confirm its preliminary findings on standing of the petitioners as domestic industry. Any contrary claims by interested parties on standing of the petitioners as domestic industry lack legal merit and should be rejected outright.

### **D.3 Examination by the Authority:**

20. The issues raised by various interested parties with regard to standing of domestic industry are examined as under:

- a. None of the interested parties have been able to establish that JFE Steel directly or indirectly controls JSW Steel or vice versa. Further, none of the interested parties have been able to establish that JFE Steel and JSW Steel together control a third entity. It is also not established in the facts of the case that JFE Steel exercises restraint or direction over JSW Steel or vice versa.
- b. In order to consider a producer ineligible in terms of Rule 2(b) of AD Rules due to relation with exporter, there must be evidence that the related domestic producer has acted differently due to relationship, or has participated in dumping practices and has taken such steps which would have resulted in self-inflicted injury. In the instant case, there is no such evidence that the relationship between the two parties have led to petitioner behaving in a manner different from an unrelated producer.
- c. Thus, in the absence of legal or operational control by JFE Steel over JSW and in the absence of sufficient grounds to treat JSW as ineligible domestic producer in the light of the provision contained in Rule 2(b) of the AD Rules, the Authority treats JSW Steel as an eligible applicant in this case. Further, similar view was taken by the authority in the anti-dumping investigation concerning imports of Circular Weaving Machines from China PR.
- d. Various parties have contended that Essar and JSW have imported the product under investigation and therefore should be considered ineligible to constitute domestic industry. In this regard, the authority notes that both Essar and JSW have filed certificates along with the petition stating the quantities imported by them and the purpose therefore. It is observed that the quantities imported are too insignificant as compared to their respective production to hold them ineligible to form part of domestic industry in terms of Rule 2(b) of the AD Rules. It is also observed that whatever quantities have been imported by Essar and JSW were used by them for self-consumption only. Therefore, the Authority rejects the contention of interested parties to consider Essar and JSW Steel ineligible to form part of domestic industry.
- e. The Authority holds that JSW Steel and Essar Steel are eligible to be part of domestic industry in terms of Rule 2(b) of the AD Rules.
- f. The authority also holds that the applicants together command a major proportion of the production of the subject goods in India. Accordingly, the applicants satisfy the standing requirement in terms of Rule 5(3) and constitute 'domestic industry' in terms of Rule 2(b) of the AD Rules.

### **E. De Minimis Limits**

21. As per the import data received by the Authority from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and the data furnished by the cooperating exporters from the subject countries, the imports of the subject goods from the subject countries are found to be above the *de minimis* level.

**F. Miscellaneous issues raised by the interested parties**

**F.1** Various interested parties have raised several issues with respect to the present investigation, including methodologies of dumping determination and injury claims of the domestic industry. While the issues regarding the dumping and injury determination have been dealt in the appropriate places in this finding, the general issues raised by the parties to the investigation have been examined hereunder. For the sake of brevity, the submissions of the parties and issues raised therein have been summarized as follows:

- a. Imposition of anti-dumping duty only on “Hot Rolled flat products of alloy or non-alloy steel in coils” without imposing the same on imports of finished products like Cold Rolled Steel, Galvanised Steel and pre-painted Galvanized steel would adversely affect the secondary steel manufacturers. Downstream products will be imported into India as they are not subject to any anti-dumping duty resulting in death for all the downstream industries which consume HR Coil as raw material.
- b. The POI “should be representative and as recent as possible”. Deviations from the benchmarking oneyear POI shall be substantiated by the Petitioners and the Designated Authority by positive evidence which is not present in the current case. The POI of six months is too short for arriving at a conclusion and it should be at least one year.
- c. The steel industry is already strongly protected by an increasing MFN customs tariff from 5% in 2011-12 to 12.5% in 2015-16. On top of that, from 15 March 2016, safeguard duties of 20% ad valorem are in place on imports of hot rolled steel in coils. Furthermore, the DGFT introduced a Minimum Import Price against 173 HS codes, covering the PUC.
- d. MIP has already been imposed and demand of Indian steel mills should not be accepted. Imposition of ADD duty will promote import of finished products, resulting in closure of Indian Industries. There is no further need to protect the steel industry after imposition of MIP, increase in import duty and imposition of safeguard duty. The prices of steel are on a rising trend now and major domestic steel players such as JSW Steel, Bhushan, Essar, JSPL, TATA are reported to be doing good.
- e. Besides high tariffs, the foreign producers confront discriminative non-tariff barriers by way of licensing by BIS. The requirement of BIS license was one of the main reasons for the NLMK Group to suspend their imports of PUC from Russia to India.
- f. All subject countries except for Russia and China are subject to preferential trade agreements.
- g. The petition should only be based on JPC data to avoid any manipulations by private agencies. Import Statistics have been procured from a private organization- IBIS and the data could have been manipulated. The import data is based on IBIS and production data is based on JPC which is not compatible and is misleading.
- h. In February 2016 all goods falling within the heading 7208 and part of the goods under heading 7225 were subject to imposition of minimum import price. In view of this, the value “POI annualized” cannot be treated as reliable and should not be taken into consideration.
- i. The declaration that there are no known differences in the production prices employed by the Petitioners and exporters is incorrect. Indian producers have neglected technological up-gradation for cost reduction and product development.
- j. The petition did not include sufficient information on the impact of the alleged dumped imports on the domestic industry. In doing so, the Petitioners failed to meet the specific requirements of Article 5 WTO ADA as implemented in the Indian AD Rules. The Petitioners omitted information on employment, wages, cost of sales, export sales, opening and closing stocks, net worth and captive consumption.
- k. Large volume of PUC is being captively consumed by the Petitioners for production of downstream goods. Petitioners have wilfully taken demand for PUC as a whole while concealing the captive consumption of PUC by them. Captively consumed goods did not enter the market and could not be considered as part of competing goods.
- l. The Return on Capital employed should not be as high as 22%. Reliance is placed on the judgement of Bridgestone Tyres Manufacturing & Others vs. Designated Authority.

**F.2 Miscellaneous submissions made by the Domestic Industry and considered relevant by the Authority are as follows:**

- a. Section 9A (3) of the Act is with reference to history of dumping of the product. Petitioners request the authority to recommend retrospective levy of anti-dumping duty on the subject goods because the conditions for retrospective levy of antidumping duty are fully satisfied.
- b. There is evidence of dumping of subject goods which is evident from the fact that many countries including Canada, US, Turkey, EU etc. have initiated anti-dumping investigation against import of Hot-Rolled flat products of steel. Massive dumping of PUC into India has taken place in a relatively short period of time causing injury to the domestic industry.
- c. Exporters are well aware that they are resorting to dumping which is causing injury to the domestic industry since import prices of PUC have reduced significantly as evident from the landed values for respective countries.
- d. Some interested parties are of the view that 22% return on capital employed is not justified in calculating non-injurious price. The domestic industry strongly objects to the above contention and submits that none of the interested parties have adduced evidence to demonstrate why 22% return on capital employed is not justified. In fact, in two recent CESTAT rulings, it has been observed that 22% return on capital employed is valid as per the consistent practice of the Designated Authority and onus is on the party refuting it to demonstrate with evidence why 22% return is not justified. In this regard, the Designated Authority's attention is invited to CESTAT rulings in ***Merino Panel Products Ltd. v. Designated Authority***, Final Order No. AD/A/53541/2015-CU[DB] dated 27 November 2015 and ***Eximcorp India Pvt. Ltd. v. Designated Authority***, Final Order No. AD/A/53462/2016-CU[DB] dated 12 September 2016. In view of the above CESTAT orders, 22% return on capital employed is valid in the present case and should be affirmed definitively in the final findings.
- e. From perusal of the preliminary findings, the domestic industry is of the view that some errors appear to have crept in the calculation of the non-injurious price. The non-injurious price appears to be understated. It is requested that such errors be corrected. The domestic industry also requests the Designated Authority to disclose the preliminary non-injurious price calculations for examination and meaningful comments by the domestic industry in light of the Hon'ble Supreme Court's judgment in *Reliance Industries Ltd. v. Designated Authority & Others*, (2006) 10 SCC 368, which has been recently confirmed by the larger bench of the Hon'ble Supreme Court in *Union of India v. Meghmani Organics Ltd. & Others*, Civil Appeal No. 1679 of 2010.

**F.3 Examination by the Authority**

**22. Miscellaneous submissions made by the interested parties and considered relevant by the authority are examined and addressed as follows:**

- a. As regards the submission that imposition of anti-dumping duty on the imports of subject goods will have an inflationary impact on their prices and adversely affect downstream industries, the Authority notes that the objective of anti-dumping duty is to prevent the unfair trade practices and to redress its injurious effect on the domestic industries by providing them a level playing field. Moreover, imposition of anti-dumping duty neither restricts nor prevents imports.
- b. The Authority notes that the argument that imposition of anti-dumping duty on the imports of the subject goods would accrue undue advantage to domestic Industry is presumptuous and pre-mature. Anti-dumping investigations are based on facts and law to analyze and assess the magnitude of dumping and consequent injurious effect on the domestic industry and to recommend imposition of suitable and adequate antidumping measure to provide a fair and level playing field to the domestic industry vis-à-vis dumping from exporters.
- c. With regard to the contention of the interested parties that period of investigation should be more than 6 months, the authority notes that according to recommendation of committee on anti-dumping practices (WTO document no. G/ADP/6 dated 16 May 2000):

*"...the period of data collection for dumping investigations normally should be twelve months, and in any case no less than six months, ending as close to the date of initiation as is practicable"*

Therefore, in view of above recommendation, 6 months period can be taken as the POI. The Authority has taken six months POI in other investigations also.

- d. The intent behind imposition of safeguard duty is different from anti-dumping duty. Safeguard duty is imposed to arrest surge in imports, whereas anti-dumping duty is imposed to neutralize the injurious effect of dumping on the domestic industry and to create a level playing field to enable the domestic industry to compete effectively vis-à-vis dumped goods.
- e. MIP was introduced by Government of India as a temporary measure and the same was in force for the subject goods till 4th August 2016.
- f. The interested parties have argued that other non-tariff barriers are also in place like BIS. The authority notes that existence of BIS is to ensure certain quality parameters. BIS standards are to be adhered by domestic industry as well as imports from all the countries. Further, existence of BIS does not lead to conclusion that there is no dumping and consequent injury to domestic industry.
- g. With regard to contention of the interested parties that Russia and China PR are subject to increased customs duty, the authority notes that even after the increase in customs duty, domestic industry is not able to compete with the low priced dumped imports.
- h. The Authority notes that the production quantity figures have been sourced from the JPC data only, wherever necessary. Further, authority has relied upon DGCI&S import data in this disclosure.
- i. As regards the request for retrospective imposition of anti-dumping duty, Section 9A(3) of Customs Tariff Act provides as follows:

*If the Central Government, in respect of the dumped article under inquiry, is of the opinion that*

- (i) *there is a history of dumping which caused injury or that the importer was, or should have been, aware that the exporter practices dumping and that such dumping would cause injury; and*
- (ii) *the injury is caused by massive dumping of an article imported in a relatively short time which in the light of the timing and the volume of imported article dumped and other circumstances is likely to seriously undermine the remedial effect of the anti-dumping duty liable to be levied,*

*the Central Government may, by notification in the Official Gazette, levy anti-dumping duty retrospectively from a date prior to the date of imposition of anti-dumping duty under sub-section (2) but not beyond ninety days from the date of notification under that sub-section, and notwithstanding anything contained in any law for the time being in force, such duty shall be payable at such rate and from such date as may be specified in the notification.*

- j. Taking into account the facts of the case, the Authority does not find it appropriate to recommend retrospective imposition of anti-dumping duty.
- k. The present investigation has been initiated on the basis of prima facie analysis of the information/data furnished by the applicant showing dumping of subject goods from the subject countries, injury to the applicant on account of the said dumping and causal link between the two. In regard to the contention of the opposing interested parties that the initiation of investigation is bad in law due to misleading data furnished by the applicant and improper evaluation of data by the Authority, the Authority notes that it had prima facie satisfied itself about the accuracy and adequacy of information on the basis of information furnished by the petitioner at the time of initiation.
- l. The Authority notes that none of the interested parties has provided any evidence as to why the return on capital employed for the purpose of computing non-injurious price should be less than 22%. Further, it is the standard practice of the Authority to take ROCE as 22%.

#### **G. Assessment Market Economy Treatment (MET), Normal Value, Export Price and Dumping Margin**

##### **NORMAL VALUE**

23. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
- (ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*

(a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

(b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

*Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.*

#### **Provisions relating to Non- Market Economy countries**

#### **24. Annexure-I to AD rules states as under:**

*7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.*

*8. (1) The term “non-market economy country” means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3)*

*(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti-dumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a nonmarket economy country*

*Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)*

*(3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether:*

*(a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;*

*(b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;*

*(c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and*

*(d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.*

*Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph”.*

#### **Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties**

**25.** Various submissions made by the interested parties with regard to MET, Normal value, export price and dumping margin and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:

- a. The calculation of normal value is based on assumption rather than factual position and is not valid. The breakup of components of normal value such as iron ore consumption, energy consumption, labour cost etc. should be furnished.
- b. Russian Federation expresses its concern with the methodology of dumping margin calculation for Russian supplies. The Metal Bulletin prices (MBP) are unreliable and inaccurate for purposes of calculating a benchmark for the import of subject goods from Russia. MBP are not synonymous with Russian prices because they are based on prices for producers in Eastern Europe, not only in Russia. DGAD should base its conclusion on the basis of actual data submitted by Russian exporters and producers.
- c. Calculation of costs on the basis of “Indian experience” contradicts with the Article 2.2.1.1 of the Anti-dumping Agreement which stipulates that “the costs shall normally be calculated on the basis of the records kept by the exporters or producers under the investigation...”
- d. Some interested parties have submitted that if profit making transactions are less than 20%, then normal value should be determined on the basis of cost of production plus reasonable profit.
- e. If the DGAD ignores the reported PCNs in the dumping margin calculation, the result of the determined dumping margin on the respondent could be distortive because a fair comparison in such a scenario is not plausible. Furthermore, this comparison method is not consistent with the Indian AD Rules.
- f. In the Duty Table provided at the end of the Preliminary Findings, it is noted that the NIL duty margin allocable to the Producer has been made contingent on certain product restrictions. It is most respectfully submitted that levying any duty on export of HR not in coils made by the Producer and its cooperating trade channel is illegal and in outright contravention of Rules 12 and 13 of the Anti-dumping Rules, which require that the duty levied shall not exceed the margin of dumping.
- g. In preliminary finding authority has not accepted the response filed by PT POSCO Krakatau mainly on the ground that the trading co through which PTKP has exported the subject goods in the India have not in return reported this exports. The response on behalf of the trading companies were submitted on 30.09.2016, i.e., well before the Hearing. It is humbly requested that the response filed by the trading company, albeit belatedly, may kindly taken in the record.
- h. The Petitioners at paragraph 7 (iii) of their written submission have claimed that JFE should be treated as non-cooperative as certain related domestic customers of the Producer have not filed any response in the present investigation. There is no actual legal basis provided for the rejection of the Producer’s data. The rejection of domestic sales as a determinant of normal value can only be done if the domestic sales are found to be “not in the ordinary course of trade” as clarified in Section 9A of the Customs Tariff Act, 1975, as well as Annexure I to the Anti-dumping Rules.
- i. With regard to the Petitioners’ reliance on the USDOC’s finding in the countervailing investigation on imports of Corrosion Resistant Steel from India, the Producer respectfully submits that the precedent is not applicable in an anti-dumping investigation. As quoted by the Petitioners themselves, adverse facts were applied to JSWSL because it failed to properly identify a related input supplier for “cross-ownership” which is a test distinctly used in countervailing investigations only. There is no equivalent test or requirement in an anti-dumping investigation. Therefore, the precedent does not apply to the present investigation.
- j. The provisions as laid down in Article 15(a)(ii) for treating the Chinese exporters as not operating on market principles and disregarding their domestic prices or costs has become non-operational in view of the provisions contained in Article 15(d). Therefore, at present, there are no provisions which enable the Hon’ble Authority for disregarding the domestic prices and costs of the Chinese producers. Therefore, the normal value for Chinese producers may please be determined on the basis of their domestic prices and cost of the subject goods and any other methodology used for the determination of normal value for them would be in violation of the obligations of India under the WTO.
- k. Price provided for calculation of Normal Value are unreliable and unsuitable because they have nothing in common with market prices in Russian Market. It is advisable to calculate normal value (as per WTO Rules) on the basis of information provided by Russian producers.
- l. It should be noted that exports of the PUC by POSCO to unrelated customers in India is done through trading companies and for one related party, i.e. POSCO- Maharashtra, POSCO exports the PUC directly. In the present anti-dumping, questionnaire responses have been filed by POSCO and six of its traders which covers 99.91% of the exports made to India during the POI. Since none of the related parties except POSCO P&S was part of the export sale chain in India, only POSCO P&S has filed the exporter questionnaire response.

#### **Submissions made by the Domestic industry**

26. Various general submissions made by the domestic industry with regard to MET, Normal value, export price and dumping margin during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
- a. Domestic Industry has provided evidence of selling price of product concerned in the domestic market of subject countries.
  - b. There is sufficient reason to consider that the producers in subject countries are dumping the subject goods. These producers have been selling the product under consideration at prices less than cost of production or domestic prices are higher than export price to India.
  - c. None of the Chinese producers can satisfy market economy status. None of the WTO Member countries has granted market economy status to Chinese producers on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria.
  - d. Unless the responding Chinese exporters conform to the standards laid down under the Rules, the Designated Authority is required to determine the normal value in accordance with Para 7 of Annexure-I to the Rules.
  - e. None of the producers/exporters from China PR has claimed market economy treatment.
27. The domestic industry made the following specific submissions with respect to dumping margins, normal value, export price and questionnaires filed by various interested parties:
- a. The data pertaining to export transactions of NISCO has been suppressed by Hyundai Corporation. Hyundai Corporation should give an explanation for not reporting all the exports to India as suppression of facts is a major fault on part of Hyundai Corporation. The Designated Authority should have treated Hyundai Corporation as non-cooperative in the preliminary findings itself.
  - b. It is also possible that Hyundai Corporation has suppressed data with regard to other transactions to India as well and reported incorrect information for other producers such as Hyundai Steel Company and POSCO. Accordingly, the response filed by Hyundai Steel Company and POSCO should also be rejected as Hyundai Corporation is also a major exporter of subject goods manufactured by these producers in Korea RP and is related to POSCO.
  - c. Authority should not have accepted the response filed by POSCO as 5 unrelated traders and 1 related trader of POSCO have not cooperated in this investigation. It is mandatory for related parties to cooperate fully with the Designated Authority even if quantum exported is less.
  - d. Related parties of JFE Steel Corporation have not filed any response with regard to domestic sales. Merely because the quantum of sales to related parties is less, the Designated Authority should not have accepted the response filed by JFE Steel Corporation. Further, with regard to export price to India, one unrelated trader of JFE Steel Corporation has not filed a response. Thus, value chain for JFE Steel Corporation is not complete. In view of the significant non-cooperation from related and unrelated parties, JFE Steel Corporation should be treated as non-cooperative.
  - e. 4 out of 6 related parties of NSSMC have not filed any response with regard to domestic sales. Merely because the quantum of sales to these related parties are less, the Designated Authority should not have accepted the response filed by NSSMC. The Designated Authority has observed that NSSMC has made exports through other traders who have not cooperated in the investigation. Thus, value chain for NSSMC is not complete. In view of the significant non-cooperation, NSSMC should be treated as non-cooperative.
  - f. The traders of Zhangjiagang Group have made exports through other traders who have not cooperated in the investigation. Thus, value chain for Zhangjiagang Group is not complete. In view of this non-cooperation, Zhangjiagang Group should be treated as non-cooperative.
  - g. With regard to cooperation by interested parties, the domestic industry further submits that there is a strict requirement placed by investigating authorities in other WTO member countries. In case of countervailing duty investigation concerning imports of Certain Corrosion Resistant Steel Products from India conducted by United States, the US Department of Commerce (“USDOC”) has treated an exporter as non-cooperative just because the exporter has failed to inform the USDOC that related company supplying a miniscule quantity of raw material was in operation for the final two months of the POI.
  - h. It is the global practice that suppression of facts and non-cooperation should lead to rejection of a questionnaire response. The Designated Authority should make similar obligations on exporters and treat them non-cooperative for the reasons cited above.
  - i. It is also requested that in calculation of the ex-factory export price, bank charges should also be reduced as deduction from the export price of the exporters for fair comparison.

#### **Examination by the Authority**



**Market Economy claims for Chinese producers**

28. Article 15 of China's Accession Protocol provides as follows:

*"Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:*

- (a) In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:*
  - (i) If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;*
  - (ii) The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.*
- (b) In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then use methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.*
- (c) The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.*
- (d) Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the non-market economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."*

29. Article 15 implies that provisions of one of the sub-paragraph shall expire 15 years from date of China's Accession. The provisions of this sub-paragraph expired on 11<sup>th</sup> Dec., 2016. Since the factum of dumping causing injury to the domestic industry is established based on investigation period, the conditions prevalent during the investigation period alone is relevant, appropriate and necessary for the purpose of present investigation. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review is July 2015 to December 2015. Since the subparagraph of Article 15 was in existence during the period of investigation, the Authority is entitled to use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.

30. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.

31. As per Paragraph 8, Annexure I to the AD Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provides information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:

- a. The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values.
  - b. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts.
  - c. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms.
  - d. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.
32. It is noted that none of producers of subject goods in China PR has claimed market economy treatment. Accordingly, the authority is not required to examine any of the above criteria and holds that producers/exporters from China PR are not operating under market economy conditions and therefore has adopted the constructed normal value for determination on normal value in terms of Para-7 to Annexure-1 to the Rules

### **Determination of Normal Value**

33. The Authority sent questionnaires to the known exporters/producers from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed. The following parties have filed exporter questionnaire responses:

#### **I. Korea:**

1. Hyundai Steel Company (Producer)
2. Samwoo Co. Ltd. (Trader)
3. Hyundai Corporation (Trader)
4. P & A corporation (Trader)
5. Main Steel Co. Ltd. (Trader)
6. EIN Corporation (Trader)
7. GS Global Corp. (Trader)
8. POSCO Asia Company Ltd (Trader)
9. POSCO, Korea (Producer)
10. Daewoo International (*Name changed w.e.f. 14<sup>th</sup> March 2016 to POSCO Daewoo Corporation*) (Trader)
11. POSCO Processing & Services Co. Ltd. (Trader)
12. Samsung C&T Corporation (Trader)

#### **II. Japan**

13. Hanwa Co. Ltd. (Trader)
14. Mitsui & Co. Ltd. (Trader)
15. Marubeni Itochu Steel Inc. (Trader)
16. JFE Steel Corporation (Producer)
17. JFE Shoji Trade Corporation (Trader)
18. Honda Trading corporation (Trader)
19. Ohmi Industries Ltd. (Trader)
20. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation (Trader)
21. Shmiso Corporation (Trader)
22. Nisshin Steel Co. Ltd. (Producer)
23. Sumitomo Corporation (Trader)
24. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation (Producer)

25. Kanematsu Corporation Ltd. (Trader)
26. Toyota Tshusho Corporation (Trader)
27. Metal One Corporation (Trader)
28. Nissan Trading Corporation (Trader)
29. Uttam Galva International FZE, UAE (Trader)
30. Uttam Galva International Pte. Ltd., Singapore (Trader)
31. Kyusho Co. Ltd., Japan

### III. China PR

32. ZhangjiagangHongchang Steel Plate Co. Ltd. (Producer)
33. Zhangjiagang GTA Plate Co. Ltd. (Producer)
34. Shagang International (Singapore) PTE. Ltd. (Trader)
35. Xinsha International Pte. Ltd. (Trader)
36. ZhangjiagangShajing Heavy Plate Co. Ltd. (Producer)
37. Jiangsu Shagang International Trade Co. Ltd (Trader)
38. Nanjing Iron and Steel Co. Ltd. (Producer)
39. Nanjing Iron and Steel Group International Trade Co. Ltd. (Trader)
40. Singapore Jinteng International Pte. Ltd. (Trader)
41. Angang Group Hong Kong Co. Ltd. (Trader)
42. Angang Steel Company Limited (Producer)
43. Wuyang New Heavy & Wide Steel Plate Co. Ltd. (Producer)
44. Wuyang Iron & Steel Co. Ltd. (Producer)
45. Hebei Iron & steel (Singapore) PET. Ltd. (Trader)
46. Hebei Iron & steel (Hong Kong) International Trade Co. Ltd (Trader)
47. Salzgitter Mannesmann International GmbH (Trader)
48. Ningbo Cimei Import & Export Co. Ltd. (Trader)
49. Lu Qin (Hong Kong) Co. Ltd. (Trader)
50. Burwill Resources Limited (Trader)
51. Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Ltd. (Trader)
52. Steelco Pacific Trading Limited (Trader)

### IV. Indonesia

53. PT Krakatau POSCO, Indonesia

34. None of the producers/exporters of subject goods from Russia and Brazil has filed exporter's questionnaire response.

#### **Determination of Normal Value for producers and exporters in China PR**

35. It is noted that none of the producers of subject goods in China PR has claimed market economy treatment. Therefore, the Authority has adopted the constructed normal value for determination of the normal value in terms of Para-7 to Annexure-1 to the Rules.

#### **Methodology for determination of normal value for producers and exporters in China PR**

36. In view of the above, the normal value for China PR is required to be determined as per the procedure described in Para 7 of the Annexure I to the Anti-dumping Rules. As per the provisions of Para 7 of Annexure I, the normal value in China PR is required to be determined based on domestic selling prices in a market economy third country, or the constructed value in a market economy third country, or the export prices from such a third country to any other country, including India. However, if the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis,

including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted to include reasonable profit margin.

37. In the absence of any reliable price and cost details for the subject goods in any market economy third country, the Designated Authority has constructed the normal value for China PR on the basis of price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin. Accordingly, the Normal Value for all the exporters from China PR has been constructed for PUC and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

#### **Determination of Normal Value for producers and exporters in Korea RP and Japan**

##### **General Methodology for working out Normal Value**

38. It was first determined by the Authority whether the total domestic sales of the subject goods by the producers/exporters in the subject countries were representative when compared to the exports of the subject goods to India.
39. Thereafter, it was examined whether their sales are under ordinary course of trade in terms of Para 2 of the Annexure I to the Anti-dumping Rules. Wherever the producers/exporters have provided transaction wise details of sales made in home market and same have been accepted by the Authority, the said information has been relied upon to determine the normal value of the subject goods sold in the home market.
40. For conducting ordinary course of trade test, the cost of production of the product concerned was examined with reference to the information provided by the producers/exporters and compared with domestic selling price to determine whether the domestic sales were in the ordinary course of trade or not. The authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value for the cooperating producers/exporters where profit making transactions are more than 80% and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value.

##### **Korea RP**

##### **Normal value of cooperating exporters**

##### **Normal Value for M/s Hyundai Steel Company ("Hyundai Steel") Korea RP, (Producer)**

41. During the POI, Hyundai Steel has sold subject goods in the domestic market. All sales in the domestic market were made to non-affiliated parties during the POI. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India. To determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to cost of production of subject goods. If profit making transactions are more than 80%, then the authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value. Hyundai Steel has claimed adjustment on account of credit cost & inland freight and the same have been allowed by the Authority. Accordingly, normal value at ex-factory level for Hyundai Steel has been determined for HR Coils and HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

##### **Normal Value for M/s POSCO, Korea RP (Producer)**

42. During the POI, POSCO has sold the subject goods in the domestic market to related and unrelated parties. The Authority notes only one related party M/s. POSCO P&S has filed questionnaire response. However, it is also noted that more than \*\*\*% of the domestic sales have been made to non-affiliated parties during the POI. Therefore, the Authority accepts the domestic sales for the purpose of determining the normal value. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India. All domestic sales transactions have been considered for determination of the normal value. To determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of the subject goods. If profit making transactions are more than 80%, then the authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value.
43. POSCO has claimed adjustment on account of inland freight, loading charge, packing cost, commission, warranty cost, credit expense, indirect selling expenses & level of trade. The authority has not accepted the adjustments for warranty cost, indirect selling expenses & level of trade as no reasonable basis and justification was provided to the authority in support of such adjustments. Accordingly, weighted average normal value at ex-factory level for POSCO has been determined for HR Coils and HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**M/s Samwoo Co., Ltd., (“Samwoo”), Korea RP**

44. M/s Samwoo Co. Ltd., Korea RP has filed a questionnaire response claiming to be a producer of the subject goods. It is noted by the Authority that Samwoo is involved in merely pickling and oiling process after purchasing HR Coils from various producers of HR Coils in Korea RP. Samwoo has not provided any details regarding the producers of HR Coils from whom it has purchased HR Coils. Therefore, the authority is unable to determine the normal value for Samwoo and does not accept the response filed by Samwoo for the purpose of the present findings. Accordingly, the normal value for Samwoo is based on facts available with the authority and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Normal Value for non-cooperating producers and exporters from Korea RP**

45. The Authority notes that no other producer/exporter from Korea RP has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Korea RP, the Authority has determined normal value at ex-factory level for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Normal Value for Japan****Normal Value for M/s JFE Steel Corporation Japan (Producer) (“JFE”)**

46. During the POI, JFE has sold the subject goods in domestic market to related and unrelated parties. The authority notes that only one of the related party JFE Shoji Trading has filed their response. However, it is also noted by the authority that domestic sales made to non-cooperative related parties are insignificant in terms of total domestic sales. Therefore, the Authority accepts the domestic sales of JFE for the purpose of determination of normal value. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India.
47. To determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of subject goods. If profit making transactions are more than 80%, then the authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value.
48. JFE has claimed adjustment on account of discounts, inland freight, handling, storage and commission. The Authority has accepted all the adjustments. Accordingly, weighted average normal value at ex-factory level for JFE has been determined for HR Coils and HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Normal Value for M/s Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation (“NSSMC”)**

49. During the POI, NSSMC has sold the subject goods in domestic market to related and unrelated parties. The authority notes only two related parties, M/s. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation and Nippon Steel & Sumikin Pipe Co. Ltd, have filed their response. However, it is also noted by the authority that domestic sales made to non-cooperative related parties are very insignificant in terms of total domestic sales. Therefore, the Authority accepts the domestic sales for the purpose of determination of normal value. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India.
50. To determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of subject goods. If profit making transactions are more than 80%, then the authority has considered all the transactions in the domestic market for the determination of the normal value and in cases, where profitable transactions are less than 80%, only profitable domestic sales have been taken into consideration for the determination of the normal value.
51. NSSMC has claimed adjustment on account of price adjustments, rebate, early payment, inland freight, insurance, credit cost, storage and handling. The authority has accepted all the adjustments except early payment as authority has noted that the early payment rebate is far more higher than the credit cost actually claimed by NSSMC. Accordingly, the normal value at ex-factory level for NSSMC has been determined for HR Coils and HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Nisshin Steel Co. Ltd.**

52. The authority notes that Nisshin Steel Co. Ltd (“NSC”) has submitted the exporters’ response claiming to be producer of subject goods and informed that it has exported the subject goods through traders in Japan. However, the authority notes that NSC has not submitted any details about domestic sales in Appendix-1 and other costing information. With regard to exports to India, NSC has submitted only Appendix-2A and 2B which are also grossly incomplete. Therefore, the authority is unable to determine the normal value for NSC in the absence of any information and rejects the response filed by NSC. Accordingly, the normal value for NSC is based on the facts available with the authority and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Normal Value for non-cooperating producers and exporters from Japan**

53. The Authority notes that no other producer/exporter from Japan has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Japan, the Authority has determined normal value at ex-factory level for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Normal Value for Indonesia****Determination of Normal Value for M/s PT Krakatau POSCO, Indonesia**

54. The Authority notes that M/s PT Krakatau POSCO, Indonesia has belatedly filed the exporter's questionnaire response. It has been stated by M/s PT Krakatau POSCO that they have exported the subject goods to India through various trading companies. However, some of these trading companies named by M/s PT Krakatau POSCO have not reported the exports of the subject goods to India in their response which are manufactured by M/s PT Krakatau POSCO. Due to this suppression of vital information by the traders, the Authority does not accept the response of M/s PT Krakatau POSCO and determines the normal value for the company on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Determination of Normal Value for other producers and exporters in Indonesia**

55. The Authority notes that no other producer/exporter from Indonesia has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Indonesia, the Authority has determined normal value at ex-factory level for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Determination of Normal Value for producers and exporters in Russia**

56. The Authority notes that no producer/exporter from Russia has responded to and cooperated with the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Russia, the Authority has determined normal value at ex-factory level for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Determination of Normal Value for producers and exporters in Brazil**

57. The Authority notes that no producer/exporter from Brazil has responded to and cooperated with the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Brazil, the Authority has determined normal value at ex-factory level for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**EXPORT PRICE****Export Price for Korea RP****Export Price for M/s Hyundai Steel Company, Korea RP (Producer) along with M/s GS Global Corp. Korea RP, M/s Hyundai Corporation, Korea RP, M/s Main Steel Co., Ltd. Korea RP, M/s P&A Corporation, Korea RP and Ohmi Industries Ltd., Japan, (Exporters/Traders)**

58. M/s Hyundai Steel Company, a producer of the subject goods in Korea RP, has filed the questionnaire response along with its unrelated trading companies', namely, GS Global Corp. Korea RP, M/s Hyundai Corporation, Korea RP, M/s Main Steel Co., Ltd. Korea RP, M/s P&A Corporation, Korea RP and Ohmi Industries Ltd, Japan. These trading companies exported of the subject goods to India manufactured by the Hyundai Steel during the POI. All of these Exporters/Traders have filed their Questionnaire responses with the Authority.
59. The authority notes that Hyundai Steel has exported the subject goods as HR Coils, HR PO Coils and HR not in Coils (Sheets/Plates). The export sales of Hyundai Steel through its unrelated trading companies are on FOB/CFR basis. Hyundai Steel has claimed adjustment on account of inland freight, ocean freight, handling charge, inspection fee, bank charge, warehouse expenses, insurance fee and credit expenses and the same have been allowed. Accordingly, the export price has been determined for Hyundai Steel at ex-factory level for HR Coils and HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export price for M/s POSCO, Korea RP (Producer) along with M/s GS Global Corp, Korea RP, M/s Hyundai Corporation, Korea RP, M/s Samsung C&T Corporation, Korea RP, M/s Daewoo International, Korea RP, M/s. POSCO Asia, Korea RP, POSCO P&S, Korea RP, (Exporters/Traders)**

60. M/s POSCO, a producer of the subject goods in Korea RP, has filed a questionnaire response along with its unrelated/related trading companies', namely, M/s GS Global Corp, Korea RP, M/s Hyundai Corporation, Korea RP, M/s Samsung C&T Corporation, Korea RP, M/s Daewoo International, Korea RP, M/s. POSCO Asia, Korea RP, POSCO P&S, Korea RP, who exported the subject goods to India manufactured by the POSCO. POSCO has also

made direct exports to its related company in India, POSCO Maharashtra, during the POI. Further, POSCO has also exported some quantities through other traders who have not filed their questionnaire response with the Designated Authority.

61. However, it is also noted by the authority that exports to India made through non-cooperating related/unrelated parties are very insignificant in terms of total exports to India. The export sales of POSCO through its cooperating unrelated/related trading companies are on FOB/C&F basis. POSCO has claimed adjustment on account of inland freight, ocean freight, loading charge, packing, bank expenses and credit expenses and the same have been allowed. The authority notes that some of the traders have exported the subject goods procured from POSCO to India at a loss. The authority has, therefore, made appropriate adjustments to take care of trader's loss. Accordingly, the weighted average export price has been determined for POSCO at ex-factory level for HR Coils and for HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**M/s Samwoo Co. Ltd., ("Samwoo") Korea RP along with M/s EIN Corporation, Korea RP(Exporter/Trader).**

62. It is noted by the authority that M/s Samwoo Co., Ltd., Korea RP has exported only picked and oiled HR Coils to India. Samwoo is not manufacturing HR Coils but is merely doing pickling/oiling process after purchasing HR Coils from various producers of HR Coils in Korea RP. Therefore, the authority does not accept the response filed by Samwoo for the purpose of the present findings and is unable to determine the export price. Accordingly, the export price for Samwoo is based on the facts available with the authority.

**Export Price for non-cooperating producers and exporters from Korea RP**

63. The Authority notes that no other producer/exporter from Korea RP has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Korea RP, the Authority has determined the export price for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for Japan**

**Export Price for M/s JFE Steel Corporation Japan (Producer) ("JFE") along with Honda Trading Corporation, Japan, JFE Shoji Trade Corporation, Japan Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan, Mitsui & Co. Ltd, Japan, Ohmi Industries, Ltd., Japan, Uttam Galva International Pte. Ltd., Singapore, Uttam Galva International FZE, Dubai and Nissan Trading Co. Ltd, Japan, Shinsho Corporation, Japan and Metal One Corporation, Japan (Exporters/Traders)**

64. JFE has filed the questionnaire response along with its unrelated/related trading companies', namely, Honda Trading Corporation, Japan, JFE Shoji Trade Corporation, Japan Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan, Mitsui & Co. Ltd, Japan, Ohmi Industries, Ltd., Japan, Uttam Galva International Pte. Ltd., Singapore, Uttam Galva International FZE, Dubai and Nissan Trading Co. Ltd, Japan, Shinsho Corporation, Japan and Metal One Corporation, Japan, who exported the subject goods to India manufactured by JFE. Further, JFE has also exported some quantities through other traders who have not filed their questionnaire response with the Designated Authority.
65. However, it is also noted by the authority that the exports to India made through non-cooperative unrelated parties are insignificant in terms of total exports to India. Further, the authority notes that some of the traders have exported the subject goods to India at a price which does not cover traders' expenses. The authority has, therefore, made appropriate adjustments on account of traders' expenses also. JFE has claimed adjustment on account of inland freight, insurance and credit expenses and the same have been allowed. Accordingly, the export price has been determined for JFE at ex-factory level for HR Coils and for HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for M/s Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation ("NSSMC"), Japan along with Hanwa Co. Ltd., Japan, Honda Trading Corporation, Japan, Kanematsu Corporation Ltd., Japan, Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan, Mitsui & Co. Ltd, Japan, Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Japan, Sumitomo Corporation, Japan and Metal One Corporation, Japan (Exporters/Traders)**

66. NSSMC has filed a questionnaire response along with its unrelated/related trading companies', namely, Hanwa Co. Ltd., Japan, Honda Trading Corporation, Japan, Kanematsu Corporation Ltd., Japan, Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan, Mitsui & Co. Ltd, Japan, Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Japan, Sumitomo Corporation, Japan and Metal One Corporation, Japan, who have exported the subject goods to India manufactured by NSSMC. Further, NSSMC has also exported some quantities through other traders who have not filed their questionnaire response with the Authority.
67. The export sales of NSSMC through its unrelated/related trading companies are on FOB basis. NSSMC has claimed adjustment on account of price adjustments, credit cost, rebate, early payment, inland freight, packing & storage and

the same have been allowed. Accordingly, the weighted average export price has been determined for NSSMC at ex-factory level for HR Coils and for HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for non-cooperating producers and exporters from Japan**

68. The Authority notes that no other producer/exporter from Japan has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Japan, the Authority has determined the export price for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for China PR**

**M/s AngangSteel Company Limited, China PR(Producer)**

69. M/s Angang Steel Company Limited (“Angang”) in its questionnaire response submitted that Angang has exported the subject goods to India through related exporter/trader, namely, M/s Angang Group Hong Kong Co., Ltd. (“Angang HK”) and that Angang Group International Trade Corporation (“Angang International”) is acting as commission agent. However, during the verification, it was noted by the authority that commercial invoice to Angang HK are issued by Angang International. No invoices were issued by Angang to Angang HK directly. Since no response has been filed by Angang International, the value chain is not complete and there is suppression of facts by Angang. Accordingly, the Authority does not accept the response of Angang and determines the export price for the company on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**M/s Zhangjiagang GTA Plate Co., Ltd.(GTA), China PR, M/s ZhangjiagangHongchang Steel Plate Co., Ltd.(Hongchang), China PR, M/s ZhangjiagangShajing Heavy Plate Co., Ltd., (Shajing), China PR, (Producer/Manufacturer) along with its affiliated /non-affiliated trading companies, namely, M/s Jiangsu Shagang International Trade Co., Ltd., (Shagang International), China PR, M/s Shagang International (Singapore) PTE LTD (Shagang Singapore), Singapore, M/s Xinsha International PTE Ltd., (Xinsha), Singapore, M/s Burwill Resources Limited, BVI, M/s Future Materials Industry (Hong Kong) Co., Ltd., Hongkong, M/s Lu Qin (Hong Kong) Co., Ltd., Hong Kong, M/s Ningbo Cimei Import & Export Co., Ltd., China PR, M/s Steelco Pacific Trading Limited, Hong Kong, M/S GS Global Corp., Korea RP (Exporters/Traders).**

70. M/s Zhangjiagang GTA Plate Co. Ltd. (GTA), M/s Zhangjiagang Hongchang Steel Plate Co., Ltd., (Hongchang) and M/s Zhangjiagang Shajing Heavy Plate Co., Ltd. (Shajing), are related companies and producers of the subject goods. These producers have sold the subject goods to their related company M/s Jiangsu Shagang International Trade Co., Ltd., (Shagang International). Shagang International has further resold the subject goods to M/s Shagang International (Singapore) Pte Ltd., (Shagang Singapore) and M/s Xinsha International Pte Ltd., (Xinsha). Shagang Singapore and Xinsha have resold the subject goods to M/s Burwill Resources Limited, M/s Ningbo Cimei Import and Export Co., Ltd., M/s Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Ltd., M/s Lu Qin (Hong Kong) Company Ltd., M/s Steelco Pacific Trading Ltd., M/S GS Global Corp, M/s B&L Metal (HK) Limited, M/s C.G.S. (Hong Kong) Company Limited and M/s Hangzhou Cogeneration(Hong Kong) Co., Ltd, who in turn have exported the subject goods to India.
71. Out of the above mentioned companies, M/s B&L Metal (HK) Limited, M/s C.G.S. (Hong Kong) Company Limited and M/s Hangzhou Cogeneration (Hong Kong) Co., Ltd., have not filed their questionnaire responses with the authority. However, it is also noted by the authority that export to India made through non-cooperative unrelated traders are very insignificant in terms of total exports to India. The authority has considered only those export quantities for which questionnaire responses have been filed for determination of the export price.
72. The sales to Indian customers are on FOB. The authority has made adjustment for non-refundable VAT from the export price. Accordingly, the export price has been determined for the cooperating producers for Zhangjiagang group at ex-factory level for HR Coils and HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**M/s Wuyang New Heavy & Wide Steel Plate Co., Ltd (“WYNH”), China PR and M/s Wuyang Iron and Steel Co., Ltd. (“WYIS”), China PR through Hebei Iron & Steel (Hong Kong) International Trade Co. Ltd, Hong Kong and Hebei Iron & Steel (Singapore) PTE. Ltd, Singapore, Salzgitter Mannesmann International GmbH, Germany and Burwill Resources Limited, BVI.**

73. WYNH is a producer of HR not in Coils in China PR. WYNH sold HR not in Coils to its related company WYIS in China PR. WYIS exported these goods along with its own manufactured HR not Coils to India through its related companies Hebei Iron & Steel (Hong Kong) International Trade Co., Ltd and Hebei Iron & Steel (Singapore) Pte. Ltd and also through unrelated traders, namely, Salzgitter Mannesmann International GmbH, Germany and Burwill Resources Limited, British Virgin Island. The sales to Indian customers are on FOB/CIF basis. WYNH and WYIS have claimed adjustments on account of inland freight, port handling charges/customs fee, ocean freight, insurance



and bank charges and same have been allowed. The authority has made further adjustment on account of non-refundable VAT. Accordingly, the export price has been determined for WYNH and WYIS at ex-factory level for HR not in Coils and the same is shown in the Dumping Margin Table below..

**M/s Nanjing Iron and Steel Co. Ltd (“NISCO”) through M/s Nanjing Iron and Steel Group International Trade Co. Ltd and Singapore Jinteng International Pte. Ltd.**

74. From the information submitted by M/s Nanjing Iron and Steel Co. Ltd (“NISCO”), the authority notes that NISCO has exported the subject goods to India through related exporter/trader, namely, M/s Nanjing Iron and Steel Group International Trade Co. Ltd and Singapore Jinteng International Pte. Ltd. The traders have exported major quantity through other traders namely Hyundai Corporation, Precious Metal International (HK) Co., Ltd and Hong Kong Baomin Trading Limited. Hyundai Corporation has not reported these exports in its response and Precious Metal International (HK) Co., Ltd and Hong Kong Baomin Trading Limited have not cooperated in with the authority. Therefore, the authority does not accept the response filed by NISCO and is unable to determine the export price. Accordingly, the export price for NISCO is based on the facts available with the authority.

**Export Price for non-cooperating producers and exporters from China PR**

75. The Authority notes that no other producer/exporter from China PR has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in China PR, the Authority has determined the export price for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for Indonesia**

**M/s PT Krakatau POSCO, Indonesia**

76. The Authority notes that M/s PT Krakatau POSCO, Indonesia has belatedly filed the exporter's questionnaire response. It has been stated by M/s PT Krakatau POSCO that they have exported the subject goods to India through various trading companies. However, some of these trading companies named by M/s PT Krakatau POSCO have not reported the exports of the subject goods to India in their response which are manufactured by M/s PT Krakatau POSCO. Due to this suppression of vital information by the traders, the Authority does not accept the response of M/s PT Krakatau POSCO and determines the export price for the company on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for other producers and exporters in Indonesia**

77. The Authority notes that no other producer/exporter from Indonesia has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Indonesia, the Authority has determined the export price for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for producers and exporters in Russia**

78. The Authority notes that no producer/exporter from Russia has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Russia, the Authority has determined the export price for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Export Price for producers and exporters in Brazil**

79. The Authority notes that no producer/exporter from Brazil has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in Brazil, the Authority has determined the export price as for HR Coils and HR not in Coils on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**1) Dumping Margin**

80. The export price to India (net of all the adjustments claimed by the exporters and accepted by the Authority) has been compared with the normal value to determine the dumping margin. The dumping margin during the POI for all the cooperating exporters/producers from the subject countries has been determined as shown in the Dumping Margin table below.

Dumping Margin Table

S. No	Country	Producer	Product	Exporter	NV	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin %
1	Korea RP	M/s Hyundai Steel Company	HR in Coil	1. Hyundai Steel Company, Korea RP 2. M/s GS Global Corp, Korea RP 3. M/s Hyundai Corporation, Korea RP 4. M/s Main Steel Co., Ltd., Korea RP 5. M/s P&A Corporation, Korea RP 6. Ohmi Industries Ltd., Japan	** *	***	***	20-30
			HR Not in Coil	3. M/s GS Global Corp, 4. M/s Hyundai Corporation,	** *	***	***	170-180
			PUC W. Avg.		** *	***	***	30-40
2	Korea RP	M/s POSCO	HR in coil	1. M/s POSCO, Korea RP 2. M/s POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 3. M/s GS Global Corp, Korea RP 4. M/s Hyundai Corporation, Korea RP 5. M/s Samsung C&T Corporation, Korea RP 6. M/s. POSCO Asia, Hong Kong 7. POSCO P&S,	** *	***	***	30-40
			HR not in Coils	1. M/s Daewoo International, 2. M/s GS Global Corp, 3. M/s Hyundai Corporation, 4. M/s Samsung C&T Corporation. 5. M/s. POSCO	** *	***	***	80-90

				Asia, Hong Kong 6. POSCO P&S				
				PUC W. Avg	** *	***	***	40-50
3	Japan	JFE Steel Corporation	HR in Coil	1. Honda Trading Corporation, 2. JFE Shoji Trade Corporation, 3. Metal One Corporation 4. Mitsui & Co. Ltd, 5. Ohmi Industries, Ltd., 6. Uttam Galva International Pte. Ltd., 7. Uttam Galva International FZE 8. Toyota Tshusho Corporation 9. Marubeni-Itochu Steel Inc. Japan	** *	***	***	40-50
			HR not in Coil	1. JFE Shoji Trade Corporation, 2. Metal One Corporation 3. Mitsui & Co. Ltd, 4. Ohmi Industries, Ltd., 5. Toyota Tshusho Corporation 6. Shinsho Corporation, Japan 7. Marubeni-Itochu Steel Inc. Japan 8. Kyusho Co. Ltd. Japan	** *	***	***	40-50
				PUC W. Avg	** *	***	***	40-50
4	Japan	M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation	HR in Coil	1. Hanwa Co., Ltd 2. Honda Trading Corporation, 3. Kanematsu Corporation, Ltd 4. Marubeni-Itochu Steel Inc., 5. Metal One	** *	***	***	30-40

				Corporation, Japan 6. Mitsui & Co. Ltd, 7. Nippon Steel &Sumikin Bussan Corporation 8. Sumitomo Corporation 9. Toyota Tshusho Corporation 10. Ohmi Industries, Ltd.,				
			HR not in Coil	1. Hanwa Co., Ltd 2. Mitsui & Co. Ltd, 3. Nippon Steel &Sumikin Bussan Corporation 4. Sumitomo Corporation 5. Ohmi Industries, Ltd.,	** *	***	***	10-20
			PUC W. Avg		** *	***	***	20-30
5	China PR	1. M/s Zhangjiaga ng GTA Plate Co., Ltd. 2. M/s Zhangjiaga ngHongcha ng Steel Plate Co., Ltd., 3. M/s Zhangjiaga ngShajing Heavy Plate Co., Ltd.,	HR in Coil	1. M/s Jiangsu Shagang International Trade Co., Ltd., 2. M/s Shagang International (Singapore) Pte LTD., 3. M/s Xinsha International PTE Ltd., 4. M/s Burwill Resources Limited, 5. M/s Future Materials Industry (HongKong) Co., Ltd., 6. M/s Lu Qin (Hong Kong) Co., Ltd., 7. M/s Ningbo Cimei Import & Export Co., Ltd., 8. M/s Steelco	** *	***	***	60-70%

				Pacific Trading Limited, 9. M/S GS Global Corp.,				
			HR not in Coil	1. M/s Jiangsu Shagang International Trade Co., Ltd. 2. M/s Shagang International (Singapore) Pte Ltd.	** *	***	***	80-90
			PUC W. Avg		** *	***	***	70-80
6	China PR	1. M/s Wuyang New Heavy & Wide Steel Plate Co., Ltd 2. M/s Wuyang Iron and Steel Co., Ltd.	HR Not in Coil	1. M/s Wuyang Iron and Steel Co., Ltd. 2. Hebei Iron & Steel (Hong Kong) International Trade Co., Ltd 3. Hebei Iron & Steel (Singapore) Pte. Ltd 4. Salzgitter Mannesmann International GmbH Germany 5. Burwill Resources Limited, Hong Kong.	** *	***	***	100-110

**Dumping Margin for other producers and exporters from the subject countries**

81. The Normal Value and export price to India in respect of other producers and exporters in the subject countries has been determined on the basis of best information available. The information provided by the responding exporters has been adopted for the purpose. The dumping margin so worked out is mentioned in the table below.

HR in Coils (in US\$/MT)	Japan	Korea	China	Indonesia	Brazil	Russia
Normal Value	***	***	***	***	***	***
Net Export Price	***	***	***	***	***	***
Dumping Margin	***	***	***	***	***	***
Dumping Margin %	***	***	***	***	***	***
Dumping Margin % Range	70-80%	70-80%	70-80%	70-80%	60-70%	30-40%
HR not in Coils (US\$/MT)	Japan	Korea	China	Indonesia	Brazil	Russia
Normal Value	***	***	***	***	***	***
Net Export Price	***	***	***	***	***	***
Dumping Margin	***	***	***	***	***	***

Dumping Margin %	***	***	***	***	***	***
Dumping Margin % Range	230-240%	260-270%	100-110%	50-60%	85-95%	60-70%

82. It is seen that the dumping margins are quite significant and more than the limits prescribed under the Rules in respect of exports made by all the producers-exporters of the product under consideration from subject countries.

#### **H. Determination of Injury and Causal Links**

83. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure –II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

#### **Views of Exporter, importers and other Interested Parties regarding the injury claims of domestic industry**

84. The submissions made by the opposing interested parties with regard to injury related issues and considered relevant by the authority are as follows:

- a. Prices of raw materials and consumables have fallen globally, leading to fall in prices of steel. The domestic and global prices of major raw material including Iron Ore, Coking Coal and Lubricants etc. declined by 30% to 60% in 2014-15 resulting in reduction in prices of HR Coils by 30% to 35%. On the other hand Indian steel industry while earning windfall profits in the upturn must develop competitiveness to face global competition in the recessionary conditions. Therefore, there is no reason why profitability of the domestic industry should fall.
- b. Only the additional demand has been fulfilled by imports and increased imports should be seen in light of total demand existing in the country.
- c. The flooding of Indian steel market by cheap imports from China PR is based on sustained media campaigns from the petitioners without verification of facts. All shipments from China PR and other countries are against order placed by the Indian industry and thus it is the Indian industry and not the foreign producers who determine the quantum of imports. Moreover, imports under duty free scheme for export production of value added products constitute bulk of the imports of HR Coils. As per JPC data, the imports were also essential to bridge the gap between the domestic production and consumption.
- d. As per transaction-wise DGCIS import data, the consumption of the subject goods in India during the period 2012-2016 increased by 23% and the imports from Russia decreased in relation to the domestic consumption in India.
- e. The share of Russian imports in overall Indian consumption of the PUC did not increase from 2012-2013 to April-December 2015 while this was substantially lower in 2013-14 and 2014-15. Although the prices of Russian imports were the lowest among those of the countries concerned, the market share of Russian imports did not increase contrary to the other countries. NLMK submits that effect of imports from Russia be assessed separately from effects of imports from other countries.
- f. The production level of the DI has not fallen and there is only a slight increase in inventory. Moreover, the fair level of capacity utilization of 76% indicates that the situation is not as threatening as it is made out to be. Market share of 12% is not alarming in light of the fact that domestic production have not increased to cater to the higher demand.
- g. Low levels of capacity utilization of the domestic industry are caused by lack of raw material supply. Governmental ban on mining of iron-ore in 2013-2014 resulted in negative financial results of all steel making companies in India. Low capacity utilization has also been attributed to high costs of coal in India. The demand on coal remains higher than production.
- h. High raw material prices and unreasonable production costs have become key factors of disappointing financial results for the domestic industry. Indian producers had to import raw material and suspend production due to unreasonable production costs.
- i. The domestic industry experienced no injury in 2012-13, 2013-14 and 2014-15. The petitioners increased installed capacity, profitability, cash profits, ROCE while production volumes remained stable.
- j. The petition remains silent about the fact that during half of the POI, JSW Steel Ltd. closed both of its blast furnaces at Vijaynagar and Dolvi plants. According to marketing reports the enhanced facilities achieved the

- highest ever steel production in March, 2016. The negative effect of this factor on financials shall not be attributed to alleged dumped imports.
- k. The domestic steel producers are injured to their own financial imprudence and lack of R&D for cost reduction. They have made investment of billions of dollars in loss making foreign projects.
  - l. Negative financial results of the Petitioners are due to high raw material prices in India and high cost of production. Indian producers import iron ore and coal which make their production costly than the production of companies abroad. Coking coal in India has high ash content which is not suitable for steel industry.
  - m. Decreasing cash profit of the Petitioners is because of the huge financial investments in expanding capacities, interest and dividend payments, loan services etc.
  - n. If the Petitioners were to keep their capacities at the level of 2012-13, the capacity utilization would have increased to nearly 92% in 2013-14 and 2014-15. Thus, wrong managerial decisions and negative impact shall not be attributed to imports.
  - o. Injury to the Petitioners is not due to imports but due to factors like mismanagement or systemic cost problems of the steel industry in India which is isolated from global raw material prices. Marginal costs of Indian steel industry at the beginning of POI were about USD 400 whereas marginal costs of its closest competitor in China were about USD 319 and USD 330 in Europe.
  - p. While the production of the PUC has shown a decline in case of the Petitioners, the production of Supporters and other domestic producers has shown a sharp increase.
  - q. There is a clear break in causal link. The 2.6% market share gained by the Subject Countries is on account of the 7.3% market share lost by imports from other countries. Due to the loss in market share suffered by other countries, Supporters and Petitioners have gained around 5% market share.
  - r. SAIL has unreasonably high employee cost. The turnover of JSW and SAIL dropped by 20% and 14% respectively, while their employee cost was adjusted only by 1-1.5%. On the other hand, Tata Steel's revenue dropped by 8.5% whereby it also ensured a relatively proportionate drop in employee cost (i.e., 6%).
  - s. The export prices of the Petitioners were on average 10% lower of Indian imports price quotations. The Indian domestic industry quoted their export prices at level of USD 302 per MT which was 10% lower than the quotations of foreign producers importing to India, i.e., below the profitability threshold of the DI. This proves the self-inflicted character of alleged injury.
  - t. From the admissions made by JSW Steel Limited and Steel Authority of India Limited (SAIL) in their own Annual Reports, it is clear that there are factors such as low demand and raw material issues affecting the performance of the Petitioners. Despite these impediments, JSW Steel Limited's sales have been increasing in both domestic and foreign markets.
  - u. The Comprehensive Economic Partnership Agreement ("CEPA") was signed between India and Japan on February 16, 2011. During the POI, almost all imports of the PUC from Japan to India have been made subject to the preferential tariff rate. So, it is also important to analyze the facts and data distinctly for Japan as opposed to the other Subject Countries when analyzing injury in view of the current benefits available to both the countries.
  - v. This investigation is carried for two distinguishable products namely HR in coil and HR not in coil. It is essential and inalienable to conduct dumping and injury examinations separately for these two products. Import data with regard to HR not in coils as per para 101 of the preliminary findings shows that the import of this product was only 2076 MT in the POI from Russia out of the total import of 197757 MT into India during POI. This shows had the investigation been separate for "HR not in Coils", then no investigation was permissible against Russia since the import from Russia stood at less than 0.5% which is much below "de minimis".

#### Views of the domestic industry

85. The following are the submissions with regard to injury related issues made by the domestic industry and considered relevant by the Authority:

- a. Imports of the subject goods have increased in absolute terms over the entire period of investigation. Imports of PUC from the subject countries have increased in absolute terms.
- b. Imports of the subject goods have increased relative to production and also relative to consumption in India as well in absolute terms.
- c. Market share of the Domestic Industry has decreased even though demand for the subject goods has been rising in India. This is due to the reason that imports have aggressively captured the increase in demand, while the market share of imports from subject countries sharply increased from 2012-13 to POI (A).

- d. The Domestic Industry has not been able to increase its production and sales commensurate with the increase in demand.
- e. Inventories of the Domestic Industry have been on the rise as the Domestic Industry has not been able to increase its sales despite increase in demand. Imports have been aggressively capturing the demand in India.
- f. There is significant price depression and suppression due to low priced dumped imports coming into India.
- g. The Domestic Industry's profitability and return on capital employed have been drastically affected. This is evident from the fact that the domestic industry was earning decent profits and return on capital employed till 2014-15. However, during the POI, the profits and returns have turned into losses.
- h. The export performance of the Domestic Industry in no way has affected its financial and economic situation. Also, the petitioners have ignored the information related to exports while examining the injury parameters and entire injury analysis is based only on domestic performance of petitioners.
- i. The analysis overwhelmingly indicates that the Domestic Industry is suffering material injury due to increasing dumped imports of PUC into India. There exists a strong nexus between the increase in dumped imports of the subject goods and the material injury being suffered by the Domestic Industry.
- j. At the time of placing orders with the domestic industry, the customers insist that the Domestic Industry must match the price with the offer given by the foreign producer during the same month, though the offer given by a foreign supplier would be delivered only after 2 months. Therefore, the proper comparison for price undercutting should be between the domestic sales realisation with two months lag. If the authority takes into account this time lag issue, price undercutting would be evident.
- k. Interested parties argue that prices of raw materials have declined and consequently there is a fall in prices of the subject goods. Interested parties further argue that the domestic prices of Petitioners are much higher than export prices. Petitioners submit that they have already decreased their prices in line with decrease in raw material prices. The contention of parties that there is a steep decline in raw material prices is incorrect as it does not take into account the cost of transporting the raw material to factory. Further, transportation cost also has consistently increased during the injury analysis period.
- l. It is also pertinent to note that during the recent periods, the landed value of imports of the subject goods have declined much more than the decline in raw material prices. Further, it should be noted that imports have come at grossly low prices and the domestic industry has been forced to match such low prices, to the extent that their prices have gone below the cost of production of the domestic industry.
- m. Interested parties are wrong in claiming that the domestic industry's export prices are lower than the domestic prices. It is important to note that international prices of steel products are already suppressed due to rampant dumping from the subject countries. The domestic industry's export prices are also suppressed. That does not mean that the domestic industry should also sell their products at suppressed prices in their domestic market as well.
- n. Interested parties have submitted that injury being suffered by the domestic industry is due to their own internal factors including wrong managerial decisions, high fixed cost burden, high freight cost, poor infrastructure, raw material crisis, underutilized capacities and inability to meet the quality requirements of specific downstream industry. These claims are very general and without any facts and figures to support. The fact that injury has been caused due to dumped imports of the subject goods in India has already been established above. The domestic industry has been in existence since many years and has been doing well in the past. Infrastructure and capacities are in place with the domestic industry to meet the demand of the subject goods.
- o. It is alleged that the domestic industry is facing losses due to internal managerial issues. If such internal issues actually existed, the domestic industry would not have done well in the past. Therefore, the allegation that the domestic industry is facing losses due to the internal problems is not correct. Moreover, the interested parties in their contentions are unable to substantiate the quality requirement which the domestic industry cannot produce.
- p. The domestic industry submits that the Designated Authority has correctly concluded in the preliminary findings in paragraphs 81 to 84 to cumulatively assess imports of the subject goods. The domestic industry requests the Designated Authority to definitively confirm the aforesaid observations in the final findings. The domestic industry also accepts the injury analysis by the Designated Authority in the preliminary findings. The domestic industry requests that the injury analysis should be definitively confirmed in the final findings.
- q. The domestic industry submits that there are no factors other than dumped imports that are causing injury to the domestic industry. The Designated Authority has provisionally confirmed the same in the preliminary findings. The Designated Authority is requested to definitively confirm its observations on other factors in the final findings.

#### Examination of the issues by the Authority



86. The submissions made by the domestic industry and other interested parties during the course of investigations with regard to injury and causal link and considered relevant by the Authority are examined and addressed as below:
- a. With regard to the submissions of the interested parties that prices of raw materials have declined and consequently there is a fall in prices of the subject goods, the Authority notes that the domestic industry has already decreased its prices in line with decrease in raw material prices. However, there is increase in other expenses such as freight, labour and other conversion costs due to normal inflation.
  - b. The Authority further notes that landed value of imports of the subject goods from the subject countries has declined much more than the decline in raw material prices and the domestic industry has been forced to match such low prices causing material injury to domestic industry.
  - c. With regard to the export performance of the domestic industry, the authority notes that entire injury analysis is based only on the domestic performance of the petitioners.
  - d. The Authority has further analysed the contention by the interested parties that injury being suffered by the domestic industry is due to their own internal factors including wrong managerial decisions, high fixed cost burden, high freight cost and poor infrastructure, raw material crisis, underutilized capacities and inability to meet the quality requirements of specific downstream industry. These claims are very general and without any facts and figures to support. The domestic industry has been in existence since many years and has been doing well in the past. Infrastructure and capacities are in place with the domestic industry to meet the demand of the subject goods. Had these factors impacted the performance of domestic industry, the domestic industry should not be earning profits in previous years.
  - e. With regard to the imports from Russia, the authority notes that imports from Russia are significant and at substantially lower prices.

#### **Cumulative Assessment**

87. Article 3.3 of WTO agreement and Annexure II para (iii) of the Anti-dumping Rules provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:
- m. The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively account for more than seven percent of the import of like article, and
  - n. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
88. The Authority notes that:
- a) The subject goods are being dumped into India from the subject countries. The margins of dumping from each of the subject countries are more than the *de minimis* limits prescribed under the Rules.
  - b) The volume of imports from each of the subject countries is individually more than 3% of the total volume of imports.
  - c) Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate as the exports from the subject countries not only directly compete with the like articles offered by each of them but also the like articles offered by the domestic industry in the Indian market.
89. In view of the above, the Authority considers that it would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from exports of the subject goods from the subject countries.
90. Rule 11 of AD Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net

sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the AD Rules.

### **Volume Effect of Dumped Imports and Impact on Domestic Industry**

#### **Assessment of Demand**

91. The demand of the subject goods has been determined by adding domestic sales of Indian producers of like product with imports of the subject goods from all the countries. For the purpose of present injury analysis, the Authority has relied upon the import data procured from DGCI&S. The Authority notes that demand of the subject goods increased significantly over the injury period as can be seen in the table below:

PUC (MT)	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015- Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Import from subject countries	2,634,251	1,565,538	3,293,421	5,429,979	2,891,814	5,783,628
Imports from other countries	1,172,403	677,995	440,130	346,912	121,849	243,699
Total imports	3,806,654	2,243,533	3,733,551	5,647,060	3,013,664	6,027,327
Domestic sales of petitioners	12,686,998	13,802,597	13,449,196	13,468,873	6,639,969	13,279,938
Domestic sales of supporters	2,569,389	3,585,572	3,258,135	3,812,529	2,017,357	4,034,714
Domestic sale of other producers	2,351,353	4,005,980	3,671,250	3,125,440	1,546,204	3,092,409
Total Demand	21,414,394	23,637,682	24,112,132	26,053,903	13,217,194	26,434,388

#### **Import Volumes and Share of the Subject Countries**

92. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The volume of dumped imports of the subject goods from the subject countries has been analyzed as under:

PUC (MT)	2012-13	2013-14	2014-15	April 15 to Dec 15	POI
China PR	780,273	478,963	1,506,381	1,097,519	831,198
Japan	788,009	613,705	925,778	1,158,637	785,781
Korea RP	674,708	359,463	598,463	1,081,739	760,506
Russia	277,421	74,261	167,778	296,427	257,091
Brazil	113,837	39,058	81,527	160,166	160,166
Indonesia	3	89	13,494	180,527	97,072
Others	1,172,403	677,995	440,130	260,184	121,849
Total	3,806,654	2,243,533	3,733,551	4,235,198	3,013,664

PUC (MT)	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Import from subject countries	2,634,251	1,565,538	3,293,421	5,300,149	2,891,814	5,783,628
Trend	100	59	125	201	110	220
Imports from other countries	1,172,403	677,995	440,130	346,912	121,849	243,699
Trend	100	58	38	30	10	21
Total Imports	3,806,654	2,243,533	3,733,551	5,647,060	3,013,664	6,027,327
Trend	100	59	98	148	79	158
Total Demand	21,414,394	23,637,682	24,112,132	26,053,903	13,217,194	26,434,388
Imports from Subject Countries relative to consumption	12.3%	6.6%	13.7%	20.3%	21.9%	21.9%

93. The authority notes as under from the above table:

- Imports of PUC from the subject countries have increased in absolute terms from 26,34,251MT in 2012-13 to 57,83,628 MT in POI (A).
- Imports of PUC from the subject countries have increased in relation to consumption in India from 12.3% in 2012-13 to 21.9% in POI (A).

94. It is, thus, concluded that imports of the PUC from the subject countries have increased both in absolute terms and in relation to consumption in India.

#### **Price Effect of the Dumped Imports on the Domestic Industry**

95. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows:

*"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."*

96. It has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports of the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any.

#### **Price Undercutting**

97. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product and the average selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex-factory level. The domestic prices and margin of undercutting is shown as per the table below:

PUC(INR/MT)	Japan	Korea	Russia	Brazil	China	Indonesia	Subject Countries
Landed Value	27,489	27,111	27,442	26,247	27,414	25,169	27,218
Domestic Selling Price	***	***	***	***	***	***	***
Price undercutting	(***)	(***)	(***)	***	(***)	***	(***)
Price undercutting as % of Landed Value	(***)	(***)	(***)	***	(***)	***	(***)
Price Undercutting Range%	(5)-5	(5)-5	(5)-5	0 - 10	(5)-5	5 - 15	(5)-5

98. The authority notes that the price undercutting is negative for some of the subject countries but is also of the opinion that for a proper examination, price undercutting should be examined in conjunction with price depression and price suppression and that price undercutting should not be examined in isolation in a situation where the Domestic Industry has been constantly forced to reduce its prices to match with the landed value of imports. If the Domestic Industry does not respond to imports by bringing down its prices, it will lose more customers and the injury would be more severe.

#### **Price Underselling**

99. The Authority has also examined the price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject countries. For this purpose, the NIP determined for the domestic industry has been compared with the landed price of imports. Comparison of weighted average NIP of the domestic industry with weighted average landed price of imports shows as follows:

Underselling	Unit	Japan	Korea	Russia	Brazil	China	Indonesia
Landed Value	INR/MT	27,489	27,111	27,442	26,247	27,414	25,169
W. Avg. Non Injurious Price	INR/MT	***	***	***	***	***	***
Price Underselling	INR/MT	***	***	***	***	***	***
Price Underselling	%	***	***	***	***	***	***
Price Underselling (Range)	%	15%-25%	15%-25%	15%-25%	25%-35%	15%-25%	25%-35%

100. It is seen that the landed price of the subject goods from the subject countries were significantly lower than the NIP determined for the domestic industry.

#### **Price Suppression/Depression**

101. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. The position is shown in the table below:

PUC (Rs. per MT)	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015- Dec 2015	POI (July 2015- Dec 15)
Cost to make and sell	***	***	***	***	***
Trend	100	99	96	94	94
Domestic Selling Price	***	***	***	***	***
Trend	100	102	101	80	77
Landed Value	38,421	40,417	39,122	28,874	27,218
Trend	100	105	102	75	71

102. It is noted that the domestic selling prices of domestic industry have reduced significantly to match the landed value of dumped imports. The imports were thus depressing the prices of the domestic industry in the market.

103. The cost to make and sell has reduced by 6 indexed points whereas the domestic selling price has reduced by 23 indexed units from 2012-13 to POI. The significant reduction in selling price had to be done to match the low priced dumped imports coming into India. It can be seen that the landed value during the same period has reduced by 29 indexed points.

#### **Economic parameters of the domestic industry**

104. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of the performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

#### **Production, Capacity Utilization and Sales**

105. The performance of the domestic industry with regard to production, domestic sales, capacity & capacity utilization was as follows:

PUC (MT)	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Installed Capacity	27,430,926	29,345,600	29,492,267	29,785,600	14,892,800	29,785,600
Total Production	20,995,371	21,566,220	21,841,191	20,076,540	9,622,937	19,245,874
Capacity Utilisation	76.54%	73.49%	74.06%	67.40%	64.61%	64.61%

<b>Domestic Sales</b>	12,686,998	13,802,597	13,449,196	13,468,873	6,639,969	13,279,938
-----------------------	------------	------------	------------	------------	-----------	------------

106. The following can be observed from the above tables:

- o. The production of domestic industry for PUC has reduced significantly from 20,995,371 MT during 2012-13 to 19,245,874 MT during the POI (A).
- p. Capacity utilization of the domestic industry has shown a considerable decline for PUC. The domestic industry has been able to achieve a best capacity utilization of 76.54% during 2012-13. However, this came down to 64.61% during the POI because of the significant increase in dumped imports from the subject countries.

**Profits, profitability, return on investment and cash profits**

PUC	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015- Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
<b>Profit (Rs. Lakhs)</b>	***	***	***	(***)	(***)	(***)
<b>Trend</b>	100	212	327	(505)	(316)	(633)
<b>Profit (Rs./MT)</b>	***	***	***	(***)	(***)	(***)
<b>Trend</b>	100	195	308	(475)	(605)	(605)
<b>Cash Profits (Rs. Lakhs)</b>	***	***	***	(***)	(***)	(***)
<b>Trend</b>	100	157	199	(149)	(102)	(204)
<b>Cash Profit (Rs./MT)</b>	***	***	***	(***)	(***)	(***)
<b>Trend</b>	100	144	187	(141)	(195)	(195)
<b>ROCE %</b>	***	***	***	(***)	(***)	(***)
<b>Trend</b>	100	144	162	(21)	(44)	(44)

107. The authority notes the following from the above tables:

- q. The Domestic Industry's profitability and return on capital employed have been adversely affected due to dumping of subject goods from subject countries. This is evident from the fact that the domestic industry was earning decent profits and return on capital employed till 2014-15. However, during the POI, the profits and returns have turned into losses.
- r. It can be seen from the above tables that domestic industry was earning decent returns till 2014-15. However, due to dumping from subject countries during POI, domestic industry has not been able to recover its cost of sales leave aside earning a reasonable return on capital employed. If the same trend continues, it will be extremely difficult for the domestic industry to raise any investments. Moreover, if the dumping intensifies further, the negative cash flows will increase further and the domestic industry will not be in a position to service its debts.

**Market Share**

108. The effects of the dumped imports on the market share of the domestic industry have been examined as below:

PUC	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015- Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
<b>Demand (MT)</b>	21,414,394	23,637,682	24,112,132	26,053,903	13,217,194	26,434,388
<b>Indexed</b>	100	110	113	122	62	123
<b>Market Share</b>						
<b>Share of Petitioners</b>	59.2%	58.4%	55.8%	51.7%	50.2%	50.2%
<b>Share of Supporters</b>	12.0%	15.2%	13.5%	14.6%	15.3%	15.3%
<b>Share of Other Producers</b>	11.0%	16.9%	15.2%	12.0%	11.7%	11.7%
<b>Share of Subject countries</b>	12.3%	6.6%	13.7%	20.3%	21.9%	21.9%

<b>Share of Other countries</b>	5.5%	2.9%	1.8%	1.3%	0.9%	0.9%
---------------------------------	------	------	------	------	------	------

109. The petitioners have not been able to increase the sales of the PUC commensurate with the increase in demand because of the significant volume of dumped imports coming from the subject countries.

110. It is seen from the above table that market share of the Domestic Industry has decreased even though demand for the subject goods has been rising in India. Further, the authority notes that market share of the imports from the subject countries have increased over the injury period. This is due to the reason that imports have captured the increase in demand.

#### **Inventories**

PUC	2012-13	2013-14	2014-15	POI (Jul 2015- Dec 15)
<b>Inventory (MT)</b>	436,308	519,456	469,530	561,888
<b>Trend (Indexed)</b>	100	119	108	129

111. The authority notes that the Domestic Industry is facing significant accumulated inventories. The levels of inventories have been increasing as compared to the base year. Due to increasing imports, the market share of the Domestic Industry has come down and the increased demand has been significantly captured by imports. As a result, the Domestic Industry is unable to increase its production and sales which is leading to a situation of inventory accumulation over the injury period.

#### **Growth**

PUC	Unit	2013-14	2014-15	April 15 to Dec 15 (A)	POI(A)
<b>Production</b>	%	2.7	1.3	-8.1	-11.9
<b>Cost of Sales</b>	%	-0.7	-3.0%	-2.7	0.3
<b>Selling Price</b>	%	1.5	-0.2	-20.8	-3.4
<b>Profit/ Loss per unit</b>	%	95.1	58.1	-254.2	-296.1
<b>Return on Capital Employed</b>	%	44.3	12.0	-112.9	-126.9

112. The Authority notes that growth of the domestic industry with regard to production, domestic sales, capacity utilization, profits, return on investment, cash profits has been negative.

#### **Ability to raise capital investments**

113. The Authority notes that given the rising demand of the product in the country, the domestic industry has made investments in plant and machinery. However, despite these investments, the performance of the domestic industry has deteriorated considerably and further investment may get adversely affected.

#### **Level of dumping & dumping margin**

114. It is noted that the imports from the subject countries are entering the Indian market at dumped prices and that the margins of dumping are significant.

#### **Factors Affecting Domestic Prices**

115. The examination of the import prices from the subject countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market, etc. shows that the landed value of the imported material from the subject countries is below the non-injurious price of the domestic industry causing significant price under selling in the Indian market. Thus, the factor affecting the domestic prices is landed value of the subject goods from the subject countries.

#### **Conclusion on injury**

116. It is thus seen that there has been an increase in the volume of dumped imports from the subject countries in absolute terms. The imports have increased in relation to consumption and production of the product in India. Imports have thus increased both in absolute terms and in relation to production and consumption in India. Dumped imports have had significant adverse price effect in terms of price suppression and depression. Effect of dumped imports has been to reduce the domestic prices of the subject goods. Low priced dumped imports have forced the domestic industry to fetch a market price which could not even cover its cost. The domestic industry is suffering price underselling. There exists significant price depression and suppression due to low priced dumped imports

coming in India. The dumping margin determined by the Authority is quite significant. With regard to consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that dumped imports from the subject countries have adversely impacted the performance of the domestic industry in respect of production, domestic sales, capacity utilization, inventories, market share, profits, cash profits and return on investment. Inventories with the domestic industry increased. The Domestic Industry's profitability and return on capital employed have been drastically affected. This is evident from the fact that the domestic industry was earning decent profits and return on capital employed till 2014-15. However, during the POI, the profits and returns have turned into losses. Thus, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury.

#### **Causal Link**

117. The Authority has examined whether other factors listed under the Anti-dumping Rules could have contributed to injury to the domestic industry. The examination of causal link between dumping and material injury to the domestic industry has been done as follows:

#### **Imports from third countries**

118. The imports from the countries other than the subject countries are not significant in volume terms so as to cause or threaten to cause injury to the domestic industry. Moreover, the price at which goods are coming from the other countries is much higher than the price at which goods are coming from the subject countries.

#### **Contraction in demand**

119. The demand for the subject goods has shown an increasing trend. Accordingly, fall in demand cannot be the reason for injury to the domestic industry. In fact, the domestic industry has not been able to increase its sale and market share commensurate to increase in demand.

#### **Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers**

120. The Authority notes that there is no trade restrictive practice which could have contributed to the injury to the domestic industry.

#### **Developments in technology**

121. The technology for production of the product concerned has not undergone any change. Thus, developments in technology cannot be regarded as a factor causing injury to the domestic injury.

#### **Changes in pattern of consumption**

122. The domestic industry is producing the type of goods that have been imported into India. Possible changes in the pattern of consumption are not a factor that could have caused claimed injury to the domestic industry.

#### **Export performance**

123. Claimed injury to the domestic industry is not on account of possible significant deterioration in export performance of the domestic industry. In fact, the exports by the domestic industry have not materially declined. In any case, the domestic industry has considered domestic performance wherever possible.

#### **Performance of the domestic industry with respect to other products**

124. The Authority notes that the performance of other products being produced and sold by the domestic industry has not affected the assessment made by the Authority of the domestic industry's performance. The information considered by the Authority is with respect to the product under consideration only.

#### **Productivity of the domestic industry**

125. The Authority notes that the deterioration in productivity has not caused injury to the domestic industry.

#### **Factors establishing causal link**

126. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated due to dumped imports from the subject countries. Causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

- Imports of the PUC from the subject countries have increased in absolute terms.
- Imports of the subject goods have increased relative to consumption in India.
- Market share of the Domestic Industry has decreased even though demand for the subject goods has been rising in India. This is due to the reason that imports have aggressively captured the increase in demand.

- The Domestic Industry has not been able to increase its production and sales commensurate with the increase in demand.
- Inventories of the Domestic Industry have been on the rise, as the Domestic Industry has not been able to increase its sales despite increase in demand. Imports have been aggressively capturing the demand in India.
- There is significant price suppression and depression due to low priced dumped imports coming in to India.
- The Domestic Industry's profitability and return on capital employed have been drastically affected. This is evident from the fact that the domestic industry was earning decent profits and return on capital employed till 2014-15. However, during the POI, the profits and returns have turned into losses.

127. The above analysis indicates that the Domestic Industry is suffering material injury due to increasing dumped imports of PUC into India. There exists a strong nexus between the increase in dumped imports of the subject goods and the material injury being suffered by the Domestic Industry.

#### **Conclusion on Injury and Causation**

128. From the above examination of injury and causal link, the Authority concludes that the domestic industry has suffered injury as a result of dumping of the subject goods from the subject countries. There has been a significant increase in the volume of dumped imports from the subject countries in absolute terms throughout the injury period and in relation to production and consumption in India. The dumped imports have had significant adverse effect on the prices of the domestic industry in the market. The dumping margin for the subject countries has been determined and is considered significant. Dumped imports from the subject countries have adversely impacted production, sales and capacity utilization. Market share of the domestic industry has significantly declined whereas that of subject imports has significantly increased. Performance of the domestic industry has significantly deteriorated in respect of profits, cash profits and return on investments. Inventories have increased. The Authority concludes that the domestic industry has suffered injury as a result of dumped imports from the subject countries.

129. The Authority has determined the non-injurious price for the domestic industry and compared with the landed values of the subject imports of the responding exporters to determine the injury margin. The injury margin so determined has been considered for determination of weighted average injury margin. The injury margins have been determined as follows:

#### **Injury Margin**

S.No	Country	Producer	Product	Exporter	NIP	Landed Value	Injury Margin	Injury Margin %
1	Korea RP	M/s Hyundai Steel Company	HR Coil	1. Hyundai Steel Company, Korea RP 2. M/s GS Global Corp, Korea RP 3. M/s Hyundai Corporation, Korea RP 4. M/s Main Steel Co., Ltd., Korea RP 5. M/s P&A Corporation, Korea RP 6. Ohmi Industries Ltd., Japan	***	***	***	20-30



			HR Not in Coil	1. M/s GS Global Corp, 2. M/s Hyundai Corporation,	***	***	***	80-90
			PUC W. Avg.		***	***	***	30-40
2	Korea RP	M/s POSCO	HR in coil	1. M/s POSCO, Korea RP 2. M/s POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 3. M/s GS Global Corp, Korea RP 4. M/s Hyundai Corporation, Korea RP 5. M/s Samsung C&T Corporation, Korea RP 6. M/s. POSCO Asia, Hong Kong 7. POSCO P&S,	***	***	***	20-30
			HR not in Coils	1. M/s Daewoo International, 2. M/s GS Global Corp, 3. M/s Hyundai Corporation, 4. M/s Samsung C&T Corporation. 5. M/s. POSCO Asia, Hong Kong 6. POSCO P&S	***	***	***	20-30
			PUC W. Avg		***	***	***	20-30
3	Japan	JFE Steel Corporation	HR in Coil	1. Honda Trading Corporation, 2. JFE Shoji Trade Corporation, 3. Metal One Corporation 4. Mitsui & Co. Ltd, 5. Ohmi Industries, Ltd., 6. Uttam Galva International Pte. Ltd., 7. Uttam Galva International FZE 8. Toyota Tshusho Corporation	***	***	***	30-40

				9. Marubeni-Itochu Steel Inc. Japan				
			HR not in Coil	1. JFE Shoji Trade Corporation, 2. Metal One Corporation 3. Mitsui & Co. Ltd, 4. Ohmi Industries, Ltd., 5. Toyota Tshusho Corporation 6. Shinsho Corporation, Japan 7. Marubeni-Itochu Steel Inc. Japan 8. Kyusho Co. Ltd. Japan	***	***	***	0-10
			PUC W. Avg		***	***	***	25-35
4	Japan	M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation	HR in Coil	1. Hanwa Co., Ltd 2. Honda Trading Corporation, 3. Kanematsu Corporation, Ltd 4. Marubeni-Itochu Steel Inc., 5. Metal One Corporation, Japan 6. Mitsui & Co. Ltd, 7. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation 8. Sumitomo Corporation 9. Toyota Tshusho Corporation 10. Ohmi Industries, Ltd.,	***	***	***	20-30

			HR not in Coil	1. Hanwa Co., Ltd 2. Mitsui & Co. Ltd, 3. Nippon Steel &Sumikin Bussan Corporation 4. Sumitomo Corporation 5. Ohmi Industries, Ltd.,	***	***	(***)	(40-50)
				PUC W. Avg	***	***	***	20-30
5	China PR	1. M/s Zhangjiagang GTA Plate Co., Ltd. 2. M/s ZhangjiagangHongc hang Steel Plate Co., Ltd., 3. M/s ZhangjiagangShajin g Heavy Plate Co., Ltd.,	HR in Coil	1. M/s Jiangsu Shagang International Trade Co., Ltd., 2. M/s Shagang International (Singapore) Pte LTD., 3. M/s Xinsha International PTE Ltd., 4. M/s Burwill Resources Limited, 5. M/s Future Materials Industry (HongKong) Co., Ltd., 6. M/s Lu Qin (Hong Kong) Co., Ltd., 7. M/s Ningbo Cimei Import & Export Co., Ltd., 8. M/s Steelco Pacific Trading Limited, 9. M/S GS Global Corp.,	***	***	***	30-40

			HR not in Coil	1. M/s Jiangsu Shagang International Trade Co., Ltd.  2. M/s Shagang International (Singapore) Pte Ltd.	***	***	***	50-60
				PUC W. Avg	***	***	***	30-40
6	China PR	1. M/s Wuyang New Heavy & Wide Steel Plate Co., Ltd  2. M/s Wuyang Iron and Steel Co., Ltd.	HR Not in Coil	1. M/s Wuyang Iron and Steel Co., Ltd. 2. Hebei Iron & Steel (Hong Kong) International Trade Co., Ltd 3. Hebei Iron & Steel (Singapore) Pte. Ltd 4. Salzgitter Mannesmann International GmbH Germany 5. Burwill Resources Limited, Hong Kong.	***	***	***	40-50

130. The level of dumping margins and injury margins as determined are considered significant.

**Landed Value and Injury Margin for other producers and exporters from the subject countries**

131. The landed value to India in respect of other producers and exporters in the subject countries has been determined on the basis of best available information. The injury margin so worked out is mentioned in the table below.

HR in Coils (US\$/MT)	Japan	Korea	China	Indonesia	Brazil	Russia
NIP	***	***	***	***	***	***
Landed Value	***	***	***	***	***	***
Injury Margin	***	***	***	***	***	***
Injury Margin % of LV	***	***	***	***	***	***
Injury Margin % Range	55-65	40-50	40-50	30-40	15-25	0-10

HR not in Coils (US\$/MT)	Japan	Korea	China	Indonesia	Brazil	Russia
NIP	***	***	***	***	***	***
Landed Value	***	***	***	***	***	***
Injury Margin	***	***	***	***	***	***

Injury Margin % of LV	***	***	***	***	***	***
Injury Margin % Range	60-70	70-80	60-70	40-50	40-50	50-60

#### **Post Disclosure Statement submissions by the Interested Parties**

132. The following comments on Disclosure statement are submitted by interested parties:

- a) The DI in its written submission had provided a list of PCNs which it claimed it can manufacture. However, the DI's list of PCN did not include the list of PCN submitted by the interested parties. Further, the disclosure statement simply mentions a general statement that the DI is manufacturing exactly matching PCN or a closely resembling PCN for each PCN. Disclosure Statement does not provide any information on PCN grades which are claimed by the DI as exactly matching PCN or a closely resembling PCN. This lack of detailed information in the disclosure statement has seriously prejudiced the interested parties in providing a meaningful response as they are not aware as to the details of the PCN manufactured by the DI which closely resembles the respondent's PCNs. Thus, the disclosure statement does not contain all the essential facts, and therefore, is in violation of Article 6.9 of the ADA.
- b) ThyssenKrupp has submitted that the designated authority had stated in the disclosure statement that the domestic industry has demonstrated with evidence that it manufactures HRNO steel. It is evident that the Petitioners do not manufacture or supply the grades of HRNO imported by the Importer (HRNO with silicon content ranging from 0.5% to 3.2%) from the recent e-mail exchange between ThyssenKrupp and Essar Steel India Ltd (one of the petitioners) in which ThyssenKrupp had requested for quote from Essar for HRNO abovementioned grades. However, Essar never replied to the query.
- c) Maruti Suzuki India Limited submitted that the data submitted by it for exclusion of some PCN (on confidential basis) is required to be examined by the Authority to determine whether all such grades are being produced by the domestic industry.
- d) Welspun Corp Limited has submitted that none of the product grades supplied by the DI during the POI are equivalent to the API grades for which exclusion has been demanded by Welspun. Also, even if higher grades of API can technically be used as a substitute for lower grades of API, the same is not commercially viable. For example, X65 can be used in place of X46. However, the two differ significantly in terms of associated price. The authority has not considered the submissions made by interested parties and has carried forward conclusion drawn in the preliminary finding to the Disclosure statement.
- e) Various interested parties have submitted that the net export price determined for them is at variance as compared to the information provided by them in the questionnaire response as well as the details of net export price submitted with the authority. The authority is requested to correct the dumping margin and net export price for these companies.
- f) PJSC NOVOLIPETSK Steel (NLMK) has offered for price undertaking in accordance with Article 15 of the Anti-Dumping Rules whereby the minimum price would be established on the injury elimination level, in case the Designated Authority finds substantiated reasons for changing the approach and proceeds with a recommendation of ad-valorem duty as a percentage of the net (CIF) price or specific duty as a fixed value for a certain amount of goods.
- g) The time period provided for submitting the response is too short. Considering that the disclosure statement is based on submissions made by multiple parties including 3 companies which are part of the DI, any meaningful comments to the disclosure statement would require review of the previous submissions by the opposing parties and the corresponding essential facts arrived by the Hon'ble DA. This exercise would require a considerable time period and in view of the same, it is submitted that the time period of 2 days is grossly inadequate.
- h) The methodology of PCN comparison for the purpose of likeness test and exclusion, currently applied by the Hon'ble Designated Authority is an erroneous methodology. By not comparing the specification to specification test for the purposes of likeness and exclusion, the Hon'ble

Designated Authority is purposefully including within the fold of the duties such products which the domestic industry could not even produce and then compete. The Hon'ble Designated Authority should have rightfully conducted the comparison of the specification test based on commercial sales made by the Domestic Industry.

- i) NSSMC, Kobe Steel and JFE Steel has submitted that the Hon'ble Designated Authority has made available the confidential dumping margin calculation sheet. However, there is no clarity on how the final normal value and cost were calculated. Crucially, this belated and incomplete disclosure of the margin calculation has severely limited the respondent ability to respond in the prescribed time in a fair manner.
- j) Interested parties have requested the Designated Authority to clarify whether or not duties will be levied separately for HR in-coils and not-in-coils, or on a weighted average basis. The Hon'ble Designated Authority has, for an undisclosed reason, decided to compare injury in a combined manner for HR in coils and HR not-in-coils. However, the injury analysis conducted in the provisional findings was done separately for the two product types covered in the investigation.
- k) It is submitted that the authority must recommend separate duties (in reference price) for HR in coils and HR not-in-coils.
- l) The Authority has not addressed all the non-attributive factors that the interested parties had identified, such as low domestic demand, sharp reduction in input prices, depreciation of currencies, higher usage of external inputs, new capacities etc.
- m) Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation has submitted that the injury margin for the Producer's exports pertaining to HR not-in-coils is negative (minus 40-50%). Therefore, the Hon'ble Designated Authority should recommend a NIL margin of duty for the Producer in line with the requirements of the Anti-Dumping Rules and should not repeat the practice of the Preliminary Finding where the NIL rate of duty was recommended with a pre-condition by way of limiting the scope of products on which the NIL duty was granted.
- n) There has been no disclosure of the methodology being adopted by the Hon'ble Designated Authority with regard to the form of duty.
- o) For this particular product scope, a reference price form of duty would be the most fair form of duty, if duty is to be recommended at all.
- p) Angang Steel Company Limited (Angang) submitted that the rejection of the questionnaire response is not correct. In this regards, Angang submitted that it has explained in its questionnaire response that Angang International is just a commission agent and it issues the commercial invoices on behalf of Angang under its own name. A copy of agreement has also been provided for the same.
- q) M/s Samwoo Co., Ltd. Korea RP has submitted that the response filed by Samwoo should be accepted. Samwoo shall be given separate rate for HRPO manufactured or should be treated as trader of Hyundai Steel Corporation. It is also submitted that conclusion drawn by the Designated Authority that Samwoo Co. Ltd., has purchased subject goods from various producers from Korea RP is incorrect as Samwoo Co. Ltd., has purchased HR Products only from one producer namely Hyundai Steel Company Limited, Korea RP.
- r) The Export data submitted by Nanjing has been rejected without providing any reason of doing so. The authority has maintained the same status as that in preliminary findings for Nanjing without any reasonable justifications of doing so.
- s) It has been submitted that the Hon'ble Designated Authority has incorrectly excluded the effect of the MIP and Safeguard. Although, the intent for imposition of the safeguard duty is different from anti-dumping, both try to protect the domestic industry, both try to protect the domestic industry. Further, MIP renders the POI highly unsuitable for a fair and unbiased analysis of injury. It is necessary to analyse the effect of the MIP and the status of the domestic industry and the imports from the subject country post imposition of the MIP.

- t) JISF has requested exclusion of products such as automotive E&E pipes & tubes machinery etc.
- u) POSCO has submitted that their issue pertaining to TDC agreement has not been addressed by the authority.

**Comments on Disclosure statement by domestic industry:**

133. The following comments on Disclosure statement are submitted by domestic industry:

- a. The domestic industry is of the view that the non-injurious price (NIP) for the domestic industry is understated. In particular, the domestic industry submits that for Essar Steel India's Limited's (Essar), which is a constituent of the domestic industry, actual cost and return on capital employed should be considered for computing the NIP in terms of Annexure III of the AD Rules
- b. From the confidential NIP workings shared by the Designated Authority vide emails dated 3 April 2017 and recent discussions with the Designated Authority, it is understood that certain deductions have been made from the net fixed assets while calculating the return on capital employed for Essar. Further, it was submitted that:
  - i. The Designated Authority should consider all the assets for Essar as reflected in the audited books of accounts.
  - ii. All the amounts have been capitalized in the books of accounts as per the relevant Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accounts of India. There is no reason for the Designated Authority to go beyond the audited books of accounts and disallow any amount on arbitrary basis. There is no provision in the law that allows the Designated Authority to make any such deduction from the assets deployed by the domestic industry.
  - iii. It was also submitted that the deductions made by the Designated Authority are contrary to Annexure III to the AD Rules. The Designated Authority's approach is arbitrary and in violation of principles of natural justice. The above issues should be immediately addressed and all the net fixed assets should be considered in computing the NIP.
- c. From a perusal of the disclosure statement, it seems that injury margin for JFE has come down in comparison to the preliminary findings. This is peculiar as the NIP has increased during the disclosure statement stage in comparison to the preliminary findings stage. As a result, JFE's injury margin could not have come down. The Designated Authority is requested to examine this aspect.
- d. NSSMC's injury margin for HR not in coil is allegedly negative as per the disclosure statement. However, it is to be noted that NSSMC's dumping margin for both HR in coil and HR not in coil as well as weighted average dumping margin is very high. Further, NSSMC's weighted average injury margin is also very high. In view of the high weighted average dumping margin and injury margin, it is respectfully submitted that reference price should be recommended for NSSMC's HR not in coil exports as well. This approach has been consistently followed by the Designated Authority and a recent example is final findings dated 9 December 2016 in anti-dumping investigation concerning imports of seamless tubes & pipes originating in or exported from China PR. Without prejudice to the above, the domestic industry submits that NSSMC's exports of HR not in coils were insignificant during the POI. Such low exports are not representative and therefore, should be disregarded for the purpose of dumping margin calculation and injury margin calculation. The Designated Authority has disregarded low exports for calculating dumping margin and injury margin in several cases before, such as (i) final findings dated 1 April 2016 in anti-dumping investigation concerning imports of Methyl Acetoacetate originating in or exported from United States of America (USA) and China PR, (ii) final findings dated 19 December 2014 in anti-dumping investigation concerning import of Sheet Glass originating in or exported from China PR, and (iii) final findings dated 7 December 2011 in sunset review of anti-dumping

duty imposed on imports of Saccharin originating in or exported from China PR. The Designated Authority is requested to follow its consistent practice as stated above.

- e. These comments are based on the essential facts under consideration and observations disclosed under Rule 16 of the AD Rules. If the essential facts under consideration and observations change at any time, it is requested that another disclosure statement be issued to the Respondents under Rule 16 of the AD Rules for examination and comments and another hearing should also be provided to the domestic industry.

#### Examination of the Authority

134. The Authority notes that most of the submissions by parties are repetitive in nature and were already addressed earlier in the disclosure statement. The findings above ipso facto deal with these arguments of the parties. Further, the Authority has examined submissions of interested parties herein below to the extent relevant and not addressed elsewhere:

- a) Some interested parties have submitted that the DI's list of PCN did not include the list of PCN submitted by the interested parties and that the disclosure statement simply mentions a general statement that the DI is manufacturing exactly matching PCN or a closely resembling PCN for each PCN. Disclosure Statement does not provide any information on PCN grades which are claimed by the DI as exactly matching PCN or a closely resembling PCN. In this regard, the authority observes that the domestic industry provided a list of PCNs manufactured by them during the POI and the opposing interested parties provided a list of PCNs for which exclusion was sought by them. The list provided by domestic industry was provided to all the interested parties. On examination of the list of PCNs provided by the domestic industry and other interested parties, it was noticed that the domestic industry either manufactured exactly matching PCN or a closely resembling PCN for each PCN for which interested parties had requested exclusion. In case of exactly matching PCNs, the opposing interested parties have not raised any objection. The only objection is with regard to closely resembling PCNs. It is pertinent to mention here that one of the parameters in the PCN was quality. Domestic industry had manufactured all the qualities for which exclusion was being sought. The differences in the closely resembling PCNs were only on account of width, thickness, longitudinal edges, surface treatment and heat treatment. Therefore, the claim of opposing interested parties does not have any merit.
- b) With respect to submissions made by various interested parties regarding calculation of their respective normal value, export price and dumping margin, the Authority clarifies that the same have been calculated based on the verified data of the interested parties. Suitable adjustments were made in the export price as per the legal provisions to ensure that comparison in normal value and export price is made at the same level of trade.
- c) Angang Steel Company Ltd. ("Angang") and Angang Group Hong Kong Co., Ltd. ("Angang HK") have submitted that Angang International is the commission agent and not a trader as it books commission as its sales revenue and not the value of the goods. They further argue that commercial invoice issued by Angang International on its behalf is the only invoice between Angang Steel and Angang HK; Angang International organises the export logistics, documentation and customs procedure. This practice is accepted under Chinese Law. They have now provided a copy of an agreement between Angang and Angang International. Such contentions could have been easily examined had Angang International filed a questionnaire response along with verifiable documents in support. Without cooperation from Angang International and in absence of any questionnaire response with verifiable records from Angang International, the Authority is unable to accept the contentions raised by Angang. The Authority confirms its observations regarding determination of export price for Angang on the basis of best facts available.
- d) JFE Steel argues that PCN-wise comparison is inappropriate to decide product exclusions. This is contrary to JFE Steel's earlier consent to the Authority regarding PCN-wise comparison to decide product exclusions. During the second public hearing itself, representatives of all parties including JFE Steel's representatives had consented that PCN-wise comparison should be conducted for deciding product exclusions. Only after the consent of all interested parties, the Authority requested all interested parties during the second public hearing to provide a list of PCNs for which they needed exclusions. Pursuant to this, JFE Steel provided a list of PCNs along with their written submissions filed with the Authority after the second public hearing. The Authority has done a thorough analysis of such exclusion requests. Now, JFE Steel is taking a contrary stand at the very end of the investigation and contending that the Authority should reject PCN-wise comparison, which JFE Steel and other interested parties had themselves agreed to earlier. The process of PCN-wise comparison to decide product exclusions was conducted in a fair, thorough and objective manner and in view of the requests and consent of all interested parties. The Authority is not in a position to disregard this entire exercise just because some interested parties have not found a favourable outcome as a result of this exercise. In view of the above, the Authority does not accept JFE Steel's contentions in their comments on disclosure statement with regard to PCN-wise comparison. As regards sharing calculations with JFE Steel, the Authority has



provided the calculations regarding normal value, export price and dumping margin to JFE Steel. The reason regarding making adjustments in export price of traders have been explained very clearly in the disclosure statement as well as the present findings.

- e) The Authority observes that the product under consideration comprises of hot-rolled steel in coils and hot-rolled steel not- in- coils. Accordingly, the Authority has conducted injury analysis for the product under consideration as a whole. Further, separate duties have been recommended for hot-rolled steel in coils and hot-rolled steel not in coils. Kobe Steel Limited, Nisshin Steel Co. Ltd. and Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation have made similar submissions as JFE Steel Limited, which have already been addressed above. These companies have raised other issues which they had raised earlier also and were dealt with earlier by the Authority.
- f) Thyssenkrupp Electrical Steel India Private Ltd. (“Thyssenkrupp”) argues that the credibility of evidence supplied by the domestic industry regarding HRNO is doubtful. The documentary evidence was examined and the veracity of the evidence was corroborated during on-site verification of the domestic industry. In view of this, the Authority rejects the contentions of Thyssenkrupp regarding exclusion of HRNO from the product scope.
- g) Contentions raised by Kobelco Cranes India Pvt. Ltd. (“KCI”) regarding exclusions of plates from the scope of anti-dumping duty have already been addressed earlier. Further, the Authority has found that PCN-wise comparison of KCI’s PCN list and the domestic industry’s PCNs show that the domestic industry has manufactured all the PCNs or closely resembling PCNs. Therefore, none of KCI’s exclusion requests can be entertained.
- h) The Authority finds that Samwoo Co. Ltd. (“Samwoo”) has failed to substantiate that it is a producer of the subject goods. Samwoo’s response shows that it merely undertakes pickling and oiling process after purchasing HR coils. In view of incomplete information regarding producers of HR coils in the questionnaire response, the Authority has been unable to determine normal value for Samwoo. For the above reasons, the Authority has been unable to determine export price for Samwoo.
- i) Welspun Corp Ltd. (“Welspun”) ‘s request for exclusion of certain API grades on the ground that the domestic industry does not make such identical grades have already been dealt with in the findings above in the PUC related issues . Welspun has further contended that certain specified types of API grades should be excluded from the product scope as the imports are low. To substantiate this, Welspun has provided volumes of imports of certain API grades during the POI but has not disclosed the source of such import volumes or how did it arrive at the volume of imports for each grade. Nevertheless, the Authority’s analysis indicates that imports of API grades were substantial during the POI, and therefore, the claim regarding exclusion of API grades from product scope due to low imports has no merit.
- j) Wuyang New Heavy & Wide Steel Plate Co., Ltd., Wuyang Iron & Steel Co., Ltd., Hebei Iron & Steel (Hong Kong) International Trade Co. Ltd., Hebei Iron & Steel (Singapore) PET. LTD., M/s Burwill Resources Limited, Hong Kong, Salzgitter Mannesmann International GmbH, Germany argue that their export price seems to be at variance with the data submitted by them. The Authority clarifies that the data of these companies have been duly considered and export price has been arrived at accordingly. Suitable adjustments were made in the export price as per the legal provisions to ensure that comparison in normal value and dumping margin is made at the same level of trade. These companies have repeated other issues, which they had raised earlier. The Authority has already addressed such issues in other parts of the present findings.
- k) Japan Iron and Steel Federation (“JISF”) has made very generic submissions and requested for exclusion of products such as “automotive”, “E&E”, “pipes & tubes” and “machinery”. The Authority finds these submissions vague, and thus unacceptable. JISF has not been able to identify even one specific grade or PCN for which they need exclusion. In the absence of any specific request for product exclusion from JISF, the Authority cannot accept JISF’s aforesaid submissions.
- l) Upon issuance of disclosure statement, Maruti Suzuki India Limited (“Maruti”) had one more opportunity to provide a list of PCNs on non-confidential basis for which they needed exclusions along with their comments on disclosure statement. Despite this opportunity, Maruti yet again expressed inability to provide the PCN list on non-confidential basis. The Authority observes that in view of such excessive exercise of confidentiality, the domestic industry has been denied the opportunity to compare Maruti’s PCN list with theirs and offer comment on the same. The essence of PCN-wise comparison was to allow interested parties the opportunity to substantiate with evidence why certain type/ grade of the product under consideration should be excluded from the product scope. This could be accomplished only when interested parties provided list of PCNs on non-confidential basis to the domestic industry for comments, thereby enabling the Authority to examine contentions and evidences provided by both sides to arrive at a fair and objective decision regarding the product exclusion. However, Maruti yet again chose to deny access to its PCN list to the domestic industry

because of its confidentiality claim. This has prevented the Authority from examining their exclusion requests and accordingly the product exclusion requests could not be examined by the Authority.

- m) With regard to the request made by PJSC NOVOLIPETSK regarding price undertaking, the Authority observes PJSC NOVOLIPETSK has not filed any questionnaire response in this investigation. Therefore, the Authority is not in a position to accept this request at this stage.
- n) POSCO, Korea (“POSCO”) and Toyota Kirloskar Motor Private Limited (“Toyota”) argue that certain specific PCNs should have been excluded from the product scope as the same did not feature in the domestic industry’s list of PCNs. However, the Authority notes that the domestic industry has manufactured closely resembling PCNs, because of which POSCO’s and Toyota’s exclusion requests cannot be accepted. POSCO’s contentions regarding TDC Agreements have already been addressed in the present findings. POSCO and Toyota have repeated other issues, which have already been addressed by the Authority in the present findings.
- o) From the information submitted by Nanjing Iron and Steel Co. Ltd (“NISCO”), the Authority notes that NISCO has exported the subject goods to India through related exporter/trader, namely, Nanjing Iron and Steel Group International Trade Co. Ltd and Singapore Jinteng International Pte. Ltd. These traders have exported major quantity through other traders namely Hyundai Corporation, Precious Metal International (HK) Co., Ltd and Hong Kong Baomin Trading Limited. Hyundai Corporation has not reported these exports in its response and Precious Metal International (HK) Co., Ltd and Hong Kong Baomin Trading Limited too have not cooperated with the Authority. Therefore, the Authority does not accept the response filed by NISCO for the purpose of the present findings and is unable to determine the export price. Accordingly, the export price for NISCO is based on the best facts available with the Authority. Further, NISCO supplied certain additional information much after the prescribed time to file questionnaire response. Therefore, the same could not be accepted. NISCO has repeated other issues, which have already been addressed by the Authority elsewhere in the present findings.
- p) Many parties have expressed concern that the time period to file comments on the disclosure statement was short. The Authority notes that the disclosure statement was issued on 31 March 2017 to all parties and all parties were given time till 5 April 2017 to file their comments. This time was reasonable and sufficient for parties to respond.
- q) As regards the domestic industry’s concerns regarding non-injurious price, the Authority observes that non-injurious price has been calculated in accordance with Annexure III of the AD Rules. Regarding their contention on JFE Steel’s injury margin, the Authority observes that the same is in order. Regarding domestic industry’s contention on recommendation of duty on hot-rolled steel not-in-coils for Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation, Japan (NSSMC), the Authority observes that in view of the overall positive dumping margin and injury margin for NSSMC, the Authority has recommended reference price on hot-rolled steel not-in-coils also for NSSMC.
- r) As regards the contentions of various interested parties that anti-dumping duty should take into account safeguard duty on the product, the Authority observes that the safeguard duty notification itself takes care of this aspect. The notification states that safeguard duty shall be levied minus anti-dumping duty, if any. With regard to issue that effect of MIP should have been considered by the authority, the authority observes that MIP is a post POI development and under the AD Rules, the authority is obligated to consider only the POI & previous three years only. The authority’s injury analysis is in accordance with the AD Rules.
- s) All other issues raised by the interested parties have already been addressed in other parts of the present findings.

#### **I. Indian industry’s interest & other issues**

135. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.
136. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these product. The domestic industry submitted that imposition of proposed duty shall have insignificant cost implications for the consumer. Therefore, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

**J. Recommendations**

137. After examining the submissions made and issues raised, and considering the facts available on record, the Authority concludes that:

- (a) The product under consideration has been exported to India from the subject countries below normal value.
- (b) The domestic industry has suffered material injury on account of subject imports from the subject countries.
- (c) The injury has been caused by the dumped imports of the subject goods from the subject countries.

138. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the Anti-Dumping Rules and having established a positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of definitive anti-dumping duty is necessary to offset dumping and injury.

139. Having regard to the lesser duty rule, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, as the difference between the landed value of the subject goods and the amount indicated in Col 8 of the duty table appended below, provided the landed value is less than the value indicated in Col 8. The landed value of imports for this purpose shall be the assessable value as determined by the customs under Customs Tariff Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

**Duty Tables**

No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	7208, 7211, 7225 and 7226	Hot-rolled flat products of alloy or non-alloy steel in coils of a width upto 2100mm and thickness upto 25mm	Korea RP	Korea RP	M/s Hyundai Steel Company	1. M/s Hyundai Steel Company, Korea RP 2. M/s GS Global Corp., Korea RP 3. M/s Hyundai Corporati on, Korea RP 4. M/s Main Steel Co. Ltd., Korea RP 5. M/s P&A Corporati on, Korea RP 6. Ohmi Industries Ltd., Japan	478	MT	US\$
2.	- do -	- do -	Korea RP	Korea RP	M/s POSCO	1. M/s POSCO, Korea RP 2. M/s POSCO Daewoo Corporati on, Korea RP 3. M/s GS Global Corp., Korea RP	489	MT	US\$

No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
						4. M/s Hyundai Corporation, Korea RP 5. M/s Samsung C&T Corporation, Korea RP 6. M/s POSCO Asia, Hong Kong 7. POSCO P&S, Korea RP			
3.	- do -	- do -	Korea RP	Korea RP	Any combination other than S. No. 1 & 2		489	MT	US\$
4.	- do -	- do -	Korea RP	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	489	MT	US\$
5.	- do -	- do -	Any country other than those subject to anti dumpig duty	Korea RP	Any	Any	489	MT	US\$
6.	- do -	- do -	Japan	Japan	JFE Steel Corporation	1. Honda Trading Corporation, Japan 2. JFE Shoji Trade Corporation, Japan 3. Metal One Corporation, Japan 4. Mitsui & Co. Ltd, 5. Ohmi Industries Ltd., Japan 6. Uttam Galva International Pte. Ltd., Singapore 7. Uttam Galva International FZE, UAE 8. Toyota Tshusho Corporation, Japan 9. Marubeni-Itochu Steel Inc.,	489	MT	US\$

No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
						Japan			
7.	- do -	- do -	Japan	Japan	M/s. Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation	1. Hanwa Co., Ltd, Japan 2. Honda Trading Corporation, Japan 3. Kanematsu Corporation Ltd, Japan 4. Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan 5. Metal One Corporation, Japan 6. Mitsui & Co. Ltd, Japan 7. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Japan 8. Sumitomo Corporation, Japan 9. Toyota Tshusho Corporation, Japan 10. Ohmi Industries Ltd, Japan	489	MT	US\$
8.	- do -	- do -	Japan	Japan	Any combination other than S. No. 6 & 7		489	MT	US\$
9.	- do -	- do -	Japan	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	489	MT	US\$
10.	- do -	- do -	Any country other than those subject to anti dumping duty	Japan	Any	Any	489	MT	US\$
11.	- do -	- do -	China PR	China PR	1. M/s Zhangjiagang GTA Plate Co., Ltd. 2. M/s ZhangjiagangHongchang Plate Co., Ltd., 3. M/s ZhangjiagangShajing Heavy Plate Co., Ltd.,	1. M/s Jiangsu Shagang International Trade Co., Ltd., China PR 2. M/s Shagang International (Singapore) Pte LTD., Singapore 3. M/s	489	MT	US\$

No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
						Xinsha Internatio nal PTE Ltd., Singapore 4. M/s Burwill Resources Limited, BVI 5. M/s Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Ltd., Hong Kong 6. M/s Lu Qin (Hong Kong) Co. Ltd., Hong Kong 7. M/s Ningbo Cimei Import & Export Co. Ltd., China PR 8. M/s Steelco Pacific Trading Limited, Hong Kong 9. M/S GS Global Corp., Korea RP			
12.	- do -	- do -	China PR	China PR	Any combination other than S. No. 11		489	MT	US\$
13.	- do -	- do -	China PR	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	489	MT	US\$
14.	- do -	- do -	Any country other than those subject to anti dumping duty	China PR	Any	Any	489	MT	US\$
15.	- do -	- do -	Russia	Russia	Any	Any	489	MT	US\$
16.	- do -	- do -	Russia	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	489	MT	US\$

No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
17.	- do -	- do -	Any country other than those subject to anti dumping duty	Russia	Any	Any	489	MT	US\$
18.	- do -	- do -	Brazil	Brazil	Any	Any	489	MT	US\$
19.	- do -	- do -	Brazil	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	489	MT	US\$
20.	- do -	- do -	Any country other than those subject to anti dumping duty	Brazil	Any	Any	489	MT	US\$
21.	- do -	- do -	Indonesia	Indonesia	Any	Any	489	MT	US\$
22.	- do -	- do -	Indonesia	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	489	MT	US\$
23.	- do -	- do -	Any country other than those subject to anti dumping duty	Indonesia	Any	Any	489	MT	US\$

No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	7208, 7211, 7225 and 7226	Hot-rolled flat products of alloy or non-alloy steel not in coils (commonly known as sheets and plates) of a width upto 4950mm and thickness upto 150mm	Korea RP	Korea RP	M/s Hyundai Steel Company	1. M/s GS Global Corp., Korea RP 2. M/s Hyundai Corporation, Korea RP	561	MT	US\$
2.	- do -	- do -	Korea RP	Korea RP	M/s POSCO	1. M/s POSCO Daewoo Corporation, Korea RP 2. M/s GS Global Corp, Korea RP 3. M/s Hyundai	561	MT	US\$

No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
						Corporation, Korea RP 4. M/s POSCO Asia, Hong Kong 5. POSCO P&S, Korea RP			
3.	- do -	- do -	Korea RP	Korea RP	Any combination other than S. No. 1 & 2		561	MT	US\$
4.	- do -	- do -	Korea RP	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	561	MT	US\$
5.	- do -	- do -	Any country other than those subject to anti dumping duty	Korea RP	Any	Any	561	MT	US\$
6.	- do -	- do -	Japan	Japan	JFE Steel Corporation	1. JFE Shoji Trade Corporation, Japan 2. Metal One Corporation, Japan 3. Mitsui & Co. Ltd, Japan 4. Ohmi Industries, Ltd., Japan 5. Toyota Tshusho Corporation, Japan 6. Shinsho Corporation, Japan 7. Marubeni-Itochu Steel Inc., Japan 8. Kyusho Co. Ltd., Japan	561	MT	US\$
7.	- do -	- do -	Japan	Japan	M/s Nippon Steel & Sumitomo Metal Corporation	1. Hanwa Co. Ltd, Japan 2. Mitsui & Co. Ltd, Japan 3. Nippon Steel & Sumikin Bussan Corporation, Japan 4. Sumitomo Corporation, Japan 5. Ohmi Industries Ltd, Japan	561	MT	US\$
8.	- do -	- do -	Japan	Japan	Any combination other than S. No. 6 & 7		561	MT	US\$
9.	- do -	- do -	Japan	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	561	MT	US\$



No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
10.	- do -	- do -	Any country other than those subject to anti dumping duty	Japan	Any	Any	561	MT	US\$
11.	- do -	- do -	China PR	China PR	1. M/s Zhangjiagang GTA Plate Co., Ltd. 2. M/s Zhangjiagang Hongchang Plate Co., Ltd., 3. M/s Zhangjiagang Shajing Heavy Plate Co., Ltd.	1. M/s Jiangsu Shagang International Trade Co. Ltd., China PR 2. M/s Shagang International (Singapore) Pte Ltd., Singapore	561	MT	US\$
12.	- do -	- do -	China PR	China PR	1. M/s Wuyang New Heavy & Wide Steel Plate Co. Ltd 2. M/s Wuyang Iron and Steel Co. Ltd	1. M/s Wuyang Iron and Steel Co. Ltd., China PR 2. Hebei Iron & Steel (Hong Kong) International Trade Co. Ltd, Hong Kong 3. Hebei Iron & Steel (Singapore) PTE. Ltd, Singapore 4. Salzgitter Mannesmann International GmbH, Germany 5. Burwill Resources Limited, BVI	561	MT	US\$
13.	- do -	- do -	China PR	China PR	Any combination other than S. No. 12 & 13		561	MT	US\$
14.			China PR	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	561	MT	US\$
15.			Any country other than those subject to anti dumping duty	China PR	Any	Any	561	MT	US\$
16.	- do -	- do -	Russia	Russia	Any	Any	561	MT	US\$
17.	- do -	- do -	Russia	Any country other than those subject to anti	Any	Any	561	MT	US\$

No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
				dumping duty					
18.	- do -	- do -	Any country other than those subject to anti dumping duty	Russia	Any	Any	561	MT	US\$
19.	- do -	- do -	Brazil	Brazil	Any	Any	561	MT	US\$
20.	- do -	- do -	Brazil	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	561	MT	US\$
21.	- do -	- do -	Any country other than those subject to anti dumping duty	Brazil	Any	Any	561	MT	US\$
22.	- do -	- do -	Indonesia	Indonesia	Any	Any	561	MT	US\$
23.	- do -	- do -	Indonesia	Any country other than those subject to anti dumping duty	Any	Any	561	MT	US\$
24.	- do -	- do -	Any country other than those subject to anti dumping duty	Indonesia	Any	Any	561	MT	US\$

140. The description of goods does not include the imports of the following:

- a) Hot-rolled flat products of stainless steel.
- b) Hot-rolled flat products of steel which are electrolytically plated or coated with zinc.
- c) Hot-rolled flat products of steel otherwise plated or coated with zinc.
- d) Cladded steel.

141. An appeal against these findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

Dr.INDER JIT SINGH, Designated Authority